खण्ड–484, अंक–1
मंगलवार 14 फाल्गुन, शक संवत् 1934
(05 मार्च, 2013 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(सोलहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2013)

(खण्ड 484 में 10 अंक हैं)

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2013

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे ।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 रुपये, महसूल सहित रु0 724.25 रुपये ।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
विधान सभा के सदस्यों की सूची, महामहिम श्री राज्यपाल, मंत्रि-परिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल के सदस्यों की सूची	1-11
उपस्थित सदस्य	12-18
जनपद प्रतापगढ़ के कुण्डा में सी0ओ0 के हत्यारों की गिरफ्तारी किये जाने की मांग (जारी)	19-20
प्रश्नोत्तर	20-65
जनपद प्रतापगढ़ के कुण्डा में सी0ओ0 के हत्यारों की गिरफ्तारी किये जाने की मांग..	65-69
वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा	69-89
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें	90-91
प्रदेश के विकलांग खिलाड़ियों को सामान्य खिलाड़ियों की भांति सुविधायें प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	91
कानपुर नगर की हंसपुरम् कालोनी के सेक्टर ए0बी0 3 एवं 4 में आवश्यक अवस्थापना सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	92
शाहजहांपुर नगर के अधिकांश मोहल्लों में विद्युत तारों एवं खम्भों को व्यवस्थित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	92
जनपद वाराणसी की कतिपय कालोनियों में पोल लगाकर स्थायी रूप से विद्युत आपूर्ति किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	93
जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र रूदौली व मिल्कीपुर क्षेत्रान्तर्गत क्षतिग्रस्त रूदौली-अमानीगंज- मिल्कीपुर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	93-94
जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र मोदीनगर में हापुड़-मोदीनगर मार्ग से ग्राम मछरी ब्लाक भोजपुर तक के क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	94
जनपद बरेली की तहसील आंवला के ग्राम बरसेर में श्री नत्थूलाल के घर में लगी आग से हुये नुकसान का मुआवजा दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	94
जनपद शाहजहांपुर के थाना निगोही में श्री राम के अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	94-95

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र आगरा ग्रामीण के कतिपय मार्गों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	95
गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र साहिबाबाद में विद्युत आपूर्ति से प्राप्त होने वाले रेवेन्यू कलेक्शन को देखते हुये विद्युत की आपूर्ति सुचारू रूप से किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	95
जनपद सीतापुर की निवासिनी श्रीमती जमीला को उनके द्वारा क्रय की गई भूमि पर कब्जा दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	96
जनपद फिरोजाबाद में हाथरस डिवीजन द्वारा बरहन रजवाहा में नियामतपुर बनकट रोड से जाने वाली माइनर नगला सिंगी की तरफ व नगला बलू की तरफ जाने वाली माइनर की सफाई न होने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	96
जनपद फतेहपुर के निर्वाचन क्षेत्र बिन्दकी के निवासियों की कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुये तहसील बिन्दकी में मुंसिफ न्यायालय की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	96-97
जनपद देवरिया के विकास खण्ड भाटपार रानी के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कटघरा के अध्यापकों के रुके हुये वेतन को दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	97
जनपद लखीमपुर खीरी के अधिकांश क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	97-98
जनपद बुलन्दशहर के विकास खण्ड सिकन्दराबाद के अन्तर्गत दुलहैरा गांव का विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	98
औचित्य के प्रश्न की सूचनायें	98-99
सदन व्यवस्थित किये जाने का अनुरोध	99
विधान सभा सत्र के दौरान नीति सम्बन्धी घोषणाएं सदन से बाहर करने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न	100-101
कृषकों को मुफ्त बिजली दिये जाने तथा विभिन्न श्रेणी की विद्युत दरों को सदन में की गयी घोषणा के विपरीत बढ़ाये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न	101
सरकारी कामकाज को चुस्त-दुरुस्त एवं जिम्मेदार बनाने एवं जनहित गारण्टी अधिनियम के बावजूद जनप्रतिनिधियों के पत्रों का जवाब न दिये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न	101-102

विषय	पृष्ठ-संख्या
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन संख्या-1 उत्तर प्रदेश सरकार (सदन के पटल पर रखा गया)...	103
परिवहन अनुभाग-4 की अधिसूचना संख्या-1046/30-4- 2012-4(04)-2010, दिनांक 7 दिसम्बर, 2012 (सदन के पटल पर रखी गयी)... ...	103
उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2012-2013) का प्रथम प्रतिवेदन (प्रस्तुत किया गया)	103
उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2012-2013) का द्वितीय प्रतिवेदन (प्रस्तुत किया गया)	103
उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2012-2013) का तृतीय प्रतिवेदन (प्रस्तुत किया गया)	104
उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति का चतुर्थ प्रतिवेदन (प्रस्तुत किया गया)	104
कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनायें	104-116
वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक में अनुदान की मांगों पर चर्चा एवं मतदान-अनुदान संख्या-54, लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) अनुदान संख्या-55 लोक निर्माण विभाग (भवन), अनुदान संख्या-56 लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम), अनुदान संख्या-57 लोक निर्माण विभाग (संचार-साधन-सेतु), अनुदान संख्या-58 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सड़कें) (जारी)	116-117
लोक निर्माण मंत्री की ओर से सेन्ट्रल हाल कैफेटेरिया में भोजन की व्यवस्था के सम्बन्ध में सदन को सूचना	117
वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक में अनुदान की मांग पर चर्चा एवं मतदान अनुदान संख्या-54, लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान), अनुदान संख्या-55, लोक निर्माण विभाग (भवन), अनुदान संख्या-56, लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम), अनुदान संख्या-57, लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सेतु), अनुदान संख्या-58, लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सड़कें) (स्वीकृत)	117-175
वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक में अनुदान की मांगों पर चर्चा एवं मतदान अनुदान संख्या-59, लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) (स्वीकृत)	175-184
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनायें	184-187

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद कौशाम्बी के सैनी, कोखराज, कौशाम्बी, थाना क्षेत्र के शीतला मां मन्दिर एवं जैन मन्दिर, पालीगांव एवं भैरोबाबा मन्दिर से मूर्तियों एवं घंटों की चोरी एवं राम बदन पाल की निर्मम हत्या किये जाने के सम्बन्ध में श्री केशव प्रसाद (कुशवाहा) मौर्य द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)	187
जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का करोड़ों रुपये बकाया होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में श्री राधेश्याम सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य ...	187-189
जनपद आजमगढ़ के सरायमीर नन्दांव मार्ग की मरम्मत स्वीकृत धनराशि का अवशेष रिलीज कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आलम बदी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत) ...	189
जनपद मथुरा में गोकुल बैराज बनाये जाने के उपरान्त दामोदरपुर आदि गांव जो कि गोकुल बैराज के डूब क्षेत्र में आते हैं, के किसानों की भूमि का मुआवजा तत्काल दिलाये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप माथुर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य ...	190-191
तम्बाकू व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अधिनियम में संशोधन करते हुए एक वस्तु पर एक ही रूप पर समान कर की दर लागू किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत) ...	191
छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के छात्रों को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षा में अविलम्ब शामिल कराने एवं परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति शासन तथा मनमाने ढंग से बढ़ाये गये शुल्क की वापसी कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनुग्रह नारायण सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)	192
जनपद फिरोजाबाद के नगर पालिका/परिषद् फिरोजाबाद के अन्तर्गत जल निगम द्वारा बनायी गयी पेयजल योजना टंकी 1-राजाखुर्द, 2-काशीराम बिहार पेयजल योजना को चालू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश बाबू द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर नगर विकास मंत्री का केवल वक्तव्य	192-193
जनपद हमीरपुर के अन्तर्गत टाउन एरिया सुमेरपुर में बनी हुई रिमझिम लोहा फैक्ट्री द्वारा छोड़े जा रहे गन्दे पानी से फैल रहे प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में साध्वी निरंजन ज्योति द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री के केवल वक्तव्य का स्थगन	193

विषय				पृष्ठ-संख्या
जनपद इलाहाबाद के अन्तर्गत ग्राम पीपलगांव उर्फ शाहपुर शिवाला से ट्रिपल आई0टी0 चौराहे एवं लालमन तालाब तक जलभराव की समस्या से क्षेत्रीय जनता में व्याप्त रोष से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में श्रीमती पूजा पाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पंचायती राज मंत्री का केवल वक्तव्य	...	...	...	193-194
जनपद फैजाबाद के रूदौली क्षेत्रान्तर्गत डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों में की जा रही धांधली के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर समग्र ग्राम्य विकास मंत्री का केवल वक्तव्य	...	...		194-196
नत्थियां ...	...	...	...	197-226

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोलहवीं विधान सभा के सदस्यों की सूची

1. अंसार अहमद, श्री — इलाहाबाद़
2. अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
3. अखिलेश प्रताप सिंह, श्री — देवरिया
4. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
5. अजय मिश्र 'टेनी', श्री — लखीमपुर खीरी
6. अजय, श्री — वाराणसी
7. अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
8. अजय कुमार, डा0 — इलाहाबाद
9. अजय कुमार 'लल्लू', श्री — कुशीनगर
10. अजीत कुमार, श्री — फर्रुखाबाद
11. अजीमुलहक पहलवान, अंसारी, हाजी — अम्बेडकर नगर
12. अताउर्रहमान, श्री — बरेली
13. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
14. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
15. अनिल वर्मा, श्री — उन्नाव
16. अनीसुर्रहमान, श्री — मुरादाबाद
17. अनुग्रह नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
18. अनुप्रिया पटेल, सुश्री — वाराणसी
19. अनूप कुमार गुप्ता, श्री — सीतापुर
20. अनूप सण्डा, श्री — सुल्तानपुर
21. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
22. अब्दुल मशहूद खाँ, श्री — बलरामपुर
23. अभय नरायन सिंह पटेल, श्री — आजमगढ़
24. अभय सिंह, श्री — फैजाबाद
25. अभिषेक मिश्र, श्री — लखनऊ
26. अमर पाल शर्मा, श्री — गाजियाबाद
27. अमित गौरव यादव, श्री — एटा
28. अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
29. अरविन्द कुमार सिंह 'गोप', श्री — बाराबंकी
30. अरविन्द सिंह यादव, श्री — कन्नौज
31. अरूण वर्मा, श्री — सुल्तानपुर
32. अरूण कुमार, डा0 — बरेली
33. अरूण कुमारी कोरी, श्रीमती — कानपुर नगर
34. अलगू प्रसाद चौहान, श्री — सन्तकबीर नगर
35. अली यूसुफ अली, श्री — रामपुर
36. अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, श्री — गोण्डा
37. अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
38. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — लखीमपुर खीरी
39. अविनाश कुशवाहा, श्री — सोनभद्र
40. अशफाक अली खां, श्री — ज्योतिबाफूले नगर
41. आदिल शेख, श्री — आजमगढ़
42. आनन्द सिंह, कुंवर — गोण्डा
43. आबिद रजा खां, श्री — बदायूं
44. आरिफ अनवर हाशमी, श्री — बलरामपुर
45. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
46. आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
47. आशा किशोर, श्रीमती — छत्रपति शाहूजी महराज नगर
48. आशीष कुमार यादव, श्री — एटा
49. आशीष यादव, श्री — बदायूं
50. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
51. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं
52. इकबाल, श्री — बिजनौर
53. इकबाल महमूद, श्री — भीमनगर
54. इन्दल कुमार, श्री — लखनऊ
55. इन्द्रजीत कोरी, श्री — कानपुर नगर
56. इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी
57. इन्द्रपाल सिंह, श्री — रमाबाईनगर
58. इन्द्राणी देवी, श्रीमती — श्रावस्ती
59. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
60. उत्कर्ष वर्मा मधुर, श्री — लखीमपुर खीरी
61. उदयराज, श्री — उन्नाव

62. उदय लाल मौर्या, श्री वाराणसी
63. उपेन्द्र तिवारी, श्री बलिया
64. उमाकान्ती, श्रीमती जालौन
65. उमा भारती, सुश्री महोबा
66. उमाशंकर, श्री बलिया
67. उमेश पाण्डेय, श्री मऊ
68. ओमकार सिंह, श्री बदायूं
69. ओम कुमार, श्री बिजनौर
70. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
71. ओम प्रकाश 'बाबा' दुबे, श्री जौनपुर
72. ओम प्रकाश वर्मा, श्री फिरोजाबाद
73. कमाल अख्तर, श्री ज्योतिबाफूले नगर
74. कमाल यूसुफ मलिक, श्री सिद्धार्थनगर
75. करतार सिंह भड़ाना, श्री मुजफ्फरनगर
76. कलराज मिश्र, श्री लखनऊ
77. काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, नवाब रामपुर
78. काली चरन सुमन, श्री आगरा
79. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
80. कृष्ण कुमार ओझा, श्री बहराइच
81. कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री झांसी
82. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
83. केशव प्रसाद (कुशवाहा) मौर्य, श्री कौशाम्बी
84. कैलाश, श्री गाजीपुर
85. कैलाश चौरसिया, श्री मिर्जापुर
86. कौशल सिंह कुंवर, श्री महराजगंज
87. गंगा सिंह कुशवाहा, श्री कुशीनगर
88. गजराज सिंह, श्री पंचशील नगर
89. गजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
90. गयाचरण दिनकर, श्री बांदा
91. गयादीन अनुरागी, श्री हमीरपुर
92. गायत्री प्रसाद, श्री छत्रपति शाहूजी महराज नगर
93. गिरीश चन्द्र उर्फ गामा पाण्डेय, श्री इलाहाबाद
94. गुटियारी लाल दुवेश, श्री आगरा
95. गुलाब चन्द, श्री जौनपुर
96. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
97. गेंदा लाल चौधरी, श्री महामायानगर
98. गोमती यादव, श्री लखनऊ
99. गोरख पासवान, श्री बलिया
100. चन्द्रभान सिंह पटेल, श्री चित्रकूट
101. चन्द्रा रावत, श्रीमती लखनऊ
102. चितरंजन स्वरूप, श्री मुजफ्फरनगर
103. छोटेलाल वर्मा, श्री आगरा
104. जगतम्बा सिंह, श्री मिर्जापुर
105. जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
106. जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
107. जगपाल, श्री सहारनपुर
108. जगराम पासवान, श्री बलरामपुर
109. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
110. जफर आलम, श्री अलीगढ़
111. जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
112. जमीर उल्ला खां, श्री अलीगढ़
113. जमील अहमद कास्मी, श्री मुजफ्फरनगर
114. जय प्रकाश निषाद, श्री गोरखपुर
115. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
116. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
117. जाकिर अली, श्री गाजियाबाद
118. जाहीद बेग, श्री सन्त रविदास नगर (भदोही)
119. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
120. जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री बस्ती
121. ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती वाराणसी
122. तसलीम, श्री बिजनौर
123. तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय, श्री फैजाबाद
124. तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
125. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
126. त्रिलोकीराम, श्री अलीगढ़
127. दयाशंकर वर्मा, श्री जालौन

128. दलजीत सिंह, श्री बांदा
129. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
130. दिलनवाज खान, श्री बुलन्दशहर
131. दीपक कुमार, श्री उन्नाव
132. दीपक पटेल, श्री इलाहाबाद
133. दीपनारायण सिंह (दीपक यादव), श्री झांसी
134. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
135. देवनरायन उर्फ जी0एम0 सिंह, श्री महराजगंज
136. देवेन्द्र अग्रवाल, श्री महामायानगर
137. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
138. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
139. धर्मपाल सिंह, डा0 आगरा
140. धर्मराज, श्री बाराबंकी
141. धर्मसिंह सैनी, डा0 सहारनपुर
142. धर्मेश सिंह तोमर, श्री पंचशील नगर
143. नजीवा खान जीनत, श्रीमती कांशीराम नगर
144. नदीम जावेद, श्री जौनपुर
145. नन्दिता शुक्ल, श्रीमती गोण्डा
146. नरेन्द्र सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
147. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
148. नवाजिश आलम खान, श्री मुजफ्फरनगर
149. नागेन्द्र सिंह ''मुन्ना यादव'', श्री प्रतापगढ़
150. नारद राय, श्री बलिया
151. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
152. निरंजन ज्योति, साध्वी हमीरपुर
153. नीरज (कुशवाहा) मौर्य, श्री शाहजहांपुर
154. नूर सलीम राणा, श्री मुजफ्फरनगर
155. पंकज कुमार मलिक, श्री प्रबुद्धनगर
156. परवेज अहमद (टंकी), हाजी इलाहाबाद
157. पारस नाथ यादव, श्री जौनपुर
158. पिंकी सिंह, श्रीमती भीमनगर
159. पीटर फैन्थम, श्री नाम-निर्देशित
160. पीतमराम, श्री पीलीभीत
161. पूजा पाल, श्रीमती इलाहाबाद
162. पूनम सोनकर, श्रीमती चन्दौली
163. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
164. पूर्णमासी देहाती, श्री कुशीनगर
165. प्रदीप चौधरी, श्री सहारनपुर
166. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
167. प्रदीप माथुर, श्री मथुरा
168. प्रभुदयाल वाल्मीकि, श्री मेरठ
169. प्रमोद कुमार गुप्ता, श्री औरैया
170. प्रमोद तिवारी, श्री प्रतापगढ़
171. प्रेम प्रकाश सिंह, श्री देवरिया
172. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
173. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
174. फसीहा मंजर ''गजाला लारी'', सुश्री देवरिया
175. फेरन लाल, श्री ललितपुर
176. बंशी सिंह पहाड़िया, श्री बुलन्दशहर
177. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महराजगंज
178. बदलू खां, श्री उन्नाव
179. बब्बन सिंह चौहान, श्री चन्दौली
180. बाबू खां, श्री हरदोई
181. बाबूलाल, श्री गोण्डा
182. बावन सिंह, श्री गोण्डा
183. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
184. बृज लाल सोनकर, श्री आजमगढ़
185. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
186. बृजेश कुमार, श्री हरदोई
187. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
188. बैजनाथ, श्री मऊ
189. ब्रह्माशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
190. भगवत सरन गंगवार, श्री बरेली
191. भगवती प्रसाद, श्री अलीगढ़
192. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
193. भाई लाल कोल, श्री मिर्जापुर
194. भारतेन्द्र, कुंवर बिजनौर
195. भीम प्रसाद सोनकर, श्री अम्बेडकरनगर
196. मदन गोपाल वर्मा, श्री फतेहपुर

197. मदन चौहान, श्री गाजियाबाद
198. मदन सिंह उर्फ सन्तोष, श्री औरैया
199. मधुबाला, श्रीमती सन्त रविदास नगर (भदोही)
200. मनबोध, श्री देवरिया
201. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
202. मनीष रावत, श्री सीतापुर
203. मनोज कुमार, श्री चन्दौली
204. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
205. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
206. ममतेश शाक्य, श्री काशीराम नगर
207. महबूब अली, श्री जे0पी0नगर
208. महावीर सिंह, कुं0 हरदोई
209. महावीर सिंह राणा, श्री सहारनपुर
210. महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा आगरा
211. महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री सीतापुर
212. महेश शर्मा, डा0 गौतमबुद्धनगर
213. माइकल चन्द्रा, श्री जे0पी0नगर
214. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
215. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
216. मानपाल सिंह, श्री काशीराम नगर
217. मित्रसेन यादव, श्री फैजाबाद
218. मुकुट बिहारी वर्मा, श्री बहराइच
219. मुकेश शर्मा, श्री बुलन्दशहर
220. मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप, श्री बहराइच
221. मुख्तार अंसारी, श्री मऊ
222. मुनीन्द्र शुक्ला, श्री कानपुर नगर
223. मुसर्रत अली बिट्टन, श्री बदायूं
224. मुहम्मद गाजी, श्री बिजनौर
225. मुहम्मद रमजान, श्री श्रावस्ती
226. मूलचन्द्र चौहान, ठा0 बिजनौर
227. मो0 अयूब, डा0 सन्तकबीर नगर
228. मो0 आसिफ, श्री फतेहपुर
229. मो0 आसिफ जाफरी, श्री कौशाम्बी
230. मो0 जासमीर अंसारी, श्री सीतापुर
231. मो0 मुस्लिम, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
232. मो0 रेहान, श्री लखनऊ
233. मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
234. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
235. मौ0 अलीम खां, श्री बुलन्दशहर
236. मौ0 इरफान, श्री मुरादाबाद
237. मौहम्मद यूसुफ अंसारी, श्री मुरादाबाद
238. यासर शाह, श्री बहराइच
239. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
240. योगेन्द्रपाल सिंह, श्री रमाबाईनगर
241. योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया', श्री गोण्डा
242. रघुनन्दन सिंह भदौरिया, श्री कानपुर नगर
243. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
244. रघुराज सिंह शाक्य, श्री इटावा
245. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
246. रणजीत सुमन, श्री एटा
247. रमेश चन्द, श्री मिर्जापुर
248. रमेश चन्द्र दुबे, श्री सोनभद्र
249. रमेश प्रसाद कुशवाहा, श्री ललितपुर
250. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
251. रविन्द्र कुमार मोल्हू, श्री सहारनपुर
252. रविन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
253. रविन्द्र भडाना, श्री मेरठ
254. रवि शर्मा, श्री झांसी
255. रश्मि आर्य, डा0 झांसी
256. राकेश कुमार, श्री अलीगढ़
257. राकेश प्रताप सिंह, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
258. राकेश बाबू, श्री फिरोजाबाद
259. राघव लखनपाल, श्री सहारनपुर
260. राजकिशोर सिंह, श्री बस्ती
261. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी

262. राजकुमार रावत, श्री मथुरा
263. राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज, श्री महोबा
264. राजबली जैसल, श्री इलाहाबाद
265. राजमती, श्रीमती गोरखपुर
266. राजाराम, श्री प्रतापगढ़
267. राजीव कुमार सिंह, श्री बाराबंकी
268. राजेन्द्र, श्री गोरखपुर
269. राजेन्द्र सिंह राणा, श्री सहारनपुर
270. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
271. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
272. राजेश यादव, श्री शाहजहांपुर
273. राजेश्वरी, श्रीमती हरदोई
274. राधामोहन दास अग्रवाल, डा0 गोरखपुर
275. राधेलाल रावत, श्री उन्नाव
276. राधेश्याम, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
277. राधेश्याम सिंह, श्री कुशीनगर
278. राधेश्याम जायसवाल, श्री सीतापुर
279. राम करन आर्य, श्री बस्ती
280. रामखिलाड़ी सिंह यादव, श्री भीमनगर
281. रामगोपाल, श्री बाराबंकी
282. राम गोविन्द, श्री बलिया
283. रामचन्द्र चौधरी, श्री सुल्तानपुर
284. रामचन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
285. रामपाल यादव, श्री सीतापुर
286. रामपाल राजवंशी, श्री सीतापुर
287. राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
288. राम मगन, श्री बाराबंकी
289. राममूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
290. राममूर्ती सिंह वर्मा, श्री शाहजहांपुर
291. रामलाल अकेला, श्री रायबरेली
292. रामवीर उपाध्याय, श्री महामाया नगर
293. रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
294. रामशरन, श्री लखीमपुर खीरी
295. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
296. रामस्वरूप सिंह, श्री रमाबाई नगर
297. रामहेत भारती, श्री सीतापुर
298. रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
299. रियाज अहमद, श्री पीलीभीत
300. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
301. रूबी प्रसाद, श्रीमती सोनभद्र
302. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
303. लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, श्री सन्तकबीर नगर
304. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा0 मेरठ
305. लक्ष्मी गौतम, श्रीमती भीमनगर
306. ललितेशपति त्रिपाठी, श्री मिर्जापुर
307. लालमुन्नी सिंह, श्रीमती सिद्धार्थनगर
308. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
309. लोकेश दीक्षित, श्री बागपत
310. वकार अहमद शाह, डा0 बहराइच
311. वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
312. वहाब चौधरी, श्री गाजियाबाद
313. विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
314. विजय कुमार पासवान, श्री सिद्धार्थनगर
315. विजय मिश्र, श्री सन्त रविदास नगर (भदोही)
316. विजय कुमार, डा0 गोरखपुर
317. विजय कुमार दूबे, श्री कुशीनगर
318. विजय कुमार मिश्र, श्री गाजीपुर
319. विजय बहादुर पाल, श्री कन्नौज
320. विजय बहादुर यादव, श्री गोरखपुर
321. विजय सिंह, श्री रामपुर
322. विजय सिंह पुत्र प्रेम सिंह, श्री फर्रुखाबाद
323. विनय तिवारी, श्री लखीमपुर खीरी
324. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
325. विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
326. विवेक कुमार सिंह, श्री बांदा
327. विशम्भर सिंह, श्री बांदा
328. वीरपाल राठी, श्री बागपत

329. वीर सिंह, श्री चित्रकूट
330. वीरेन्द्र सिंह, श्री बरेली
331. वीरेश यादव, श्री अलीगढ़
332. वेदराम भाटी, श्री गौतमबुद्ध नगर
333. शंखलाल मांझी, श्री अम्बेडकरनगर
334. शकुन्तला देवी, सुश्री शाहजहांपुर
335. शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री लखीमपुर खीरी
336. शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
337. शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
338. शाकिर अली, श्री देवरिया
339. शारदा प्रताप शुक्ला, श्री लखनऊ
340. शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, श्री आजमगढ़
341. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
342. शिव कुमार बेरिया, श्री रमाबाई नगर
343. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
344. शिव प्रताप यादव, डा0 बलरामपुर
345. शिवाकान्त ओझा, प्रो0 प्रतापगढ़
346. शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महाराजगंज
347. शेर बहादुर, श्री अम्बेडकरनगर
348. शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री जौनपुर
349. श्यामदेव राय चौधरी (दादा), श्री वाराणसी
350. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
351. श्याम बहादुर सिंह यादव, श्री आजमगढ़
352. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
353. श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
354. श्रीभगवान शर्मा, श्री बुलन्दशहर
355. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ
356. संग्राम यादव, डा0 आजमगढ़
357. संजय कपूर, श्री रामपुर
358. संजय प्रताप जयसवाल, श्री बस्ती
359. सईद अहमद, श्री इलाहाबाद
360. सचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री जौनपुर
361. सतवीर सिंह गुर्जर, श्री गौतमबुद्ध नगर
362. सतीश कुमार निगम 'एडवोकेट', श्री कानपुर नगर
363. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
364. सत्यदेव पचौरी, श्री कानपुर नगर
365. सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री मेरठ
366. सत्यवीर मुन्ना, श्री इलाहाबाद
367. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
368. सन्तराम कुशवाहा, श्री जालौन
369. सन्तोष पाण्डेय, श्री सुल्तानपुर
370. सर्वेश कुमार, कुंवर मुरादाबाद
371. सलिल विश्नोई, श्री कानपुर नगर
372. सावित्री बाई फूले, सुश्री बहराइच
373. सिनोद कुमार शाक्य (दीपू), श्री बदायूं
374. सिबगतुल्ला अंसारी, श्री गाजीपुर
375. सियाराम सागर, डा0 बरेली
376. सीमा, श्रीमती जौनपुर
377. सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री फतेहपुर
378. सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
379. सुदामा प्रसाद, श्री महराजगंज
380. सुदेश शर्मा, श्री गाजियाबाद
381. सुधाकर, श्री मऊ
382. सुधीर कुमार, श्री उन्नाव
383. सुनील कुमार सिंह यादव, श्री सोनभद्र
384. सुनील कुमार लाला, श्री लखीमपुर खीरी
385. सुब्बा राम, श्री गाजीपुर
386. सुभाष पासी, श्री गाजीपुर
387. सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री रायबरेली
388. सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री वाराणसी
389. सुरेश राणा, श्री प्रबुद्धनगर
390. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
391. सुरेश बंसल, श्री गाजियाबाद
392. सुल्तान बेग, श्री बरेली
393. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
394. सूरज पाल सिंह, श्री आगरा

395. सैय्यद कासिम हसन, श्री	फतेहपुर
396. सैय्यदा शादाब फातिमा, श्रीमती	गाजीपुर
397. सोबरन सिंह यादव, श्री	मैनपुरी
398. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	कुशीनगर
399. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री	लखीमपुर खीरी
400. हरिओउम् यादव, श्री	फिरोजाबाद
401. हुकुम सिंह, श्री	प्रबुद्धनगर
402. हेमराज वर्मा, श्री	पीलीभीत
403. हेमलता चौधरी, श्रीमती	बागपत
*404. रिक्त	इलाहाबाद

* श्री महेश नारायण सिंह, निर्वाचन क्षेत्र संख्या-258 हड़िया, जिला इलाहाबाद की दिनांक 11 फरवरी, 2013 के पूर्वाह्न में हुई मृत्यु के फलस्वरूप।

महामहिम राज्यपाल

श्री बी0एल0 जोशी

मंत्रि-परिषद्

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	श्री अखिलेश यादव मुख्य मंत्री	सामान्य प्रशासन, सचिवालय प्रशासन, गृह, गोपन, सतक्रता, नियुक्ति, कार्मिक, सूचना, निर्वाचन, वित्त एवं संस्थागत वित्त, कर एवं निबन्धन (व्यापार कर), न्याय एवं विधायी, नियोजन, अर्थ एवं संख्या, प्रोटोकाल, नागरिक उड्डयन, राज्य सम्पत्ति, आबकारी एवं मद्यनिषेध, ऊर्जा, प्राविधिक शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, पर्यटन, औद्योगिक विकास, भू-तत्व एवं खनिकर्म, वन एवं जन्तु उद्यान, आवास एवं शहरी नियोजन, नगर भूमि, गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन समन्वय, प्रशासनिक सुधार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, दुग्ध विकास, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, पिछड़ा वर्ग कल्याण, कार्यक्रम कार्यान्वयन, राष्ट्रीय एकीकरण, मत्स्य, विकलांग कल्याण, माध्यमिक शिक्षा, मनोरंजन कर, उच्च शिक्षा, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, आयुष, अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, अवस्थापना, समन्वय, सार्वजनिक उद्यम, राजनैतिक पेंशन, भाषा, कृषि विदेश व्यापार, कृषि निर्यात एवं कृषि विपणन, वाह्य सहायतित परियोजना, डा0 अम्बेडकर ग्राम्य विकास, समग्र ग्राम्य विकास, खेलकूद, युवा कल्याण।
2	श्री मोहम्मद आजम खाँ	संसदीय कार्य, मुस्लिम वक्फ, नगर विकास, जल सम्पूर्ति, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, शहरी समग्र विकास, अल्पसंख्यक कल्याण एवं हज।
3	श्री शिवपाल सिंह यादव	लोक निर्माण, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण एवं सहकारिता।
4	श्री अहमद हसन	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण।
5	डा0 वकार अहमद शाह	श्रम एवं सेवायोजन
6	श्री राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह	परिवहन

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
7	श्री आनन्द सिंह	कृषि (कृषि विदेश व्यापार, कृषि निर्यात एवं कृषि विपणन को छोड़कर), कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, धर्मार्थ कार्य।
8	श्री अम्बिका चौधरी	राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वासन तथा लोक सेवा प्रबन्धन।
9	श्री रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया	खाद्य एवं रसद, कारागार
10	श्री बलराम यादव	पंचायती राज
11	श्री अवधेश प्रसाद	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, सैनिक कल्याण।
12	श्री ओम प्रकाश सिंह	भूमि विकास एवं जल संसाधन, परती भूमि विकास
13	श्री पारस नाथ यादव	लघु सिंचाई, पशुधन
14	श्री रामगोविन्द चौधरी	बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा
15	श्री दुर्गा प्रसाद यादव	स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क, पंजीयन, नागरिक सुरक्षा
16	श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी	होमगार्ड्स, प्रांतीय रक्षक दल, व्यावसायिक शिक्षा
17	श्री राजाराम पाण्डेय	खादी एवं ग्रामोद्योग
18	श्री राजकिशोर सिंह	उद्यान
19	श्री शिव कुमार बेरिया	वस्त्र उद्योग एवं रेशम उद्योग

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	श्री राजेन्द्र सिंह राणा	ग्रामीण अभियंत्रण सेवा
2	श्री अरविन्द कुमार सिंह गोप	ग्राम्य विकास
3	श्री भगवत शरण गंगवार	लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन
4	श्रीमती अरूण कुमारी कोरी	महिला कल्याण, संस्कृति

राज्य मंत्री

क्रमांक	नाम	कार्य विभाग (पोर्टफोलियो)
1	2	3
1	श्री इकबाल महमूद	खाद एवं नागरिक आपूर्ति किराया नियंत्रण तथा कारागार
2	श्री महबूब अली	वस्त्र उद्योग एवं रेशम उद्योग
3	श्री शाहिद मंजूर	श्रम, सेवायोजन
4	श्री रियाज अहमद	खादी एवं ग्रामोद्योग
5	श्री फरीद महफूज किदवई	नियोजन
6	श्री वसीम अहमद	बाल विकास, पुष्टाहार व बेसिक शिक्षा
7	श्री नरेन्द्र सिंह यादव	होमगार्ड्स, प्रान्तीय रक्षक दल व व्यावसायिक शिक्षा
8	(डा0) शिव प्रताप यादव	जन्तु उद्यान
9	श्री मूलचन्द्र चौहान	पर्यटन
10	श्री राजीव कुमार सिंह	कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान व धर्मार्थ कार्य
11	श्री अभिषेक मिश्रा	प्रोटोकाल
12	श्री विनोद कुमार सिंह पंडित सिंह	राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वासन तथा लोक सेवा प्रबन्धन।
13	श्री नरेन्द्र वर्मा	समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण व सैनिक कल्याण।
14	श्री राममूर्ति वर्मा	दुग्ध विकास
15	श्री सुरेन्द्र सिंह पटेल	लोक निर्माण एवं सिंचाई
16	श्री चितरंजन स्वरूप	संसदीय कार्य, मुस्लिम वक्फ, नगर विकास, जल सम्पूर्ति व नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, शहरी समग्र विकास, अल्पसंख्यक कल्याण एवं हज।
17	श्री मानपाल सिंह वर्मा	परिवहन
18	श्री कमाल अख्तर	पंचायती राज
19	श्री शंखलाल मांझी	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण।
20	श्री कैलाश चौरसिया	बाल विकास एवं पुष्टाहार व बेसिक शिक्षा
21	श्री रामपाल राजवंशी	खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, किराया नियंत्रण तथा कारागार।
22	श्री मनोज पारस	स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क, पंजीयन व नागरिक सुरक्षा
23	श्री रामकरन आर्य	वाह्य सहायतित परियोजना, डा0 अम्बेडकर ग्रामीण समग्र विकास, खेलकूद व युवा कल्याण।
24	श्री जगदीश सोनकर	भूमि विकास, जल संसाधन एवं परती भूमि विकास

नेता विरोधी दल

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल

अध्यक्ष

श्री माता प्रसाद पाण्डेय

उपाध्यक्ष

रिक्त

प्रमुख सचिव

श्री प्रदीप कुमार दुबे

अधिष्ठाता मण्डल (2012-2013)

1-श्री मित्रसेन यादव, सदस्य, विधान सभा (फैजाबाद)

2-श्री मदन चौहान, सदस्य, विधान सभा (गाजियाबाद)

3-श्री अनूप सण्डा, सदस्य, विधान सभा (सुल्तानपुर)

4-श्री आरिफ अनवर हाशमी, सदस्य, विधान सभा (बलरामपुर)

5-श्री जियाउद्दीन रिजवी, सदस्य, विधान सभा (बलिया)

6-प्रो0 शिवाकान्त ओझा, सदस्य, विधान सभा (प्रतापगढ़)

7-डा0 धर्म सिंह सैनी, सदस्य, विधान सभा (सहारनपुर)

8-श्रीमती हेमलता चौधरी, सदस्य, विधान सभा (बागपत)

9-श्री सुरेश कुमार खन्ना, सदस्य, विधान सभा (शाहजहांपुर)

10-श्री अनुग्रह नारायण सिंह, सदस्य, विधान सभा (इलाहाबाद)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोलहवीं विधान सभा

मंगलवार, दिनांक 05 मार्च, 2013

[विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।]

उपस्थित सदस्य-334

1. अंसार अहमद, श्री — इलाहाबाद
2. अखिलेश कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
3. अखिलेश प्रताप सिंह, श्री — देवरिया
4. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
5. अजय मिश्र 'टेनी', श्री — लखीमपुर खीरी
6. अजय कपूर, श्री — कानपुर नगर
7. अजय कुमार, डा0 — इलाहाबाद
8. अजय कुमार 'लल्लू', श्री — कुशीनगर
9. अजीमुलहक पहलवान, अंसारी, हाजी — अम्बेडकर नगर
10. अताउर्रहमान, श्री — बरेली
11. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
12. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
13. अनिल वर्मा, श्री — उन्नाव
14. अनीसुर्रहमान, श्री — मुरादाबाद
15. अनुप्रिया पटेल, सुश्री — वाराणसी
16. अनूप सण्डा, श्री — सुल्तानपुर
17. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
18. अब्दुल मशहूद खाँ, श्री — बलरामपुर
19. अभय नरायन सिंह पटेल, श्री — आजमगढ़
20. अभय सिंह, श्री — फैजाबाद
21. अभिषेक मिश्र, श्री — लखनऊ
22. अमर पाल शर्मा, श्री — गाजियाबाद
23. अमित गौरव यादव, श्री — एटा
24. अयोध्या प्रसाद पाल, श्री — फतेहपुर
25. अरविन्द कुमार सिंह 'गोप', श्री — बाराबंकी
26. अरविन्द सिंह यादव, श्री — कन्नौज
27. अरूण वर्मा, श्री — सुल्तानपुर
28. अरूण कुमार, डा0 — बरेली
29. अरूण कुमारी कोरी, श्रीमती — कानपुर नगर
30. अलगू प्रसाद चौहान, श्री — सन्तकबीर नगर
31. अली यूसुफ अली, श्री — रामपुर
32. अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह, श्री — गोण्डा
33. अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
34. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — लखीमपुर खीरी
35. अविनाश कुशवाहा, श्री — सोनभद्र
36. अशफाक अली खां, श्री — ज्योतिबाफूले नगर
37. आदिल शेख, श्री — आजमगढ़
38. आनन्द सिंह, कुंवर — गोण्डा
39. आबिद रजा खां, श्री — बदायूं
40. आरिफ अनवर हाशमी, श्री — बलरामपुर
41. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
42. आलोक कुमार शाक्य, श्री — मैनपुरी
43. आशा किशोर, श्रीमती — छत्रपति शाहूजी महराज नगर
44. आशीष कुमार यादव, श्री — एटा
45. आशीष यादव, श्री — बदायूं
46. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री — बदायूं
47. इकबाल महमूद, श्री — भीमनगर
48. इन्दल कुमार, श्री — लखनऊ
49. इन्द्रजीत कोरी, श्री — कानपुर नगर
50. इन्द्रपाल सिंह, श्री — रमाबाईनगर
51. इन्द्राणी देवी, श्रीमती — श्रावस्ती
52. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
53. उत्कर्ष वर्मा मधुर, श्री — लखीमपुर खीरी

54. उदय लाल मौर्या, श्री वाराणसी
55. उपेन्द्र तिवारी, श्री बलिया
56. उमाकान्ती, श्रीमती जालौन
57. उमाशंकर, श्री बलिया
58. उमेश पाण्डेय, श्री मऊ
59. ओमकार सिंह, श्री बदायूं
60. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
61. ओम प्रकाश वर्मा, श्री फिरोजाबाद
62. कमाल अख्तर, श्री ज्योतिबाफूले नगर
63. कमाल यूसुफ मलिक, श्री सिद्धार्थनगर
64. काली चरन सुमन, श्री आगरा
65. कुलदीप सिंह सेंगर, श्री उन्नाव
66. कृष्ण कुमार ओझा, श्री बहराइच
67. कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री झांसी
68. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
69. कैलाश, श्री गाजीपुर
70. कौशल सिंह कुंवर, श्री महराजगंज
71. गंगा सिंह कुशवाहा, श्री कुशीनगर
72. गजराज सिंह, श्री पंचशील नगर
73. गायत्री प्रसाद, श्री छत्रपति शाहूजी महराज नगर
74. गिरीश चन्द्र उर्फ गामा पाण्डेय, श्री इलाहाबाद
75. गुटियारी लाल दुवेश, श्री आगरा
76. गुलाब चन्द, श्री जौनपुर
77. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
78. गेंदा लाल चौधरी, श्री महामायानगर
79. गोमती यादव, श्री लखनऊ
80. गोरख पासवान, श्री बलिया
81. चन्द्रभान सिंह पटेल, श्री चित्रकूट
82. चन्द्रा रावत, श्रीमती लखनऊ
83. चितरंजन स्वरूप, श्री मुजफ्फरनगर
84. छोटेलाल वर्मा, श्री आगरा
85. जगतम्बा सिंह, श्री मिर्जापुर
86. जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
87. जगपाल, श्री सहारनपुर
88. जगराम पासवान, श्री बलरामपुर
89. जन्मेजय सिंह, श्री देवरिया
90. जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री फर्रुखाबाद
91. जय प्रकाश निषाद, श्री गोरखपुर
92. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
93. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
94. जाकिर अली, श्री गाजियाबाद
95. जाहिद बेग, श्री सन्त रविदास नगर (भदोही)
96. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
97. जीतेन्द्र कुमार उर्फ नन्दू चौधरी, श्री बस्ती
98. ज्योत्सना श्रीवास्तव, श्रीमती वाराणसी
99. तसलीम, श्री बिजनौर
100. तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय, श्री फैजाबाद
101. तेजपाल सिंह, श्री मथुरा
102. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
103. त्रिलोकीराम, श्री अलीगढ़
104. दयाशंकर वर्मा, श्री जालौन
105. दलवीर सिंह, श्री अलीगढ़
106. दीपक कुमार, श्री उन्नाव
107. दीपक पटेल, श्री इलाहाबाद
108. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
109. देवेन्द्र अग्रवाल, श्री महामायानगर
110. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
111. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
112. धर्मपाल सिंह, डा0 आगरा
113. धर्मराज, श्री बाराबंकी
114. धर्मसिंह सैनी, डा0 सहारनपुर
115. धर्मेश सिंह तोमर, श्री पंचशील नगर
116. नजीवा खान जीनत, श्रीमती कांशीराम नगर
117. नन्दिता शुक्ल, श्रीमती गोण्डा
118. नरेन्द्र सिंह यादव, श्री फर्रुखाबाद
119. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
120. नागेन्द्र सिंह ''मुन्ना यादव'', श्री प्रतापगढ़

121. नारद राय, श्री बलिया
122. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
123. निरंजन ज्योति, साध्वी हमीरपुर
124. नीरज (कुशवाहा) मौर्य, श्री शाहजहांपुर
125. पंकज कुमार मलिक, श्री प्रबुद्धनगर
126. पारस नाथ यादव, श्री जौनपुर
127. पिंकी सिंह, श्रीमती भीमनगर
128. पीटर फैन्थम, श्री नाम-निर्देशित
129. पीतमराम, श्री पीलीभीत
130. पूजा पाल, श्रीमती इलाहाबाद
131. पूनम सोनकर, श्रीमती चन्दौली
132. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
133. पूर्णमासी देहाती, श्री कुशीनगर
134. प्रदीप चौधरी, श्री सहारनपुर
135. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
136. प्रदीप माथुर, श्री मथुरा
137. प्रभुदयाल वाल्मीकि, श्री मेरठ
138. प्रमोद तिवारी, श्री प्रतापगढ़
139. प्रेम प्रकाश सिंह, श्री देवरिया
140. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
141. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
142. फेरन लाल, श्री ललितपुर
143. बंशी सिंह पहाड़िया, श्री बुलन्दशहर
144. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महराजगंज
145. बदलू खां, श्री उन्नाव
146. बब्बन सिंह चौहान, श्री चन्दौली
147. बाबू खां, श्री हरदोई
148. बाबूलाल, श्री गोण्डा
149. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
150. बृज लाल सोनकर, श्री आजमगढ़
151. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
152. बृजेश कुमार, श्री हरदोई
153. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
154. बैजनाथ, श्री मऊ
155. भगवत सरन गंगवार, श्री बरेली
156. भगवती प्रसाद, श्री अलीगढ़
157. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
158. भाई लाल कोल, श्री मिर्जापुर
159. मदन गोपाल वर्मा, श्री फतेहपुर
160. मदन चौहान, श्री गाजियाबाद
161. मदन सिंह उर्फ सन्तोष, श्री औरैया
162. मनबोध, श्री देवरिया
163. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
164. मनीष रावत, श्री सीतापुर
165. मनोज कुमार, श्री चन्दौली
166. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
167. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
168. ममतेश शाक्य, श्री काशीराम नगर
169. महबूब अली, श्री जे0पी0नगर
170. महावीर सिंह, कुं0 हरदोई
171. महावीर सिंह राणा, श्री सहारनपुर
172. महेन्द्र अरिदमन सिंह, राजा आगरा
173. महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू, श्री सीतापुर
174. माइकल चन्द्रा, श्री जे0पी0नगर
175. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
176. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
177. मित्रसेन यादव, श्री फैजाबाद
178. मुकुट बिहारी वर्मा, श्री बहराइच
179. मुख्तार अंसारी, श्री मऊ
180. मुनीन्द्र शुक्ला, श्री कानपुर नगर
181. मुसर्रत अली बिट्टन, श्री बदायूं
182. मुहम्मद रमजान, श्री श्रावस्ती
183. मूलचन्द्र चौहान, ठा0 बिजनौर
184. मो0 आसिफ, श्री फतेहपुर
185. मो0 आसिफ जाफरी, श्री कौशाम्बी
186. मो0 जासमीर अंसारी, श्री सीतापुर
187. मो0 रेहान, श्री लखनऊ
188. मोहम्मद आजम खां, श्री रामपुर
189. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
190. मौ0 अलीम खां, श्री बुलन्दशहर
191. मौ0 इरफान, श्री मुरादाबाद

192. मौहम्मद युसुफ अंसारी, श्री मुरादाबाद
193. यासर शाह, श्री बहराइच
194. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
195. योगेन्द्रपाल सिंह, श्री रमाबाईनगर
196. योगेश प्रताप सिंह 'योगेश भइया', श्री गोण्डा
197. रघुनन्दन सिंह भदौरिया, श्री कानपुर नगर
198. रघुराज सिंह शाक्य, श्री इटावा
199. रणजीत सुमन, श्री एटा
200. रमेश चन्द, श्री मिर्जापुर
201. रमेश चन्द्र दुबे, श्री सोनभद्र
202. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
203. रविन्द्र कुमार मोल्हू, श्री सहारनपुर
204. रविन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
205. रविन्द्र भडाना, श्री मेरठ
206. रश्मि आर्य, डा0 झांसी
207. राकेश प्रताप सिंह, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
208. राकेश बाबू, श्री फिरोजाबाद
209. राघव लखनपाल, श्री सहारनपुर
210. राजकिशोर सिंह, श्री बस्ती
211. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
212. राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज, श्री महोबा
213. राजबली जैसल, श्री इलाहाबाद
214. राजमती, श्रीमती गोरखपुर
215. राजाराम, श्री प्रतापगढ़
216. राजीव कुमार सिंह, श्री बाराबंकी
217. राजेन्द्र, श्री गोरखपुर
218. राजेन्द्र सिंह राणा, श्री सहारनपुर
219. राजेश अग्रवाल, श्री बरेली
220. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
221. राजेश यादव, श्री शाहजहांपुर
222. राजेश्वरी, श्रीमती हरदोई
223. राधामोहन दास अग्रवाल, डा0 गोरखपुर
224. राधेलाल रावत, श्री उन्नाव
225. राधेश्याम, श्री छत्रपति शाहूजी महाराज नगर
226. राधेश्याम सिंह, श्री कुशीनगर
227. राधेश्याम जायसवाल, श्री सीतापुर
228. राम करन आर्य, श्री बस्ती
229. रामखिलाड़ी सिंह यादव, श्री भीमनगर
230. रामगोपाल, श्री बाराबंकी
231. राम गोविन्द, श्री बलिया
232. रामचन्द्र चौधरी, श्री सुल्तानपुर
233. रामचन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
234. रामपाल यादव, श्री सीतापुर
235. रामपाल राजवंशी, श्री सीतापुर
236. राम प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
237. राम मगन, श्री बाराबंकी
238. राममूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
239. राममूर्ति सिंह वर्मा, श्री शाहजहांपुर
240. रामलाल अकेला, श्री रायबरेली
241. रामवीर सिंह, श्री फिरोजाबाद
242. रामशरन, श्री लखीमपुर खीरी
243. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
244. रामहेत भारती, श्री सीतापुर
245. रामेश्वर सिंह यादव, श्री एटा
246. रियाज अहमद, श्री पीलीभीत
247. रीता बहुगुणा जोशी, प्रो0 लखनऊ
248. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
249. लक्ष्मीकान्त उर्फ पप्पू निषाद, श्री सन्तकबीर नगर
250. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा0 मेरठ
251. लक्ष्मी गौतम, श्रीमती भीमनगर
252. लोकेन्द्र सिंह, श्री बिजनौर
253. वकार अहमद शाह, डा0 बहराइच
254. वसीम अहमद, श्री आजमगढ़
255. वहाब चौधरी, श्री गाजियाबाद
256. विजमा यादव, श्रीमती इलाहाबाद
257. विजय कुमार पासवान, श्री सिद्धार्थनगर

258. विजय मिश्र, श्री सन्त रविदास नगर (भदोही)
259. विजय कुमार मिश्र, श्री गाजीपुर
260. विजय बहादुर पाल, श्री कन्नौज
261. विजय बहादुर यादव, श्री गोरखपुर
262. विजय सिंह, श्री रामपुर
263. विजय सिंह पुत्र प्रेम सिंह, श्री फर्रुखाबाद
264. विनय तिवारी, श्री लखीमपुर खीरी
265. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
266. विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री गोण्डा
267. विवेक कुमार सिंह, श्री बांदा
268. विशम्भर सिंह, श्री बांदा
269. वीरपाल राठी, श्री बागपत
270. वीर सिंह, श्री चित्रकूट
271. वीरेन्द्र सिंह, श्री बरेली
272. वेदराम भाटी, श्री गौतमबुद्ध नगर
273. शंखलाल मांझी, श्री अम्बेडकरनगर
274. शकुन्तला देवी, सुश्री शाहजहांपुर
275. शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भैय्या, श्री लखीमपुर खीरी
276. शमीमुल हक, श्री मुरादाबाद
277. शहजिल इस्लाम, श्री बरेली
278. शाकिर अली, श्री देवरिया
279. शारदा प्रताप शुक्ला, श्री लखनऊ
280. शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, श्री आजमगढ़
281. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
282. शिव कुमार बेरिया, श्री रमाबाई नगर
283. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
284. शिव प्रताप यादव, डा0 बलरामपुर
285. शिवाकान्त ओझा, प्रो0 प्रतापगढ़
286. शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री महाराजगंज
287. शेर बहादुर, श्री अम्बेडकरनगर
288. शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री जौनपुर
289. श्यामदेव राय चौधरी (दादा), श्री वाराणसी
290. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
291. श्याम बहादुर सिंह यादव, श्री आजमगढ़
292. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
293. श्रद्धा यादव, श्रीमती जौनपुर
294. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ
295. संग्राम यादव, डा0 आजमगढ़
296. संजय कपूर, श्री रामपुर
297. सईद अहमद, श्री इलाहाबाद
298. सचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री जौनपुर
299. सतीश कुमार निगम 'एडवोकेट', श्री कानपुर नगर
300. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
301. सत्यदेव पचौरी, श्री कानपुर नगर
302. सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री मेरठ
303. सत्यवीर मुन्ना, श्री इलाहाबाद
304. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
305. सन्तराम कुशवाहा, श्री जालौन
306. सलिल विश्नोई, श्री कानपुर नगर
307. सावित्री बाई फूले, सुश्री बहराइच
308. सिनोद कुमार शाक्य (दीपू), श्री बदायूं
309. सिबगतुल्ला अंसारी, श्री गाजीपुर
310. सियाराम सागर, डा0 बरेली
311. सीमा, श्रीमती जौनपुर
312. सुखदेव प्रसाद वर्मा, श्री फतेहपुर
313. सुखदेवी वर्मा, श्रीमती इटावा
314. सुदेश शर्मा, श्री गाजियाबाद
315. सुधाकर, श्री मऊ
316. सुधीर कुमार, श्री उन्नाव
317. सुनील कुमार सिंह यादव, श्री सोनभद्र
318. सुनील कुमार लाला, श्री लखीमपुर खीरी
319. सुब्बा राम, श्री गाजीपुर
320. सुभाष पासी, श्री गाजीपुर
321. सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री रायबरेली

322. सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी
323. सुरेश राणा, श्री	प्रबुद्धनगर
324. सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर
325. सुरेश बंसल, श्री	गाजियाबाद
326. सुल्तान बेग, श्री	बरेली
327. सैय्यद कासिम हसन, श्री	फतेहपुर
328. सैय्यदा शादाब फातिमा, श्रीमती	गाजीपुर
329. सोबरन सिंह यादव, श्री	मैनपुरी
330. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री	कुशीनगर
331. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री	लखीमपुर खीरी
332. हरिओउम् यादव, श्री	फिरोजाबाद
333. हुकुम सिंह, श्री	प्रबुद्धनगर
334. हेमराज वर्मा, श्री	पीलीभीत

नोट :-मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव), राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण मंत्री (श्री अहमद हसन), पंचायती राज मंत्री (श्री बलराम यादव), कारागार मंत्री (श्री राजेन्द्र चौधरी) एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (श्री राम सकल गूजर) भी सदन में उपस्थित थे।

जनपद प्रतापगढ़ के कुण्डा में सी0ओ0 के हत्यारों की गिरफ्तारी किये जाने की मांग

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, कुण्डा प्रतापगढ़ में सी0ओ0 की हत्या हुई। उसको लेकर प्रतापगढ़ और देवरिया में आन्दोलन चल रहा है। पूरे प्रदेश में इसको लेकर जनता आन्दोलित है, परन्तु हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हो पा रही है। इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती चली जा रही है। मान्यवर, जो भी सी0ओ0 के हत्यारे हैं उनको गिरफ्तार कराया जाए। मान्यवर, कल दिन भर इस घटना को लेकर प्रतापगढ़ और देवरिया में आन्दोलन होता रहा और पूरी की पूरी जनता सड़कों पर आ गयी है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि जब तक आप यहां पर उनकी गिरफ्तारी का आश्वासन नहीं देते हैं। तब तक इस सदन को चलाये जाने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है। मान्यवर, आज कानून के रखवालों की हत्या हो रही है। जन-प्रतिनिधियों की हत्या हो रही है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता प्रतिपक्ष आप कृपया बैठ जायें। इस पर कल चर्चा हो चुकी है और यह नियमों में है कि जिस विषय पर एक बार चर्चा हो जाती है उसी पर उस सत्र में दुबारा चर्चा नहीं होती है। आप इस पर काफी बोल चुके हैं और अन्य माननीय नेता और सदस्य बोल चुके हैं।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, आज भी नियम-56 में यह सूचना लगी हुई है।

श्री अध्यक्ष-

यह सूचना अग्राह्य है जो कल कुण्डा पर अन्य सारे प्रकरण में चर्चा हुई है। उसमें आपने बोल लिया है और सारे दल के लोग बोल चुके हैं तो फिर उसी सत्र में उन्हीं विषयों पर चर्चा नहीं की जा सकती है। इसलिए इस पर चर्चा की आवश्यकता नहीं है।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, पूरा प्रदेश जल रहा है और आक्रोशित है। मान्यवर, कल माननीय मुख्य मंत्री जी को भी वहां पर पहुंचने पर वाद-विवाद को झेलना पड़ा और लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा।

श्री अध्यक्ष-

अब हो गया, आप कृपया बैठ जायें।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, बहुत भयावह स्थिति उत्पन्न हो गयी है।

श्री अध्यक्ष-

आपने अपनी बात रख दी है और वह सदन के संज्ञान में आ गयी है। जब जीरो आवर आयेगा, तब आप अपनी बात रखियेगा।

(श्री हुकुम सिंह के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

माननीय हुकुम सिंह जी, आपकी सूचना अस्वीकृत है।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, मैं तो यह कह रहा हूं कि जो बात तय हो जाती है उस पर कायम रहना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

आप इनको समझाइये।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, ध्वनि बल के आधार पर अपनी बात कहना इसको आप देखने का कष्ट करें। जब सब बातें तय हो गयीं तो फिर उसका पालन कराना चाहिए, मान्यवर, मैं इतनी जोर से नहीं बोल सकता हूं। लेकिन एक दल का प्रतिनिधित्व मैं भी करता हूं। माननीय नेता प्रतिपक्ष जो हमारे नेता हैं, हम सबके नेता हैं, अगर वह बोल रहे हैं तो फिर हमें भी बोलने का मौका मिले। मान्यवर, आपके पास बोलने की शक्ति है, ईश्वर की कृपा आप पर ज्यादा है। उन्होंने आपको यह आवाज दी है (हंसी) उसमें हम लोग वंचित रह जाते हैं अगर यह इस पर मान्यव बोलेंगे तो फिर हम भी बोलेंगे। अगर हम अलग-अलग होंगे तो ठीक नहीं रहेगा।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, जो भयावह स्थिति है वह बता रहा हूं।

श्री अध्यक्ष-

वह सदन के संज्ञान में आपकी बात आ गयी है। आपने अवगत करा दिया है।

प्रश्नोत्तर

श्री अध्यक्ष-

माननीय हुकुम सिंह जी ने ठीक कहां कि मीटिंग हुई थी और आपस में कुछ बात तय हुई थी कि प्रश्न उत्तरित माने जायेंगे।

तारांकित प्रश्न

प्रदेश में पशुओं की संख्या के अनुसार पशु अस्पतालों की स्थापना

*01-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में पशुओं की संख्या तथा पशु चिकित्सालयों की संख्या का अनुपात क्या है ? क्या सरकार की जानकारी में है कि राष्ट्रीय कृषि आयोग द्वारा प्रत्येक 5000 पशुओं पर एक पशु चिकित्सालय की स्थापना की संस्तुति प्रदान की गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मानक के अनुसार पशु अस्पतालों की स्थापना करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

लघु सिंचाई तथा पशुधन मंत्री (श्री राज किशोर सिंह)-

वर्तमान में एक पशु चिकित्सालय 20,000 पशुधन संख्या पर स्थापित हैं।

जी हां।

जी नहीं।

राज्य के वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार पशु चिकित्सालयों की स्थापना की जाती हैं।

नोट :-उ0 प्र0 विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 1958 के नियम-41 के अन्तर्गत सभी प्रश्न उत्तरित माने गये।

प्रदेश में बेसिक शिक्षा अधिकारियों को सर्वशिक्षा अभियान के तहत कार्य देखने का अतिरिक्त चार्ज मिलने सम्बन्धी कथित प्रकरण

*02-श्री सुरेश कुमार खन्ना-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बेसिक शिक्षा अधिकारियों को सर्वशिक्षा अभियान के तहत कार्य देखने का अतिरिक्त चार्ज मिला है अथवा प्रतिनियुक्त पर भेजा गया है ? क्या मंत्री जी को जानकारी है कि उक्त अधिकारियों को यदि प्रतिनियुक्त पर नहीं भेजा गया है, तो किस आधार पर प्रतिनियुक्त वाले भत्ते (एल0टी0सी0 व चिकित्सा व्यय) उन्हें दिये जा रहे हैं ? क्या सरकार इस सम्बन्ध में जांच कराकर कोई कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

जनपदों में तैनात बेसिक शिक्षा अधिकारी बेसिक शिक्षा निदेशालय से सम्बन्धित कार्य के अतिरिक्त सर्वशिक्षा अभियान से सम्बन्धित समस्त कार्य भी करते हैं।

प्रदेश के 18 जनपदों आजमगढ़, बांदा, बस्ती, भदोही, बिजनौर, चन्दौली, फतेहपुर, हमीरपुर, हरदोई, जालौन, झांसी, कानपुर नगर, ललितपुर, महोबा, शाहजहांपुर, सीतापुर, सोनभद्र तथा वाराणसी के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों द्वारा कोषागार से वेतन आहरित किया जा रहा है और उनके द्वारा सर्वशिक्षा अभियान से कोई भत्ते नहीं लिये जा रहे हैं। शेष 57 जनपदों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों द्वारा वेतन तथा परियोजना भत्ते सर्वशिक्षा अभियान से लिये जा रहे हैं।

प्रकरण में परीक्षण के उपरान्त नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में बच्चों को बढ़ते कुपोषण से बचाने की योजना

*03-श्री सुरेश राणा-

क्या बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बच्चों के कुपोषण की दर क्या है ? क्या सरकार बच्चों को बढ़ते कुपोषण से बचाने के लिये कोई कार्य योजना तैयार कर रही है ? यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

आई0सी0डी0एस0 योजना के अन्तर्गत प्रदेश में कुल 897 बाल विकास परियोजनाओं में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वर्ष 2012-13 (माह नवम्बर, 2012) में 06 माह से 06 वर्ष आयु के पंजीकृत बच्चों के सापेक्ष वजन लिये गये 157.10 लाख बच्चों में 59.87 लाख बच्चे अर्थात् 38 प्रतिशत बच्चे कुपोषण की श्रेणी में पाये गये।

भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश में आई0सी0डी0एस0 योजना संचालित है। इस योजना के अन्तर्गत कुपोषण से बचाव हेतु अनुपूरक पुष्टाहार दिये जाने के साथ-साथ प्रतिरक्षण (टीकाकरण), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, निर्देशन एवं संदर्भन सेवाएं तथा पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा की सुविधायें प्रदान की जाती हैं।

कुपोषण की समस्या के प्रभावी समाधान के लिये राज्य सरकार द्वारा स्टेट न्यूट्रिशन मिशन के गठन पर विचार किया जा रहा है।

*04-श्री सतीश महाना-

[पुनरावृत्ति के आधार पर निरस्त]

प्रदेश में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली का प्रख्यापित

*05-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या बेसिक शिक्षा शिक्षा बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में केन्द्र सरकार के शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 को प्रभावी रूप से लागू करने के लिये सरकार शासनादेश जारी करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी हां।

उ0 प्र0 सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियमावली, 2011 प्रख्यापित की जा चुकी है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सुधारने हेतु दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी

*06-श्री मनीष असीजा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि अन्य राज्यों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में (ओलम्पिक, एशियन गेम्स, कामनवेल्थ गेम, विश्वचैम्पियनशिप आदि) प्रदर्शन की तुलना में प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन आबादी के अनुपात को दृष्टिगत रखते हुये बहुत कम है ? यदि हां, तो क्या सरकार खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सुधारने हेतु कोई नीति बनाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

वाह्य सहायतित परियोजना, समग्र ग्राम विकास, खेलकूद व युवा कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामकरन आर्य)-

जी नहीं। प्रदेश के खिलाड़ी देश के विभिन्न प्रदेशों एवं विभागों में नौकरी पा जाने के कारण उसी प्रदेश से खेलने के लिये बाध्य होते हैं। प्रदेश के अधिकतर खिलाड़ी रेलवे, सर्विसेज, एयरलाइन्स, महाराष्ट्र, दिल्ली एवं अन्य प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसे कुश्ती में श्री नरसिन्ह यादव महाराष्ट्र से सुश्री गरिमा चौधरी जूडो में हरियाणा से एवं अन्य खिलाड़ी सेना आदि से ओलम्पिक, एशियन गेम्स, कामनवेल्थ गेम, विश्व चैम्पियनशिप आदि में भाग लेते हैं। वर्तमान में प्रदेश के 04 क्रिकेट खिलाड़ी श्री प्रवीण कुमार, श्री सुरेश रैना, श्री पीयूष चावला एवं श्री भुवनेश्वर कुमार, हाकी में सर्वश्री दानिश मुज्तबा, हमरान, खाण्डेकर, फुटबाल, एथलेटिक्स, बैडमिन्टन, कबड्डी, तीरंदाजी, शूटिंग में बहुत से खिलाड़ी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

खेल विभाग के पास पूर्व से ही खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु योजनायें चलाई जा रही हैं, जिसके अन्तर्गत प्रदेश के उदीयमान खिलाड़ियों हेतु तकनीकी प्रशिक्षण देने हेतु प्रशिक्षण शिविर, केन्द्रीय प्रशिक्षण शिविर, आवासीय छात्रावास एवं स्पोर्ट्स कालेज की स्थापना की गई है जहां पर खिलाड़ियों को निःशुल्क भोजन, आवास, स्पोर्ट्स किट, चिकित्सा सुविधा एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे प्रदेश के बहुत से खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम गौरान्वित करते हैं।

उक्त के अतिरिक्त खेल विभाग द्वारा भूतपूर्व खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार एवं विशेष पुरस्कार में लक्ष्मण/रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

उदीयमान खिलाड़ियों को उच्च प्रशिक्षण/प्रतियोगिता की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश में विभिन्न खेलों की अवस्थापनाओं का निर्माण कराया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में हो रहे अवैध खनन को नियंत्रित करने हेतु सेटेलाइट के द्वारा निगरानी

*07-श्री अखिलेश प्रताप सिंह-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में हो रहे अवैध खनन को नियंत्रित करने के लिए क्या सरकार सेटेलाइट के द्वारा निगरानी करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)-

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में मत्स्य पालकों के तालाबों/पोखरों की बीमा योजना

*08-श्री जय प्रकाश निषाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में मत्स्य विकास कार्यक्रम को बढ़ाने हेतु तालाबों का बीमा कराने की कोई योजना बनायी जायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

प्रदेश में मत्स्य पालकों के तालाबों/पोखरों में पाली जाने वाली देशी प्रजाति की कार्प मछलियां यथा-कतला, रोहू, नैन तथा विदेशी प्रजाति की मछलियां यथा-सिल्वरकार्प, ग्रासकार्प, कामनकार्प के मत्स्य उत्पादों के बीमा की योजना नेशनल इन्श्योरेन्श कम्पनी लि0 तथा ओरियन्टल इन्श्योरेन्श कम्पनी लि0 आदि द्वारा पूर्व से संचालित की जा रही हैं जिसमें मत्स्य पालकों के ऐच्छिक आधार पर मत्स्य उत्पादों का बीमा किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

अतारांकित प्रश्न

जनपद शाहजहांपुर में डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना में ग्रामों के चयन की मांग

01-श्री सुरेश कुमार खन्ना-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में मा0 विधायकों की संस्तुति पर उनके विधान सभा क्षेत्रों में कितने लोहिया ग्रामों का चयन वर्तमान वित्तीय वर्ष में किया गया है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि शाहजहांपुर के ग्राम उदियापुर व निजामपुर गोटिया के चयन के सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रामकरन आर्य-

शासनादेश दिनांक 13-09-2012 द्वारा डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना के अन्तर्गत जनपद स्तर पर ग्रामों के चयन का अधिकार जनपद के मा0 जिला प्रभारी मंत्री जी को प्रदान किया गया है। उक्त योजना के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 में प्रदेश के 1599 ग्रामों का चयन किया गया है।

शासनादेश दिनांक 13-09-2012 द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ग्राम उदियापुर व निजामपुर गौटिया का चयन नहीं हो सका है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखीमपुर खीरी के प्राथमिक विद्यालयों की बाउन्ड्रीवाल बनवाये जाने की जानकारी

02-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखीमपुर खीरी के प्राथमिक विद्यालयों में बाउन्ड्रीवाल बनाने की सरकार की कोई कार्य योजना है ? यदि हां, तो ब्लाक मोहम्मदी व ब्लाक पसगवां व ब्लाक ईसानगर के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में बाउन्ड्रीवाल कब तक करा दी जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी हां।

विकास खण्ड पसगवां में 14, ईसानगर में 31 तथा मोहम्मदी में 27 प्राथमिक विद्यालयों में बाउन्ड्रीवाल का निर्माण वर्ष 2012-13 में कराये जाने की कार्यवाही गतिमान है। शेष बाउन्ड्रीवाल विहीन प्राथमिक विद्यालयों में बाउन्ड्रीवाल बनाने हेतु वर्ष 2013-14 की वार्षिक कार्य योजना में भारत सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखा जा रहा है। इस प्रकार बाउन्ड्रीवाल बनाना भारत सरकार की स्वीकृति पर निर्भर करता है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखीमपुर खीरी में वित्त विहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों का कथित प्रकरण

03-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखीमपुर खीरी में वित्त विहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सृजित पद के सापेक्ष जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अनुमोदित कितने शिक्षक कार्यरत हैं ? क्या सरकार उन अध्यापकों को मानदेय देने पर विचार कर रही है ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जनपद लखीमपुर खीरी में वित्त विहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय में सृजित पद के सापेक्ष जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अनुमोदित शिक्षक कार्यरत नहीं हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आगरा की तहसील फतेहाबाद की नगर पंचायत फतेहाबाद में मिनी स्टेडियम बनाये जाने की मांग

04-श्री छोटेलाल वर्मा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा की तहसील फतेहाबाद की नगर पंचायत फतेहाबाद में युवाओं के खेलकूद के लिये मिनी स्टेडियम बनाये जाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ? यदि हां, तो उसे कब तक क्रियान्वित किया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम करन आर्य-

जी नहीं।

प्रश्न ही नहीं उठता।

ग्रामीण स्टेडियम की योजना वित्तीय वर्ष 2012-13 से शासन द्वारा समाप्त कर दी गयी है।

प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के तदर्थ शिक्षकों को विनियमित किये जाने की मांग

05-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में ऐसे तदर्थ शिक्षकों, जिनका वेतन विभाग द्वारा नियमित रूप से माननीय उच्च न्यायालय के आदेश से दिया जा रहा है, को विनियमित किये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

तदर्थ शिक्षकों के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मात्र वेतन भुगतान के आदेश हैं।

प्रदेश के समस्त पशु चिकित्सालय पर उत्तम नस्ल के वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान

06-श्री छोटेलाल वर्मा-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहाबाद में कुल कितने पशु चिकित्सालय हैं ? क्या सरकार फतेहाबाद सहित प्रदेश के समस्त पशु चिकित्सालय में पशु गर्भाधान हेतु अच्छी नस्ल के पशु उपलब्ध करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राज किशोर सिंह-

जी हां।

जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहाबाद में कुल 04 पशु चिकित्सालय हैं।

जी नहीं।

पशुपालन विभाग द्वारा प्रत्येक पशु चिकित्सालय पर उत्तम नस्ल के अतिहिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान का कार्य किया जा रहा है।

जनपद आगरा के फतेहाबाद के पशु चिकित्सालयों में पशु चिकित्सक तैनात किये जाने की मांग

07-श्री छोटेलाल वर्मा-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहाबाद के पशु चिकित्सालयों में पशु चिकित्सक के कितने पद रिक्त हैं ? क्या सरकार रिक्त पदों पर चिकित्सकों की तैनाती करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राज किशोर सिंह-

जी हां।

जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र फतेहाबाद के पशु चिकित्सालयों में मात्र 01 पशु चिकित्सक का पद रिक्त है।

रिक्त पशु चिकित्सालय बेगनपुर पर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आगरा द्वारा निकटतम कार्यरत, उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी, फतेहाबाद को अंशकालिक रूप से पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु तैनात किया गया है।

जनपद खीरी के मोहम्मदी में ग्राम पंचायतों के पात्र लाभार्थियों को इन्दिरा आवास दिये जाने की जानकारी

08-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद खीरी के विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदी में ब्लाकवार ग्राम पंचायतों में स्थायी पात्रता सूची के आधार पर ऐसे कितने नाम हैं, जिन्हें अभी तक इन्दिरा आवास योजना का लाभ नहीं मिला है ? क्या सरकार बचे हुये पात्र व्यक्तियों को इन्दिरा आवास देने पर विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

ग्राम्य विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप'')-

जनपद खीरी के विधान सभा क्षेत्र मोहम्मदी के अन्तर्गत विकास खण्ड-मोहम्मदी एवं विकास खण्ड पसगवां का क्षेत्र पड़ता है। बी0पी0एल0 सूची 2002 के आधार पर इन्दिरा आवास योजना की गाइड लाइन के अनुसार तैयार स्थायी पात्रता सूची के आधार पर विकास खण्ड मोहम्मदी में 1148 तथा विकास खण्ड पसगवां में 2393, इस प्रकार कुल 3541 लाभार्थी ऐसे हैं जिन्हें अभी इन्दिरा आवास योजना का लाभ नहीं मिला है।

आगामी वर्ष में ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार से भौतिक लक्ष्य प्राप्त होने पर पात्र लाभार्थियों को यथा स्थिति आवास दिया जा सकता है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद खीरी में इन्दिरा आवास के आवंटन की जानकारी

09-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद खीरी में वित्तीय वर्ष 2012-13 में कितने इन्दिरा आवास के निर्माण का लक्ष्य भारत सरकार द्वारा प्रदेश सरकार को प्राप्त हुआ है एवं इसके आवंटन की कार्यवाही कब तक पूर्ण कर ली जायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

वित्तीय वर्ष 2012-13 में भारत सरकार से जनपद खीरी को 8720 इन्दिरा आवासों का संशोधित लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके आवंटन की कार्यवाही 28 फरवरी, 2013 तक पूर्ण कर ली जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

10-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

[2सरे सोमवार के अता0 प्र0 सं0-68 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद बलिया के नगरा की ग्राम पंचायत नगरा में जलापूर्ति

11-श्री गोरख पासवान-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विकास खण्ड नगरा की ग्राम पंचायत नगरा में स्थापित पानी की टंकी से जलापूर्ति न किये जाने का कारण क्या है ? क्या सरकार पेयजल की समस्या को ध्यान में रखते हुये पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण जलापूर्ति बाधित थी।

वर्तमान में जलापूर्ति सुचारु रूप से हो रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर में स्थित ग्रीन पार्क स्टेडियम के आधुनिकीकरण/विस्तारीकरण का कार्य

12-श्री सतीश महाना-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में खेलों के प्रोत्साहन देने हेतु सरकार द्वारा कोई नीति बनायी गयी है ? यदि हां, तो क्या कानपुर महानगर स्थित ग्रीन पाक्र स्टेडियम जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम है के आधुनिकीकरण हेतु सरकार विचार कर रही है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रामकरन आर्य-

जी नहीं।

जी हां।

ग्रीन पाक्र कानपुर स्टेडियम के आधुनिकीकरण हेतु वर्तमान में विभागीय पैवेलियन (लिफ्ट सहित) एवं विस्तारीकरण/आधुनिकीकरण का कार्य कराया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सीटें बढ़ाने का विचार

13-श्री सुरेश कुमार खन्ना-

क्या व्यावसायिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर में आई0टी0आई में कितने ट्रेड्स में लोगों को प्रशिक्षित किया जाता है ? क्या सरकार को जानकारी है कि जनपद

शाहजहांपुर में क्लोदिंग तथा इलेक्ट्रिकल फील्ड के लोगों को रोजगार मिलने के अवसर अधिक हैं ? यदि हां, तो सरकार उनमें प्रशिक्षकों के लिये सीटें बढ़ाने पर विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

होमगार्ड्स, प्रान्तीय रक्षक दल, व्यावसायिक शिक्षा मंत्री (श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी)-

जनपद शाहजहांपुर में कुल 04 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हैं एवं प्रत्येक संस्थान में स्वीकृत व्यवसायों की संख्या अलग-अलग है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शाहजहांपुर में 12, शाहजहांपुर (महिला) में 02, पुवायां (एस0सी0पी0) में 04 तथा जलालाबाद में 12 स्वीकृत व्यवसायों में प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया जाता है।

जी हां, जनपद शाहजहांपुर में क्लोदिग (कटाई सिलाई) ट्रेड तथा इलेक्ट्रिकल ट्रेड में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नये व्यवसाय एवं यूनिट की संख्या में वृद्धि के सम्बन्ध में समस्त पहलुओं पर विचार कर संस्तुति देने के लिए एक कोर ग्रुप का गठन किया गया है, जिसकी संस्तुति प्राप्त होने पर इस सम्बन्ध में विचार किया जायेगा।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में आई0टी0आई0 के अनुदेशकों के खाली पदों पर तैनाती की मांग

14-श्री सुरेश कुमार खन्ना-

क्या व्यावसायिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में आई0टी0आई0 में कितने ट्रेड हैं ? क्या सरकार को जानकारी है कि प्रदेश की आई0टी0आई0 में अनुदेशकों के पद रिक्त हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार अनुदेशकों के खाली पदों को भरने पर विचार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी-

प्रदेश के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में एन0सी0वी0टी0 पाठ्यक्रम के 59 तथा एस0सी0वी0टी0 पाठ्यक्रम के 02 व्यवसाय संचालित हैं।

जी हां।

जी हां।

रिक्त पदों को भरने हेतु समय-सीमा निर्धारित नहीं है।

उक्तानुसार।

वित्त (वेतन आयोग) के आदेशानुसार ए0सी0पी0 का लाभ दिलाये जाने का प्रकरण

15-श्री अजय मिश्र ''टेनी''-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वित्त विभाग के आदेश संख्या-वे0आ0-2-2104/दस-62(एम)/2008 टी0सी0 वित्त (वेतन आयोग) अनुभाग-2, दिनांक 22 दिसम्बर, 2011 के

आदेशानुसार एक ही ग्रेड वेतन में किसी कर्मचारी का पद नाम परिवर्तन किया गया है, को बिना किसी व्यवधान के ए0सी0पी0 का लाभ मिलेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

सम्बन्धित कर्मचारी का पदनाम परिवर्तन, सम्पूर्ण संवर्ग के पदनाम परिवर्तन के साथ होने पर ए0सी0पी0 की अनुमन्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आगरा के ब्लाक एत्मादपुर के प्राथमिक/जूनियर हाई स्कूलों में पेयजल, शौचालय, विद्युतीकरण आदि कराये जाने की मांग

16-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या बेसिक मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा के एत्मादपुर विधान सभा क्षेत्र में स्थित कितने प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूलों में पेयजल/शौचालय/बाउन्ड्रीवाल/विद्युतीकरण नहीं है ? क्या सरकार बच्चों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर उक्त सुविधायें उपलब्ध करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

विधान सभा क्षेत्र एत्मादपुर में विकास खण्ड एत्मादपुर तथा विकास खण्ड खंदौली सम्मिलित हैं, जिनमें 30 प्राथमिक विद्यालय व 17 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में पेयजल सुविधा नहीं है। 22 प्राथमिक विद्यालय व 08 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय नहीं है। 47 प्राथमिक विद्यालय व 42 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चहारदीवारी तथा 150 प्राथमिक विद्यालय व 40 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विद्युतीकरण नहीं है।

जी हां।

पेयजल सुविधा विहीन विद्यालयों में पेयजल सुविधा ग्राम्य विकास विभाग तथा शौचालय विहीन विद्यालयों में शौचालय व्यवस्था पंचायती राज विभाग द्वारा कराया जाना है। पेयजल सुविधा विहीन तथा शौचालय विहीन विद्यालयों की सूची सम्बन्धित विभाग को उपलब्ध करायी जा चुकी है।

बाउन्ड्रीवाल की स्थापना हेतु वार्षिक कार्य योजना एवं बजट 2013-14 में प्रस्ताव रखा गया है, भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त होने पर तदनुसार कार्यवाही की जा सकेगी। विद्युतीकरण हेतु बजट प्राविधान कराया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद गोरखपुर के चौरी-चौरा में पेयजल की समस्या के निदान हेतु योजनाएं

17-श्री जय प्रकाश निषाद-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला गोरखपुर की विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा में पेयजल में आर्सेनिक नामक जहरीला पदार्थ की मात्रा अधिक होने के कारण लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार पेयजल की समस्या के निदान हेतु उक्त क्षेत्र में गहरी बोरिंग वाले हैण्डपम्प एवं ट्यूबवेल स्थापित करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा के विकास खण्ड के ब्रह्मपुर के 09 ग्रामों की 12 बस्तियों तथा विकास खण्ड खोराबार के एक ग्राम (झगहा) की 01 बस्ती कुल 13 बस्तियां आर्सेनिक प्रभावित हैं।

उक्त बस्तियों में कुल 20 नग आर्सेनिक रिमूवल प्लान्ट लगाकर शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त के अतिरिक्त उक्त ग्रामों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराये जाने हेतु गहरे नलकूपों पर आधारित कुल 08 पाइप पेयजल योजनाएं निर्माणाधीन/अनुरक्षणाधीन हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में विभिन्न विकास खण्डों में निजी कन्या इण्टर कालेज के अध्यापकों के वेतन हेतु अनुदान की मांग

18-श्री छोटेलाल वर्मा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सरकार द्वारा विभिन्न विकास खण्डों में रुपये 20 लाख अनुदान देकर जो कन्या इण्टर कालेज खोले गये थे उनके अध्यापकों के वेतन व अन्य खर्चे के लिये भी अनुदान दिलाने की सरकार की कोई योजना है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी नहीं।

असेवित विकास खण्डों तथा एक कन्या विद्यालय सेवित विकास खण्डों में निजी प्रबन्धतंत्रों द्वारा कन्या माध्यमिक विद्यालय स्थापित किये जाने हेतु कार्यवाही सिद्धान्त दिनांक 28-12-1998 (जिसके अन्तर्गत कन्या माध्यमिक विद्यालय की स्थापना हेतु रु0 बीस लाख का अनुदान स्वीकृत किया जाता है) के प्रस्तर-12 में अनुदान की शर्तें निर्धारित हैं जिसके अंश (ड) और अंश (छ) में निम्नवत् व्यवस्था है :-

(ड) विद्यालय को वित्तविहीन मान्यता दी जायेगी और संचालन के लिए शासन से किसी प्रकार का आवर्तक अनुरक्षण अनुदान या अनावर्तक अनुदान भविष्य में देय नहीं होगा। ऐसे विद्यालयों की मान्यता कक्षा-9 से प्रदान की जायेगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संस्था को मान्यता दिये जाने से पूर्व यह भी सुनिश्चित किया जाना होगा कि निजी प्रबन्धाधिकरण के पास विद्यालय पर होने वाले आवर्तक व्यय को वहन करने के लिए पर्याप्त संसाधन (आय के स्रोत) उपलब्ध हैं।

(छ) अनुदान केवल कन्या विद्यालय की स्थापना हेतु सहायता स्वरूप दी जायेगी और यह धनराशि विद्यालय के अनुरक्षण अनुदान का अंश नहीं होगा।

उक्त शर्तें योजनान्तर्गत चयनित संस्थाओं को मानना बाध्यकारी है।

जनपद बलिया में निर्माणाधीन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के निर्माण में मानक के विपरीत कार्य कराये जाने का प्रकरण

19-श्री गोरख पासवान-

क्या व्यावसायिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के अन्तर्गत विकास खण्ड बेल्थरा रोड की ग्राम पंचायत हल्दीरामपुर में आई0टी0आई0 विद्यालय का निर्माण समाज कल्याण

निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है, जिसमें ईंट घटिया स्तर का, सीमेन्ट मानक के विपरीत व सरिया कम मात्रा में उपयोग कर शासकीय धन का दुरुपयोग किया जा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसकी गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी ठेकेदारों व अभियन्ताओं के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी-

अनुसूचित जाति सब प्लान के अन्तर्गत स्थापित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सीयर, जनपद-बलिया के भवन निर्माण का कार्य कार्यदायी संस्था उ0 प्र0 समाज कल्याण निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है। निर्माण कार्य में ईंट घटिया स्तर का, सीमेन्ट मानक के विपरीत व सरिया कम मात्रा में उपयोग कर शासकीय धन का दुरुपयोग किये जाने की कोई शिकायत प्राप्त नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

20-श्री बब्बन सिंह चौहान-

[दिनांक 27-02-2013 को अता0प्र0सं0-183 द्वारा उत्तरित]

21-श्री मुकेश श्रीवास्ताव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

[2सरे शुक्रवार के अता0 प्र0 सं0-59 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए हैण्डपम्पों को अधिष्ठापित करने की मांग

22-श्री सुरेश राणा-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही भीषण पेयजल समस्या को दृष्टिगत रखते हुये सरकार ने पूर्व की भांति सभी विधायकों की संस्तुति पर 250-250 हैण्डपम्प अधिष्ठापित कराने की कोई कार्य योजना तैयार की है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी नहीं।

भारत सरकार के राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम सम्बन्धी अद्यतन दिशा-निर्देशों में मा0 विधान मण्डल के सदस्यों की संस्तुति पर हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन की व्यवस्था निर्धारित नहीं है।

23-श्री बब्बन सिंह चौहान-

[2सरे शुक्रवार के अता0 प्र0 सं0-57 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद गोरखपुर के चौरी-चौरा में पशु चिकित्सालय में चिकित्सकों तथा उत्तम नस्ल के वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान का कार्य किये जाने की जानकारी

24-श्री जय प्रकाश निषाद-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा में कुल कितने पशु चिकित्सालय हैं तथा कहां-कहां पर स्थित हैं साथ ही उक्त अस्पतालों में स्वीकृत पशु चिकित्सकों के रिक्त पदों को कब तक भर दिया जायेगा ? क्या सरकार प्रत्येक गर्भाधान केन्द्रों पर उत्तम नस्ल के पशु उपलब्ध करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राज किशोर सिंह-

जनपद गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा में वर्तमान में कुल 06 पशु चिकित्सालय हैं जो कुसुम्ही, डीहघाट झगहा, चौरी-चौरा, ब्रह्मपुर एवं सरदार नगर में स्थित है। पशु चिकित्सालय कुसुम्हो, डीहघाट, झगहा, चौरी-चौरा एवं सरदार नगर में पशु चिकित्सक तैनात हैं। पशु चिकित्सालय ब्रह्मपुर में पशु चिकित्सक अंशकालिक रूप में तैनात किया गया है।

पशुपालन विभाग द्वारा प्रत्येक पशु चिकित्सालय पर उत्तम नस्ल के अतिहिमीकृत वीर्य द्वारा कृत्रिम गर्भाधान का कार्य किया जा रहा है।

जनपद गोरखपुर के चौरी-चौरा में मिनी स्टेडियम बनवाये जाने की मांग

25-श्री जय प्रकाश निषाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा में खेलों को प्रोत्साहन देने हेतु मिनी स्टेडियम बनवायेगें ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम करन आर्य-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

ग्रामीण स्टेडियम की योजना वित्तीय वर्ष 2012-13 से शासन द्वारा समाप्त कर दी गयी है।

जनपद अम्बेडकर नगर के खूखूतारा में आदर्श कृषक इण्टर कालेज में प्रबन्धतंत्र को विद्यालय का प्रबन्धन सौंपे जाने का प्रकरण

26-श्री जय प्रकाश निषाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि विजय कुमार पासवान, सदस्य, विधान सभा का पत्र दिनांक 14-01-2013, प्रमुख सचिव, माध्यमिक शिक्षा को सम्बोधित जो आदर्श कृषक इण्टर कालेज, खूखूतारा, जिला अम्बेडकरनगर से प्राधिकृत नियंत्रक को हटाकर वैध प्रबन्धतंत्र को कालेज संचालन हेतु पद स्थापित किये जाने विषयक था, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी हां।

प्रश्नगत विद्यालय में प्राधिकृत नियंत्रक की व्यवस्था लागू है। वर्तमान समय में डा0 शोभा सिंह व श्री अमर बहादुर सिंह के मध्य समिति में सदस्यता सम्बन्धी विवाद विद्यमान है जो उप निबन्धन चिट्स एवं फन्ड्स फैजाबाद के स्तर पर विचाराधीन है। सदस्यता सम्बन्धी विवाद उप निबन्धक के स्तर से निर्णीत होने के पश्चात् ही विधिमान्य प्रबन्धतंत्र को विद्यालय का प्रबन्धन सौंपा जाना नियमानुसार संभव हो सकेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के पयागपुर के विभिन्न ग्रामों में इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प स्थापित करने सम्बन्धी प्राप्त पत्र पर कार्यवाही की जानकारी

27-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के विभिन्न ग्रामों में इन्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प लगाने सम्बन्धी मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या वि0प0/ज0हि0/012-13/क-एस0नं0-138612/ 1177, दिनांक 06-09-12 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्रवाई की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

मा0 सदस्य के उक्त पत्र के साथ प्राप्त 296 नग इण्डिया माक्र-II हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन सम्बन्धी सूची का मानकानुसार स्थलीय निरीक्षण कराये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के पयागपुर में हैण्डपम्पों को स्थापित किये जाने सम्बन्धी प्राप्त पत्र पर कृत कार्यवाही

28-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर में इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प लगाने संबंधी प्रश्नकर्ता का पत्र सं0 वि0प0/ज0हि0/012-13/क-एस0नं0-138671/1048, दिनांक 20-08-12, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम, बहराइच को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

मा0 सदस्य के उक्त पत्र के साथ प्राप्त 201 नग इण्डिया मार्का-II हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन सम्बन्धी सूची का मानकानुसार स्थलीय निरीक्षण कराने के उपरान्त उपयुक्त पाये गये स्थलों पर सक्षम स्तर से अनुमोदनोपरान्त 50 नग इण्डिया माक्र-II हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन करा दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के पयागपुर के विभिन्न सम्पक्र मार्गों पर पुलिया निर्माण करवाये जाने की मांग

29-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के अन्तर्गत विभिन्न सम्पक्र मार्गों पर आठ अदद पुलिया निर्माण कराने के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र सं0 वि0प0/ज0हि0/012-13/क-एस0नं0-138735/1135, दिनांक 1-9-12, प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो इस पर क्या कार्रवाई की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के पयागपुर में पुल/पुलिया तथा साइफन के निर्माण कार्य कराये जाने हेतु प्राप्त पत्र पर कृत कार्यवाही की जानकारी

30-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के अन्तर्गत विभिन्न सम्पक्र मार्गों पर 12 अदद पुलिया निर्माण कराने के संबंध में प्रश्नकर्ता का पत्र सं0 वि0प0/ज0हि0/012-13/क-एस0नं0-138734/1136, दिनांक 1-9-12, आपको प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो इस पर क्या कार्रवाई की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

प्रश्नकर्ता, मा0 सदस्य, विधान सभा के पत्र दिनांक 01-09-12 द्वारा विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के विभिन्न सम्पक्र मार्गों पर आवश्यकतानुसार आर0सी0सी0 पुल/पुलिया तथा साइफन का निर्माण क्षेत्रवासियों की सुविधा एवं जनहित में कराये जाने का अनुरोध किया गया है।

ग्राम विकास विभाग द्वारा संचालित योजना यथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना एक मांग आधारित योजना है। यद्यपि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना में अनुमन्य कार्यों के अन्तर्गत गांव में सड़कों का बनाया जाना अनुमन्य है एवं सड़क निर्माण योजनाओं में आवश्यकतानुसार पुलिया भी बनाई जा सकती है तथापि मात्र आर0सी0सी0 पुल/पुलिया अथवा साइफन का निर्माण कार्य कराया जाना जैसाकि मा0 सदस्य द्वारा अनुरोध किया गया, मनरेगा योजनान्तर्गत लागू प्रतिबन्धों के अधीन कराया जाना सम्भव नहीं है।

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित दूसरी योजना यथा प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुसार भी प्रश्नगत कार्यों को कराया जाना संभव नहीं है।

विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत प्रश्नकर्ता मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा उक्त कार्यों के प्रस्ताव किये जाने पर प्रश्नगत आर0सी0सी0 पुल/पुलिया अथवा साइफन आदि का निर्माण कार्य कराया जा सकता है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर की ग्राम सभा खजुरी गिवतिया के बी0पी0एल0 कार्ड धारकों को इन्दिरा आवास दिये जाने विषयक प्राप्त पत्र पर कृत कार्यवाही

31-श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक कलान की ग्राम सभा खजुरी के मजरा गिवतिया के बी0पी0एल0 कार्ड धारकों को इन्दिरा आवास दिये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 14-08-12, जिलाधिकारी, शाहजहांपुर को दिनांक 16-8-12 को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी नहीं।

प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 16-8-2012 को मुख्य विकास अधिकारी, शाहजहांपुर को प्राप्त हुआ था।

मा0 सदस्य, विधान सभा जलालाबाद के पत्र दिनांक 14-8-2012 के साथ संलग्न श्री देवलाल शाक्य के द्वारा ग्राम सभा खजुरी के मजरा गिवतिया में 12 व्यक्तियों हेतु इन्दिरा आवासों की मांग की गयी है जिनकी जांच करायी गयी। इसी सूची में अंकित 05 व्यक्ति 01-रजनेमा, 02-राजवीर, 03-बाबूराम, 04-राकेश, 05-ओमकार, स्थायी प्रतीक्षा सूची के क्रम संख्या-116, 117, 118, 119 तथा 120 पर अंकित है जो बी0पी0एल0 सूची में भी हैं। शेष 07 व्यक्तियों के नाम न तो स्थायी प्रतीक्षा सूची में है और न ही बी0पी0एल0 सूची में अंकित है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 में शासनादेश संख्या-1935/38-8-2007-654/2005, दिनांक 24-9-2007 के क्रम में शासकीय निकाय की बैठक दिनांक 22-9-2012 में लिये गये निर्णय के अनुसार ग्राम सभा खजुरी का लक्ष्य 4 अनु0 जाति तथा 02 सामान्य जाति का निर्धारण किया गया है। उक्त निर्धारण लक्ष्य के अनुसार ग्राम सभा खजुरी की स्थायी प्रतीक्षा सूची से अनु0 जाति के स्थायी प्रतीक्षा सूची के क्रम संख्या-42 तक तथा सामान्य जाति के क्रम संख्या-113 तक के ही व्यक्ति इस वित्तीय वर्ष में लाभान्वित हो पायेंगे।

अतः उपर्युक्त स्थिति में वरीयता क्रम का उल्लंघन करके स्थायी प्रतीक्षा सूची के क्रम संख्या-116 व उसके बाद के परिवारों को इस वित्तीय वर्ष में आवास आवंटित नहीं किया जा सकता है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखीमपुर खीरी में डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र विकास योजना/जनेश्वर मिश्र ग्राम योजना में चयनित ग्रामों का विवरण

32-श्री अजय मिश्र ''टेनी''-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखीमपुर खीरी के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्रों में कितने-कितने लोहिया एवं जनेश्वर मिश्र समग्र विकास ग्रामों का चयन किया गया और किनकी संस्तुतियों पर ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम करन आर्य-

जनपद लखीमपुर खीरी में वर्ष 2012-13 हेतु डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना के अन्तर्गत मा0 जिला प्रभारी मंत्री जी द्वारा 28 तथा जनेश्वर मिश्र ग्राम योजना के अन्तर्गत मा0 जनप्रतिनिधियों की संस्तुति के आधार पर अध्यक्ष, मण्डी परिषद् द्वारा 22 ग्रामों का चयन किया गया है। उक्त योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 हेतु चयनित किये गये ग्रामों का विधान सभा क्षेत्रवार विवरण निम्नवत् है :-

क्र0सं0	योजना का नाम	विधान सभा का नाम	चयनित ग्रामों की संख्या
1	डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना	गोला	05
		करता	05

क्र0सं0	योजना का नाम	विधान सभा का नाम	चयनित ग्रामों की संख्या
		श्रीनगर	04
		लखीमपुर	04
		धौरहरा	03
		पलिया	02
		निघासन	02
		मोहम्मदी	03
2	जनेश्वर मिश्र ग्राम योजना	गोला	03
		श्रीनगर	03
		लखीमपुर	03
		करता	13

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों के मृतक आश्रितों को प्रमोशन दिये जाने की मांग

33-श्री अजय मिश्र ''टेनी''-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों के मृतक आश्रितों, जिनकी नियुक्ति उस समय योजना न होने के कारण चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में की गयी है, उन कर्मचारियों को अध्यापक योग्यता प्राप्त करने के पश्चात् अध्यापक पद पर प्रमोशन दिये जाने का प्राविधान है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी नहीं।

उ0 प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत सेवारत शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की सेवाकाल में मृत्यु हो जाने की स्थिति में उनके आश्रित को सेवायोजित करने के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या-5193/15-5-2000-400 (222)/99, दिनांक 4-9-2000 में वर्णित प्राविधानों के अनुसार एक बार मृतक आश्रित के रूप में प्रदत्त सेवायोजन की सुविधा पर पुनर्विचार का कोई अवसर नहीं होगा। ऐसी स्थिति में परिषदीय विद्यालयों में अध्यापकों के मृतक आश्रितों, जिनकी नियुक्ति चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में की गयी है, के द्वारा अध्यापक पात्रता योग्यता प्राप्त करने के पश्चात् उनकी पदस्थापना सहायक अध्यापक पद पर किये जाने का प्राविधान नहीं है।

जनपद बहराइच में पयागपुर के ग्रामों में इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प लगवाये जाने की मांग

34-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के विभिन्न ग्रामों में इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प लगाने संबंधी प्रश्नकर्ता का पत्र सं0

वि0प0/ज0हि0/012-13/क-एस0नं0-138614/1079, दिनांक 06-09-12, उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्रवाई की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के पयागपुर में विभिन्न ग्रामों में इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प स्थापित किये जाने हेतु स्थलीय निरीक्षण की कार्यवाही

35-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के विभिन्न ग्रामों में इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प लगाने सम्बन्धी मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का पत्र सं0 वि0प0/ज0हि0/012-13/क-एस0नं0-138613/1178, दिनांक 06-09-12, आपको प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

मा0 सदस्य के उक्त पत्र के साथ प्राप्त 135 नग इण्डिया माक्र-II हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन सम्बन्धी सूची का मानकानुसार स्थलीय निरीक्षण कराये जाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के पयागपुर के ग्रामों में इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्पों को लगवाये जाने की जानकारी

36-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र पयागपुर के विभिन्न ग्रामों में इन्डिया मार्का-2 हैन्डपम्प लगाने संबंधी प्रश्नकर्ता का पत्र सं0-वि0प0/ज0हि0/12-13/क-एस0नं0-138615/1180, दिनांक 06-09-12, प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

मा0 सदस्य के उक्त पत्र के साथ प्राप्त 106 नग इण्डिया माक्र-II हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन सम्बन्धी सूची का मानकानुसार स्थलीय निरीक्षण कराने के उपरान्त उपयुक्त पाये गये स्थलों पर सक्षम स्तर से अनुमोदनोपरान्त 04 नग इण्डिया मार्का-II हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन करा दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच में अधिष्ठापित करने हेतु प्राप्त हुए हैण्डपम्पों व अधिष्ठापित हैण्डपम्पों का विवरण

37-श्री मुकेश श्रीवास्तव उर्फ ज्ञानेन्द्र प्रताप-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए अक्टूबर, 2012 तक जनपद बहराइच को कुल कितने इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प अधिष्ठापित करने हेतु प्राप्त हुये तथा इनमें से कितने-कितने किन-किन ब्लाकों में तथा किसके प्रस्ताव पर अधिष्ठापित कराये गये ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जनपद बहराइच को वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए अक्टूबर, 2012 तक कुल 700 नग इण्डिया माक्र-II हैण्डपम्प अधिष्ठापित किये जाने हेतु प्राप्त हुए हैं जिनके सापेक्ष अक्टूबर, 2012 तक कुल 446 नग इण्डिया माक्र-II हैण्डपम्प निम्न विवरणानुसार अधिष्ठापित कराये गये हैं :-

क्र0सं0	विकास खण्ड	अधिष्ठापित है0प0 की सं0
1	2	3
1	मिहीपुरवा	33
2	नवाबगंज	07
3	बलहा	25
4	शिवपुर	18
5	रिसिया	33
6	महसी	35
7	तेजवापुर	41
8	फखरपुर	32
9	हुजूरपुर	34
10	कैसरगंज	40
11	जरवल	30
12	चित्तौरा	50
13	पयागपुर	39
14	विशेश्वरगंज	29
	योग :-	446

उक्त हैण्डपम्प मा0 विधायक, मा0 सांसद, मा0 अध्यक्ष, जिला परिषद्, मा0 सदस्य जिला परिषद् एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव पर मानक के अन्तर्गत परीक्षणोपरान्त सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर अधिष्ठापित कराये गये हैं।

उत्तर प्रदेश सचिवालय में कार्यरत कर्मियों को सचिवालय विशेष भत्ता दिये जाने का प्रकरण

38-श्री अगयश राम सरन वर्मा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश सचिवालय में कार्यरत अनुभाग अधिकारी एवं समीक्षा अधिकारी के जो पद धारक ए0सी0पी0 का लाभ पाने के बाद ग्रेड वेतन क्रमशः रुपये 6600/- एवं रुपये 5400/- पा रहे हैं, को सचिवालय भत्ता क्रमशः रु0 1500/- के स्थान पर रु0 900/- एवं रु0 1200/- के स्थान पर रु0 1000/- कर दिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त विसंगति को दूर करने हेतु पुनः क्रमशः रु0 1500/- एवं रु0 1200/- दिये जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी हां।

जी नहीं।

सचिवालय कर्मियों को देय सचिवालय विशेष भत्ते हेतु पदधारक को ए0सी0पी0 की व्यवस्था के अन्तर्गत प्राप्त हो रहे उच्च वैयक्तिक ग्रेड वेतन के आधार पर सचिवालय विशेष भत्ते की दरों को निर्धारित किये जाने की नीति नहीं है। सचिवालय विशेष भत्ता धारित पद के अनुसार देय है।

39-श्री बब्बन सिंह चौहान-

[2सरे शुक्रवार के अता0 प्र0 सं0-58 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद चन्दौली के मुगलसराय की ग्राम पंचायत में लौदा भट्ठा से धोबियाना बस्ती तक खड़न्जे मार्ग का निर्माण कराये जाने की मांग

40-श्री बब्बन सिंह चौहान-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चन्दौली के मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत लौदा भट्ठा से धोबियान बस्ती तक खड़न्जे मार्ग का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

ग्राम पंचायत लौदा में भट्ठा से धोबियाना बस्ती तक की लम्बाई 500 मीटर एवं चौड़ाई 3.50 मीटर है, जिस पर खड़न्जा बिछाये जाने के कार्य पर लगभग 7.00 लाख रुपये व्यय अनुमानित है। वर्तमान में उक्त कार्य ग्राम पंचायत की कार्य योजना में सम्मिलित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

41-श्री बब्बन सिंह चौहान-

[दिनांक 27-02-2013 को अता0प्र0सं0-184 द्वारा उत्तरित]

प्रदेश के राजकीय इण्टर कालेजों में एल0टी0 वेतन क्रम से प्रवक्ता संवर्ग में पदोन्नति की जानकारी

42-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के राजकीय इण्टर कालेजों में एल0टी0 वेतनमान से प्रवक्ता क्रम में होने वाली पदोन्नतियां स्थगित हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त पदोन्नतियां करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी नहीं।

प्रदेश के राजकीय इण्टर कालेजों में एल0टी0 वेतनक्रम से प्रवक्ता संवर्ग में पदोन्नति की कार्यवाही गतिमान है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मिर्जापुर के सहायक अध्यापक की मृत्यु के उपरान्त उनके आश्रितों को समस्त देयों के भुगतान की मांग

43-श्री संजय प्रताप जायसवाल-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मीरजापुर में श्री राम दुलार सिंह, सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय, देवरी आमघाट, नगर क्षेत्र जिला मीरजापुर की हत्या डकैतों द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 1977 को कर दी गयी थी ? यदि हां, तो क्या स्व0 राम दुलार सिंह, सहायक अध्यापक के पेंशन, ग्रेच्युटी, सा0 भविष्य निर्वाह निधि तथा अन्य देयों का भुगतान किया जा चुका है ? यदि नहीं, तो क्यों ? क्या यह सही है कि स्व0 राम दुलार सिंह की विधवा को पारिवारिक पेंशन दिये जाने के बारे में उनके प्रार्थना-पत्र पर मा0 बेसिक शिक्षा मंत्री ने दिनांक 30-03-2012 को निदेशक, बेसिक शिक्षा को आदेश पारित किये हैं ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही हुई ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

विभागीय आख्यानुसार श्री राम दुलार सिंह की हत्या दिनांक 16-11-1977 को कर दी गई थी।

स्व0 राम दुलार सिंह की विधवा को पेंशन, ग्रेच्युटी देय न होने के कारण भुगतान नहीं किया गया। जहां तक सामान्य भविष्य निर्वाह निधि तथा अन्य देयों के भुगतान का प्रश्न है, के सम्बन्ध में उल्लेखनीय है कि वित्त एवं लेखाधिकारी, बेसिक शिक्षा, मिर्जापुर कार्यालय का सृजन वर्ष 1986 में हुआ है जिस कारण इससे पूर्व के अभिलेख उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं जिनकी खोजबीन की जा रही है।

पारिवारिक पेंशन न दिये जाने का कारण यह है कि तत्समय लाभत्रयी योजना के अन्तर्गत पारिवारिक पेंशन मात्र उन्हीं प्रकरणों में अनुमन्य होती थी जिनमें सम्बन्धित शिक्षक/कर्मचारी की मृत्यु उनके सेवाकाल में अथवा सेवा पूरी करने के उपरान्त कम से कम 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के बाद हुई हो। चूंकि स्व0 राम दुलार सिंह की कुल अर्हकारी सेवा 07 वर्ष 10 माह है, इसलिए तत्समय लागू शासनादेश के अनुसार पारिवारिक पेंशन अनुमन्य नहीं हुई है।

जी हां।

नियमानुसार लाभत्रयी योजना के अन्तर्गत निर्धारित सेवा अवधि पूर्ण न होने के कारण स्व0 रामदुलार सिंह के आश्रित को पारिवारिक पेंशन अनुमन्य नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

44-श्री रामचन्द्र यादव-

[मा0 न्यायालय के विचाराधीन होने के कारण निरस्त]

जनपद बाराबंकी के विकास खण्ड निन्दूरा देवां में बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों के कार्मिकों को आवास व नगर प्रतिकर भत्ता दिये जाने की जानकारी

45-श्री रामचन्द्र यादव-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ महानगर क्षेत्र विस्तार की अधिसूचना संख्या-6450/ सी-7-2006-67ज/95, दिनांक 30-11-06 नगर विकास अनुभाग-7 द्वारा जनपद बाराबंकी का नगर व विकास खण्ड वेनी, निदूरा, देवां लखनऊ महानगर में शामिल हाने के उपरान्त वित्त नियन्त्रक बे0शि0 परिषद्, उ0प्र0 द्वारा बे0शि0प0/ले0स0/ न0प्रति0भ0/9680-92/ 2011-12, दिनांक 23-11-11 द्वारा आच्छादित क्षेत्रों को लखनऊ महानगर की दर पर आवास/नगर प्रतिकर भत्ता भुगतान हेतु आदेश जारी किया गया है ? यदि हां, तो क्या शासनादेश के अनुरूप उक्त क्षेत्र के बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों के कार्मिकों को आवास एवं नगर प्रतिकर भत्ता का भुगतान किया जा रहा है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

वित्त नियंत्रक, बेसिक शिक्षा परिषद् के पत्र दिनांक 23-11-2011 द्वारा नगर विकास विभाग, उ0 प्र0 शासन की अधिसूचना दिनांक 30-11-2006 की जानकारी सम्बन्धित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को देते हुए आवास/नगर प्रतिकर भत्ता के भुगतान के सम्बन्ध में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जी नहीं।

वरिष्ठ कोषाधिकारी, बाराबंकी के पत्र दिनांक 10-12-12 द्वारा अवगत कराया है कि आवासीय/नगर प्रतिकर भत्ता वित्त विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार ही देय होते हैं।

वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 8-12-2008 के अनुसार जनपद बाराबंकी के नगर क्षेत्र के कार्मिकों को शासनादेश में अवर्गीकृत श्रेणी के क्षेत्रों को देय मकान किराया भत्ता तथा शेष जिला मुख्यालय के श्रेणी को देय नगर प्रतिकर भत्ता का भुगतान किया जा रहा है। जनपद बाराबंकी के विकास खण्ड निन्दूरा एवं देवां को अवर्गीकृत श्रेणी के मकान किराया भत्ता का भुगतान किया जा रहा है एवं नगर प्रतिकर भत्ता देय न होने के कारण भुगतान नहीं किया जा रहा है।

उक्तवत्।

प्रदेश के अल्पसंख्यक बाहुल्य ग्रामों में स्थापित प्राइमरी विद्यालयों में उर्दू अध्यापकों के चयन के नीति

46-श्री अनीसुर्रहमान-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के अल्पसंख्यक बाहुल्य ग्रामों में स्थापित प्राइमरी विद्यालयों एवं जू0 हाई स्कूलों में उर्दू अध्यापकों के चयन हेतु कोई नीति सरकार द्वारा बनायी गयी है ? यदि हां, तो उसका क्रियान्वयन कब तक किया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

उ0 प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित प्राइमरी विद्यालयों एवं जूनियर हाई स्कूलों में उर्दू शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों हेतु उर्दू शिक्षकों की व्यवस्था पूर्व से ही है। अल्पसंख्यक बाहुल्य ग्रामों में स्थापित प्राइमरी विद्यालयों एवं जूनियर हाई स्कूलों में उर्दू अध्यापकों के चयन हेतु पृथक से कोई आदेश नहीं है।

उक्तवत्।

उक्तवत्।

47-श्री भीम प्रसाद सोनकर-

[2सरे शुक्रवार के अता0 प्र0 सं0-60 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद लखीमपुर खीरी के परिषदीय विद्यालयों का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण कराये जाने की जानकारी

48-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद-लखीमपुर खीरी के परिषदीय विद्यालयों में सरकार की बहु कल्याण योजना के तहत कराया जा रहा विद्युतीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है ? यदि नहीं, तो शेष कार्य कब तक पूर्ण किया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी नहीं।

बजट का प्रावधान कराया जा रहा है, जिसके उपलब्ध होने पर विद्युतीकरण के शेष कार्य को पूर्ण किया जा सकेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखीमपुर खीरी में कतिपय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया

49-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद-लखीमपुर खीरी में कतिपय विद्यालय शिक्षकों के अभाव में बन्द हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार शिक्षकों की नियुक्ति करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी नहीं।

जनपद का कोई भी विद्यालय बन्द नहीं है।

अध्यापकों की कमी को पूरा करने हेतु शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया गतिमान है।

शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया गतिमान है।

प्रश्न नहीं उठता।

50-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

[दिनांक 28-02-2013 को अता0प्र0सं0-56 द्वारा उत्तरित]

जनपद गोरखपुर के चौरी-चौरा के शहीद स्मारक का जीर्णोद्धार कराये जाने की जानकारी

51-श्री जय प्रकाश निषाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला-गोरखपुर के चौरी-चौरा रेलवे स्टेशन के निकट बना शहीद स्मारक अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त शहीद स्मारक का जीर्णोद्धार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी नहीं।

उप जिलाधिकारी, चौरी-चौरा की सत्यापन रिपोर्ट के अनुसार शहीद स्मारक अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण अवस्था में नहीं है।

शहीद स्मारक की सुरक्षा एवं साफ-सफाई हेतु जिला पंचायत से एक चौकीदार एवं दो माली तैनात हैं। समय-समय पर शहीद स्मारक का अनुरक्षण जिला पंचायत गोरखपुर द्वारा कराया जाता रहा है। वित्तीय वर्ष 2010-11 में शहीद स्मारक चौरी-चौरा के क्षतिग्रस्त पिलर्स का नव निर्माण एवं अन्य मरम्मत कार्य कराये गये थे। वित्तीय वर्ष 2011-12 में स्मारक में इन्टरलॉकिंग, 01 अदद टेबुल, 06 अदद कुर्सी की आपूर्ति, ग्रिल का शीशा, दीवार की चुनाई, प्लास्टर, रंगाई-पुताई, हाई मास्ट लाइट, फव्वारा मरम्मत इत्यादि कार्य जिला पंचायत गोरखपुर द्वारा कराये गये हैं।

उपरोक्तानुसार।

जनपद जौनपुर के श्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला, सहायक अध्यापक को कार्यभार ग्रहण कराकर उनके वेतन का भुगतान कराये जाने की जानकारी

52-श्री जगन प्रसाद गर्ग-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला विद्यालय निरीक्षक जौनपुर के कार्यालय पत्रांक 6849-52-2011-12, दिनांक 27 जनवरी, 2012 द्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला, सहायक अध्यापक, जनता इण्टर कालेज रतनुपुर, जनपद जौनपुर की सेवाएं समाप्त कर दी गयी थीं ? क्या यह सही है कि मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा रिट याचिका संख्या 15686/2012 द्वारा सेवा समाप्ति के विरुद्ध दिनांक 30 मार्च, 2012 को स्थगन आदेश दिया गया था ? यदि हां, तो क्या प्रबन्धक द्वारा श्री शुक्ल को कार्यभार ग्रहण कराकर उनके वेतन का भुगतान कराया जा रहा है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी हां।

जी हां।

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

कानपुर नगर स्थित निराला नगर में पराग दुग्ध डेरी चलाये जाने की मांग

53-श्री सतीश महाना-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कानपुर नगर स्थित निराला नगर में पराग दुग्ध डेयरी को पूरी क्षमता से चलाया जा रहा है ? यदि हां, तो उससे कुल दुग्ध उत्पादन कितना है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

कानपुर नगर में निजी क्षेत्र की डेरियों के आ जाने, पराग दुग्ध डेयरी के वित्तीय संसाधनों में कमी एवं दुग्ध उपार्जन में गिरावट होने के कारण।

जनपद लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी में डा0 अम्बेडकर ग्रामों से सम्बन्धित पुरवों/मजरों में कराये गये विकास कार्यों व अवशेष कार्य का विवरण

54-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी विधान सभा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2010-11 एवं 2011-12 में कुल चयनित डा0 अम्बेडकर ग्रामों से सम्बन्धित किन-किन पुरवों/मजरों तथा मुख्य मार्गों में कितना-कितना विकास कार्य कराया गया है तथा किन-किन में विकास कार्य कराया जाना शेष है ? क्या सरकार शेष पुरवों/मजरों का विकास कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रामकरन आर्य-

जनपद लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी विधान सभा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2010-11 एवं वर्ष 2011-12 में कुल चयनित डा0 अम्बेडकर ग्रामों से सम्बन्धित पुरवों/मजरों के मुख्य सम्पर्क मार्गों में लक्ष्यानुसार कराये गये कार्यों तथा अवशेष कार्यों से सम्बन्धित विवरण संलग्न† है।

शासनादेश दिनांक 16 मई, 2012 द्वारा डा0 अम्बेडकर ग्राम सभा विकास योजना के स्वरूप को संशोधित एवं विस्तृत करते हुए उसके स्थान पर शासनादेश दिनांक 17 मई, 2012 द्वारा डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना लागू की गयी है।

जनपद लखीमपुर खीरी में राजकीय कन्या इण्टर कालेज के शिक्षकों व प्रधानाचार्य की तैनाती अर्हता के अनुसार किये जाने की जानकारी

55-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखीमपुर खीरी की नगर पंचायत धौरहरा में राजकीय कन्या इण्टर कालेज में शिक्षकों की संख्या पद सृजन के अनुसार नहीं है ? क्या सरकार की जानकारी में यह भी है कि न्यूनतम योग्यता से कम योग्यता के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उक्त

† (देखिये नत्थी 'क' आगे पृष्ठ-197-198 पर।)

विद्यालय में है ? यदि हां, तो क्या सरकार योग्यतानुसार प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों की तैनाती करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी हां।

जी नहीं।

योग्यतानुसार ही प्रधानाचार्य की नियुक्ति की जाती है एवं पद की अर्हता के अनुसार ही शिक्षक तैनात है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखीमपुर खीरी की कतिपय क्षेत्र पंचायतों में राजकीय इण्टर कालेज स्थापित किये जाने की मांग

56-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखीमपुर खीरी में कौन-कौन सी क्षेत्र पंचायतें ऐसी हैं जिनमें अब तक राजकीय इण्टर कालेज नहीं हैं ? क्या सरकार उन क्षेत्र पंचायतों में राजकीय इण्टर कालेज स्थापित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जनपद लखीमपुर खीरी में निम्नांकित क्षेत्र पंचायतों में राजकीय इण्टर कालेज संचालित नहीं है- विजुआ, ईशानगर, कम्मी, पलिया, फूलबेहड, रमियाबेहड, बाकेगंज, पसगंवा, मितौली एवं बेहजम।

सीधे राजकीय इण्टर कालेज खोले जाने हेतु कोई सरकारी नीति नहीं है।

उक्तवत्।

जनपद लखीमपुर खीरी की तहसीलों में रजिस्ट्री कराने में लिये गये दो प्रतिशत विकास शुल्क से कराये गये कार्यों की जानकारी

57-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

क्या स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद-लखीमपुर खीरी की तहसीलों में रजिस्ट्री कराने में स्टाम्प शुल्क के साथ-साथ 02 प्रतिशत विकास शुल्क के रूप में पिछले पांच वर्षों में कितना राजस्व प्राप्त हुआ ? क्या यह सही है कि जिन क्षेत्रों से रजिस्ट्री के साथ-साथ विकास शुल्क के रूप में राजस्व प्राप्त हुआ है उसका व्यय किन क्षेत्रों के विकास में किया गया है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क, पंजीयन, नागरिक सुरक्षा मंत्री (श्री राजा महेन्द्र अरिदमन सिंह)-

पिछले पांच वर्षों, 2007 से 2012 तक रजिस्ट्री कराने में स्टाम्प शुल्क के साथ-साथ 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क के रूप में रु0 13,10,50,516.00 (रुपये तेरह करोड़ दस लाख पचास हजार पांच सौ सोलह मात्र) प्राप्त हुए।

प्राप्त धनराशि का व्यय नगर पालिका परिषद् लखीमपुर, गोला गोकर्णनाथ एवं पलियाकलां के सीमान्तर्गत विकास कार्यों पर किया गया है। साथ ही उक्त धनराशि का अंश आवास विभाग द्वारा

जनपद लखीमपुर खीरी में मा0 कांशीराम शहरी गरीब आवास योजना के अन्तर्गत पांच स्थलों (डी0सी0रोड, गढ़ी रोड, लालपुर बैरियर, लालपुर भंसरिया एवं खीरी टाउन) में भवनों के निर्माण एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं पर भी व्यय किया गया है।

जनपद कानपुर देहात के सिकन्दरा से खटकर तक की क्षतिग्रस्त सड़क के मरम्मत की मांग

58-श्री इन्द्रपाल सिंह-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर देहात के सिकन्दरा विधान सभा क्षेत्र में सिकन्दरा से खटकर तक सड़क प्रधान मंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत बनी थी, जो वर्तमान में क्षतिग्रस्त है, जिससे नागरिकों को आवागमन में असुविधा होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सड़क की मरम्मत करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी नहीं। प्रश्नगत सड़क प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में बालिका स्कूल व इण्टरमीडिएट से सम्बद्ध प्राइमरी शिक्षिकाओं का वेतन व फिटमेण्ट तालिका निर्गत करने की जानकारी

59-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बालिका हाईस्कूल/बालिका इण्टरमीडिएट विद्यालयों से सम्बद्ध प्राइमरी शिक्षिकाओं की 10 वर्ष की नियमित सेवा पर चयन वेतनमान मिल जाने पर अग्रिम 12 वर्ष की सेवा अर्थात् कुल 22 वर्ष की नियमित सेवा पर वर्तमान में छठे वेतन आयोग के अनुसार क्या प्रोन्नत वेतन देय है ? यदि हां, तो उसका वेतनमान व फिटमेण्ट तालिका निर्गत कर दी गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी हां।

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के भोजनालयों में भोजन करने पर लगने वाले वैट की दर को कम कराये जाने की मांग

60-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में भोजनालयों में भोजन करने पर वैट की दर 13.50 प्रतिशत है जबकि मिठाइयों पर यही दर मात्र 4 प्रतिशत है ? यदि हां, तो क्या सरकार भोजनालयों में भोजन करने पर वैट की दर 13.50 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

प्रदेश में भोजन पर वैट की दर 12.5 प्रतिशत तथा अतिरिक्त कर 1.5 प्रतिशत है। मिठाई पर वैट की दर 4 प्रतिशत तथा अतिरिक्त कर 1 प्रतिशत है।

जी नहीं।

प्रदेश के सर्वांगीण विकास एवं वित्तीय आवश्यकता के दृष्टिगत युक्तिसंगत रूप से वैट की दरें निर्धारित की गयी हैं।

जनपद गाजियाबाद के लोनी में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत स्वीकृत सड़कों का कार्य पूर्ण होने की जानकारी

61-श्री जाकिर अली-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र लोनी में प्रधानमंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत वर्ष 2008 से दिनांक 10-9-2012 तक कौन-कौन सी सड़कें स्वीकृत हैं तथा इनके निर्माण पर कितना धन व्यय हुआ है ? क्या सभी स्वीकृत सड़कों को पूर्ण कर दिया गया है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र लोनी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत वर्ष 2008 से दिनांक 10-09-2012 के मध्य बंथला डिकौली मार्ग से कोतवालपुर मार्ग उच्चीकरण हेतु स्वीकृत किया गया है।

मार्ग की लम्बाई 3.00 कि0मी0 है तथा इसके निर्माण पर कुल रु0 98.04 लाख व्यय किये गये हैं। मार्ग का निर्माण जनवरी, 2010 में पूर्ण हो चुका है।

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद महोबा के चरखारी में ग्राम कुलपहाड़ राजकीय बालिका इण्टर कालेज के निर्माण हेतु धनराशि अवमुक्त करने की जानकारी

62-श्री संगीत सिंह सोम-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद महोबा के विधान सभा क्षेत्र चरखारी के अन्तर्गत कुलपहाड़ में स्वीकृत राजकीय बालिका इण्टर कालेज का निर्माण कार्य अभी तक धन अवमुक्त न किये जाने के कारण प्रारम्भ नहीं हो सका है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त राजकीय बालिका इण्टर कालेज के निर्माण हेतु धन अवमुक्त करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी हां।

न्यायालय चकबन्दी अधिकारी, महोबा आदेश दिनांक 14-05-2012 के द्वारा ग्राम कुलपहाड़ के गाटा संख्या-2814/17बी0 में 3.50 एकड़ भूमि राजकीय बालिका इण्टर कालेज, कुलपहाड़ हेतु सुरक्षित कर दी गयी है। भूमि की निर्विवादिता के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त होते ही नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर देहात के ब्लाक डेरापुर की ग्राम पंचायत महाराजपुर में प्राइमरी पाठशाला खोले जाने की जानकारी

63-श्री इन्द्रपाल सिंह-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर देहात के ब्लाक डेरापुर में स्थित ग्राम पंचायत महाराजपुर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में प्राइमरी पाठशाला नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र में प्राइमरी पाठशाला बनवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ?

श्री राम गोबिन्द चौधरी-

ब्लाक डेरापुर में स्थित ग्राम पंचायत महाराजपुर में प्राथमिक विद्यालय नहीं है।

उक्त क्षेत्र में प्राथमिक पाठशाला बनवाने हेतु वर्ष 2013-14 की वार्षिक कार्य योजना में प्रावधान प्रस्तुत किया गया है।

भारत सरकार से कार्य योजना की स्वीकृति उपरान्त कार्यवाही की जा सकेगी।

प्रदेश की मिनी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनवाड़ी कत्रियों के समान मानदेय दिये जाने की मांग

64-श्री सूरज पाल सिंह-

क्या बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनबाड़ी कत्रियों के समान मानदेय दिये जाने पर सरकार विचार कर रही है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी नहीं।

समन्वित बाल विकास योजना के अन्तर्गत प्रदेश की बाल विकास परियोजनायें भारत सरकार की सहायता से संचालित है। इस योजना के अन्तर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों/सहायिकाओं के मानदेय की दरें भी भारत सरकार द्वारा स्वीकृत/निर्धारित हैं। इसलिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर मानदेय का भुगतान किया जाता है। राज्य सरकार के सीमित वित्तीय संसाधनों के परिप्रेक्ष्य में राज्य स्तर पर मानदेय की वृद्धि किये जाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

प्रदेश में इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत आवास आवंटन किये जाने की जानकारी

65-डा0 मो0 अयूब-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विधायकों के प्रस्ताव/अनुशंसा पर पात्र व्यक्तियों को इन्दिरा आवास देने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

इन्दिरा आवास योजना केन्द्र पुरोनिधानित योजना है, जिसका संचालन भारत सरकार के मार्ग निर्देशिका के अनुसार किया जाता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्गत इन्दिरा आवास की गाइड लाइन के प्रस्तर-2.2 में लाभार्थियों की पात्रता निर्धारित है, जिसके अनुसार लाभार्थियों का चयन कर आवासों का आवंटन किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

66-श्री संगीत सिंह सोम-

[2सरे सोमवार के अता0प्र0सं0-74 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद गोरखपुर के दक्षिणांचल में घाघरा नदी से हो रहे अवैध रूप से बालू खनन को रोकने की मांग

67-श्री राजेश त्रिपाठी-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि गोरखपुर के दक्षिणांचल में घाघरा नदी से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से बालू खनन हो रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसे रोकने हेतु कठोर कदम उठायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

विधान सभा सदस्यों को इण्डिया माक्र-2 हैण्डपम्प उनके द्वारा निर्दिष्ट नाम स्थल पर लगाये जाने की व्यवस्था

68-श्री राजेश त्रिपाठी-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पूर्व में प्रत्येक विधान सभा सदस्यों को जल निगम के इण्डिया मार्का हैण्डपम्प उनके द्वारा निर्दिष्ट नाम स्थलों पर लगाने की व्यवस्था थी, जो वर्तमान में स्थगित है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त व्यवस्था को पूर्व की भांति वर्तमान में पुनः आरम्भ करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

जी नहीं।

ग्रामीण पेयजल योजनाओं का संचालन राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत किये जाते हैं।

जनपद संत कबीर नगर में कन्या विद्या धन के प्राप्त आवेदन-पत्र व पात्र छात्राओं को लाभान्वित करने की कार्यवाही

69-डा0 मो0 अयूब-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद संत कबीर नगर में वर्ष 2012-13 में कन्या विद्या धन से सम्बन्धित कितने आवेदन-प्राप्त हुए हैं ? क्या सभी आवेदकों को उक्त लाभ दिया जायेगा ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

कुल 8054 आवेदन-पत्र प्राप्त हुए हैं।

शासनादेश दिनांक 31 जनवरी, 2013 द्वारा जनपद संत कबीर नगर हेतु निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पात्र छात्राओं को लाभान्वित किया जायेगा।

जनपद हेतु निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष पात्र छात्राओं को लाभान्वित करने की कार्यवाही गतिमान है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद गाजियाबाद के लोनी कस्बे में एक मिनी स्टेडियम बनाये जाने मांग

70-श्री जाकिर अली-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गाजियाबाद के लोनी कस्बे में एक मिनी स्टेडियम बनाये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-ख-5, सं0-074844, दिनांक 02-01-2013 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो क्या उक्त कस्बे में मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जायेगा ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम करन आर्य-

जी हां।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

ग्रामीण स्टेडियम की योजना वित्तीय वर्ष 2012-13 से शासन द्वारा समाप्त कर दी गयी है।

प्रदेश के जनपदों में लागू की गयी राष्ट्रीय पशुधन बीमा योजना

71-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में राष्ट्रीय पशुधन बीमा योजना कितने जनपदों में एवं कब से लागू है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि अभी तक किन-किन जनपदों में कुल कितने पशुओं का बीमा वित्तीय वर्ष 2012-13 में किया गया है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राज किशोर सिंह-

राष्ट्रीय पशुधन बीमा योजना वर्ष 2006-07 से लेकर वर्ष 2009-10 तक 12 जनपदों में लागू थी तथा वर्ष 2010-11 से यह योजना 39 जनपदों में संचालित है।

वित्तीय वर्ष 2012-13 में 15 फरवरी, 2013 तक कुल 10030 पशुओं का बीमा किया जा चुका है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में संचालित पब्लिक स्कूलों में कमजोर एवं गरीब वर्गों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत निःशुल्क प्रवेश एवं स्कूल बस सुविधा हेतु सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन

72-श्री मनीष असीजा-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में संचालित पब्लिक स्कूलों में कमजोर एवं गरीब वर्गों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत निःशुल्क प्रवेश एवं स्कूल बस सुविधा हेतु सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन हो रहा है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी हां।

अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को असहायतित विद्यालयों में कक्षा 01 से कक्षा की कुल संख्या के कम से कम 25 प्रतिशत की सीमा तक प्रवेश हेतु राज्य सरकार द्वारा निम्नवत् कार्यवाही की गयी है :--

अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को विनिर्दिष्ट करने हेतु अधिसूचना दिनांक 30 नवम्बर, 2012 को जारी की जा चुकी है।

निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था हेतु शासनादेश दिनांक 03 दिसम्बर, 2012 को जारी किया जा चुका है। सम्प्रति स्कूल बस की सुविधा हेतु प्राविधान नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

73-74-श्री बब्बन सिंह चौहान-

[2सरे शुक्रवार के अता0प्र0सं0-61 व 62 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद चन्दौली में मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र में सी0सी0 रोड के निर्माण की मांग

75-श्री बब्बन सिंह चौहान-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद चन्दौली में मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत हसनपुर मछरिया में रामलाल के खेत से सत्य नारायण के खेत तक एवं गंगेहरा में रामजतन के घर से भुल्लन साह के मकान तक मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुका है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग पर सी0सी0 रोड का निर्माण करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जिला गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा के अन्तर्गत विकास खण्ड सरदार नगर में पंजीकृत दुग्ध उत्पादन सहकारी समितियों में सक्रिय समितियों की संख्या शून्य एवं निष्क्रिय समितियों की संख्या-09 है। विकास खण्ड ब्रहम्पुर में पंजीकृत दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों में से सक्रिय समितियों की संख्या-05 एवं निष्क्रिय समितियों की संख्या-11 है।

जी हां।

सहकारी दुग्ध संघ गोरखपुर के वित्तीय संसाधनों में वृद्धि तथा सहकारी दुग्ध समितियों के स्तर पर पर्याप्त दुग्ध की उपलब्धता होने पर।

प्रश्न नहीं उठता।

जिला गोरखपुर विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा में विकास खण्ड सरदार नगर एवं ब्रह्मपुर में पंजीकृत सक्रिय एवं निष्क्रिय दुग्ध उत्पादन सहकारी समितियों के सम्बन्ध में जानकारी

76-श्री जय प्रकाश निषाद-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जिला गोरखपुर के विधान सभा क्षेत्र चौरी-चौरा के अन्तर्गत विकास खण्ड सरदार नगर एवं ब्रह्मपुर में पंजीकृत दुग्ध उत्पादन सहकारी समितियों में से कितनी सक्रिय तथा कितनी निष्क्रिय हैं ? क्या सरकार निष्क्रिय सहकारी समितियों को सक्रिय करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत हसनपुर मछरिया में रामलाल के खेत से सत्य नारायण के खेत तक वर्तमान में कोई मार्ग निर्माण नहीं हुआ है। वहां पर कच्ची पगडण्डी का रास्ता है।

गंगेहरा में रामजतन के मकान से भुल्लन शाह के मकान तक खड़न्जा कार्य क्षतिग्रस्त हो गया है।

प्रश्नगत मार्ग प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना से आच्छादित नहीं है। ग्राम्य विकास विभाग की किसी योजना में सी0सी0 रोड बनाने का प्राविधान नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बुलन्दशहर ग्राम भदौरा ब्लाक अरनियां में पानी की टंकी स्थापित करने की मांग

77-श्री बंशी सिंह पहाड़िया-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बुलन्दशहर के ग्राम भदौरा ब्लाक अरनियां में पीने के पानी की समस्या के निराकरण हेतु क्या सरकार पानी की टंकी स्थापित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

ग्राम-भदौरा, जनपद-बुलन्दशहर के विकास खण्ड अरनियां में न होकर विकास खण्ड खुर्जा में स्थित है। उक्त ग्राम में पेयजल हेतु मानक के अनुरूप हैण्डपम्प अधिष्ठापित है जिनसे पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

उक्त ग्राम वर्ष 2012-13 में मल्टी सेक्टोरल कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित हुआ है। अतः पानी की टंकी के निर्माण कार्य हेतु कार्यवाही अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किया जाना है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद अम्बेडकर नगर विधान सभा क्षेत्र आलापुर में राजकीय बालिका विद्यालय का नवनिर्माण कराये जाने विषयक प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्यवाही

78-श्री भीम प्रसाद सोनकर-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र आलापुर में राजकीय बालिका विद्यालय का नव निर्माण कराये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र जो मुख्य मंत्री कार्यालय के पत्र संख्या-10161016 दिनांक 05-11-2013 द्वारा प्रमुख सचिव, माध्यमिक शिक्षा उ0 प्र0 शासन, लखनऊ को कार्यवाही हेतु भेजा गया ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी हां।

मुख्य मंत्री कार्यालय के पत्र संख्या-10161016, दिनांक 5-11-2013 पर कृत कार्यवाही से मा0 सदस्य को शासन के पत्र संख्या-सी0एम0-491/15-10-2012, दिनांक 30-11-2012 द्वारा अवगत कराया जा चुका है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर की तहसील जलालाबाद में डा0 राममनोहर लोहिया ग्राम विकास योजनान्तर्गत वर्ष 2012-13 में चयनित गांवों का विवरण

79-श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शाहजहांपुर की तहसील जलालाबाद में डा0 राम मनोहर लोहिया ग्राम विकास योजना के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 में किन-किन गांवों का चयन किया गया है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम करन आर्य-

डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 में जनपद शाहजहांपुर की तहसील जलालाबाद में 04 ग्रामों का चयन किया गया है, जिनका विवरण निम्नवत् है :-

चयनित ग्राम	विकास खण्ड का नाम
बझेड़ा महुआ डाडी	जलालाबाद
सगहा	मिर्जापुर
तिहार	कलान
श्रीनगर	कलान

प्रश्न नहीं उठता।

80-श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य-

[2सरे शुक्रवार के अता0प्र0 सं0-63 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद गोरखपुर की तहसील गोला, बांस गांव एवं खजनी के कतिपय गांवों को मिलाकर नया ब्लाक बनाये जाने की मांग

81-श्री राजेश त्रिपाठी-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि गोरखपुर जनपद की तहसील गोला, बांस गांव एवं खजनी के कुछ गांवों को मिलाकर एक अलग विकास खण्ड जानीपुर के नाम पर बनाने का प्रस्ताव शासन के समक्ष विचाराधीन है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त नया ब्लाक जानीपुर के गठन हेतु आवश्यक कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

प्रकरण परीक्षणाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आगरा के ग्राम बमरौली कटारा से पवावली तक के क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत कराये जाने की मांग

82-श्री काली चरन सुमन-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा के ग्राम बमरौली कटारा से पवावली तक सम्पर्क मार्ग क्षतिग्रस्त है व जगह-जगह गड्ढे हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सम्पर्क मार्ग की मरम्मत करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जनपद आगरा के ग्राम बमरौली कटारा से पवावली तक सम्पर्क मार्ग की लम्बाई 2.5 कि0मी0 है, जिसका लेपन कार्य जगह-जगह उखड़ गया है।

प्रश्नगत मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से आच्छादित नहीं है। अतः ग्राम्य विकास विभाग द्वारा प्रश्नगत मरम्मत कार्य कराया जाना संभव नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में टी0टी0एस0पी0 योजना में हुए घोटाले की जांच के आदेश

83-श्री दलवीर सिंह-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में टी0टी0एस0पी0 योजना में हुए घोटाले की जांच कराने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र सं0-319/रालोद/वि0द0/2012, दिनांक 22-11-2012 मुख्य मंत्री को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

प्रकरण की जांच हेतु जिलाधिकारी, अलीगढ़ को निर्देश दिये गये हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद गौतमबुद्ध नगर में खूपुरा से तिरथली के क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत कराये जाने की मांग

84-श्री बंशी सिंह पहाड़िया-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गौतमबुद्ध नगर में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत निर्मित खूपुरा से झाझर मार्ग, भाईपुर मार्ग, मिर्जापुर मार्ग तथा तिरथली मार्ग होते हुए जेवर मार्ग क्षतिग्रस्त हो गये हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सड़कों की मरम्मत करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'-

जनपद गौतमबुद्ध नगर में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत रबुपुरा से झाझर मार्ग, भाईपुर मार्ग मिर्जापुर मार्ग तथा तिरथली मार्ग होते हुए जेवर मार्ग निर्मित हुए थे। प्रश्नगत मार्ग यमुना

एक्सप्रेस-वे के निर्माण के दौरान भारी यातायात के कारण क्षतिग्रस्त होने के फलस्वरूप लोक निर्माण विभाग को अनुरक्षण हेतु दिनांक 11-07-2011 को हस्तान्तरित किये जा चुके हैं। वर्तमान में उक्त मार्ग प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, गौतमबुद्ध नगर के अधीन है।

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित ऐसे मार्ग, जिनके निर्माण की अवधि पांच वर्ष से अधिक है अथवा भारी यातायात के कारण लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरित हो चुके हैं, का अनुरक्षण प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कराया जाना संभव नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपरोक्तानुसार।

जनपद फैजाबाद, तहसील मिल्कीपुर की श्रीमती शरदबाला सिंह पत्नी स्व0 अखण्ड प्रताप सिंह को मृतक आश्रित कोटे के अन्तर्गत सेवायोजित किये जाने का प्रकरण

85-श्री रामचन्द्र यादव-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि शरदबाला सिंह पत्नी स्व0 अखण्ड प्रताप सिंह, निवासी ग्राम नागीपुर तहसील मिल्कीपुर, जनपद फैजाबाद को मृतक आश्रित कोटे के अन्तर्गत सेवायोजित किये जाने विषयक प्रश्नकर्ता के अनुरोध पर आप द्वारा दिनांक 03-01-2013 को निदेशक बेसिक शिक्षा उ0 प्र0 को आदेश दिये गये हैं ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी हां।

श्रीमती शरदबाला सिंह के सहायक अध्यापक/लिपिक पद पर मृतक आश्रित के रूप में नियुक्ति हेतु प्राप्त आवेदन-पत्र दिनांक 24-5-2012 के संदर्भ में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बहराइच के पत्र दिनांक 11-10-2012 द्वारा श्रीमती शरदबाला सिंह को अवगत कराया गया कि प्रदेश में अनिवार्य एवं निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2011 के प्रभावी होने के कारण कोई भी अभ्यर्थी बिना अध्यापक पात्रता परीक्षा (टी0ई0टी0) उत्तीर्ण किये सहायक अध्यापक नहीं बन सकता तथा कनिष्ठ लिपिक का पद रिक्त नहीं है, ऐसी स्थिति में उनकी नियुक्ति उक्त पदों के सापेक्ष नहीं अपितु चतुर्थ श्रेणी के पद पर ही की जा सकती है। उन्हें यह भी अवगत कराया गया कि यदि वे सहमत हों तो 10 दिन के अन्दर आवेदन-पत्र प्रस्तुत करें, परन्तु उनके द्वारा चतुर्थ श्रेणी के पद पर नियुक्ति हेतु अभी तक सहमति प्रदान नहीं की गयी है, ऐसी स्थिति में श्रीमती शरदबाला सिंह की नियुक्ति मृतक आश्रित के रूप में नहीं की जा सकी है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद आगरा में ग्राम पंचायत दौरेठा, विकास खण्ड बिचपुरी में गली नं0-1 में स्थित खराब टंकी को ठीक करवाये जाने की प्रक्रियाधीन कार्यवाही

86-श्री काली चरन सुमन-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा में ग्राम पंचायत दौरैठा विकास खण्ड बिचपुरी में गली नं0 1 में अम्बेडकर पार्क के पास स्थित पानी की टंकी काफी समय से

खराब होने के कारण जलापूर्ति नहीं हो पा रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त टंकी को ठीक कराकर जलापूर्ति सुनिश्चित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां।

जी हां।

उक्त योजना को शीघ्रातिशीघ्र क्रियाशील किये जाने हेतु कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

87-श्री काली चरन सुमन-

[2सरे शुक्रवार के अता0प्र0सं0-64 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद आगरा के ग्राम नगलाकली में जलापूर्ति हेतु टैंक टाइप स्टैण्ड पोस्ट के अधिष्ठापन की कार्यवाही

88-श्री काली चरन सुमन-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा में ग्राम नगलाकली के अन्तर्गत बड़ी पानी की टंकी से पूरे गांव में पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार जांच कराकर पूरे गांव में पानी की आपूर्ति करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां। ग्राम नगलाकली के आंशिक भाग में योजना से जलापूर्ति नहीं हो रही है।

ग्राम-नगलाकली में जलापूर्ति से अनाच्छादित क्षेत्र में टैंक टाइप स्टैण्ड पोस्ट के अधिष्ठापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है जिसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराकर जलापूर्ति करायी जायेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

89-श्री काली चरन सुमन-

[3सरे शुक्रवार के अता0प्र0सं0-84 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

90-श्री अवस्थी बाला प्रसाद-

[2सरे शुक्रवार के अता0प्र0सं0-65 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद रमाबाई नगर सिकन्दरा के यमुना पट्टी के बेहड़ी क्षेत्र में हैण्डपम्प अधिष्ठापित कराये जाने की जानकारी

91-श्री इन्द्रपाल सिंह-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रमाबाई नगर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दरा के यमुना पट्टी के बेहड़ी क्षेत्र में पीने के पानी का घोर संकट है ? यदि हां, तो क्या सरकार बीहड़ी इलाके में विशेष व्यवस्था कर हैण्डपम्प लगवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी नहीं। जनपद रमाबाई नगर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्दरा के यमुना पट्टी के बेहड़ी क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्रामों में पेयजल हेतु मानक के अनुसार पर्याप्त मात्रा में हैण्डपम्प अधिष्ठापित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शाहजहांपुर में शहबाजनगर से पैंतापुर तक के मार्ग का निर्माण कराये जाने की जानकारी

92-श्री सुरेश कुमार खन्ना-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि पी0एम0जी0एस0वाई0 में जनपद शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2012-13 में स्वीकृत ग्राम पैतापुर व ग्राम रज्जव नगर वाली सड़क का कार्य कब तक शुरू हो जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जनपद शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2012-13 में शहबाजनगर से रज्जबनगर मार्ग लम्बाई 2.85 कि0मी0 तथा एन0एच0-24 के (कि0मी0 331) विकास खण्ड भावलखेड़ा से पैंतापुर मार्ग लम्बाई 2.00 कि0मी0 विश्व बैंक पोषित फेज-10 में क्रमशः पैकेज संख्या यू0पी0-63102 एवं पैकेज संख्या यू0पी0-63117 में स्वीकृत है।

उक्त मार्गों के निर्माण हेतु निविदाओं की स्वीकृति हेतु कार्यवाही प्रचलित है। निविदा स्वीकृत होने एवं अनुबन्ध गठन के उपरान्त मार्ग का निर्माण प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के जनपदों में विकास खण्डों में रिक्त खण्ड विकास अधिकारियों के पदों पर तैनाती की मांग

93-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में किन-किन जनपदों के किन-किन विकास खण्डों में खण्ड विकास अधिकारियों के पद रिक्त हैं ? क्या सरकार उसका विवरण उपलब्ध कराते हुए रिक्त पदों को भरेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जी हां। रिक्त पदों का विवरण संलग्न* है और रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही की जा रही है। खण्ड विकास अधिकारी का पद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परिधि का पद है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से प्राप्त होने वाली संस्तुति के क्रम में खण्ड विकास अधिकारियों के रिक्त पदों को भरा जायेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद सोनभद्र में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन व रि-बोरिंग कराये जाने की कार्य योजना

94-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सोनभद्र में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिये माह अप्रैल, 2012 से अगस्त, 12 तक सरकार द्वारा जनपद सोनभद्र में इण्डिया मार्का-II हैण्डपम्प एवं गहरे बोरिंग के हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन एवं रि-बोर हेतु कुल कितनी धनराशि अवमुक्त की गयी है तथा कुल कितने हैण्डपम्प लगाये गये तथा कितने खराब पड़े हैं ? क्या सरकार

* (देखिये नत्थी 'ख आगे पृष्ठ-199-201 पर।)

खराब हैण्डपम्पों को ठीक कराते हुए नये हैण्डपम्पों हेतु विधायकों से भी लिखित प्रस्ताव लेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जनपद-सोनभद्र में माह अप्रैल, 2012 से अगस्त, 2012 तक इण्डिया मार्क-II हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन तथा गहरे बोरिंग के हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन एवं रि-बोर हेतु कुल रु0 238.58 लाख की धनराशि अवमुक्त की गई है, जिसके अन्तर्गत 358 नग नये हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन हुआ है एवं 172 नग हैण्डपम्प रि-बोर हुए हैं। जनपद में वर्तमान में कुल 1927 इण्डिया मार्क-II हैण्डपम्प स्थाई रूप से (रि-बोर योग्य) खराब है।

राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत हैण्डपम्पों के अधिष्ठापन/रि-बोरिंग हेतु मा0 विधायकों से प्रस्ताव प्राप्त किये जाने का प्राविधान नहीं है।

हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन एवं रि-बोरिंग निर्धारित मानकानुसार उपलब्ध वित्तीय संसाधन से कराये जाते हैं, तद्क्रम में वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनपद में कुल 958 नये इण्डिया मार्क-II हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन एवं 400 हैण्डपम्पों को रि-बोर कराने की कार्य योजना स्वीकृत है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद सोनभद्र के कतिपय विकास खण्डों में मा0 विधायक/सांसद कोटे से अधिष्ठापित हैण्डपम्पों का विवरण

95-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सोनभद्र के विकास खण्ड म्योरपुर, राबर्ट्सगंज एवं चोपन में पेयजल की समस्या को दूर किये जाने हेतु मार्च, 2007 से अगस्त, 2012 तक कुल कितने हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन एवं रि-बोर कराया गया ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि विधायक/सांसद कोटे के अन्तर्गत लगाये गये हैण्डपम्पों का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह ''गोप''-

जनपद सोनभद्र के विकास खण्ड म्योरपुर, राबर्ट्सगंज एवं चोपन में मार्च, 2007 से अगस्त, 2012 तक 5596 नग नये हैण्डपम्पों का अधिष्ठापन एवं 2805 नग हैण्डपम्पों को रि-बोर कराया गया।

मा0 विधायक/सांसद कोटे के अन्तर्गत अधिष्ठापित हैण्डपम्पों का विवरण निम्नवत् है :-

क्र0सं0	वर्ष	मा0 विधायक कोटे के अन्तर्गत अधिष्ठापित हैण्डपम्पों की संख्या	मा0 सांसद कोटे के अन्तर्गत अधिष्ठापित हैण्डपम्पों की संख्या
1	2	3	4
1	2007-08	453	--
2	2008-09	484	--
	योग :-	937	--

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद सोनभद्र में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत स्वीकृत सड़कों व अधूरी सड़कों का कार्य पूर्ण करवाये जाने की जानकारी

96-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सोनभद्र में वर्ष 2007 से अगस्त, 2012 तक प्रधान मंत्री सड़क योजना के अन्तर्गत कौन-कौन सी सड़कें स्वीकृत हैं ? क्या सरकार इन कराये गये कार्यों का विवरण उपलब्ध करायेगी ? क्या यह सही है कि स्वीकृत सड़कों का कार्य पूर्ण न होने के कारण आज भी अधूरे हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार अधूरी पड़ी सड़कों को पूर्ण करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'-

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत जनपद सोनभद्र में वर्ष 2007 से अगस्त, 2012 तक कुल 124 सड़कें स्वीकृत की गयी थीं, जिनमें से 25 सड़कें अन्य विभागों द्वारा निर्मित कर दिये जाने के फलस्वरूप प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना की सूची से विलोपित कर दिया गया है। इस प्रकार जनपद सोनभद्र में उक्त अवधि में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्माण हेतु 99 सड़कें स्वीकृत की गयी थी।

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत स्वीकृत 99 सड़कों में से 64 सड़कें निर्मित करायी जा चुकी हैं। शेष 35 सड़कों के निर्माण की स्थिति निम्नवत् है :-

(1) 11 सड़कें निर्माणाधीन हैं।

(2) 11 सड़कों के निर्माण हेतु वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर निर्माण प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

(3) 12 सड़कों पर फरवरी, 2013 में अनुबन्ध गठित किये जा चुके हैं तथा निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है।

(4) 01 सड़क के निर्माण के सम्बन्ध में अनुबन्ध गठन की कार्यवाही प्रगति में है।

उक्त सड़कों से सम्बन्धित विवरण विस्तृत होने के कारण मेरे कार्यालय कक्ष में अवलोकित किये जा सकते हैं।

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्माण हेतु लक्षित 99 सम्पर्क मार्गों में से 64 मार्ग पूर्ण हो चुके हैं तथा अवशेष 35 मार्गों के निर्माण के सम्बन्ध में स्थिति उपरोक्तानुसार है।

जी हां।

प्रश्न नहीं उठता।

97-श्री संजय प्रताप जायसवाल-

[4थे बुधवार के अता0प्र0सं0-186 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद गोरखपुर की तहसील कैम्पियरगंज की ग्राम सभा बादशाहपुर में एक ग्रामीण/मिनी स्टेडियम का निर्माण कराये जाने की मांग

98-श्री फतेह बहादुर-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोरखपुर की तहसील कैम्पियरगंज की ग्राम सभा बादशाहपुर में एक ग्रामीण/मिनी स्टेडियम के निर्माण हेतु 5 एकड़ निःशुल्क भूमि लगभग 5 वर्ष पूर्व ग्राम सभा द्वारा उपलब्ध करा दी गयी है ? क्या उक्त स्थान पर युवाओं के खेलकूद हेतु ग्रामीण/मिनी स्टेडियम बनाने की कोई योजना है ? यदि हां, तो कब तक स्टेडियम का निर्माण हो जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम करन आर्य-

जी हां।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

ग्रामीण स्टेडियम की योजना वित्तीय वर्ष 2012-13 से शासन द्वारा समाप्त कर दी गयी है।

जनपद गोरखपुर की तहसील कैम्पियरगंज में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में चार ट्रेडों को बढ़ाये जाने की मांग

99-श्री फतेह बहादुर-

क्या व्यावसायिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद गोरखपुर की तहसील-कैम्पियरगंज में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 4 ट्रेडों को बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ? यदि हां, तो उक्त बढ़ी हुई ट्रेडों में प्रशिक्षण कब तक प्रारम्भ हो जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

बजट में उपरोक्त हेतु कोई वित्तीय प्राविधान न होने के कारण।

प्रदेश की आंगनबाड़ी केन्द्रों में मुख्य सेविका के रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही

100-श्री श्यामदेव राय चौधरी (दादा)-

क्या बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की संख्या की दृष्टि से सुचारू संचालन हेतु वर्तमान में कार्यरत मुख्य सेविकाओं की संख्या बहुत कम है ? यदि हां, तो क्या सरकार मानक के अनुसार आवश्यक मुख्य सेविकाओं की नियुक्ति तथा पदोन्नति की प्रक्रिया आरम्भ करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी हां।

मुख्य सेविका के रिक्त पदों पर चयन की कार्यवाही अग्रसर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद के ब्लाक छजलैट व डिलारी में आई0टी0आई0 स्थापित किये जाने की मांग

101-श्री अनीसुर्रहमान-

क्या व्यावसायिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि विधान सभा क्षेत्र कांठ जनपद मुरादाबाद के ब्लाक छजलैट व डिलारी में एक-एक आई0टी0आई0 स्थापित किये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 05-07-2012 मुख्य मंत्री को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रह्माशंकर त्रिपाठी-

मा0 सदस्य का पत्र दिनांक 02-07-2012 मुख्य मंत्री कार्यालय के पत्र दिनांक 05-07-2012 द्वारा प्राप्त हुआ।

वित्तीय वर्ष 2012-13 में नये राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना के लिए व्यावसायिक शिक्षा विभाग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अन्तर्गत बजट व्यवस्था है। व्यावसायिक शिक्षा विभाग के उपलब्ध बजट से ऐसी तहसीलें जहां कोई भी निजी अथवा राजकीय आई0टी0आई0 नहीं है, में आई0टी0आई0 खोलने का निर्णय लिया गया है। मल्टी सेक्टोरल डेवलपमेन्ट प्रोग्राम (एम0एस0डी0पी0) योजना से आच्छादित जनपदों में विभिन्न परियोजनाएं जिनमें आई0टी0आई0 सम्मिलित है, का चयन जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाता है। वर्ष 2012-13 में जनपद मुरादाबाद में जिला स्तरीय समिति द्वारा विकास खण्ड छजलैट व डिलारी में आई0टी0आई0 की स्थापना का प्रस्ताव नहीं किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद पीलीभीत के कतिपय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के वेतन के भुगतान का आदेश

102-श्री अगयश राम सरन वर्मा-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत छत्रपति शिवाजी स्मारक पूर्व माध्यमिक विद्यालय मुड़ैला खुर्द को दिनांक 07-12-2012 को अप्रशिक्षित शिक्षकों के वेतन हेतु अनुदान अनुमन्य किया है ? यदि हां, तो क्या जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत शिवदेई बालिका विद्यालय बीसलपुर, सुभाष चन्द्र बोस जू0हा0 स्कूल परासी उर्फ परसिया, वैदिक जू0हा0स्कूल जतीपुर (मंगरासा), जनता जू0हा0 जमुनिया खास अशासकीय सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अप्रशिक्षित शिक्षकों को भी वेतन भुगतान हेतु अनुदान अनुमन्य किया जायेगा ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी नहीं।

विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या-34967/2012 में पारित मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 30-11-2012 के दृष्टिगत रिट याचिका संख्या-43347/2008 में पारित मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 18-2-2010 के अनुपालन में प्रश्नगत विद्यालय को वेतन वितरण अधिनियम, 1978 के अन्तर्गत अनुदानित कर विद्यालय में नियमानुसार सृजित पदों के सापेक्ष अद्यावधिक संतोषजनक रूप से कार्यरत शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के वेतन के भुगतान के आदेश जारी किये गये हैं।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों को अनुदान आवंटित कराये जाने की जानकारी

103-श्री अगयश राम सरन वर्मा-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के वेतन बोनस के भुगतान हेतु नवम्बर, दिसम्बर, 2012 एवं जनवरी, फरवरी, 2013 के निमित्त सुनिश्चित धनराशि से कम अनुदान आवंटित किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार अपेक्षित अनुदान आवंटित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद सोनभद्र के ग्रामीण क्षेत्र तथा भाट एरिया गरीबी रेखा से जीवन यापन करने वाले परिवारों को आवास उपलब्ध कराये जाने की मांग

104-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद सोनभद्र के ग्रामीण क्षेत्र तथा भाट एरिया में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले आवास विहीन लोगों को आवास देने की सरकार की क्या कोई नीति है ? क्या सरकार ऐसे लोगों को इन्दिरा आवास के अतिरिक्त आवास उपलब्ध करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'-

जनपद सोनभद्र में ग्रामीण क्षेत्र एवं भाट एरिया में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले आवास विहीन परिवारों को आवास उपलब्ध कराये जाने के लिए भारत सरकार की नीति है जिसके अन्तर्गत इन्दिरा आवास योजना संचालित है।

इन्दिरा आवास योजना की स्थायी पात्रता सूची में अंकित परिवारों के अतिरिक्त अन्य आवास विहीन परिवारों को जिनकी वार्षिक आय रु0 36000/-तक है, को आवास उपलब्ध कराये जाने के लिए राज्य सरकार ने अपने संसाधन से लोहिया ग्रामीण आवास योजना संचालित की है।

प्रश्न नहीं उठता।

105-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

जनपद सोनभद्र में रि-बोर कराये जा रहे हैण्डपम्पों एवं मानक की जांच का प्रकरण

106-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में पेयजल समस्या के निदान हेतु लगाये जा रहे हैण्डपम्पों का मानक क्या है ? क्या यह सत्य है कि कम गहराई पर लगाकर प्रतिवर्ष रि-बोर के नाम पर कार्यदायी संस्था द्वारा सरकार को लाखों की क्षति की जा रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनपद सोनभद्र में रि-बोर कराये जा रहे हैण्डपम्पों की गहराई एवं मानक की जांच कराकर विवरण उपलब्ध कराते हुये कार्यदायी संस्था के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार सिंह 'गोप'-

प्रदेश में पेयजल समस्या के निदान हेतु लगाये जा रहे इण्डिया मार्क-II हैण्डपम्पों हेतु 150 की आबादी तथा 02 हैण्डपम्पों के मध्य न्यूनतम 75 मीटर की दूरी का मानक निर्धारित है।

जी नहीं।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनपद-सोनभद्र में निर्मित किये जा रहे बोरिंग की औसत गहराई 80 मीटर है। जनपद में पहाड़ी एवं चट्टानी क्षेत्र स्थित होने के कारण जल स्रोतों के विभिन्न गहराइयों पर उपलब्ध होने के फलस्वरूप बोर की गहराई कहीं पर 80 मीटर से कम और कहीं पर 80 मीटर से अधिक बनाई जाती है। निर्मित किये गये बोर की वास्तविक गहराई के अनुसार ही भुगतान किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

107-श्री संजय प्रताप जायसवाल-

[एक से अधिक विभागों से सम्बन्धित होने के कारण निरस्त]

चयन/प्रशिक्षण प्राप्त पशुधन प्रसार अधिकारियों की तैनाती का प्रकरण

108-श्री संजय प्रताप जायसवाल-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि चयन/प्रशिक्षण प्राप्त पशुधन प्रसार अधिकारियों की नियुक्ति/तैनाती दिये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 21-12-2012 मा0 मुख्य मंत्री को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उस पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राज किशोर सिंह-

अभिलेखानुसार प्राप्त नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को मानदेय का भुगतान

109-श्री श्यामदेव राय चौधरी (दादा)-

क्या बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को क्रमशः रुपया तीन हजार एवं रुपया एक हजार पांच सौ प्रतिमाह मानदेय में राज्य सरकार का कितना अंशदान है ? क्या राज्य सरकार अपने अंशदान का भुगतान

वाराणसी सहित राज्य के अन्य जिलों में कर रही है ? यदि हां, तो कब तक का अद्यतन भुगतान किया गया है ? यदि नहीं, तो भुगतान कब तक कर दिया जायेगा ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

प्रदेश की आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को भुगतान किये जा रहे मानदेय में भारत सरकार का 90 प्रतिशत तथा राज्य सरकार का 10 प्रतिशत अंशदान है।

जी हां।

जनपदों से प्राप्त सूचना के अनुसार 30 जनपदों में माह जनवरी, 2013 तक, 35 जनपदों में माह दिसम्बर, 2012 तक एवं 10 जनपदों में माह नवम्बर, 2012 तक का मानदेय भुगतान किया जा चुका है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा के शिक्षकों को समायोजित किये जाने की मांग

110-श्री बंशी सिंह पहाड़िया-

क्या बेसिक शिक्षा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के अनौपचारिक शिक्षा के शिक्षकों को समायोजित करने की कोई कार्य योजना है ? यदि हां, तो क्या ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राम गोविन्द चौधरी-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुगलसराय की ग्राम सभा गुतास भदरिया से पप्पू बिन्द के मकान तक क्षतिग्रस्त रोड पर पत्थर चौका बिछवाकर निर्माण कराये जाने की मांग

111-श्री बब्बन सिंह चौहान-

क्या ग्राम्य विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र की ग्राम सभा गुतास भदरिया से चकिया रोड तक सम्पर्क मार्ग एवं ग्राम पंचायत हसनपुर में मछरीया बुद्धवार माइनर से पप्पू बिन्द के मकान तक चक रोड क्षतिग्रस्त हो गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त चक रोड पर पत्थर का चौका बिछवाकर निर्माण करवायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द सिंह ''गोप''-

ग्राम सभा गुवास, भदरिया से चकिया रोड तक सम्पर्क मार्ग 500 मी0 पिच रोड है जो बीच-बीच में छतिग्रस्त है।

ग्राम पंचायत हसनपुर मछरिया में बुधवार माईनर से पप्पू बिन्द के मकान तक कुल दूरी 350 मी0 है, जिसमें 100 मी0 में खड़न्जा लगा हुआ है। शेष 250 मी0 कच्ची सड़क है।

ग्राम्य विकास विभाग की किसी भी योजना के दिशा निर्देशों में पत्थर का चौका लगाये जाने का प्राविधान नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

112-श्री जय प्रकाश निषाद-

[दिनांक 27-02-2013 को अता0प्र0सं0-185 द्वारा उत्तरित]

113-श्री काली चरन सुमन-

[3सरे शुक्रवार के अता0प्र0 सं0-85 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद आगरा के विकास खण्ड करौली की ग्राम पंचायत ककुआ में नये पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण कराये जाने की जानकारी

114-श्री काली चरन सुमन-

क्या पशुधन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आगरा के विकास खण्ड बरौली अहीर की ग्राम पंचायत ककुआ में पशु चिकित्सालय का भवन क्षतिग्रस्त है ? यदि हां, तो क्या सरकार इसकी मरम्मत करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री राज किशोर सिंह-

जी हां।

जर्जर भवन के स्थान पर नवीन भवन निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2012-13 में धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है।

115-श्री सुनील कुमार सिंह यादव-

[2सरे शुक्रवार के अता0प्र0 सं0-68 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

प्रदेश में सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत संचालित होने वाले कालेजों की जानकारी

116-डा0 धर्मपाल सिंह-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत खुलने वाले इण्टर कालेजों को संचालित करने के लिए मुख्यालय पर स्थित राजकीय इण्टर कालेजों के शिक्षकों को सम्बद्ध करने की प्रक्रिया गत तीन वर्षों से चलने के कारण मुख्यालय के राजकीय इण्टर कालेजों में शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार सर्व शिक्षा अभियान में उच्चीकृत विद्यालयों को चलाने के लिए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अखिलेश यादव-

जी नहीं, सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत कोई भी राजकीय इण्टर कालेज संचालित नहीं है।

उक्तवत्।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद प्रतापगढ़ के कुण्डा में सी0ओ0 के हत्यारों की गिरफ्तारी किये जाने की मांग (क्रमागत)

श्री अध्यक्ष-

और ठीक 11:00 बजे पूर्वाह्न में माननीय नेता सदन, माननीय मुख्यमंत्री जी, अपना उत्तर भाषण देंगें बजट पर। इसके बाद जीरो आवर आयेगा। आप अपनी बात जीरो आवर में कह लीजिएगा।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, ठीक है नेता सदन बोल लें, लेकिन जो भयावह स्थिति मौजूद है, और जो हत्यारे हैं उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है, तो बोलते वक्त इस पर सदन को आश्वस्त कर देंगें।

आज चूंकि पूरे उत्तर प्रदेश की जनता की निगाहें उत्तर प्रदेश सरकार की ओर हैं कि हत्याभियुक्तों की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठ जायें। माननीय मुख्य मंत्री जी को बोलने दीजिए।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, यहां पर इस प्रश्न को प्रस्तुत करने का आशय यही था कि आज इस गम्भीर मामले पर जिस पर उत्तर प्रदेश जल रहा है, लोगों की निगाहें माननीय मुख्य मंत्री की ओर हैं और माननीय मुख्य मंत्री अपना भाषण देने जा रहे हैं वह अभी सदन को आश्वस्त करें कि उनकी गिरफ्तारी होगी ।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता विरोधी दल, यह सदन नियमों से चलेगा यह किसी के शक्ति बल पर, संख्या बल पर या आवाज के बल पर सदन नहीं चलाया जा सकता। यह एक नियम है और नियमों में कल इस पर बात हुई, सारे लोग इस पर सहमत हुए उसमें आप भी थे और आपके उर्जा मंत्री जी भी थे। जब बाते हो गयीं, सहमत हो गये और कार्य-मंत्रणा समिति ने इसको स्वीकार कर लिया, सदन ने सर्वसम्मत से वह बातें मान ली तो फिर अब यह क्यों है। यह कहां गया कि जीरो आवर है, जीरो आवर में आपको अपनी बात कहने का अधिकार है तो यहां फिर यह कहने की क्या जरूरत है। माननीय हुकुम सिंह जी ने ठीक बात उठायी कि अगर आप हम सहमत हो जाते फिर यहां उठाते यह अच्छी बात नहीं है।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

माननीय अध्यक्ष जी, चूंकि नेता प्रतिपक्ष की तरफ से कुछ सवालात खड़े हुए हैं इसलिए माननीय नेता सदन से पहले उसका उत्तर आना जरूरी है। नियम-56 के तहत कल यह प्रश्न उठा था उत्तरित हो गया। आपने एक बात यह कही कि जब माननीय मुख्य मंत्री कल गये तो उनके साथ कोई अच्छा व्यवहार नहीं हुआ यह सही है, क्या ऐसा होना चाहिए था ? क्या ऐसा होना चाहिए था आप उससे खुश हैं ? आप लोकतांत्रिक परम्पराओं को खत्म....

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य -

यही चिन्ता का विषय है।

श्री मोहम्मद आजम खां-

कहने दीजिए, कहने दीजिए। वहां आपके दल के लोगों ने जो माहौल बना रखा था क्या यह सही था।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, यह गलत बात है। मान्यवर, अगर आरोप-प्रत्यारोप चलेगा (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

उनकी बात सुनिये। माननीय नेता विरोधी दल आपने अपनी बात कह ली माननीय संसदीय कार्य मंत्री को सुनिये, आप उनकी बात भी सुनिये तब आप अपनी बात कहियेगा। पहले उनकी बात तो सुनिये। अब यह अच्छी बात नहीं है। बैठिये, बैठिये।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, आरोप प्रत्यारोप चलेगा तो मैं समझता हूं कि सदन को डिस्टर्ब करने का प्रयास है।

श्री अध्यक्ष-

बैठिये, सदन को तो आप ही डिस्टर्ब कर दिये।

(श्री राम करन आर्य के द्वारा बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

राम करन जी, बैठिये। माननीय राम करन आर्य जी यह आपका काम नहीं है जब संसदीय कार्य मंत्री जी खड़े हैं तो आप क्यों खड़े होकर बोल रहे हैं, कहां से आपको अधिकार मिल गया, बैठिये, बैठिये। जब तक हम नहीं आज्ञा देंगे आपको कोई बात रखने का अधिकार नहीं है।

श्री मोहम्मद आजम खां-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष से बहुत नम्र भाषा में बहुत नम्र शब्दों में यही कहना चाहता हूं कि क्या वह तरीका अच्छा था कि माननीय मुख्य मंत्री जी कहीं जायें तो इंसानी सर नजर न आये। ऐसी दहशत हो, लोगों को खदेड़ दिया जाय। पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का ख्याल रखा गया, बहुत तंग गलियां थीं एक से ज्यादा दो लोग भी नहीं गुजर सकते थे, आपके लोग जो फुटपाथ पर, बल्कि उस कच्ची सड़क पर धरना दिये बैठे थे और रास्ता रोके थे अगर वहां कोई हादसा पेश आ जाता माननीय मुख्य मंत्री जी के साथ या आम लोगों के साथ, आप बहुत खुश होते, अच्छा लगता आपको, कामयाबी हो जाती आपकी, सुन लीजिए बात सुन लीजिए । एक ऐसे शख्स की लाश पर सियासत हो रही थी जिसकी लाश खराब होने के कगार पर थी, आप चाहते थे कि मुख्य मंत्री न पहुंच सकें वहां तक, आप चाहते थे कि मुख्य मंत्री न आयें और एक लाश सड़ जाय। यह है मांग-पत्र। और इस मांग-पत्र में जो पहली मांग थी बेवा की माननीय मुख्य मंत्री स्वयं अंतिम संस्कार में उपस्थित हों। क्या चाहते थे आप, क्या चाहते हैं आप उस बेवा की बेवाइगी का मजाक उड़ाना चाहते हैं आप। उसकी लाश से फायदा उठाना चाहते हैं आप ।

(श्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर)

नहीं बिल्कुल नहीं, बैठें आप। बैठें आप, आपको लाश से फायदा उठाने नहीं दिया जायेगा ।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता विरोधी दल, आप बैठ जायें ।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, शहीद की पत्नी और उनके परिवार के दो सदस्यों को सरकारी नौकरी, जिसकी घोषणा कर दी गयी। वारदात की सी0बी0आई0 जांच, उसी वक्त हां कर दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट

की फैक्स कापी, उसी वक्त पहुंचा दी गयी। बीस लाख रूपये की राशि को बढ़ाने का मतालबा, 50 लाख रुपया कर दिया गया। वारदात में मुलव्विस पुलिसकर्मी जो छोड़कर भाग गये थे, उनके लिये यह आश्वासन, कि प्रक्रिया अपनाकर नौकरियों से बर्खास्त किया जायेगा। असल में आपका मंसूबा पूरा नहीं हुआ, आप एक इंसानी लाश पर जो खेल खेलना चाहते थे और एक लाश के साथ बहुत सी लाशों का सौदा करना चाहते थे, वह नहीं हो सका, उसके लिये बेचैन हैं आप। मुझे मान्यवर, यह कहते हुये यकीनन दुःख है कि जो मंजर कल वहां देखने को मिला, वह वाकई दुखदायी था और एक नया सवाल खड़ा हो सकता था। मैं नेता प्रतिपक्ष को और पूरे सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसमें जो कार्रवाई हुयी है और जो घोषणायें माननीय मुख्य मंत्री जी की हुयी हैं, वह राजनैतिक नहीं हैं, मानवता के आधार पर हैं और कानून की बालादस्ती कायम करने के लिये हैं ।

(माननीय मुख्य मंत्री जी को संबोधन के लिये पुकारे जाने पर तथा श्री स्वामी प्रसाद मौर्य के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप बैठ जाओ, मुख्य मंत्री जी खड़े हो गये हैं। आप जीरो आवर में अपनी बात कहियेगा। अब वह बोलने जा रहे हैं। आपकी बात आ गयी, अब आप बैठिये । माननीय नेता विरोधी दल, मेरा आपसे आग्रह है कि आप बैठ जायें ।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, मैं केवल इतना ही अनुरोध कर रहा हूं कि संसदीय कार्य मंत्री को दुख पहुंचाने का मेरा आशय नहीं था। जहां तक कल की परिस्थितियों के विषय में बात है, तो माननीय मुख्य मंत्री जी और सदन को मैनें ही अवगत कराया और मेरा कल वहां जाने का आशय ही यही था कि माननीय मुख्य मंत्री जी को वहां जाना चाहिये। इसलिये यहां पर कोई राजनीति नहीं हो रही है। यह गंभीर मामला है, मैं केवल यही संज्ञान में लाना चाहता हूं ।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये, आपकी बात आ गयी ।

*मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, कल जाने का जो मामला रहा, हमारे साथी मंत्री माननीय आजम खां साहब ने ठीक कहां, कि हम लोकतंत्र पर भरोसा करते हैं। कहीं घटना हो जाये, किसी की मृत्यु हो जाये तो यह समाजवादी संस्कृति रही है उनके घर परिवार में जाकर दुःख बांटने का काम करते हैं। उनके बीच बैठे हैं हम लोग। नेता प्रतिपक्ष और जो बात अभी माननीय सदस्य ने कहा कि इन्होंने एक नया तरीका निकाल लिया है ध्वनि मत का और अपनी बात को साबित करने का । मुझे नहीं पता कि घर बैठे कैसे पता लग रहा है कि पूरा उत्तर प्रदेश जल रहा है और जो कुछ हुआ सामने, मैं और मेरे साथ संसदीय कार्य मंत्री थे, हम लोगों ने देखा और परिवार के बीच में बैठे । जो घर में बातचीत हुयी, हमारे समर्थक या जो हम लोग गये, जो बातें रखीं, वह हम सरकार के लोगों को बुलाना चाहते थे और यह ठीक है। पहली मांग भी यही थी, कि मुख्य मंत्री वहां पहुंचे और अगर आपकी मुख्य मंत्री होतीं तो वह क्या करतीं और आपकी मुख्य मंत्री, क्योंकि सत्ता बदल गयी है अब हम लोगों को पता

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है कि मुख्य मंत्री क्या-क्या करती थीं। जो उनका व्यवहार था, मैं समझता हूं कि जो नेता प्रतिपक्ष हैं यह पड़ोसी जरूर रहे लेकिन मुख्य मंत्री आवास में कभी घुस नहीं पाये, कितनी बार घुस पाये होंगे वह तो आप ही जानते होंगे और कैसे गये होंगे कहां जूते-चप्पल उतारने पड़े होंगे यह मैं नहीं कह सकता। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था ठीक हो।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

ऐसा कुछ नहीं है मैं जाता रहा हूं।

श्री अखिलेश यादव-

वहां रिकार्डिंग है, जो रिकार्डिंग की व्यवस्था आपने की थी सी0सी0टी0वी0 से, जो सी0सी0टी0वी0 आपने लगवाये थे अपनी सुरक्षा में, उन पर सब कुछ रिकार्ड है और आपको यह लगता होगा कि रिकार्डिंग भी आप साथ ले गये होंगे।

श्री हुकुम सिंह-

मुझे नहीं पाया होगा।

श्री अखिलेश यादव-

आप तो अच्छे लोग हैं मैंने आपको कुछ नहीं कहा है। आपने तो एक नया शब्द इजाद किया है ''ध्वनिमत'' और ये उसका लाभ उठा रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा †

मुख्य मंत्री (श्री अखिलेश यादव)-

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं बजट के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। बजट वर्ष 2013-2014, जो हम लोगों को दूसरी बार सदन में रखने का मौका मिला है। मान्यवर, इस बजट में माननीय नेता प्रतिपक्ष ने अपनी बात रखी, इसके साथ-साथ माननीय सदस्य सतीश महाना जी ने, माननीय सदस्य प्रदीप माथुर जी ने, माननीय सदस्य दलवीर सिंह जी ने, माननीय सदस्य सुरेश कुमार खन्ना जी ने, माननीय सदस्य डा0 राघामोहन दास अग्रवाल जी ने और बड़ी संख्या में माननीय सदस्यों ने इस बहस में हिस्सा लिया। लगभग 56 माननीय सदस्यों ने इस पर अपनी बात रखी है। खुशी की बात है कि बहुत सारे नौजवान सदस्यों ने अपनी बात रखी है और कहीं न कहीं माननीय सदस्यों ने जो अपनी बात रखी उसमें बहुत सारे मूल्यवान सुझाव भी आये हैं। कहीं न कहीं यह सुझाव बहुत अच्छे भी दिये गये हैं उससे कहीं न कहीं सरकार को अपने बजट पर भरोसा भी बढ़ा है और बल भी मिला है। जहां तक इस बजट का सवाल है इस बजट में किसानों, नौजवानों, अल्पसंख्यकों, पिछड़ों, महिलाओं, रिक्शाचालकों एवं प्रदेश के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने का प्रावधान है। विपक्ष के माननीय सदस्य यह आरोप लगाते रहे कि यह बजट सिर्फ घोषणा-पत्र को लागू किये जाने और आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें ज्यादातर हमारे नेता प्रतिपक्ष ने यह बात रखी कि यह जो बजट बना है यह बजट चुनाव घोषणा-पत्र को देख करके और आने वाले चुनाव जो वर्ष 2014 में होने हैं, उसको देख करके बना है। मैं समझता हूं कि इससे बेहतर और इससे अच्छा काम और क्या हो सकता है कि जो बात हम लोगों ने जनता में रखी, जिस घोषणा-पत्र

† दिनांक 26 फरवरी, 2013 की कार्यवाही से।

के माध्यम से समर्थन पाया, बहुमत पाया, उसी घोषणा-पत्र को हम लोग लागू कर रहे हैं। क्योंकि जनता की स्वीकृति है उस पर, उत्तर प्रदेश की जनता ने उस पर अपनी स्वीकृति दी है, बहुमत दिया है उस पर। मैं समझता हूं कि घोषणा-पत्र में किये गये वायदों को पूरा करना किसी भी जनतान्त्रिक सरकार का फर्ज बनता है, कर्त्तव्य बनता है। इसलिए हम लोगों ने घोषणा-पत्र को पूरा लागू किया है। बजट में बहुत सारे ऐसे फैसले हैं जिनसे सीधे-सीधे लाभ होने जा रहा है। क्योंकि परसेंटेज के माध्यम से मैं कह सकता हूं, अगर आपका बजट होता तो कहीं और चला जाता, बहुजन समाज पार्टी का बजट होता तो वह अपना रास्ता बदल लेता, दूसरी तरफ चला जाता। प्लान पक्ष में लगभग 67 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है और यह पहली बार हो रहा है कि 74 प्रतिशत भाग कृषि, किसान, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए रखा गया है। इतने बड़े पैमाने पर 74 प्रतिशत बजट का पैसा खर्च हो रहा है किसान, गरीब और गांवों में। उदाहरण के रूप में किसानों की ऋण माफी का हम लोगों ने, सरकार ने फैसला लिया था, पिछले बजट में 750 करोड़ रुपए रखे थे और इस बजट में हम लोगों ने 900 करोड़ रुपए रखे हैं, कुल मिला करके 1650 करोड़ रुपए का ऋण किसानों का माफ होने जा रहा है जिसमें 8 लाख किसान ऋणमुक्त होंगे। किसानों की सिंचाई की जो माफी की बात की थी। उसमें दो सौ करोड़ रुपये सरकार ने दिये हैं। अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए इनका बजट उठा लीजिए, कहीं बढ़ोत्तरी नहीं दिखायी दी और पिछले दो बार में जो बढ़ोत्तरी हुई है, इस बजट में 135 प्रतिशत की वृद्धि अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए की गयी है जिसमें खासकर मुसलमान भाईयों के लिए है। हमारी बेटी उसका कल योजना में 350 करोड़ रुपये हैं। अल्पसंख्यक समुदाय के अन्त्येष्टि स्थलों एवं कब्रिस्तानों की सुरक्षा हेतु कब्रिस्तान/अन्त्येष्टि स्थलों की चहार दीवारी निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपये हैं। अल्पसंख्यक वर्गों की शिक्षा के लिये अल्पसंख्यक क्षेत्रों में बहुउद्देशीय शैक्षणिक हब की स्थापना हो। यह कभी सोचा नहीं गया था, यह पहली बार शुरू हो रहा है जहां पर कक्षा-6 से लेकर 12वीं तक शिक्षा की व्यवस्था होगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए 1798 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी हैं जो कि पिछले बजट से 178 करोड़ रुपये अधिक है। इसी तरह हर क्षेत्र में बजट बढ़ा है। सड़कों का बजट बढ़ा है, सड़कों का बजट लगभग 18 प्रतिशत बढ़ा है, सिंचाई का बजट 34 प्रतिशत बढ़ा करके दिया है। ऊर्जा के क्षेत्र में 24 प्रतिशत बजट बढ़ाया है। बेरोजगारी भत्ता का भी पहले से ज्यादा बढ़ा है। कन्या विद्या धन का भी बढ़ा करके दिया है। बी0पी0एल0 परिवार की महिलाओं, गरीब परिवार की महिलाओं के लिए 600 करोड़ रुपये का इंतजाम इस बार बजट में किया है। टैबलेट, पी0सी0 के लिए योजना चालू हो रही है, जो अगले वर्ष की है, इस वर्ष की शुरूआत हम लोग 11 तारीख से कर देंगे जिसके बारे में नेता प्रतिपक्ष ने बहुत बार कहां कि यह झुनझुना है। जब इनको लगा कि तारीख आ गयी है, पता लग गया तो अपनी बात बदल दी। अभी मैंने प्रेस में सुना था, सदन में तो झुनझुना ही कहां था लेकिन प्रेस में यह अपनी बात बदल चुके हैं। अब किसी और मुद्दे पर लड़ना चाहते हैं कि तस्वीर क्यों लग गयी और तस्वीर किस-किसकी लग गयी, तो उसमें भी अगले बजट के लिए व्यवस्था की है। जो सवाल उठाये गये हैं माननीय सदस्यों की तरफ से जिसका मैं पहले का जवाब दे चुका हूं कि घोषणा-पत्र को ले करके है। दूसरा, इन्होंने कहां कि बजट का आकार बहुत लम्बा-चौड़ा है, प्राप्तियों और कुल व्यय में अंतर बढ़ा है और यह निरन्तर बढ़ता जा रहा है। आंकड़े इक्ट्ठे किये

इन्होंने और आंकड़े पेश कर दिये लेकिन सच्चाई के आंकड़े सामने नहीं रखे। जो वित्तीय वर्ष 2012-2013 में अन्तर 5783.33 करोड़ रुपये है जो वर्ष 2013-2014 में घटकर रु 5281.37 करोड़ का अनुमान है। हमारी सरकार द्वारा ऋण कम लिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2011-2012 में कुल बजट के ऋण की प्राप्तियां कुल बजट की 20 प्रतिशत थी, वर्ष 2012-2013 में यह 17.3 प्रतिशत हुई तथा 2013-2014 में घटकर इसके 16.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। यदि राज्य सरकार द्वारा अधिक ऋण लिया गया होता तो प्राप्तियां एवं खर्च में अन्तर कम हो जाता परन्तु अनावश्यक रूप से ऋणग्रस्तता बढ़ जाती इसलिए ऋण ज्यादा नहीं लिया गया। दूसरा सवाल उठाया गया कि कर्ज बढ़ रहा है और प्रत्येक बच्चा रुपया पन्द्रह हजार का कर्जदार हो गया है। अभी तो सरकार हमारी एक साल चली है, यह जो पन्द्रह हजार रुपये का कर्ज प्रति बच्चे पर दिखाया है, यह मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि आखिरकार ये आंकड़ा कहां से ले करके आये हैं। यह लगता है कि पुराना आंकड़ेा ले करके आये हैं। नेता प्रतिपक्ष के द्वारा कहां गया कि प्रत्येक बच्चे पर पन्द्रह हजार रुपये का कर्ज है। मैं तो जानना चाहता हूं कि एक साल में कितना कर्ज बढ़ा ? अब वह आंकड़ा माननीय नेता प्रतिपक्ष के पास तो होगा नहीं लेकिन ये जो पन्द्रह हजार रुपये बढ़ा है। इस सम्बन्ध में मैं बताना चाहता हूं कि कर्ज केवल इस वर्ष का नहीं है बल्कि पूर्व सरकारों द्वारा साल दर साल लिये जाने वाले कर्ज की कुल धनराशि है। मैं इस मौके पर यह भी बताना चाहता हूं कि जब 2007 में समाजवादी पार्टी की सरकार हटी थी राज्य सरकार पर कुल ऋण एक लाख सैंतीस हजार नौ सौ पन्द्रह करोड़ रूपये था और जब आप लोग सरकार से हटे हैं 31-03-2012 के आंकड़े हैं, वह बढ़ करके दो लाख नौ हजार दौ सौ सत्ताईस करोड़ रुपये हो गया। कितना बढ़ाया आपने। इस प्रकार आपकी सरकार के दौरान ऋण ग्रस्तता में 51.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कितने बड़े पैमाने पर आपने बढ़ाया है। इसी तरह कहां गया कि बजट का आकार बहुत बड़ा है ऐसा क्यों जबकि पिछला बजट ही खर्च नहीं हुआ। 11 माह खर्च करने के लिए पर्याप्त थे। आप तो माननीय सदस्य बहुत पुराने हैं कई बार सदस्य रह चुके हैं आपने कहां कि सरकार के द्वारा दिनांक 1 जून 2012 को सदन के समक्ष बजट पेश किया गया था आपने समझ लिया कि एक तारीख को ही बजट पास हो गया था एक तारीख को बजट पेश हुआ था और जो पास हुआ दिनांक 9 जुलाई 2012 को। अगर हम महीने गिनेंगे तो केवल सरकार को मात्र 8 महीने मिले हैं। जिसमें बरसात से लेकर तमाम महीने ऐसे थे जिसमें काम नहीं हो सकता था। इसके अलावा जिन योजनाओं को हमें लागू करना था वह योजनाएं नई थीं। योजनाएं बनाने में समय लगता है। आपकी योजनाएं एक तरफ जा रही थीं आप उत्तर प्रदेश को भटका रहे थे। उन योजनाओं को बदलकर सही योजनाएं लागू करने में भी समय लगता है। इसीलिए राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में 13 हजार 650 करोड़ की नई योजनाएं प्रस्तुत की गई हैं। जिन योजनाओं को आप नकल बोलते हैं नकलची नम्बर वन यह सब योजनाएं नई थीं। कन्या विद्याधन योजना हम लोगों ने नकल नहीं की उसका रूप बदलकर आपने नकल करने का काम किया था। आपने उस योजना को बदलकर नकल करने का काम किया था। नई योजनाएं होने के कारण योजनाओं की विस्तृत रूप रेखा तैयार करना और सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करना, टेंडर प्रक्रिया निर्धारित करना टेंडर जारी करना इसके लिए कम से कम एक माह का समय लगता है एक व्यवस्था है जिसके तहत हम लोगों ने नई योजनाओं को लागू किया है। नई योजनाओं में जो महत्वपूर्ण योजनाएं हैं वह कन्या विद्याधन योजना, हमारी बेटी

उसका कल, लैपटाप वितरण, बेरोजगारी भत्ता, कब्रिस्तान की अंत्येष्टि स्थल की चहारदीवारी का निर्माण आदि योजनाओं को अन्तिम रूप दिया जा चुका है। इसी तरह जो नई योजनाएं थीं उनको बनाने में समय लगता है उन योजनाओं को बनाकर लागू करना और जनता के बीच सीधे बांटने का प्रयास करना क्योंकि कन्या विद्या धन योजना बनी तो हम लोग जिले पर गए और वहां पर चेक वितरित किए जिससे कि तमाम चीजों को रोका जा सके। तमाम तरह की जो बेईमानी होती है उसको रोका जा सके। इसलिए समय लगा। इसीलिए इस बार बजट पहले हो रहा है कि यह जो शिकायत आपकी रही कि बजट खर्च नहीं हुआ और बजट क्यों लेकर आ गए यह तो एक समय होता है उसमें बजट लाना ही पड़ता है यह तो आपको पता है। लेकिन उसके बावजूद यह कहना कि बजट खर्च ही नहीं हुआ है अगर खर्च नहीं हुआ है तो इस बार हम लोगों को खर्च करने से कौन रोक लेगा। जो सड़कें बननी थीं जो पुल बनने थे वह इस बार बनेंगे और पर्याप्त समय है जब पूरा करने का काम सरकार द्वारा होगा। इसी तरह बैट्री चालित रिक्शा योजना अच्छी है खुद स्वीकार किया है नेता प्रतिपक्ष ने कि जो रिक्शे की योजना है बहुत अच्छी योजना है। वह केवल इस बात से चिन्तित थे कि समय क्यों लग रहा है देरी क्यों हो रही है उसमें भी हम लोगों ने बात रखी क्योंकि पहली बार यह योजना शुरू हो रही है उनको उसका मालिक बनाया जा रहा है गरीब मालिक बन जाय रिक्शा चालक मालिक बन जाय इसलिए उसमें कोई धोखा न हो उसको ट्रायल पर छोड़ा गया है। कई कंपनियों के रिक्शे मंगाए गए हैं अगर किसी का फैसला ले लें और मान लीजिए खराब निकल गया तो वह आरोप सरकार पर लगेगा। इसलिए ट्रायल बेस पर पायलट प्रोजक्ट पर उन रिक्शों को देख लें चलाकर जो बेहतर व अच्छा रिक्शा होगा उसको लेकर उन गरीबों तक बांटा जाएगा उसमें बजट में पैसे का इंतजाम किया है। यह कहां गया कि सरकार का एक वर्ष पूरा हो जाएगा लेकिन अभी तक टेबलेट और लैपटाप नहीं बंटे हैं जब आप भाषण कर रहे थे तो तारीख की जानकारी नहीं थी वह तारीख आ गयी है मैं समझता हूं कि अब नेता प्रतिपक्ष को पता लग गया होगा कि 11 तारीख से वह शुरू होने जा रहा है लैपटाप और टेबलेट वितरण का कार्यक्रम। मैं तो चाहूंगा कि जिसको यह झुनझुना कहते थे वह झुनझुना यह हमारे साथ शामिल होकर देख तो जाएं। लैपटाप की जहां बात चली तो कई सदस्यों ने कहां कि इसका होगा क्या ? यह आखिरकार चलेगा कैसे ? इसकी बैटरी या चार्जिंग का कैसे होगा और इस पर इन्टरनेट कैसे चलेगा। जो सदस्य यह कह रहे थे कि इन्टरनेट कहां से व्यवस्था होगी। सेन्ट्रल की योजना है। मैं पूछना चाहूंगा कि नेशनल आप्टिकल फाइबर नेटवर्क जो हर गांव में बिछाना चाहते हैं आखिरकार वह आप्टिकल फाइबर क्यों बिछाना चाहते हैं और उसी का लाभ हम लोग लेंगें। आप लोग फाइबर आप्टिकल लाइन बिछायेंगें और जिस पर चले उसका इंतजाम समाजवादी सरकार करेगी। आप तो नेशनल फाइबर आप्टिकल नेटवर्क बिछाकर भागना चाहते थे। आखिकार उससे चलता क्या ? चलाते क्या ? जिसमें हजारों करोड़ रूपये की व्यवस्था की है सेन्ट्रल गर्वनमेंट ने, उसका इस्तेमाल अब उत्तर प्रदेश की सरकार में, उत्तर प्रदेश के बच्चे जिनको अब लैपटाप और टैबलेट मिल जायेगा, उसका इस्तेमाल करेंगे। तो मैं चाहूंगा कि केन्द्र सरकार से इसको जल्दी जल्दी करवायें। उस आप्टिकल फाइबर का इन्तजाम जल्दी करें। जहां तक विकास दर की बात है, आपने आरोप लगाया कि जब हमारी सरकार आई थी तो उस समय विकास दर 5.2 प्रतिशत थी। हमारी सरकार में काफी विकास हुआ था और हम 8.4 प्रतिशत विकास दर करके गये थे। यह आंकड़े पता नहीं आपने कहां

से ढूंढा। वर्ष 2006-2007 में हमारी सरकार थी, उस वर्ष उत्तर प्रदेश की विकास दर 8.1 प्रतिशत थी। अतः आपका यह कहना कि हमको विकास दर 5.2 प्रतिशत मिली थी, सही नहीं है। आपकी सरकार आते ही वर्ष 2007-2008 में यह विकास दर गिरकर 7.3 प्रतिशत रह गई। वर्ष 2011-2012 में विकास दर 6.9 प्रतिशत रही। यह आंकड़े भारत सरकार के केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इसमें हम लोग कहीं झूठ नहीं बोल सकते। सेन्ट्रल गर्वनमेंट की वेबसाइट है, सेन्ट्रल गर्वनमेंट की संस्था है, उस पर पूरे के पूरे आंकड़े उपलब्ध हैं। अतः आपका यह कहना कि 8.4 प्रतिशत विकास दर छोड़कर गये थे, हमेशा की तरह आपने अपनी ध्वनि से सदन को भी गुमराह करने का काम किया हैं। (मेजें थपथपाई गईं) ग्राम्य विकास के लिये भी आपने कहां कि 5087 करोड़ का बजट रखा है जबकि हमारी सरकार द्वारा दो वर्ष पूर्व उसके लिये 6133 करोड़ की व्यवस्था की गई । ग्राम्य विकास में आपने बजट कम कर दिया है। अगर सही आंकड़े आप पेश करते तो आप जानते कि इस बार सरकार ने इसमें बढ़ाया है। हमारी सरकार द्वारा ग्राम्य विकास के लिये 5087 करोड़ का बजट रखा गया है। आपकी सरकार द्वारा वर्ष 2011-2012 में ग्रम्य विकास विभाग के लिये केवल 3233 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था की गई थी। इस प्रकार बजट में प्राविधानित धनराशि आपकी सरकार द्वारा रखी गई धनराशि से 57 प्रतिशत अधिक है। आपके द्वारा ग्राम्य विकास विभाग के लिये वर्ष 2011-2012 में रुपये 6133 करोड़ की जो धनराशि बताई गई है उसमें ग्राम्य विकास विभाग के अतिरिक्त ग्राम्य विकास के कार्यों से संबंधित भूमि विकास, जल संसाधन और पंचायती राज विभाग की धनराशि भी शामिल कर ली क्योंकि नेता पुराने हैं, मौका मिला कई बार सरकार में रहने का। तो यह ऑकड़ों में होशियारी थोड़ी बहुत तो कर लेते हैं। जब इन्होंने ग्राम्य विकास का बजट जो आंकड़े पेश किये तो उसमें इन्होंने केवल एक विभाग का नहीं और विभागों का भी जोड़कर कर दिया जिसमें जल संसाधन भी था, भूमि विकास भी था और पंचायती राज विभाग का भी था। और यही अगर हम लोग अपने में जोड़ दें इस वर्ष, तो भूमि विकास, जल संसाधन और पंचायती राज का मिलाकर वित्तीय वर्ष 2012-2014 में ग्राम विकास के लिये रूपये 7563 करोड़ की व्यवस्था है। इस प्रकार यह कहना कि हमने ग्राम्य विकास के बजट में कमी कर दी है बल्कि बढ़कर के दिया है। आपकी सरकार द्वारा विकलांग पेंशन हेतु 370 करोड़ की व्यवस्था की गई है हमारी सरकार ने 375 यह बहुत घुमा फिराकर आंकड़े पेश किये गये हैं। जबकि 2013-2014 के बजट में विकलांगों के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिये रूपये 490 करोड़ की व्यवस्था सरकार ने की है। आपने 317 की थी इस सरकार ने 490 की है। महिला एवं बाल विकास की विभिन्न योजनाओं और पुष्टाहार कार्यक्रम के लिये आपने कहां कि हमारी व्यवस्था केवल 2712 करोड़ की है जबकि इस सरकार ने 4731 करोड़ किया है और अगर पूरा हिसाब लगा लेंगें सही तरह से आंकड़े जानकारी में मिल जायेंगें तो सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास की विभिन्न योजनाओं के लिये रुपये 5469 करोड़ की व्यवस्था की गई जिसमें 2712 करोड़ केवल पुष्टाहार कार्यक्रम के लिये हैं तो आंकड़े बढ़ाकर बजट दे रहे हैं। पहले से ज्यादा व्यवस्था है। आपने आरोप लगा दिए कि पूर्वान्चल बुन्देलखण्ड की योजनाओं में पैसा कम है बुन्देलखण्ड को 291 करोड़ दिया है जबकि बुन्देलखण्ड के लिए 109 करोड़ दिया है। इन्होंने सरासर आंकड़े गलत पेश किए हैं क्योंकि इन्होंने केवल बजट पढ़ा है, जो अलग से निधि का इंतजाम किया है, वहीं जो और योजनाओं के माध्यम से पैसा पहुंच रहा है और योजनायें जो पहुंच

रही हैं उनका हिसाब किताब नहीं लगाया है सरकार द्वारा जो 2013-2014 में बजट पेश किया गया है। सरकार ने पूर्वांचल के लिए 291 करोड़ के अतिरिक्त जनपद आजमगढ़ में कृषि महाविद्यालय दिया, पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय, जो कि पूर्वांचल में ही है दिया है, मुबारकपुर में भी दिया है, इसी तरह तमाम योजनाओं को सीधे-सीधे पहुंचाने का काम किया है जो पूर्वांचल के इलाके में ही हैं। इसी तरह से जनपद इलाहाबाद और आपका जो गृह जनपद है, जनपद सिद्धार्थनगर, उसमें दो नये विश्वविद्यालय स्थापित करने की व्यवस्था की गई है। इसको भी नहीं जोड़ा गया है।

(मेजें थपथपाई गईं।)

इसके अतिरिक्त सार्वजनिक निजी सहभागिता से जो सड़क बनने जा रही है गोरखपुर और महाराजगंज में, उसको भी आपने नहीं लिया है वह भी पूर्वांचल में आती है।इसी तरह से बलरामपुर गोंडा, जरवल मार्ग जो चार लेन का होने जा रहा है उसको भी आपने नहीं गिना। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में जो 109 करोड़ रुपये की योजना दी है, 109 करोड़ के अतिरिक्त 690 करोड़ रुपये बुन्देलखण्ड में अतिरिक्त दिए हैं सरकार ने, बुन्देलखण्ड क्षेत्र में तालाबों का सुन्दरीकरण एवं पुनरुद्धार एवं चेक डेम के लिए 50 करोड़ अलग से व्यवस्था है जो आपने नहीं जोड़ी है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के जनपद बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट झांसी एवं ललितपुर में वाटर बॉडीज के रिपेयर एवं रेनोवेशन एवं स्टोरेशन परियोजनाओं के लिए 200 करोड़ रुपये अतिरिक्त है। जो यह 109 बता रहे हैं बुन्देलखण्ड की निधि, उसके अतिरिक्त मैं बता रहा हूं। तालाबों के सुन्द्रीकरण के लिए बता दिया 50 करोड़। यह रेनोवेशन और नई योजनायें जो शुरू हुई हैं उसमें 200 करोड़ है। इसी तरह से महत्वपूर्ण योजना काल्पी से हमीरपुर मार्ग जो चार लेन होने जा रहा है उसका भी सरकार की तरफ से इंतजाम किया गया है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में खेल अवस्थापना आदि सुविधाओं के लिए, झांसी में एस्ट्रोट्रर्फ जो बहुत पुरानी मांग थी झांसी की, हॉकी के प्रति उस इलाके में बहुत रुचि भी है, वहां पांच करोड़ की व्यवस्था की है। जब आंकड़े सामने आएंगे, जो योजनायें हैं उसका हिसाब लगायेंगे तो पूर्वांचल और बुन्देलखण्ड को इस सरकार ने बहुत अधिक पैसा दिया है। कम्पेयर करें अगर हम, पिछले बजट और पिछली सरकारों से, नेता विरोधी दल ने अपनी सरकार द्वारा तेजी से विकास करने की बात अपने भाषण में कही, तो तेजी तो हम विकास करेंगे ही, तेजी से विकास करना चाहते हैं इसलिए बजट में ज्यादातर पैसा विकास योजनाओं पर ही है। तमाम आपने आरोप लगाए कि बहुत सारी योजनायें रुकी पड़ी रहीं, सरकार में काम नहीं हुआ। दो उदाहरण तो हम ही दे सकते हैं जालौन का मेडिकल कालेज बनकर तैयार हो गया था। आपने पूरे पांच साल गुजार दिए मेडिकल कालेज नही चालू किया। कन्नौज का मेडिकल कालेज बनकर तैयार हो गया था, पूरी बिल्डिंग तैयार थी, सब कुछ इंतजाम थे, मशीनरी सब कुछ उसमें था, लेकिन आपने पांच साल देर कर दी, नहीं चला पाए, अब वह कन्नौज का मेडिकल कालेज चल रहा है एक साल हो गया है। एक साल एम0बी0बी0एस0 के बच्चे वहां आ गए, और अगर पांच साल पहले इन्होंने मेडिकल कालेज चलाया होता तो मैं समझता हूं कि चार या पांच बैच उसमें आ गए होते, तो डाक्टर्स की संख्या भी उत्तर प्रदेश में बढ़ गई होती लेकिन एक भी मेडिकल कालेज चालू नहीं होने दिया। इसी तरह से आजमगढ़ की पूरी बिल्डिंग तैयार है सब इंतजाम है उसके

अन्दर, हमारी सरकार में बजट पूरा दे दिया गया था और इनके कारण हुआ क्या, जब इनकी सरकार ने काम रोक दिया, तो बिल्डिंगों के स्टीमेट बढ़ गए। जो चीज कम पैसे में बननी थी पूरी करने के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ गया। राजकीय मेडिकल कालेज जो कन्नौज का था रिवाइज स्टीमेट जब उसका हुआ तो उसमें पैसा बढ़ गया। आजमगढ़ का जो रिवाइज स्टीमेट गया उसमें पैसा बढ़ गया।

राजकीय मेडिकल कालेज उरई, जालौन जिसका 2006 में निर्माण कार्य शुरू किया गया था, आपकी सरकार द्वारा समय से धनराशि अवमुक्त न करने के कारण जो योजना 2008 में पूरी होने वाली थी, अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। जो परियोजना कम पैसे में तैयार होने वाली थी, आज उस परियोजना को पूरा करने में 388 करोड़ रुपये लग रहे हैं। इस प्रकार राज्य सरकार पर इस परियोजना को पूर्ण करने पर 100 करोड़ रुपये का अधिक व्यय-भार आयेगा। यदि यह परियोजना उस समय शुरू हो गयी होती तो मैं समझता हूं कि सरकार का पैसा बचता और वह पैसा कहीं और इस्तेमाल होता। इसी तरह मेडिकल कालेज, आजमगढ़ का है, यह मेडिकल कालेज 275 करोड़ में बनना था लेकिन जब आपने 5 साल तक उसे नहीं बनाया तो आज वह 380 करोड़ रुपये में बनने जा रहा है। इसी तरह मेडिकल कालेज में एक बिल्डिंग बन रही है, पिछली समाजवादी पार्टी की सरकार ने शुरू किया था। इन्होंने मेडिकल कालेज का नाम तो जरूर बदला, लेकिन बिल्डिंग को पूरा नहीं होने दिया और इन्होंने जिस तरह के आर्कीटेक्ट लाए, जिस तरह के इंजीनियर ढूंढ करके दिया, अगर बीमार व्यक्ति अपनी चेयर पर बैठकर जाना चाहे तो वह अपने कमरे में नहीं जा सकता है, उन कमरों के दरवाजे ही छोटे कर दिए। इसी तरह से आपने जो लिफ्ट लगवाई है, मरीज को मालूम है कि यहां लिफ्ट आयेगी लेकिन वहां नहीं आई, पीछे वाली लिफ्ट आ गई, उधर घूम कर मरीज जाये। बिल्कुल व्यवस्था खराब कर दी है, जो भी काम इन्होंने किए हैं, बिल्कुल खराब किए हैं। मान्यवर, इन्होंने जो स्मारक भी बनाये हैं, एक अखबार में तस्वीर निकली थी कि वह स्मारक टूटने लगे हैं, धसने लगे हैं, उनकी इतनी खराब गुणवत्ता है कि वह टूटने लगे हैं। बहुत जल्दबाजी में बनाया है और कई जगह स्मारक में अपने आप धंसान पड़ गयी है। मान्यवर, इन्होंने शिक्षा के बारे में कहां कि बजट कम दिया है, बेसिक शिक्षा के लिए 21525 करोड़ की व्यवस्था की गई है, हमारी सरकार के द्वारा 19086 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है, जबकि सही आंकड़े यह हैं, जब आप पूरा आंकलन करेंगे तो इसके लिए कुल धनराशि 25334 करोड़ की व्यवस्था की गई है, जो पिछले वर्ष के 2011-2012 के बजट से 33 प्रतिशत बेसिक शिक्षा में अधिक है। बिजली के बारे में कहां गया कि सबसे महत्वपूर्ण है, चाहे शहर या गांव का व्यक्ति हो, व्यापारी हो या किसान है, बिजली सबसे के लिए आवश्यक है, बिजली के मुद्दे पर कोई प्रभावी कार्यवाही करने के बजाय सरकार पूर्ववर्ती सरकार पर डालने की कोशिश करती है। मान्यवर, पूर्ववर्ती सरकार पर इस लिए डाला जा रहा है क्योंकि आपने कई बार कहां है कि बिजली के क्षेत्र में आपने बहुत काम किया है, उत्पादन बहुत बढ़ाया है लेकिन यदि सही आंकड़े आप पेश कर देंगे तो बिजली उत्पादन में उनकी सरकार में कोई बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। जो कुछ कारखाने लगने थे, उन्हें लगाने का भी इन्तजाम नहीं किया। आपने एमओयू जरूर साइन किए बड़े-बड़े उद्योगपतियों से लेकिन इन्होंने अपनी सरकार में उनको लगवाने का कोई काम नहीं

किया। जो बिजली के कारखाने समाजवादी पार्टी की सरकार में लगने तय हुए थे, बनने शुरू हो गए थे, उनका भी लाभ इन्होंने नहीं उठाया। रिलायन्स का उसी समय लगा था, लैंको का भी उसी समय लगा था, समाजवादी सरकार में, लेकिन आपकी सरकार ने कोई परियोजना नहीं लगायी। आपने उत्पादन के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया, जिस तरह से उत्पादन और डिस्ट्रीब्यूशन के क्षेत्र में आपको काम करना चाहिए था, वह आपने काम नहीं किया। मान्यवर, हम लोगों ने बिजली के क्षेत्र में बढ़ोत्तरी की है। बिजली की खरीद के लिए, सरकार द्वारा 25 वर्षों के लिए 6 हजार मेगावॉट बिजली क्रय करने का निर्णय लिया गया है क्योंकि आगे की आवश्यकता को देखते हुए इसका इन्तजाम करने की सरकार ने व्यवस्था की है। सार्वजनिक क्षेत्र में 660 मेगावॉट, 4 हरदुआगंज के, पनकी तथा ओबरा की स्थापना का निर्णय लिया गया है क्योंकि अगर निर्णय नहीं लेंगे तो बिजली के उत्पादन की क्षमता नहीं बढ़ेगी इसलिए सरकार ने यह फैसला किया है कि 660 मेगावॉट 4 हरदुआगंज में, पनकी की एक यूनिट तथा ओबरा की दो यूनिटों की स्थापना का निर्णय सरकार ने लिया हैं इसी तरह से सार्वजनिक क्षेत्र की 9 परियोजनाओं की क्षमता विस्तार के लिए हम लोग काम कर रहे हैं। ऊर्जा के बजट में 2012-13 के बजट से रुपये 2315 करोड़ की वृद्धि की गयी है जो पहले से 24.5 प्रतिशत अधिक है। जो आपने अंत में कहां। क्योंकि आपके शब्द वही रहते हैं। हमने याद कर लिये हैं। बजट घोषणाओं का झुनझुना, तथ्यों से परे, जमीनी हकीकत से दूर, गांव गरीब की अनदेखी का बजट है जिसमें विकास को अमली जामा देने की कोशिश नहीं की गयी है। अगर आप बजट ध्यान से देखते और अपने बजट से तुलना करते। आपने हमारा बजट ध्यान से देखा ही नहीं । अगर देखते तो आपको खुद महसूस हो जाता कि यह बजट खुशहाली और तरक्की की तरफ ले जाने वाला है। क्योंकि यह बजट नौजवानों का, किसानों का, छात्रों का, अल्पसंख्यकों का, पिछड़ों का और इस प्रदेश के आर्थिक विकास का बजट है। हमारी सरकार द्वारा कुल प्लान पक्ष में लगभग 67 हजार करोड़ की व्यवस्था की गयी है जिसका 74 प्रतिशत भाग किसानों ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए रखा गया है। इसी तरह अल्पसंख्यक कल्याण के लिए रूपये 2 हजार 686 करोड़ की व्यवस्था है। इसलिए यह जो बजट 2013-14 का सरकार ने रखा है यह खुशहाली की तरफ ले जाने वाला है। उत्तर प्रदेश की विकास दर बढ़ाने और उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाने वाला बजट है। सतीश महाना जी ने कहां कि साइबर क्राइम बढ़ रहा है इसको कंट्रोल करने के लिए बजट में कोई व्यवस्था नहीं है। यह सही है कि जब से साइबर क्राइम बढ़ा है हमारी सरकार ने इस पर ध्यान दिया है और साइबर अपराधों के अनावरण एवं संलिप्त अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दो साइबर इकाईयों की स्थापना आगरा एवं लखनऊ में किये जाने का फैसला किया है। क्योंकि जो साइबर क्राइम है उसको रोकना बहुत जरूरी है। इसकी रोकथाम के लिए लखनऊ और आगरा में व्यवस्था करने जा रहे हैं। गन्ना मूल्य भुगतान के लिए 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था है। यह जो 400 करोड़ की व्यवस्था है यह सरकारी चीनी मिलों का है। यह प्राइवेट का नहीं है। हमारी सरकार द्वारा बढ़ाये गये गन्ना मूल्य के फलस्वरूप वर्तमान पेराई सत्र में गन्ना कृषकों को लगभग 21 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य का भुगतान प्राप्त हो सकेगा। जो पिछले वर्ष से लगभग 3 हजार करोड़ रुपये ज्यादा होगा। और जो 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है वह उत्तर प्रदेश

चीनी मिल संघ की गन्ना मिलों द्वारा किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान की सहायता के लिए है। इसमें प्राइवेट शामिल नहीं किया गया है। कहां गया कि दवाओं के लिए पैसा कम है, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पैसा बढ़ायें। जो सरकार का बजट है दवाओं के लिए बजट में 400 करोड़ से ज्यादा की व्यवस्था की गयी है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए रुपये 10645 करोड़ की व्यवस्था है जो वर्ष 2012-13 से 12.1 प्रतिशत अधिक है। पहले से ज्यादा दिया गया है। लखनऊ में दुग्ध प्लान्ट के प्रोजेक्ट के बारे में कहां गया कि पराग को न देकर अमूल को देना चाहते हैं। अमूल भी बड़ा दुग्ध फेडरेशन है। आप इस तरीके से दूसरे प्रदेश में जा रहे हैं। यह सही है कि दुग्ध संघों पर बहुत पैसा बकाया था। पिछली सरकारों ने पैसे का इंतजाम नहीं किया और न उनको पैसा दिया। जिसकी वजह से दुग्ध संघों पर संकट आ गया और वह लगातार बन्द हो गये। जब पिछली बार मैंने भाषण में कहां था तो इस बात को कहां था कि कई ऐसे मंत्री रहे जिन्होंने ब्यायलर के साथ भी हेराफेरी कर दी थी और मैं समझता हूं कि सबसे पहले लोकायुक्त जांच भी उन्हीं मंत्री की हुयी थी।

इस विभाग को बैठाने में, इस विभाग को खत्म करने का और दुग्ध संघों को लूटने का अगर किसी पर आरोप लग सकता है तो बहुजन समाज पार्टी की सरकार पर लगता है। यह दुग्ध संघों के किसानों का बकाया छोड़ आये। दुग्ध समितियों पर दुग्ध उत्पादों के बकायों के लिए जो सप्लीमेण्ट्री बजट था, उसमें भी पैसा सरकार ने दिया। इस वर्ष हम लोगों ने 26 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है तथा अगले वर्ष इसके लिए 38 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था की गई है। इसी तरह रजिस्ट्री आफीसेज बहुत खराब हैं, निबन्धन कार्यालयों में कागजों के रख-रखाव की उचित व्यवस्था नहीं है, इसके लिए उन्हें धनराशि दी जाय हमारी सरकार ने इस बात को समझा, क्योंकि जहां से सबसे ज्यादा रेवेन्यू सरकार को मिलता है और हर वर्ग के लोग वहां जाते हैं, छोटे से ले करके बड़े लोग रजिस्ट्री कराने जाते हैं तो बहुत खराब जगह है, उसके लिए निबन्धन कार्यालयों को पुराने अभिलेखों को सुरक्षित करने के लिए उनका डिजिटलाइजेशन आदि के लिए रुपये 8.74 करोड़ की व्यवस्था की गई है। तो शुरुआत हम लोग कर रहे हैं और डिजिटलाइजेशन जैसे-जैसे होता रहेगा, हम लोग और पैसा इसमें बढ़ाते रहेंगे। हैण्डपम्प की बात की गई तो हैण्डपम्प के लिए भी पैसा है। मैट्रो चलाने की बात की गई, मैट्रो की घोषणा की गई, आगरा में लखनऊ में और ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का, यह सही है।

(विपक्ष के कई मा0 सदस्य एक साथ हैण्डपम्प के विषय में अपनी बात कहने लगे जिससे शोर की स्थिति उत्पन्न हो गई।)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्यगण, पहले सुन लीजिए। आप लोग बैठ जायं।

श्री अखिलेश यादव-

इधर जब से खुशहाली और तरक्की आई है और देश खुशहाल होता जा रहा है, लोग जो शहरों मे रह रहे हैं और खासकर जो बड़े शहर हो गये हैं, उसमें लोग चाहते हैं कि उनके शहरों में भी मैट्रो आये।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, हम गांव वालों की बात कर रहे हैं, उनके लिए हैण्डपम्प की बात कर रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव-

यह आखिरी दिन आयेगा, भाषण के आखिरी दिन, उसी दिन इस सम्बन्ध में बात आ जायेगी, लेकिन जहां तक मेट्रो का सवाल है, यह सही है कि बहुत सारे जो बड़े शहर हैं, वहां की जनता चाहती है कि उनके यहां भी मेट्रो आये।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, आखिरी दिन का मतलब समापन वाला दिन ?

श्री अखिलेश यादव-

हां, बजट जब पास हो रहा होगा, उस समय। मान्यवर, कुछ बातें बाद के लिए भी छोड़ी जायं तो उचित रहेगा।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, आखिरी दिन आप क्या कहेंगे, जरा इसकी रूप-रेखा बता दें।

श्री अखिलेश यादव-

अगर आपकी बातें मै मानने लगूं, तो मैं फंस सकता हूं, लेकिन बात तो आप ही की मानूंगा मैं।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, इसके लिए मैं तो पहले ही धन्यवाद दिये दे रहा हूं, बधाई भी दिये दे रहा हूं।

श्री अखिलेश यादव-

तो जहां मेट्रो की बात हुई, मेट्रो आना चाहिए, शहर बड़े होते जा रहे हैं अर्बनाइजेशन बढ़ती चली जा रही है लोग महसूस करते हैं कि उनके शहर में भी मैट्रो आये, तो सुविधा हो, क्योंकि बड़े शहरों की जो परेशानी है वहां की सड़कें कम चौड़ी हैं, ट्रैफिक बहुत है और लगातार जैसे-जैसे खुशहाल होगा प्रदेश, वैसे-वैसे सड़कों पर ट्रैफिक बढ़ेगी। सड़कें हम चौड़ी नहीं कर सकते, इसलिए कोई न कोई पब्लिक ट्रान्सपोर्ट का अल्टरनेट हम लोगों को सोंचना होगा, इसलिए इस सरकार ने तय किया है कि पहले लखनऊ में मैट्रो, क्योंकि यह राजधानी है, देश की कई राजधानियों में मैट्रो आ गई है, तो इसलिए मैट्रो लाने का काम शुरू होगा। आज अखबार जब पढ़ रहा था, तो कोई दूसरा शहर भी मैट्रो मांग रहा था कि मैट्रो हमारे शहर में भी आनी चाहिए। नोएडा में भी जो मैट्रो आई थी, हालांकि जब सरकार बदल जाती है तो मौका मिल जाता है उद्घाटन करने का, मैट्रो लाने का काम तो समाजवादी सरकार ने किया था, लेकिन पुरानी सरकार जो चली गई उन्होंनें केवल अपनी पट्टियां लगवाईं उद्घाटन की। गाजियाबाद में भी जो मैट्रो आई उसकी शुरुआत भी समाजवादी सरकार ने थी, यह समाजवादी सरकार ने किया था, नोएडा में जो मैट्रो की शुरुआत हुई, जो मैट्रो पहुंची है नोएडा में, उसकी भी शुरुआत समाजवादी पार्टी ने की थी और गाजियाबाद में भी जो मेट्रो की शुरुआत हुयी है, उसकी शुरुआत भी समाजवादी पार्टी ने की है और इस बार भी गाजियाबाद डेवलपमेण्ट अथॉरिटी ने,

जो भुगतान करना चाहिये था सरकार की तरफ से लगभग 600 करोड़ रुपये सरकार ने दिये हैं मेट्रो को लाने के लिये। जहां ये कह रहे हैं कि लखनऊ में मेट्रो के लिये कोई पैसा नहीं दिया गया तो मैं समझता हूं कि मा0 सदस्यों ने देखा नहीं। हम लोगों ने जो बजट में प्रावधान किया है कि लखनऊ तथा अन्य शहरों के समग्र विकास हेतु रु0 250 करोड़ डाले हैं तो शुरुआत इससे हो सकती है। 250 करोड़ रुपये हम लोगों ने मेट्रो की डी0पी0आर0 तथा आर0ई0 तैयार करने के लिये दिया है, यथा आवश्यकता के अनुसार धनराशि का उपयोग किया जा सकता है। 250 करोड़ रुपये उसके लिये भी दिये गये हैं।

(सत्ता पक्ष की ओर से मेजों की थपथपाहट)

आगरा से लखनऊ तक का ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे की कन्सल्टेन्सी क्योंकि उस पर भी किसी ने सवाल किया कि वह हाई-वे बन रहा है कि नहीं बन रहा है। जब इसकी बात शुरू की तो मैंने इस बात को कहां था। किसी इकोनॉमिस्ट ने, किसी अखबार में मैंने पढ़ा था, लिखा था कि इफ यू कैन डबल द स्पीड, यू कैन ट्रिपल द इकॉनमी। अगर आप आने जाने की रफ्तार बढ़ा सकते हो तो इकॉनमी अपने बदल जायेगी, बढ़ जायेगी। हालांकि बी0जे0पी0 की जो केन्द्र सरकार थी, उसका भी फैसला अच्छा एन0एच0ए0आई0 वाला। कुछ सड़कें देश में बनना शुरू हुयीं।

(भारतीय जनता पार्टी की ओर से मेजों की थपथपाहट)

ताज एक्सप्रेस-वे जो बनाया उसमें अनदेखी बहुत की गयी। किसान भी अपमानित हुये, किस तरह के लूट के और तमाम तरह के आरोप लगे, इसलिये लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे बनेगा और सरकार ने काम शुरू कर दिया है। कन्सल्टेण्ट से लेकर सब लोग चिह्नित हो चुके हैं। बहुत जल्दी कोशिश होगी कि डी0पी0आर0 बन कर तैयार हो जाये। कोशिश होगी कि इसी वर्ष लखनऊ आगरा हाई-वे शुरू हो जाये। इससे केवल राजधानी ही नहीं जुड़ेगी, दो राजधानियां ही नहीं जुड़ेंगी बल्कि मैं समझता हूं कि उत्तर प्रदेश की खुशहाली की तरफ शुरुआत हो जायेगी क्योंकि इण्डस्ट्रलाइजेशन में सबसे जरूरी है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर आपके पास है। मैं समझता हूं कि यह बहुत ठोस कदम है सरकार का, यहां एक्सप्रेस-वे लाने की कोशिश है और एक्सप्रेस-वे लखनऊ तक पहुंचेगा। इसी तरह ऋण माफी की बात की गयी तो हम लोग तो प्रदेश सरकार में हैं तो प्रदेश सरकार की बैंको का ही कर सकते हैं। दुधारू पशुओं की बात की। इस पर भी जहां कहीं भी सूचना मिलती है और हमारे वरिष्ठ मा0 सदस्य ने कहां कि ऋण सबका माफ होना चाहिये। हमारे हाथ में तो केवल प्रदेश की बैंकें हैं, उन्हीं का कर सकते हैं और घोषणा पत्र में भी हम लोगों ने यही लिखा था कि जो जमीन गिरवी रखी है, उनको करेंगे, इसीलिये 1650 करोड़ का इंतजाम किया है और अगर 2014 में समर्थन अच्छा मिल जायेगा तो उस पर भी सरकार विचार करेगी।

(सत्ता पक्ष की ओर से मेजों की थपथपाहट)

पशुओं की बात की गयी तो उसमें कई पकड़े गये हैं और उसमें कड़ी कार्यवाही करेंगे। जो लोग इस तरह के कारोबार में जुड़े हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही होगी। सौर ऊर्जा से चालित नलकूपों को लगाने की योजना चालू की जाये तो प्रदेश के ऐसे 19 जनपदों में जहां जल का संकट है तो उसमें भी सोलर पर काम करने जा रहे हैं। लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना की धनराशि बढ़ायी जाये तो अभी इस साल 2013-2014 में 2100 राजस्व गांवों का चयन किया गया है, चयन किया जायेगा

2100 गांवों का। इस तरीके से जो 2013-2014 को बजट था, जो समाजवादी सरकार ने रखा है उसमें प्रयास हुआ है कि हर वर्ग के बीच सरकार की योजनायें पहुंच जायें। इससे उत्तर प्रदेश आगे बढ़े, खुशहाली के रास्ते पर जाये। इस सरकार ने ख्याल रखा है कि जो पीछे गरीब हैं, पिछड़े हैं और खासकर मुस्लिम हैं, उनके बीच में योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचे। उत्तर प्रदेश का 2013-2014 का जो बजट है वो हर वर्ग को साथ लेकर उत्तर प्रदेश को खुशहाली के रास्ते पर ले जाने वाला बजट है। यह एक अच्छा बजट है और जहां ये आरोप लगे हैं कि पैसा नहीं खर्च हो पाया है। समय पर्याप्त मिलेगा सरकार को और गुणवत्ता के साथ अच्छी योजनाओं को लागू करने का संकल्प सरकार ने लिया है। इस वर्ष पूरा का पूरा पैसा भी खर्च होगा, दिखाई देगा कि उत्तर प्रदेश में विकास हो रहा है और खुशहाली के रास्ते पर उत्तर प्रदेश चलेगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सदन में मेजों की थपथपाहट)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 मुख्य मंत्री जी अपने बजट भाषण पर यदि तारीफ करेंगे तो अपने मुंह मियां मिट्ठू तो सभी बनते हैं, तो इसलिए रही बात, मैंने उस दिन भी कहां था और आज मा0 मुख्य मंत्री जी ने उसकी पुनरावृत्ति की, घोषणाएं तो बहुतेरी हुईं, लेकिन मैंने कहां था, लागू नहीं हुई, अब लागू करने का आपका प्रयास चल रहा है, वर्ष 2014 तक हो जायेगा। यह मैं समझता हूं कि वर्ष 2014 तक होगा, लेकिन जो अभी तक हो जाना चाहिए था, नहीं हुआ।

श्री अखिलेश यादव-

ऐसी कौन-सी घोषणाएं थीं, जो लागू नहीं हुईं ?

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

एक तो जो 11 को करने जा रहे हैं, यह भी नहीं लागू हुआ था, बिल्कुल नहीं हो पाया था और बजट की संकल्पबद्धता किसान, गांव, गरीब के लिए दोहरायी तो जरूर, लेकिन संकल्प इतना कमजोर है कि पिछले 11 महीने में 1/4 बजट लागू नहीं हो पाया था और आपने कहां कि आठ महीने का समय मिला। समय तो इनको 9 महीने का मिला था, लेकिन 9 महीना न कहना पड़े इसलिए वह 8 महीने में अपना काम निकाल लिए। जब 9 महीने में एक सृष्टि हो जाती है, तो इन सारी-की-सारी योजनाओं का क्रियान्वयन भी हो जाना चाहिए था।

श्री अखिलेश यादव-

9 महीने वाला संकट इधर कुछ नहीं है।

(मेजों की थपथपाहट के साथ, सदन में हंसी)

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, आपने यह भी कहां कि स्मारक धंस रहे हैं। मान्यवर, वह आपकी रख-रखाव की कमी के नाते धंस रहे हैं। स्मारक की कहीं बिल्डिंग, कहीं दीवार नहीं धंसी, बल्कि जो स्मारक के आस-पास पार्क बने हैं, पार्क में मिट्टी धंसी है, जो रख-रखाव के अभाव के चलते धंसी है। यह जिम्मेदारी सरकार की है, चूंकि वह किसी भी पार्टी की निजी सम्पत्ति नहीं है, वह संपत्ति सरकार की

है। जब सम्पत्ति सरकार की है तो जो भी सरकार आती है, उसकी जवाबदेही होती है, उसकी सुरक्षा, संरक्षण, रख-रखाव और बन्दोबस्त की, इसलिए मान्यवर, मैं आज ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहूंगा।

श्री अध्यक्ष-

आज कहने का अवसर भी नहीं है, आप तो कह चुके हैं।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि...

श्री अध्यक्ष-

एक स्पष्टीकरण पूछा जाता है, पूछ लीजिए, बैठिए।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

जो मा0 मुख्य मंत्री जी ने, बजट भाषण में अपने तमाम स्पष्टीकरण दिए हैं, एक स्पष्टीकरण उन्होंने छोड़ दिया। पिछड़े वर्गों के लिए क्रीमी लेयर, आय सीमा 5 लाख से घटाकर आपने 2 लाख कर दी। इसलिए मान्यवर, जब आप तमाम भूल सुधार करते हैं, तो मैं अपेक्षा करूंगा कि क्या यह भी भूल सुधार करेंगे और पिछड़े वर्गों के प्रति वचनबद्धता को पूरा करने के लिए क्या अपनी इस भूल को सुधारने का काम करेंगे मान्यवर, इन्हीं शब्दों के साथ, चूंकि तमाम ऐसी कमियां हैं, जिसके नाते मैंने उस दिन भी कहां था कि मैं मा0 मुख्य मंत्री जी के बजट का विरोध करता हूं और आज भी कर रहा हूं।

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष महोदय, मा0 नेता प्रतिपक्ष ने जो बात कही कि स्मारकों का रख-रखाव, उनकी देखभाल, उनकी सुरक्षा का इंतजाम सरकार का है और सरकार सबकी होती है। जब आप स्मारक बना रहे थे, तो सबको आप भूल गए। आपने केवल अपने लिए स्मारक बनवाये और जो व्यवस्था है, जो रख-रखाव है, जो देखभाल है, सरकार पूरी उसकी व्यवस्था कर रही है, लेकिन जो सिविल वक्र इन्होंने करवाया, जल्दबाजी में जो काम किया इन्होंने, या अपनी मनमर्जी के ठेकेदारों को लगवाया। जिस संस्था से आपने काम कराया उनकी गुणवत्ता नहीं ठीक रही। जो डैमेज दिखाई दे रहा है। वह मैंने तस्वीरों मे देखा है हालांकि मैंने वहां जाकर नहीं देखा है ।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

एक दिन जाकर देख आयें।

श्री अखिलेश यादव-

अगर आप साथ चलेंगे तो जायेंगे।

मान्यवर, जो तस्वीर देखी है, जो गोलाकार डोम है पत्थर हटे हैं, ईंट और बाहरी चीजें दिखाई दे रही हैं । उस समय जो ठेकेदार था उसने वह भरा नहीं । इस्टीमेट बढ़ाया गया जो दस रुपये की चीजें थीं वह चीजों में हजारों रुपये लगाये गये हैं। मैं पिछली बार इस पर बोल चुका हूं इसलिए इस पर ज्यादा नहीं बोलूंगा। वहां पर खजूर के पेड़ खड़े हैं, वह लगाये गये हैं वह सब सूख गये हैं। पता नहीं इन्होंने उन्हें कहां से मंगवाया है। शायद बाहर से मंगवाया होगा । इनकी सरकार ने उस पर धन

दिया है आप कीमत बता देंगे या हम सरकार से उसकी कीमत निकलवा लेंगे। खजूर के पेड़ सूख गये हैं, जो इन्होंने लगाये हैं, हमने इतना काम किया है कि वहां पर अच्छे पेड़ लगवा दिये हैं, हरे-भरे पेड़ लगवा दिये हैं। (मेजों की थपथपाहट)पता नहीं इन्होंने खजूर के पेड़ वहां पर क्यों लगवा दिये। हमने वासिंग टोनिया के पेड़ वहां पर लगवा दिये हैं। वह अच्छा दिख रहे हैं, दो तीन साल बाद देखेंगे तो तब (श्री मोहम्मद आजम खां ने अपनी सीट पर बैठे-बैठे कहां कि ''उसमें फल नहीं लगेंगे क्योंकि इनकी मुख्य मंत्री भी फल की कायल नहीं थीं)

(हंसी)

श्री अखिलेश यादव-

वह तो अपने महीनों में फंस गये हैं।

तो उस जगह पेड़ हमने लगवा दिये हैं जिससे अच्छी सुन्दरता वहां आ जायेगी। जो स्मारकों के रख-रखाव की बात है उसे देख रहे हैं। जो सबसे ज्यादा जरूरत थी कि जो पेड़ वहां पर सूख गये हैं तो अगर वहां दूसरे पेड़ नहीं होंगे तो अच्छा नहीं होगा, इसलिए वहां की सुन्दरता को बढ़ाने के लिए हमने पेड़ लगवा दिये हैं । साल दो साल बाद आपको बहुत अच्छा वहां दिखाई देगा।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, सदन की कार्यवाही नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष के बीच अंताक्षरी के रूप में आ गयी है। मान्यवर, पांच सालों में इन्होंने स्मारक बनवाये और आपको भी सबसे ज्यादा चिंता उसी की हुई है। कहीं न कहीं आपके बीच तार जुड़े हुए हैं। न आपने किसानों की कोई बात कही, न कोई ट्यूबवेल की बात कही और न ही सड़कों की बात कही। कल चिन्ता बहुत ज्यादा कर रहे थे संसदीय कार्य मंत्री जी। खजूर की जगह आपने वासिंगटोनिया के पेड़ लगवा दिये हैं। आप खजूर से वासिंगटोनिया पर पहुँच गये हैं। जो आपने चिंता की है स्मारकों के रख-रखाव की उसके लिए तो यह आपका आभार व्यक्त करेंगे। मान्यवर मैं तो यह कह सकता हूं कि आपने बड़ी हिम्मत के साथ यहां पर घोषणा की थी और ऐसे महापुरुष के नाम पर घोषणा की थी जिसका सम्मान हम सब करते हैं। डा0 राम मनोहर लोहिया ग्राम विकास योजना। मान्यवर मैं बड़ी जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूँ कि किसी गांव में काम शुरू नहीं हुआ है, जब नहीं हुआ है तो चिंता वहां होना चाहिए। अब एक महीना आपके पास शेष इसमें आपको कराना है। आगे 11000 गांव आपको और लेने हैं। जब पहले के गांव ही नहीं हुए तो आगे के कैसे होंगें। आपके यहां किसी के यहां हो गये होंगे, कह नहीं सकता।

(सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों की ओर से हो गये, हो गये तथा विपक्ष के माननीय सदस्यों की ओर से नहीं हुए, नहीं हुए की आवाज आने पर)

माननीय अध्यक्ष जी, मैं यही दृष्य दिखवाना चाहता था कि वहां क्यों हुए और यहां क्यों नहीं हुए। वह सामने आ गया। मुख्य मंत्री जी आपके लिए सब सदस्य बराबर हैं, सब आपका सम्मान करते हैं, सब आपसे अपेक्षा करते हैं अगर वहां हो गये और यहां सब कह रहे हैं कि नहीं हुए तो आखिर क्यों नहीं हुए। वहां क्यों हुए और यहां क्यों नहीं हुए। मान्यवर, दूसरे महापुरुष मिश्रा जी के नाम से आपने घोषणा की थी उन गांवों में भी काम शुरू नहीं हुआ । मान्यवर, मैं चाहता हूं कि यह तो बाद में हो जायेंगे बाकी काम क्योंकि आज स्थिति यह है अध्यक्ष जी कि मैं माननीय मुख्य मंत्री जी

के बजट भाषण के बारे में जो चर्चा हुई है उसका उत्तर सुन रहा था और लग रहा था कि आज उत्तर प्रदेश न जाने कहां से कहां पहुंच गया। बहुत अच्छी बात उन्होंने कही, बहुत अच्छे जवाब भी उन्होंने दिये, तर्क भी दिये, आंकड़े भी दिये उनके लेकिन मान्यवर, जमीन पर भी देख लीजिए कि क्या है। सड़कों की हालत क्या है, पुलों की हालत क्या है, स्कूलों की हालत क्या है, विश्वविद्यालयों की हालत क्या है, अस्पतालों की हालत क्या है। मान्यवर, बहुत सुन्दर लगता एक आध क्षेत्र में आप प्रभावी कार्यवाही कर देते वहां डाक्टर नजर आने लगते, वहां अध्यापक नजर आने लगते, मान्यवर, वहां पढ़ाई नजर आने लगती और किसान के बारे में जो बात आपने कही गन्ने की । आप चिन्ता कर लीजिए, एक कुन्तल गन्ने की 80 किलो गन्ना न तुल रहे हों तो मैं आपके सामने माफी मांगूगा, सदन के सामने। एक भी मिल ऐसा नहीं है जहां घटतौली न हो रही हो, प्रभावी तरीके से इस पर दबाव बना दीजिए, कार्यवाही कर दीजिए बस इतना मैं कहना चाहता हूं।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य माननीय हुकुम सिंह जी ने जो बात रखी, बात शुरू पेड़ों से हुई थी क्योंकि हम समाजवादी लोग बहुत चीजों को बिगाड़ना नहीं चाहते, तोड़फोड़ में विश्वास नहीं करते क्योंकि इन्होंने खजूर लगाया था, आप ग्रामीण क्षेत्र से हैं और गांव के रहने वाले लोग हैं और सब चीजों से आपको परिचय है। इन्होंने जो पेड़ लगाने की जगह छोड़ी थी बहुत कम थी, तो मैं नहीं चाहता था कि कोई ऐसा पेड़ लगा दें जिससे वहां पर पत्थर-वत्थर टूट जायें, फट जायें या नुकसान हो जाय इनके स्मारकों का। और जो दूसरी बात आपने रखी आम, अमरूद या जिस भी फल की बात की है, यह गलती स्वीकार करती है सरकार, फूलों के तो लगाये थे पेड़ लेकिन आपका जो मनपसन्द पेड़ हो आप बता दीजिए वही पेड़ उस स्मारक में लगवा देंगे। अभी जगह पर्याप्त है अगर आम का पेड़ चाहें तो लगवा सकते हैं।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

(बैठे हुए) फिर कोई ढेला नहीं मारेगा। (हंसी)

श्री अखिलेश यादव-

और, माननीय सदस्य ने कहां कि हम दोनो के तार जुड़े हुए हैं, यह स्वीकार कर रहे हैं कि हम दोनों के तार जुड़े हुए थे लेकिन तार काटे किसने। (हंसी) तार काटे किसने ?

श्री हुकुम सिंह-

अगर न काटे होते मान्यवर, तो विस्फोट हो जाता।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, यह विस्फोट से डरते नहीं हैं यह डरते हैं दिल्ली की गद्दी की ताकत से।

श्री स्वामी प्रसाद मौर्य-

इन्होंने तार इसलिए काटा ताकि अपना तार आपसे जोड़ सकें।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय सदस्य ने जो बात कही, पूरा उत्तर प्रदेश जानता है देश जानता है कि तार कटने के बाद तार कैसे जोड़ा आपने और वह जोड़ ऐसा भी लगाया जो मजबूत नहीं चला, 6 महीने भी नहीं

चला। जो इनका जोड़ था वह 6 महीने भी नहीं चला और जो बात कही किसानों की, जहां कहीं भी सरकार को सूचना मिली है कि किसानों के गन्ने को ले करके घटतौली हो रही है तो उसमें कार्यवाही हुई है और कार्यवाही करेंगे। आपने जिस तरफ इशारा किया है जहां इशारा कर दिया, गोंडा में सूचना मिली, मऊ में सूचना मिली तो उसमें कार्यवाही हुई है तो कार्यवाही होगी, कार्यवाही करेंगे और समाजवादी पार्टी ने कोशिश की है कि उत्तर प्रदेश खुशहाली के रास्ते पर जाये इसीलिये गन्ने की कीमत जो दी है, बहुत बढ़ाकर दी है और यह पहली सरकार है और पहला साल ही ये है, कोई चुनाव को देखकर नहीं कीमत दी है, हम जानते हैं कि जब तक किसानों तक पैसा नही पहुंचेगा, कितनी भी कोशिश कर लें, हम उत्तर प्रदेश की जी0डी0पी0 को नहीं बढ़ा सकते। क्योंकि खुशहाल उत्तर प्रदेश तभी होगा, जब इस प्रदेश का किसान खुशहाल होगा । तो हमारा संकल्प है कि किसान पर ज्यादा पैसा पहुंचे और अमूल को भी इसीलिये ला रहे हैं हम लोग । अमूल अगर आना चाहता था तो हमने उसको आने दिया, हमने रोका नहीं। क्योंकि अमूल के लोगों ने उदाहरण दिया कि एक-एक गॉव में कई सौ करोड़ रुपया वह एक महीने में बांट देते हैं। एक जिले का उदाहरण दिया उन्होनें, कि लगभग 50 करोड़ रुपया बांटते हैं एक महीने में किसानों को। हम भी चाहते हैं कि हमारा पराग बांटें, लेकिन पराग नहीं बांट पा रहा है, यह हमारी संस्था असफल हुयी है। मैं सोचता हूं कि अमूल आये और अमूल की संस्था आयेगी तो कम्प्टीशन होगा और कम्प्टीशन जहां होगा, वहां किसानों को इसका लाभ पहुंचेगा। इसीलिये हम चाहते हैं कि वह यहां पर आये ।

श्री अजय कुमार ''लल्लू''-

लोहिया ग्राम का बता दीजिये ।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, समग्र विकास ग्रामों के संबंध में दो बातें आपने कहीं, वह मैं भूल गया। जनेश्वर मिश्र और लोहिया समग्र ग्राम योजना की मैं खुद समीक्षा करूंगा और जो शिकायत है, उसको दूर करेंगे।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, 12 मार्च से बोर्ड के इक्जाम हैं, बिजली के बारे में कुछ कहलवा दें ।

श्री अध्यक्ष- आपका इम्तहान पहले हो चुका, आपके घर का कोई इम्तहान दे रहा है क्या ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, 12 मार्च से बोर्ड के इक्जाम हैं और बिजली की कटौती रात में 9 बजे से 12 बजे तक हो रही है। बोर्ड के इक्जाम में बिजली की अतिरिक्त व्यवस्था कराये जाने के संबंध में माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान आपके माध्यम से आकर्षित कराना चाहते हैं।

श्री अध्यक्ष-

अरे आप बैठें, यह कोई बहस नहीं हो रही है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय मुख्यमंत्री जी ने सुन लिया है, मैं चाहता हूं कि वह इसका संज्ञान ले लें ।

श्री प्रदीप माथुर-

माननीय अध्यक्ष जी, सपा बसपा का पुराना प्रेम तो हाउस में उजागर हो ही गया । माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि बादलपुर का जो इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने वाला था, उसे आपने निरस्त करके अच्छा काम किया । परन्तु आपने बजट में आगरा और मथुरा के बीच में बनने वाले ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट का कोई जिक्र नहीं किया और उस क्षेत्र की जनता पर्यटन के विकास के दृष्टिकोण से बड़ी आशा के साथ आपकी तरफ देख रही है यदि बजट में आपने घोषणा की होती कि ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट मथुरा और आगरा के बीच में बनेगा तो उस क्षेत्र की जनता, ताजमहल को देखने वाली जनता, पूरी दुनिया से आने वाली जनता और मथुरा-वृन्दावन में कृष्णभक्त आपको दुआयें देते, यदि उसका आप जिक्र करते ।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय सदस्य प्रदीप माथुर जी ने जो बात रखी है कि एयरपोर्ट बने और चूंकि पिछली सरकार ने उसमें 5 साल लगा दिये और एयरपोर्ट नहीं बना और वहां के किसानों की जमीन न जाने कहां-कहां के उद्योगपति और व्यापारी खरीद ले गये। बिना फिजिबिलटी स्टडी किये हुये अभी कह पाना मुश्किल है। फिजिबिल स्टडी करा देंगे कि वह एयरपोर्ट कहां ठीक रहेगा, आगरा के आसपास या मथुरा के आसपास ।

(श्री प्रमोद तिवारी जी का नाम पुकारे जाने तथा श्री बंशी सिंह पहाड़िया के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

अरे बंशी जी, बैठो ।

*श्री प्रमोद तिवारी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं तो यह जानता था कि बजट 12 महीने का होता है। मान्यवर, मेरी जानकारी के अनुसार बजट 12 महीने का होता है। पर यह जो कुछ महीनों की बात हो रही थी, माननीय नेता सदन और माननीय नेता विरोधी दल के बीच में बड़ा मधुर संबंध होता है। निकटता भी होती है, थोड़ा आकर्षण भी होता है, घर्षण भी होता है और तमाम बॉते होती हैं तो यह महीनों का फेर मैं समझ नहीं पाया।

क्या है थोड़ा अगर माननीय मुख्य मंत्री जी समझा देंगे तो ज्यादा अच्छा रहेगा। (नेता, भाजपा की ओर इशारा करते हुए) आप घबराएं न मान्यवर, आपसे कोई मतलब नहीं है केवल इन दोनों से मतलब है, आप पर कोई जिम्मेदारी नहीं आयेगी। मान्यवर, मैं सिर्फ यही कह रहा हूं कि अगर समझा देंगे तो अच्छा होगा। मैं तो सिर्फ एक चीज कहना चाहता हूं चूंकि मैं उस समय सदन में था, मा0 हुकुम सिंह जी नहीं थे शायद इनको पूरी बात नहीं मालूम है। जब आपका और इनका रिश्ता टूटा था तो रिश्ता जो जुड़ा था, आपकी जगह जो बैठे थे उनका उनसे जुड़ गया था, टांका लगा होगा। तो मान्यवर, इधर टूटा 1993 में और इधर जुड़ा और मान्यवर, सरकार बनी और समर्थन आपका रहा। तो मान्यवर, उधर अगर सम्बन्ध तोड़ने का कोई गुनहगार है तो आप गुनहगार हैं कोई दूसरा गुनहगार नहीं है। मान्यवर, एक बार टूट गया तो ठीक हुआ, जुड़ गया वह भी ठीक हुआ लेकिन दोनों जब अलग हुए थे, मैं सिर्फ यह बताना चाह रहा हूं।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

यह भाषण का समय तो है नहीं।

श्री प्रमोद तिवारी-

ना, ना, ना, मान्यवर, कहां भाषण की बात हो रही है।

श्री अध्यक्ष-

आप स्पष्टीकरण पूछिये।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, मैं तो रिश्तों की बात कर रहा हूं। मान्यवर, उस समय जो अलगाव हुआ था तो आजम खां साहब को मालूम है कि जब कभी कोई रिश्ते बन जाएं और जब तलाक होता है तो दोबारा तब तक निकाह नहीं हो सकता जब तक कि हलाला न हो जाए। जो मुस्लिम भाई बैठे हैं मेरी समझ से वह इस बात को समझते होंगे। इन्होंने हलाला किया नहीं और फिर दोबारा निकाह किया।

श्री मोहम्मद आजम खां-

यह दरअसल इस इन्तजार में हैं कि हलाले का मौका इन्हें मिल जाए।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, बिल्कुल सही ये कह रहे हैं जब इनका तलाक हुआ तो हलाला 96 में हुआ था, इसमें कोई दोराय नहीं है। लेकिन मान्यवर, फिर इन्होंने निकाह कर लिया बिना हलाला के, मान्यवर, सुनें तो नाजायज हो जायेगा सब कुछ, इसलिए बता रहा हूं। मान्यवर, फिर दोबारा हो गया, उसके बाद मान्यवर, फिर तलाक हुआ, फिर हलाला नहीं हुआ, तीसरी बार हो गया।

श्री मोहम्मद आजम खां-

आपका भी ख्याल रख रहे हैं।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, मैं कहना सिर्फ यह चाह रहा हूं कि नाजायज निकाह से जो औलादें पैदा होती हैं उन्हें जो कहते हैं उसे मैं कहना नहीं चाहता हूं, लेकिन नाजायज होती हैं। तो मान्यवर, उस समय इनके और इनके रिश्ते से जो कुछ भी हुआ होगा वह नाजायज के सिवा जायज नहीं हो सकता है।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, जो कुछ हुआ, बराबर में तो बैठे हैं।

श्री अध्यक्ष-

बैठिये तिवारी जी, कहां आप लिये जा रहे हैं सदन को।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, सुन तो लें। मान्यवर, आप बोझे में पड़ जाते हैं कभी हल्का तो बनने दीजिए सदन को, कभी हल्का माहौल तो बनने दीजिए। मान्यवर, ये कह रहे हैं कि हम बगल में बैठे हैं, हम बगल में नहीं बैठे थे हम तो सामने देख रहे थे आप दोनों का जो कुछ भी हो रहा था और उसके होने के बाद जो कुछ हुआ वह सब तो हो गया। मैं तो सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं, मुझे बिल्कुल चिन्ता

नहीं है कि क्या हुआ और क्या नहीं हुआ, मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं मेरी जानकारी कम है आप इंजीनियर हैं आपको ज्यादा मालूम होगा, मैं तो वकील हूं। मान्यवर, यह मूल्यवृद्धि का सिद्धान्त क्या है ? मैं सिर्फ इतना जानना चाहता हूं कि पिछले 12-14 सालों में मूल्यवृद्धि कितनी हुई, कितने परसेंट हुई। मान्यवर, मेरे हिसाब से तीन गुना, चार गुना हुई। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं आपसे कि जो एक करोड़ की कीमत थी वह इस समय कितनी होगी। आप बतायें, आप इंजीनियर हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप ही बता करके अपना स्पष्टीकरण खत्म कीजिए।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, स्पष्टीकरण ही तो मांग रहा हूं। अच्छा मान्यवर, मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि जो वर्ष 2000 में एक करोड़ की कीमत थी, अब बढ़ करके उसकी कीमत क्या हो गई होगी, आप बता दें।

श्री अध्यक्ष-

हम क्या जानें ? हमारे पास एक करोड़ है ही नहीं और न ही हम जानते हैं। आपके पास करोड़ों हैं आप जानते हैं।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, मैं बता देता हूं। मैं बताये देता हूं सिर्फ आपसे एक सिद्धान्त जोड़ते हुए, सरकारी आंकड़े जो उत्तर प्रदेश के हैं उसके हिसाब से तीन-चार गुना दाम बढ़ा है। तो मैं यह जानना चाहता हूं सीधा सा सवाल है, आधा मिनट लगेगा। अगर उस समय हमारी विधायक निधि एक करोड़ रुपये थी।

श्री अध्यक्ष-

आप माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करिये। आप इतना मांगते हैं वह कृपालु होते ही नहीं, बार-बार क्यों मांगते हैं ?

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, वकीलों की एक आदत होती है फैलाते ज्यादा हैं बाद में समेटकर अपनी बात कहते हैं। तो मैं फैला रहा था, अब समेटकर कह रहा हूं एक करोड़ तब थी इसलिए नहीं कह रहा हूँ कि आज कुछ घोषणा कर दें।

कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, धर्मार्थ कार्य मंत्री (श्री कुँवर आनंद सिंह)-

आपको यहीं याद आता है वहां नहीं याद आता है कि किसान का मूल्य कितना होना चाहिए, गेहूं का मूल्य कितना होना चाहिए उस पर भी ध्यान रखिये।

श्री अध्यक्ष-

तिवारी जी अब खत्म करिये।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, बहुत काम की बात कह रहा हूं, अगर आपकी इजाजत हो तो मैं कह लूं। मैं आज के लिए कुछ नहीं कह रहा हूं जिस दिन समापन होगा उस दिन की बात कर रहा हूं। आज से मैं कहे दे रहा हूं, जोड़-घटाना कर लें, उसी के हिसाब से जब सत्र का अन्तिम दिन हो उस दिन कह दें। मेरा एक फार्मूला है अगर आप पसन्द करें तो, विकास अगर आप करना चाहते हैं तो मैं अपने अनुभव के आधार पर कहना चाहता हूं, कभी पूरब की बात होती है, कभी पश्चिम की बात होती है, कभी बुन्देलखण्ड की बात होती है और कभी रूहेलखण्ड की बात होती है। मान्यवर, चार या पांच टुकड़ों में बांटने से उत्तर प्रदेश विकसित नहीं होगा। विकसित होगा अगर आप उत्तर प्रदेश को 403 टुकड़ों में बांट दें, और 403 टुकड़ों में बांटकर हर टुकड़े को बराबर-बराबर आप धनराशि दे देंगे उस दिन इस उत्तर प्रदेश का विकास हो जायेगा। तो मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि सर्वांगीण विकास के लिए क्या मुख्य मंत्री जी इस पर विचार करेंगे कि जिस तरह से मूल्य वृद्धि हुई है उसी के अनुसार मान्यवर, ध्यान में रखते हुए क्या इसे 403 टुकड़ों में बांटकर सर्वांगीण विकास के बारे में सोचेंगे।

श्री अखिलेश यादव-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बात कही मूल्य वृद्धि की।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, उसके लिए ऊपर के लोग भी जिम्मेदार हैं और नीचे के लोग भी जिम्मेदार हैं।

श्री अखिलेश यादव-

वह बात समझ गये कि मैं क्या कहने वाला था। मूल्य वृद्धि या मंहगाई बढ़ रही है, हम लोगों ने तो कोई मंहगाई बढ़ायी नहीं उसका अनुभव हम लोगों को कम है। केन्द्र सरकार ने जो मंहगाई बढ़ायी है उसका अनुभव उनके पास है। हम समाजवादी लोग जितने बैठे हैं दाम बांधों का सिद्धान्त हम लोग स्वीकार करते हैं। मंहगाई और मुनाफा जब तक दाम बांधों का सिद्धान्त लागू नहीं होगा तब तक हम बहुत सी चीजों का सामना नहीं कर सकते, मंहगाई बढ़ती रहेगी। किस चीज की कितनी कीमत हो, हम तो विश्वास करते हैं दाम बॉधों नीति पर। हालांकि उस पर चलना मुश्किल है लेकिन सरकार की कोशिश होगी कि उस पर हम लोग काम करें और चलें। आप मूल्य वृद्धि जिसकी कराना चाहते थे और आपके ही आंकड़े अगर हम ठीक मान लें कि जो मंहगाई बढ़ी है वह 15, 20 या 25 प्रतिशत बढ़ी है, तो हम तो पहले ही निधि बढ़ा चुके हैं, मूल्य वृद्धि के हिसाब से तो बढ़ा ही चुके हैं।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, कहां बढ़ा चुके हैं वह तो आपने पिता का ऋण अदा किया है। ऋण की कोई कीमत नहीं होती और अगर बहुत बड़ा पिता हो तो उसके ऋण का कर्ज तो आप चुका ही नहीं सकते हैं वह तो जितना आप चुकायेंगे वह कम होगा। उसकी बात बात मत करिये। मैं कह रहा हूं जहां तक आंकड़ों की बात है तो उस समय योजना आकार 25 हजार करोड़ रुपये मिला था उत्तर प्रदेश को, अबकी बढ़ाकर 55 हजार करोड़ रुपये केन्द्र ने दिया है।

*श्री दलवीर सिंह-

अभी माननीय मुख्य मंत्री जी ने किसानों के संबंध में दो-चार बातें कहीं। मेरा सुझाव था कि किसानों के बिजली के बिल माफ कर दिये जांए। उस पर कुछ भी मा0 मुख्य मंत्री जी ने नहीं कहां। मेरा सुझाव था कि 50 हजार रुपये का जब किसानों का कर्जा माफ किया है तो सभी बैंकों का जो भी कर्जा है किसानों का वह भी माफ किया जाना चाहिए। उस पर मुख्य मंत्री जी ने एक जवाब दे दिया कि यह भारत सरकार के अधीन बैंक आते हैं तो वह भी आटोनमस बाडी है। आपका को-आपरेटिव बैंक है आप चाहें तो वहां भी किसानों के लिए व्यवस्था करा सकते हैं लेकिन आपकी इच्छा शक्ति है नहीं किसानों का कर्जा माफ करने की। गन्ना के सम्बंध में माननीय हुकुम सिंह जी ने बड़ी मजबूती के साथ कहां।

श्री अध्यक्ष-

आप भाषण दे चुके हैं केवल स्पष्टीकरण पूछ लें।

श्री दलवीर सिंह-

दुग्ध संघों के सम्बंध में अलीगढ़ का दुग्धसंघ सबसे बड़ा दुग्ध संघ है वहां किसानों का, मजदूरों का और कर्मचारियों का इतना पैसा बकाया पड़ा है उसे चलवाने की बात मैंने आपसे कही थी उस पर आपने दो शब्द नहीं कहे। लोहिया गांवों में केवल एक गांव में 12 लाख रुपया आ रहा है इस 12 लाख से किसी किसान का कोई भला होने वाला नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

आप भाषण क्यों दे रहे हैं। भाषण तो आपका हो चुका है।

श्री दलवीर सिंह-

मैं एक बात कहना चाहता हूं ठीक है आपने बिजली के बिल माफ नहीं किए लेकिन जैसा अन्य सरकारों में होता रहा है जो किसानों के सरचार्ज लगते थे मार्च के महीने में वह माफ कर दिए जाते थे मेरा आपसे निवेदन है कि कम से कम सरचार्ज तो माफ करा दें। अभी बिजली बोर्ड की तरफ से आधे की घोषणा हुई है जो आधा शेष है सरकार भी उसकी घोषणा करे। कम से कम सरचार्ज तो खत्म हो जाय।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय सदस्य ने जो बात कही कि किसान के पक्ष में नहीं कहां तो जो पैसा खर्च होने जा रहा है उसका 74 प्रतिशत सीधा गरीब किसान के पक्ष में खर्च होने जा रहा है। जिसमें मुफ्त सिंचाई से लेकर कर्जा माफी का भी है जो घोषणा-पत्र में सरकार ने लिखा था समाजवादी पार्टी ने कि जमीन को लेकर जो किसान कर्ज लेते हैं उनके कर्ज हम माफ करेंगे। जहां तक दुग्ध संघ का सवाल है हम लोगों ने बजट में पैसा दिया है क्योंकि बात अलीगढ़ की है तो उसमें जरूर विचार करेंगे कोई रास्ता निकालेंगे कि कैसे उस दुग्ध संघ को भी ठीक किया जाय।

श्री अध्यक्ष-

अब बजट पर चर्चा समाप्त।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 05 मार्च, 2013 को नियम-301 के अन्तर्गत कुल 24 सूचनायें प्राप्त हुईं जिनमें से 16 सूचनायें स्वीकार की गईं :-

पहली सूचना श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय उर्फ गामा पाण्डेय की प्रदेश के विकलांग खिलाड़ियों को सामान्य खिलाड़ियों की भांति सुविधायें प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

दूसरी सूचना श्री सतीश महाना की कानपुर नगर की हंसपुरम् कालोनी के सेक्टर ए0बी0, 3 एवं 4 में आवश्यक अवस्थापना सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में।

तीसरी सूचना श्री सुरेश कुमार खन्ना की शाहजहांपुर नगर के अधिकांश मोहल्लों में विद्युत तारों एवं खम्भों को व्यवस्थित किये जाने के सम्बन्ध में।

चौथी सूचना श्री रवीन्द्र जायसवाल की जनपद वाराणसी की कतिपय कालोनियों में पोल लगाकर स्थायी रूप से विद्युत आपूर्ति किये जाने के सम्बन्ध में।

पांचवीं सूचना श्री रामचन्द्र यादव की जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र रूदौली व मिल्कीपुर क्षेत्रान्तर्गत क्षतिग्रस्त रुदौली-अमानीगंज- मिल्कीपुर सम्पक्र मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में।

छठी सूचना श्री सुदेश शर्मा की जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र मोदीनगर में हापुड़-मोदीनगर मार्ग से ग्राम मछरी ब्लाक भोजपुर तक के क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में।

सातवीं सूचना श्री धर्मपाल सिंह की जनपद बरेली की तहसील आंवला के ग्राम बरसेर में श्री नत्थूलाल के घर में लगी आग से हुये नुकसान का मुआवजा दिलाये जाने के सम्बन्ध में।

आठवीं सूचना श्री रोशन लाल वर्मा की जनपद शाहजहांपुर के थाना निगोही में श्री राम के अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किये जाने के सम्बन्ध में।

नवीं सूचना श्री कालीचरन सुमन की जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र आगरा ग्रामीण के कतिपय मार्गों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में।

दसवीं सूचना श्री अमर पाल शर्मा की गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र साहिबाबाद में विद्युत आपूर्ति से प्राप्त होने वाले रेवेन्यू कलेक्शन को देखते हुये विद्युत की आपूर्ति सुचारु रूप से किये जाने के सम्बन्ध में।

ग्यारहवीं सूचना श्री महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू की जनपद सीतापुर की निवासिनी श्रीमती जमीला को उनके द्वारा क्रय की गई भूमि पर कब्जा दिलाये जाने के सम्बन्ध में।

बारहवीं सूचना श्री राकेश बाबू की जनपद फिरोजाबाद में हाथरस डिवीजन द्वारा बरहन रजवाहा में नियामतपुर बनकट रोड से जाने वाली माइनर नगला सिंगी की तरफ व नगला बलू की तरफ जाने वाली माइनर की सफाई न होने के सम्बन्ध में।

तेरहवीं सूचना श्री सुखदेव प्रसाद वर्मा की जनपद फतेहपुर के निर्वाचन क्षेत्र बिन्दकी के निवासियों की कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुये तहसील बिन्दकी में मुंसिफ न्यायालय की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में।

(श्री प्रदीप माथुर का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित होने पर)

श्री अध्यक्ष-

निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गईं। श्री उमेश पाण्डेय, श्री शमशेर बहादुर सिंह उर्फ शेरू भैय्या, श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी, श्री विजय बहादुर यादव, श्री राजबलि जैसल, श्री कृष्णपाल सिंह राजपूत, श्री संजय कपूर, श्री अनूप कुमार गुप्ता, श्री मदन चौहान, डा0 रमेश चन्द्र बिन्द।

प्रदीप माथुर जी नहीं हैं उनकी जगह पर श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी की सूचना ली जा रही है।

श्री प्रदीप माथुर-

मान्यवर, मैं अब उपस्थित हो गया हूं, मेरी सूचना ले लें।

श्री अध्यक्ष-

माथुर साहब अब तो आपका कट गया अब श्री उमेश पाण्डेय, श्री शमशेर बहादुर सिंह उर्फ शेरू भैय्या, श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी की सूचनाएं ले ली गई हैं। दे देतें हैं और फिर चले जाते हैं। अब नहीं, आप कल दीजियेगा।

प्रदेश के विकलांग खिलाड़ियों को सामान्य खिलाड़ियों की भांति सुविधायें प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

*श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय उर्फ गामा पाण्डेय-

[महोदय,

विकलांग व्यक्ति ईश्वरीय रचना के शिकार होते हैं। इनमें से विकलांग खिलाड़ी ईश्वरीय रचना के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक हैं। यह उनकी जीवन के अति अदम्य जिजीविया को प्रकट करता है। खेल विभाग सामान्य खिलाड़ियों को ही सुविधायें प्रदान करता है, विकलांग खिलाड़ियों को नहीं। विकलांग खिलाड़ी जहां दुर्धष जीवन के प्रतीक होते हैं वहीं दूसरी ओर उनकी आत्मनिर्भर होने की कामना होती है। जिससे सामाजिक विकास में कंधा से कंधा मिलाकर योगदान कर सके। अतः सामाजिक हित में विकलांग खिलाड़ियों को सामान्य खिलाड़ियों की भांति सुविधायें प्रदान किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतएव अविलम्बनीय लोक महत्व के उक्त प्रश्न पर ध्यान आकर्षित कराये जाने की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

कानपुर नगर की हंसपुरम् कालोनी के सेक्टर ए0बी0, 3 एवं 4 में आवश्यक अवस्थापना सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

*श्री सतीश महाना-

[महोदय,

मेरी विधान सभा क्षेत्र महाराजपुर, जनपद कानपुर की हंसपुरम् कालोनी, जो आवास विकास परिषद्, कानपुर द्वारा विकसित की गयी है, में न तो पूर्ण रूप से अवस्थापना सुविधायें जिनमें सड़क, नाली, सीवरेज सिस्टम का ठीक न होना, पार्कों का विकसित न होना इत्यादि सम्मिलित हैं। आवास विकास परिषद् द्वारा उक्त क्षेत्र कानपुर नगर निगम को हस्तान्तरित करने का प्रस्ताव दिया गया था परन्तु उक्त अवस्थापना सुविधायें पूर्ण न होने के कारण कानपुर नगर निगम ने उक्त क्षेत्र के हस्तान्तरण के लिए मनाकर दिया जिसके कारण न तो आवास विकास सुविधायें दे रहा है और न ही नगर निगम सुविधायें दे रहा है। ऐसी परिस्थितियों में वहां रहने वाले लोगों का जीवन दूभर हो गया है जिसके अन्तर्गत आवास विकास हंसपुरम् के सेक्टर-A, B, 3 एवं 4 में लोगों द्वारा आवास विकास परिषद् से मकान खरीदने के पश्चात् परेशानियों में रहने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि हंसपुरम् कानपुर के सेक्टर-A, B, 3 एवं 4 में आवश्यक अवस्थापना सुविधा प्राथमिकता पर उपलब्ध करायी जाय।]

शाहजहांपुर नगर के अधिकांश मोहल्लों में विद्युत तारों एवं खम्भों को व्यवस्थित किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[मान्यवर,

मेरे विधान सभा क्षेत्र शाहजहांपुर नगर में अधिकांश मोहल्लों में बिजली के तार लटक रहे हैं, कहीं बिजली के तारों के गुच्छे लटक रहे हैं। कहीं बिजली के खम्भे झुके हुए हैं तो कहीं पर टूटे हुए हैं। कहीं लकड़ी के खम्भे से काम चलाया जा रहा है। इन लकड़ी के खम्भों पर बिजली के तारों के गुच्छे कहीं भी देखे जा सकते हैं, इसकी वजह से लोगों के घरों के अक्सर फ्यूज उड़ जाते हैं और इसका प्रभाव स्ट्रीट लाइट पर भी पड़ता है। शाहजहांपुर नगर के अधिकांश मोहल्लों में यही स्थिति है। इन मोहल्लों में अजीजगंज, भारद्वाजी मोहल्ला हाथीथाना, गदियाना, भाटनटोला, मोहनगंज, बहादुरगंज, चमकनी, सदर बाजार आदि हैं। साथ ही नगर में ट्रांसफार्मर भी ओवरलोड होने तथा तकनीकी कारणों से फूंके जाते हैं। इन मोहल्लों में स्थिति भयानक हो चुकी है। शिकायत करने पर उसका निराकरण भी समय पर नहीं होता है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर मैं आपके माध्यम से शासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए खम्भों व तारों को व्यवस्थित कराने के लिये समुचित कार्यवाही की मांग करता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद वाराणसी की कतिपय कालोनियों में पोल लगाकर स्थायी रूप से विद्युत आपूर्ति किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रवीन्द्र जायसवाल-

[महोदय,

वाराणसी के वरुणा पार्क के शहरी क्षेत्र में गौतम विहार कालोनी, गंगोत्री कालोनी, सरसौली, कालोनी, कुन्ती विहार कालोनी, अनमोलनगर, पी0डब्लू0डी0 कालोनी के पीछे सहित लगभग 72 कालोनियों में बांस और बल्लियों के सहारे बिजली के केबिल के माध्यम से विद्युत की आपूर्ति की जा रही है। इस क्षेत्र के निवासी 25-30 वर्षों से विद्युत का कनेक्शन लिए हुए हैं परन्तु विद्युत विभाग द्वारा अभी तक विद्युत पोल लगाकर विद्युत आपूर्ति नहीं प्रदान की गयी है जिसके कारण आये दिन दुर्घटना हो रही है। बहुत से बांस और बल्लियां सड़कर टूट रहे हैं जिससे केबिल जमीन पर गिरकर दुर्घटना को अंजाम देने के लिए तैयार हैं। जनहित में बांस-बल्लियों के सहारे किये जा रहे विद्युत आपूर्ति के स्थान स्थायी रूप से पोल लगाकर विद्युत आपूर्ति किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए पोल लगाकर स्थायी रूप से विद्युत आपूर्ति किये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूं।]

जनपद फैजाबाद के विधान सभा क्षेत्र रूदौली व मिल्कीपुर क्षेत्रान्तर्गत क्षतिग्रस्त रूदौली-अमानीगंज-मिल्कीपुर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रामचन्द्र यादव-

[महोदय,

जनपद फैजाबाद विधान सभा रूदौली व मिल्कीपुर क्षेत्रान्तर्गत रूदौली-अमानीगंज-मिल्कीपुर सम्पर्क मार्ग लम्बाई 25 कि0मी0 अति महत्वपूर्ण दो विधान सभा क्षेत्रों व तीन तहसीलों (रूदौली, मिल्कीपुर, बीकापुर) को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। इसी मार्ग से आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय के शोध व पठन-पाठन करने वाले छात्र व वैज्ञानिक आते-जाते हैं। यह पूर्वान्चल का एक महत्वपूर्ण कृषि विश्वविद्यालय है। रूदौली कस्बा एक बड़ा व्यापारिक केन्द्र है। इसी कस्बे से मिल्कीपुर, अमानीगंज, हरिंग्नटनगंज सहित कई ब्लाकों के व्यापारी व किसान अपने उत्पादन को बेचते व खरीदते हैं। इसी मार्ग से बीकापुर, मिल्कीपुर तहसील के वासी इलाज आदि के लिए लखनऊ आते-जाते हैं। पूरा मार्ग गड्ढे में तब्दील हो गया है। विगत 10 वर्षों से इस मार्ग पर विशेष मरम्मत आदि का कार्य नहीं कराया गया है। जबकि फैजाबाद मुख्यालय पर लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता जैसे जिम्मेदार अधिकारी बैठते हैं। अभी तक उक्त अधिकारियों द्वारा न तो उपरोक्त मार्ग पर दौरा किया गया और न ही इस महत्वपूर्ण मार्ग के पुनर्निर्माण का आदेश दिया गया है। सरकार कई बार ऐसे महत्वपूर्ण मार्गों की विशेष मरम्मत की घोषणा कर चुकी है। लोक निर्माण खण्ड द्वितीय के अधिकारी सरकार की मंशा के विपरीत कार्य कर रहे हैं। इस मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण किसान व व्यापारी धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। उक्त मार्ग के पुनर्निर्माण न किये जाने से क्षेत्रीय जनता में बड़ा आक्रोश है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए उपरोक्त मार्ग का शीघ्र निर्माण कराये जाने हेतु कार्यवाही की मांग करता हूं।]

जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र मोदीनगर में हापुड़-मोदीनगर मार्ग से ग्राम मछरी ब्लाक भोजपुर तक के क्षतिग्रस्त मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुदेश शर्मा-

[मान्यवर,

मेरे विधान सभा क्षेत्र मोदीनगर, जनपद-गाजियाबाद में हापुड़ मोदीनगर मार्ग से ग्राम मछरी ब्लाक भोजपुर तक दूरी लगभग 1.85 कि0मी0 है। यह मार्ग लोहिया ग्राम से भी जुड़ा है इस मार्ग से क्षेत्रीय जनता का आवागमन काफी रहता है। यह मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है तथा इस पर चलना मुश्किल हो गया है। यह मार्ग काफी सकरी है। क्षेत्रीय जनता की मांग है कि इस मार्ग को अविलम्ब चौड़ीकरण कराते हुए मरम्मत करायी जाय। यह प्रकरण जनहित से सम्बन्धित है।

अतः मैं चाहूंगा कि जनहित में उक्त मार्ग का चौड़ीकरण कराते हुए मरम्मत त्वरित कराये जाने की मांग करता हूं]

जनपद बरेली की तहसील आंवला के ग्राम बरसेर में श्री नत्थूलाल के घर में लगी आग से हुये नुकसान का मुआवजा दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री धर्मपाल सिंह-

[महोदय,

श्री नत्थूलाल पुत्र श्री बुलाकीराम निवासी ग्राम बरसेर तहसील आंवला जनपद बरेली के घर में 1-1-2013 को रात्रि 11 बजे घर में आग लग गयी। इसमें इनकी पत्नी श्रीमती शिवाली देवी और उनका बड़ा बेटा टिल्लू झुलस गये और घर में रखा सारा कीमती सामान व अनाज आदि भी जल गया। इस आग में इनकी एक भैंस भी जलकर मर गयी। इस तरह से इनका लगभग 2 लाख रूप का नुकसान हो गया। इसकी सूचना तहसीलदार आंवला को दी गयी परन्तु आज तक उन्हें कोई राहत राशि नहीं दी गयी। परिवार भुखमरी के कगार पर है।

अतः लोक महत्व के विषयद् पर सरकार से उक्त पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग करता हूं।]

जनपद शाहजहांपुर के थाना निगोही में श्री राम के अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रोशन लाल वर्मा-

[महोदय,

कृपया अवगत करना है कि जनपद शाहजहांपुर थाना निगोही के अन्तर्गत दिनांक 27 फरवरी हमजापुर चौराहा थाना निगोही समय करीब 12 बजे दिन में श्री राम पुत्र केसरी नि0 रधोला थाना निगोहा का 6 हथियार बन्द लोगों ने अपहरण कर मोटर साइकिल पर बैठा लिया तब वहां

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अपहरणकर्ताओं का विरोध किया गया तो अपहरणकर्ताओं ने वहां क्षेत्रीय जनता के ऊपर अपना हथियार तान दिया हथियारों के डर से वहां की जनता भयभीत हो गयी और श्रीराम को ढकिया तिवारी की तरफ भाग गये अपहरणकर्ताओं का क्षेत्रीय जनता व स्थानीय ने पीछा किया तो लगभग 5 घण्टे बाद ढकिया तिवारी के पास गन्ने के खेत में एक अपहरणकर्ता पकड़ा गया तथा उसी खेत में श्रीराम को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुढ़ाया गया। शेष अपहरणकर्ताओं के खिलाफ अब तक कोई कार्यवाही न किये जाने से सरकार के प्रति क्षेत्रीय जनता में भारी रोष एवं आक्रोष व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय एवं तात्कालीन प्रश्न पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उपरोक्त अपहरणकर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही किये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र आगरा ग्रामीण के कतिपय मार्गों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री काली चरन सुमन-

[महोदय,

कृपया अवगत कराना है कि जनपद आगरा विधान सभा क्षेत्र 90, आगरा ग्रामीण क्षेत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित है जो इस प्रकार है। समसाबाद रोड भोला डेरी से रजरई नौबरी सेमरी इराअतनगर रोड तक 2-समसाबाद रोड से गुतिला मोड़ से गंगरौआ नहर तक 3-जगनेर रोड नौमीन खाल खलौआ सुतैडी तक आदि रोड जर्जर हालात होने के कारण लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जिससे क्षेत्रीय जनता में भारी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त सड़क मार्ग का लेपन मरम्मत एवं निर्माण कार्य कराये जाने की मांग करता हूं।]

गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र साहिबाबाद में विद्युत आपूर्ति से प्राप्त होने वाले रेवेन्यू कलेक्शन को देखते हुये विद्युत की आपूर्ति सुचारू रूप से किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमरपाल शर्मा-

[महोदय,

मैं आपके माध्यम से इस अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। विधान सभा क्षेत्र साहिबाबाद, गाजियाबाद के अन्दर छोटी-बड़ी सभी प्रकार की फैक्ट्रियां लगी हुई हैं, किन्तु विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था न होने से फैक्ट्री मालिकानों में आक्रोश व्याप्त है। मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि इस क्षेत्र से विद्युत आपूर्ति का रेवेन्यू कलेक्शन प्रदेश के अन्य शहरों की तुलना में सबसे ज्यादा है। क्या सरकार रेवेन्यू कलेक्शन को दृष्टिगत रखते हुए फैक्ट्रियों पर पड़ रहे कुप्रभाव को ध्यान में रखकर विद्युत आपूर्ति अधिकतम घण्टे अथवा कटौती मुक्त कराकर उनको संरक्षण प्रदान करेगी।

इस अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर शासन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद सीतापुर की निवासिनी श्रीमती जमीला को उनके द्वारा क्रय की गई भूमि पर कब्जा दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीन बाबू-

[मान्यवर,

मेरे निर्वाचन क्षेत्र सेवता 150 सीतापुर की निवासिनी श्रीमती जमीला पत्नी श्री शहाबुद्दीन, ग्राम कोड़वा धमधमपुर, तहसील बिसवां, जनपद सीतापुर ने एक किता भूखण्ड रकबा 16 x 19=304 वर्ग फिट यानी 28.25 वर्गमीटर स्थित मोहल्ला मेंहदीगंज, वार्ड भवानीगंज, तहसील व जनपद लखनऊ के सरोज पुत्र जोगेश्वर प्रसाद निवासी मेंहदीगंज भवानीगंज, थाना सआदतगंज, लखनऊ से क्रय किया है। परन्तु श्रीमती जमीला को उक्त भूमि पर कब्जा नहीं मिल पाया है। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा कब्जा करने से रोका जा रहा है।

अतः इस गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए श्रीमती जमीला को क्रय की गयी भूमि पर कब्जा कराये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद फिरोजाबाद में हाथरस डिवीजन द्वारा बरहन रजवाहा में नियामतपुर बनकट रोड से जाने वाली माइनर नगला सिंगी की तरफ व नगला बलू की तरफ जाने वाली माइनर की सफाई न होने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राकेश बाबू-

[महोदय,

जनपद फिरोजाबाद में हाथरस डिवीजन द्वारा बरहन रजवाहा से बनकट नियामतपुर मार्ग से नगला सिंगी की तरफ जाने वाली माइनर व नगला बलू की तरफ जाने वाली माइनर का काफी समय से सफाई कार्य नहीं किया गया है व काफी समय से उपरोक्त माइनर में काफी समय से पानी नहीं छोड़ा गया है जिससे किसानों को सिंचाई से वंचित होना पड़ रहा है जिससे किसानों में काफी रोष व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के प्रश्न को देखते हुए सरकार से दोनों रजवाहों की सफाई एवं बीच में टूटी पड़ी पुलियों के निर्माण की सरकार से मांग करता हूं तथा दोनों रजवाहों में समय से पानी छोड़ने की कार्यवाही की भी मांग करता हूं तथा सदन में सरकार के वक्तव्य की मांग करता हूं।]

जनपद फतेहपुर के निर्वाचन क्षेत्र बिन्दकी के निवासियों की कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुये तहसील बिन्दकी में मुंसिफ न्यायालय की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुखदेव प्रसाद वर्मा-

[मान्यवर,

मैं एक अविलम्बनीय लोक महत्व की ओर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए अवगत कराना चाहता हूं कि जनपद फतेहपुर के निर्वाचन क्षेत्र बिन्दकी जनपद मुख्यालय से 33 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है। बिन्दकी में मुंसिफ न्यायालय न होने के कारण क्षेत्रीय जनता को वादों के निपटारा हेतु कम

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

से कम 33 कि0मी0 की दूरी तय करनी पड़ती है जिसके कारण जनता के समय की बर्बादी के साथ-साथ धन की भी बर्बादी होती है तथा जनमानस को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः मेरा माननीय महोदय से अनुरोध है कि जनमानस की कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए तहसील बिन्दकी में मुंसिफ न्यायालय की स्थापना कराने हेतु सदन से मांग करता हूं।]

जनपद देवरिया के विकास खण्ड भाटपार रानी के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कटघरा के अध्यापकों के रूके हुये वेतन को दिलाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री उमेश पाण्डेय-

[मान्यवर,

कृपया संज्ञान में लाना चाहंगा कि जनपद देवरिया के विकास खण्ड भाटपार रानी के अन्तर्गत ग्राम सभा कटघरा में स्थित नेहरू उ0मा0 विद्यालय, कटघरा, पोस्ट-वनकटा अमेठिया में कार्यरत सहायक अध्यापक श्री रामेश्वर तिवारी, श्री मोती लाल यादव, श्री घनश्याम मिश्र, श्री जवाहर लाल कुशवाहा, श्री राम प्रवेश यादव, श्री कपिल देव यादव एवं श्री निसार अहमद आदि का जुलाई, 2010 से बिना कोई नोटिस एवं बिना आरोप-पत्र दिये वेतन रोक दिया गया है। उपरोक्त सभी सहायक अध्यापकों के वेतन का काफी समय से भुगतान नहीं किया गया है, उक्त सभी सहायक अध्यापकों की आर्थिक स्थिति अत्यन्त दयनीय हो गयी है, जिसके कारण उनके परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गये हैं। सभी सहायक अध्यापकों द्वारा अपने अवशेष वेतन के भुगतान हेतु कई बार सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक, गोरखपुर मण्डल एवं शिक्षा निदेशक बेसिक से भी अनुरोध किया जा चुका है। सहायक अध्यापकों के अवशेष वेतन भुगतान हेतु शिक्षक संघ ने कई बार शिक्षा अधिकारियों एवं प्रशासन से भी अनुरोध किया जा चुका है लेकिन अभी तक शासन द्वारा उपरोक्त सहायक अध्यापकों के अवशेष वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। जिससे सहायक अध्यापकों एवं शिक्षक संघ में अत्यधिक रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए एवं साथ-साथ जनहित में उपरोक्त सभी सहायक अध्यापकों के अवशेष वेतन का भुगतान किये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद लखीमपुर खीरी के अधिकांश क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भइया-

[कृपया संज्ञान में लाना चाहूंगा कि जनपद लखीमपुर खीरी के अधिकांश क्षेत्र में पानी में आर्सेनिक एवं फ्लोराइड पदार्थ की मात्रा अत्यधिक होने के कारण क्षेत्रीय जनता में गम्भीर जान लेवा बीमारियां फैल रही हैं, विशेष कर हमारे विधान सभा क्षेत्र धौरहरा के विकास खण्ड धौरहरा, ईसा नगर, रमिया बेहड़ में पीने का पानी अत्यधिक दूषित है धौरहरा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों में पानी में आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक होने की समस्या धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर चुकी है, मेरी

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

विधान सभा क्षेत्र में 12 पानी की टंकियां स्थापित की गयी परन्तु अभी तक उन्हें चालू नहीं किया गया है जिसके कारण क्षेत्रीय जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने में भी अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनता को शुद्ध पानी उपलब्ध न होने के कारण क्षेत्रीय जनता गम्भीर रोग से ग्रसित हो रही है। क्षेत्रीय जनता द्वारा शुद्ध पानी उपलब्ध हेतु गहरी बोरिंग वाले इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प शीघ्र लगाये जाने एवं खराब पड़े हैण्डपम्पों को रि-बोर कराने हेतु उच्च अधिकारियों से कई बार अनुरोध किया जा चुका है परन्तु अभी तक क्षेत्रीय जनता को शुद्ध पानी उपलब्ध कराये जाने हेतु स्थानीय उच्च अधिकारियों/शासन द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं हो सकी है, जिससे क्षेत्रीय जनता में अत्यधिक रोष एवं आक्रोष व्याप्त है।

अतः इस लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर मैं शासन से कार्यवाही/वक्तव्य की मांग के साथ-साथ जनहित में क्षेत्रीय जनता को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने हेतु गहरी बोरिंग वाले इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प शीघ्र लगाये जाने एवं खराब पड़े हैण्डपम्पों को रि-बोर कराने, पानी की टंकियों को चालू कराये जाने की भी मांग करता हूं।]

जनपद बुलन्दशहर के विकास खण्ड सिकन्दराबाद के अन्तर्गत दुलहैरा गांव का विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

[महोदय,

जनपद बुलन्दशहर के वि0ख0 सिकन्दराबाद के अन्तर्गत गांव दुलहैरा के लगभग 200 व्यक्तियों ने घरेलू बत्ती के कनेक्शन के लिए कई वर्ष पहले रजिस्ट्रेशन कराया था। इसी गांव में एच0सी0एल0 द्वारा विद्या ज्ञान स्कूल स्थापित किया गया है। इस गांव के निवासी अनेकों बार घरेलू विद्युत कनेक्शन देने के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों से मिल चुके हैं तथा मैंने भी अनेकों बार विद्युत विभाग के अधिकारियों से गांववासियों को घरेलू विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिये कहां है लेकिन अधिकारियों ने यह कहकर कि यह गांव विद्युतीकृत नहीं है कनेक्शन देने के लिए मनाकर दिया। वर्षों पहले रजिस्ट्रेशन कराने के उपरान्त भी गांव के निवासी बिजली के लिए तरस रहे हैं। घरेलू बिजली कनेक्शन न होने के कारण गांव के बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं। गांव में चोरी की घटनायें बढ़ रही हैं। एक तरफ इसी गांव में स्थापित विद्या ज्ञान स्कूल रात में जगमग करता है दूसरी ओर पूरे गांव में अंधेरा छाया रहता है। इससे इस गांव के निवासियों में हीनभावना व्याप्त हो रही है तथा उनको बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्यवाही की मांग करता हूं।]

औचित्य के प्रश्न की सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 5 मार्च, 2013 को नियम-300 के अन्तर्गत निम्नलिखित 5 सूचनाएं प्राप्त हुईं। पहली सूचना श्री सुरेश कुमार खन्ना की विधान सभा सत्र के दौरान नीति सम्बन्धी घोषणाएं सदन से

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

बाहर करने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री रामचन्द्र यादव की नियम-51 के अन्तर्गत शासन का ध्यानाकृष्ट की गयी सूचना का उत्तर मा0 सदस्य को न प्राप्त होने के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री प्रमोद तिवारी की सरकारी कामकाज को नियंत्रित, चुस्त-दुरूस्त एवं जिम्मेदार बनाने हेतु बनाये गये जनहित गारण्टी अधिनियम के बावजूद जनप्रतिनिधियों के जनहित के पत्रों का कई-कई महीने जवाब न दिये जाने से उम्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री राजनरायण बुधौलिया की राजनैतिक दलों की सदस्य संख्या के अनुपात में नियम-300, 301 व 51 की सूचनाएं लाटरी सिस्टम से चयनित किये जाने के सम्बन्ध में है। यह इसमें हम बता दें यह सुनी नहीं जायेगी। इसमें विषय की महत्ता को देखते हुए, उसके महत्व को देखते हुए घटनाक्रम को देखते हुए स्वीकार की जाती हैं। यह सदस्य संख्या पर नहीं स्वीकार होती। पांचवीं सूचना श्री हुकुम सिंह की कृषकों को मुफ्त बिजली दिये जाने की सदन में की गयी घोषणा के विपरीत विद्युत पावर कार्पोरेशन द्वारा सदन के संज्ञान में लाये बिना विभिन्न श्रेणी की विद्युत दरों को बढ़ाये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। सुरेश कुमार खन्ना जी, आप बोलें। आज बजट है, इसमें सारी बातें होंगी। (माननीय सदस्य प्रदीप माथुर के खड़े होने पर) माथुर जी, आपका तो आज कुछ है ही नहीं। एक आपने दिया था और फिर आप चले गये। अब बैठिये । कल दीजियेगा। आपका नियम 300 में नहीं है। खन्ना जी, आप कहें।

सदन व्यवस्थित किये जाने का अनुरोध

*श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, वह पहले हाउस व्यवस्थित करवा दें।

श्री अध्यक्ष-

अरे वह चलता रहेगा। आपके भी लोग हैं, इधर के भी लोग हैं। इसी बहाने से मुख्य मंत्री जी से मिल लेते हैं यहां पर। चलिये आप अपनी बात कहिये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, आप हमारे संरक्षक हैं, मान्यवर। अगर हमारी बात माननीय मुख्यमंत्री जी तक नहीं पहुंचेगी तो मैं समझता हूं कि मेरे अधिकारों का हनन होगा।

श्री अध्यक्ष-

पहुंच जायेगी। ऐसा है विपक्षी सदस्यों को बाहर मिलने में थोड़ा दिक्कत होती है अच्छा अवसर रहता है, यहां पर मिल लेते है। आप बोलिये ना।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री से चाहूंगा कि कम से कम माननीय सदस्यों से मिलने के लिये अपने कक्ष में समय निर्धारित कर दें। यहां जिस तरीके से नित्य प्रति व्यवधान होता है वह अच्छा नहीं होता।

श्री अध्यक्ष-

ठीक सुझाव है आपका। यह कौन माननीय सदस्य खड़े हैं। चलिये। और उसी में चिपक जाओगे ? माननीय शुक्ला जी, आप तो लगता है कि सीधे हाई कोर्ट से चले आ रहे हैं। बैठिये। अब फिर आ गये। क्या करें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विधान सभा सत्र के दौरान नीति सम्बन्धी घोषणाएं सदन के बाहर करने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, नियम-300 की सूचना पर आपने मुझे अपनी बात रखने का मौका दिया, मैं आभारी हूं। माननीय अध्यक्ष जी, यह विधान सभा का वर्तमान बजट सत्र 14 फरवरी से चालू हुआ था।

श्री अध्यक्ष-

जल्दी से खत्म करिये। आज अभी पी0डब्ल्यू0डी0 का बजट है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

केवल डेढ़ मिनट में मान्यवर। मान्यवर, 14 फरवरी से यह सत्र चालू हुआ। मान्यवर, जिस दिन कृषि सम्बन्धी नीति की घोषणा की गई उस दिन भी मान्यवर, विधान सभा की बैठक थी 28 फरवरी को। मान्यवर, पीठ से भी कई बार इस बात के निर्देश दिये गये कि जब सदन की बैठकें हो रही हों तो जो भी नीति सम्बन्धी घोषणा हो वह सदन के अंदर होनी चाहिए। मान्यवर, आप 286 का हवाला न दें कृपा करके। हमारे लिये समाचार-पत्र सबसे बड़ा स्रोत्र है मान्यवर, जानकारी के लिये।

श्री अध्यक्ष-

उसका संज्ञान नहीं लिया जाता यहां। आप अपनी जानकारी के लिये कहिये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

नहीं लिया जाता मान्यवर, इसीलिये मैंने कहां कि मेरी यह निजी जानकारी में है मान्यवर, और समय-समय पर पीठ से निर्देश दिया जाता है कि 286 देख लें, इसलिए मान्यवर, मैंने आपका ध्यान आकर्षित किया कि 286 की तरफ कृपा करके ध्यान न दीजिए। समाचार पत्रों में यह छपा है कि कृषि विकास दर में तीन परसेन्ट इजाफे की तैयारी, इसके साथ ही मान्यवर, पूरी कृषि नीति की घोषणा 28 फरवरी को वर्तमान सरकार के द्वारा, समाचार-पत्रों के माध्यम से की गई जिससे पूरे प्रदेश की जनता को मालूम हुआ। मान्यवर, यह सदन का एक तरीके से अपमान है, जब विधान सभा का सत्र चल रहा हो नियमित बैठकें चल रही हों, 28 फरवरी को भी बैठक हुई हो, उस समय नई नीति के संबंध में, घोषणा होनी थी, तो इस विधान सभा में घोषणा होनी चाहिए थी। मंत्रियों के वक्तव्य में घोषणा होनी चाहिए थी। नहीं तो जब कृषि विभाग का बजट आए तो घोषणा होनी चाहिए थी। इसलिए मान्यवर, मैं आपके माध्यम से इस औचित्य के प्रश्न पर बल देता हूं और चाहता हूं कि आप व्यवस्था दें इस तरह की नीति संबंधी घोषणायें विधान सभा के बाहर न की जाएं।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

इसे दिखवा लेंगे। यह ऐसा गम्भीर प्रश्न नहीं है जिस पर कोई परेशानी हो। अगर विकास संबंधी कोई घोषणा अखबार में छप गई है तो नियमतः उसका संज्ञान नहीं लिया जाता है। फिर भी दिखवा लेंगे कहां गल्ती हुई है।

श्री अध्यक्ष-

मैंने माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को और मा0 खन्ना जी को सुना।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, सदन का सम्मान रखना आपका दायित्व है,आप निर्देशित भी कर सकते हैं।

श्री अध्यक्ष-

मैं जानता हूं मैंने मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना, मा0 खन्ना जी को सुना, नियम यहे है कि जब सदन चले तो नीतिगत फैसले जो सरकार लेती है उसकी सूचना सदन के माध्यम से जानी चाहिए। हम इसको दिखवा लेंगे। इसमें क्या है, क्या नहीं है। अब किसी को नहीं सुनना है। नियम-51 में मा0 सदस्य को उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। आप नियम 56 पर आइए।

कृषकों को मुफ्त बिजली दिये जाने तथा विभिन्न श्रेणी की विद्युत दरों को सदन से की गयी घोषणा के विपरीत बढ़ाये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

श्री हुकुम सिंह-

मैं उसके बारे में कह रहा हूं जो दर बढ़ाने की घोषणा बाहर हुई है। सदन में, बजट भाषण में, मुख्य मंत्री जी का बजट भाषण मैं लेकर आया हूं इसमें एक शब्द इस बारे में नहीं कहां गया है। हम बिल्कुल इस चिन्तन में थे कि कोई दर नहीं बढ़ाई जाएगी।एक होता है कि सरकार घोषणा करती है कि किसानों के लिए बिजली माफ होगी, दूसरी तरफ विद्युत परिषद् निर्णय यह लेती है कि आज 75/-रु0 की दर है किसानों के ऊपर, वह 100 रुपया दर करने की बात कर रही है, मान्यवर, ग्रामीण अंचलों और शहरों में हर व्यक्ति के ऊपर भार पड़ रहा है। दो हजार पांच सौ करोड़ रुपये की वसूली का मामला दर बढ़ाकर किया जा रहा है मान्यवर, क्या यह महत्वपूर्ण नहीं है ? अगर उनको यह निर्णय लेना था तो क्या सदन को विश्वास में नहीं लेना चाहिए था और अगर सदन को विश्वास में लेने की जरूरत नहीं है यह सारे विभाग हमारे बाहर घोषणा करते रहेंगे तो हम यहां बैठकर क्या करेंगे। जब सदन चल रहा हो तब आप इतना महत्वपूर्ण निर्णय ले लें कि हर उपभोक्ता के ऊपर दर बढ़ाने का निर्णय ले लें और सदन को विश्वास में न लें तो इससे ज्यादा अमर्यादित आचरण उस विभाग के लिए क्या हो सकता है।इसका मान्यवर,आप संज्ञान लें ?

(श्री प्रमोद तिवारी के खड़े होने पर।)

सरकारी कामकाज को चुस्त-दुरुस्त एवं जिम्मेदार बनाने जनहित गारण्टी अधिनियम के बावजूद जन प्रतिनिधियों के पत्रों का जबाब न दिये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

श्री अध्यक्ष-

प्रमोद तिवारी जी, सरकारी कामकाज को नियन्त्रित करने के लिए बनाये गये जनहित गारण्टी अधिनियम के बारे में जो आपकी सूचना है, यह इसमें कैसे आयेगा। अब आप अपने नियम-56 पर आइये।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, हम नियम-56 पर आ जायेंगे लेकिन पहले इसको देख लें कि यह कैसे आता है ?

श्री अध्यक्ष-

उसी में तो आप अपनी सारी बात कह जाते हैं।

*श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, 17 फरवरी, 2011 को विधान सभा ने इस सदन ने, मान्यवर, जो भ्रष्टाचार की समस्या आई, इसको नियन्त्रित करने के लिए बनाया था-जनहित गारण्टी अधिनियम। जिसका उद्देश्य था कि जनहित की उपेक्षा न हो सके और वह कहलाया-जनहित गारण्टी अधिनियम 2011, मान्यवर, आप देखें, ज्यादती क्या हो रही है, उसके अनुसार अधिसूचना भी जारी हो गयी, महामहिम ने अनुमति भी दे दी। मान्यवर, यदि आप इसको देखें, यह अति महत्वपूर्ण है, हर विभाग को इस अधिनियम के अन्तर्गत एक डिजिगनेटेड आफिसर नियुक्त करना था। डिजिगनेटेड आफिसर का काम यह था कि जनता के हित से जुड़ी हुई, भ्रष्टाचार के बारे में या मान्यवर, उसकी पारदर्शिता के बारे में, जनता की किसी सूचना या किसी शिकायत को ले और बता रहे। मान्यवर, उसको तो आप छोड़ दीजिए, सबसे बड़ी समस्या जो आई है, आज कि डिजिगनेटेड आफिसर की नियुक्ति ही नहीं हो पायी है, मान्यवर, मैं 2011 की बात कर रहा हूं, तब से डिजिगनेटेड आफिसर नहीं बना। नतीजे के तौर पर जो पत्र भेजे जाते हैं, भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में, उस विभाग की नीतियों के सन्दर्भ में, उस विभाग की पारदर्शिता के सम्बन्ध में, उस विभाग की कार्य प्रणाली के सम्बन्ध में, जब डिजिगनेटेड आफिसर ही नहीं है तो कौन उस पत्र का संज्ञान ले, कौन उस समस्या का संज्ञान ले। बहुत महत्वपूर्ण बात है, आप विधेयक पारित करें और मान्यवर, उसका परिपालन न हो, इससे बड़ा औचित्य का क्या सवाल हो सकता है ? इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं जिन विभागों में डिजिगनेटेड आफिसर की नियुक्ति नहीं हुई है, वहां तत्काल इनकी नियुक्ति हो जाए, यह 2011 का है, जिससे कि उस विभाग की कार्य-प्रणाली के सम्बन्ध में, उस विभाग की पारदर्शिता के सम्बन्ध में, उस विभाग के भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में एक आदान-प्रदान हो सके, पत्राचार हो सके, यहां तो विधायक और सांसद के पत्र जो विभागों में जा रहे हैं, कोई जवाब देने वाला नहीं है। मान्यवर, यह औचित्य का प्रश्न है, इस पर मैं आपकी व्यवस्था चाहता हूं।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, इसमें पूरी जानकारी लेकर ही कोई फैसले की बात होगी लेकिन सम्भवतः कुछ उच्चतम न्यायालय में, मैं इसको तश्दीक से नहीं कह रहा हूं, लेकिन कुछ है, उस सब को देख कर ही कुछ निर्णय ले लेंगे।

श्री अध्यक्ष-

मैंने इस सूचना पर प्रमोद तिवारी जी को सुना और माननीय संसदीय कार्य मंत्री को सुना, यह सूचना नियम-300 के अन्तर्गत नहीं आती है, इसे अग्राह्य करता हूं।

(भारतीय जनता पार्टी के कुछ सदस्यों के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

अब और नहीं, आप बैठिए। आपका जवाब आयेगा, यदि नहीं आता है तो आप नियमों के तहत् लिखकर दीजिएगा। अब आप बैठिए।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन संख्या-1 †

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन राज्य सरकार के वित्त 31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्रतिवेदन संख्या-1 उत्तर प्रदेश सरकार को संविधान के अनुच्छेद-151(2) के अधीन सदन के पटल पर रखता हूं।

परिवहन अनुभाग-4 की अधिसूचना संख्या-1046/30-4- 2012-4(04)-2010, दिनांक 7 दिसम्बर, 2012††

परिवहन मंत्री (श्री दुर्गा प्रसाद यादव)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से परिवहन अनुभाग-4 की अधिसूचना संख्या-1046/30-4-2012-4(04)-2010, दिनांक 7 दिसम्बर, 2012 को मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-212(3) के अधीन विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-5 में कुछ नहीं है।

उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति ने (2012-2013) का प्रथम प्रतिवेदन†

श्री उदयराज-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2012-2013) का प्रथम प्रतिवेदन, जो भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट 1998-1999 तथा 1999-2000 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उत्तर प्रदेश जल निगम से सम्बन्धित तेरहवें प्रतिवेदन में निहित संस्तुति के सम्बन्ध में कार्यान्वयन प्रतिवेदन से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूं।

उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति ने (2012-2013) का द्वितीय प्रतिवेदन †

श्री उदयराज-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2012-2013) का द्वितीय प्रतिवेदन, जो सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (1997-1998) भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट 1982-1983 तथा 1987-1988 में उल्लिखित उत्तर प्रदेश राज्य नलकूप निगम से सम्बन्धित अष्टम् प्रतिवेदन में निहित संस्तुतियों का कार्यान्वयन प्रतिवेदन से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूं।

---

† छापा नहीं गया।

†† छापा नहीं गया।

† छापा नहीं गया।

उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति ने (2012-2013) का तृतीय प्रतिवेदन†

श्री उदयराज-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति (2012-2013) का तृतीय प्रतिवेदन, जो भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष 1979-1980, 1981-1982, 1985-1986, 1986-1987 एवं 1988-1989 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उत्तर प्रदेश राज्य एग्रो इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड, समिति वर्ष (2000-2001) के पच्चीसवां प्रतिवेदन में निहित संस्तुतियों का कार्यान्वयन प्रतिवेदन से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूं।

उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति का चतुर्थ प्रतिवेदन †

श्री उदयराज-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम संयुक्त समिति का चतुर्थ प्रतिवेदन, जो भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की रिपोर्ट वर्ष 1996-1997 (वाणिज्यिक) में उल्लिखित उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम लिमिटेड, समिति वर्ष (2008-2009) के पंचम प्रतिवेदन में निहित संस्तुतियों का कार्यान्वयन प्रतिवेदन से सम्बन्धित प्रस्तरों पर आधारित है, प्रस्तुत करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

इसमें कुछ नहीं है। मद संख्या-10, 11 एवं 12 में कुछ नहीं है।

कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 05 मार्च, 2013 को नियम-56 के अन्तर्गत कुल 26 सूचनायें प्राप्त हुईं, जिनमें से प्रथम 2 सूचनाओं को शलाका के आधार पर ग्राह्यता हेतु स्वीकार किया जायेगा। अन्य सूचनाओं पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

पहली सूचना श्री हुकुम सिंह, डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल, श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री संगीत सिंह सोम, श्री रामचन्द्र यादव, श्री श्याम देव राय चौधरी (दादा), श्री बजरंग बहादुर सिंह तथा श्री विजय बहादुर यादव की दिनांक 3 मार्च, 2013 को जनपद अम्बेडकरनगर के अन्तर्गत टाण्डा में विश्व हिन्दू परिषद् के वरिष्ठ नेता श्री राम बाबू गुप्ता की गोली मारकर हत्या किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

दूसरी सूचना श्री प्रदीप माथुर की दिनांक 01-03-2013 से वृन्दावन से दिल्ली होते हुए हथिनी कुण्ड, हरियाणा तक पदयात्रा कर रहे भक्तों की मांग के अनुसार यमुना में गिरने वाले समस्त नालों व सॉलिड अपशिष्ट को यमुना में गिराये जाने पर रोक लगाये जाने के सम्बन्ध में।

---

† छापा नहीं गया।

† छापा नहीं गया।

तीसरी सूचना श्री प्रमोद तिवारी, श्री अजय कपूर तथा श्री अनुग्रह नारायण सिंह की प्रदेश में बढ़ते ध्वनि, वायु, जल प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

चौथी सूचना श्री स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री राजबली जैसल, श्री लोकेश दीक्षित, श्री शाह आजम उर्फ गुड्डू जमाली तथा श्री उमेश पाण्डेय की दिनांक 03-03-2013 को जनपद प्रतापगढ़ के थाना जेठवारा के ग्राम चमरुपुर पठान के रहने वाले मुस्ताक और रईस एवं रईस के ऊपर हुए प्राणघातक हमले में मुस्ताक की हुई मृत्यु से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

पांचवीं सूचना श्री योगेन्द्र उपाध्याय, श्री गुलियारी लाल दुबेश की जनपद आगरा में दिनांक 25 फरवरी, 2013 को एक सम्भ्रान्त महिला के साथ विद्युत वितरण व्यवस्था की प्राइवेट कम्पनी टोरेन्ट पावर प्रा0 लि0 के अधिकारी द्वारा अमर्यादित आचरण एवं अभद्रता किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गईं :-

श्री सतीश महाना,

श्री सुरेश कुमार खन्ना,

श्री मुकुट बिहारी वर्मा,

श्री सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेली वोले),

ठा0 दलवीर सिंह,

श्री सुदेश शर्मा,

श्री त्रिलोकी राम,

श्री गेंदा लाल चौधरी,

श्री उमाशंकर,

श्री रामवीर उपाध्याय,

श्री रोशन लाल वर्मा,

श्री राजेश त्रिपाठी,

श्री संतराम,

श्री बब्बन चौहान,

श्री राकेश बाबू,

डा0 धर्मपाल सिंह,

श्री अगयश राम सरन वर्मा,

श्री शमशेर बहादुर उर्फ शेरू भईया,

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य,

श्रीमती रजनी तिवारी,

श्री सिनोद शाक्य,

श्री सुनील कुमार सिंह यादव,

श्री जितेन्द्र कुमार,

श्री राजबली जैसल,

श्री अमरपाल शर्मा,

श्री जय प्रकाश निषाद,

श्री राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महराज,

श्री उमाशंकर तथा

श्री वीरपाल राठी।

*डा0 राधामोहन दास अग्रवाल-

मान्यवर, मैं आपका आभारी हूं कि आपने एक महत्वपूर्ण विषय पर भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को यह विषय उठाने का अवसर दिया। कल इस सदन की स्थिति क्या थी और प्रतापगढ़ की स्थिति क्या थी। इससे पूरा सदन और प्रदेश परिचित है। कल एक तारांकित सवाल लगा था।

श्री अध्यक्ष-

आप ग्राह्यता पर बोलें।

डा0 राधामोहन दास अग्रवाल-

मान्यवर, मुझे बोलने तो दें। आप जानते हैं कि मैं विषयांतर नहीं करता हूं। मान्यवर, सवाल यह था कि जब से यह सरकार सत्ता में आयी है तब से इस प्रदेश में कितनी साम्प्रदायिक तनाव की घटनायें हुई हैं ? सरकार की ओर से जवाब दिया गया मार्च, 2012 से 31 दिसम्बर, 2012 तक प्रदेश में कुल 27 घटनायें हुईं। आज मैं इस प्रदेश की 28वीं घटना लेकर आपके सामने आया हूं। और यह 28वीं घटना बगल के अम्बेडकर नगर में हुई है। मैं इसलिये इस उदाहरण को कह रहा था कि इन 27 घटनाओं में से सिर्फ 10 घटनायें ऐसी थीं जो धार्मिक असहिष्णुता के नाते हुई। 17 घटनायें ऐसी थीं, जिनकी शुरूआत कहीं और से हुई, चूंकि प्रशासन ने समय रहते सही कार्रवाई नहीं की, इसलिए साम्प्रदायिक और धार्मिक तनाव में बदल गईं। आज मैं जिस घटना को लेकर आपके बीच में आया हूं अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसी ही घटना है जिसके ऊपर अगर शासन-प्रशासन ने सितम्बर में ही कड़ी कार्रवाई की होती तो 03 तारीख को राम बाबू गुप्ता को अपनी जान न देनी पड़ी होती। सितम्बर, में टाण्डा में एक घटना हुई, एक लड़की के साथ छेड़खानी हुई। एक व्यक्ति घर में घुस कर के उसके साथ छेड़खानी कर रहा था। मैं पक्ष-विपक्ष किसी के धर्म का भी नाम नहीं लेने वाला हूं । यह घटना जब हुई तो लोगों ने उस लड़के को पकड़ा और पकड़ने के बाद पिटाई हुई । स्वाभाविक रूप से किसी के घर में कोई घुसेगा तो जो होना था, वह हुआ । मैं जो कह रहा हूं कि उस समय अगर ईमानदारी के साथ कार्यवाही की गई होती तो स्थितियों पर नियंत्रण पाया गया होता । जिसके घर मे घुस कर के घटना हुई, उसकी किसी एफआईआर को नहीं लिखा गया और जिसने घर मे घुस कर के घटना की, उसकी ओर से एफआईआर भी लिखा गया, उसकी ओर से उन लोगों के विरुद्ध जिसके घर में घटना

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हुई थी छेड़खानी की, उनके विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की गई। एक जुझारू संघर्षशील नेता बजरंग दल का जिला संयोजक, हिन्दू युवा वाहिनी का संयोजक उस घटना को लेकर चूंकि उस पूरे समूह का नेतृत्व कर रहा था, उसे टारगेट किया गया। सितम्बर से लेकर आज के दौरान तक जो मुकदमें लगाये जा सकते थे, लगाये गये। उन मुकदमों के आधार पर जो असलहा वैधानिक रूप से उसके पास था, वह असलहा उससे छीन लिया गया और छीनने के बाद जब रात को नौ बजे, चूंकि वह एक व्यापारी भी था अपनी दुकान बन्द कर के अपने घर की ओर जा रहा था, रात के समय ताबड़तोड़ गोलियां मार कर के उसकी हत्या कर दी गई। कल हम लोग चर्चा कर रहे थे, 120 बी की, इस बात की कि कोई मंत्री सरकार का यह सारे षडयंत्र को कर रहा था। आज मैं वही प्रश्न खड़ा करता हूं। सितम्बर से लेकर के 03 मार्च तक जिस प्रकार से उसके ऊपर मुकदमें लगाये गये, जिस प्रकार से उसकी सुरक्षा का शस्त्र उससे छीन लेकर उसे निहत्था कर दिया गया, कौन थे वह लोग जो अम्बेडकर नगर के टाण्डा में बैठ कर के, यह खेल खेल रहे थे। अध्यक्ष महोदय सिर्फ इतना ही होता तो बात खत्म हो जाती। उस राम बाबू गुप्ता के शव का पोस्टमार्टम हुआ। मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी आज सुबह शव के ऊपर राजनीति की बात कर रहे थे। कितना दुःखद है, वह शव लेकर राम बाबू गुप्ता के परिवार के लोग जब एक धार्मिक स्थल से गुजर रहे थे तो उनके ऊपर बड़े-बड़े ईटों-पत्थरों से आक्रमण किये गये और आक्रमण में चोट, गलत है या सही, सरकार है इसके लिए, आक्रमण में चोट पुलिसकर्मियों को भी आई, पुलिसकर्मियों के भी मुलायजे हुए हैं, उनकी भी मेडिकल हुई है, वह रिपोर्ट सरकार के पास होगी। मैं सिर्फ दो प्रश्न लेकर आया हूं, मैं उससे अधिक कोई बात नहीं करता हूं, नम्बर-एक जिन लोगों ने राम बाबू गुप्ता की हत्या की, उनके विरुद्ध शासन ने अभी तक क्या कार्यवाही की है या कब तक कार्यवाही करेगी और नम्बर-दो जिन लोगों ने उस शव यात्रा के दौरान पत्थरबाजी की है, वह चिन्हित किये जा सकते हैं, क्या शासन उनको चिन्हित कर के उनके विरुद्ध कार्यवाही करेगी। मैं इसलिए कह रहा हूं कि कल कर्फ्यू लगाया गया और आज अघोषित कर्फ्यू है, धन्यवाद।

(माननीय राज्य मंत्री श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य आप बैठ जायं, आप नहीं बोलेंगे, यह नियमों में नहीं है।

डा0 राधामोहन दास अग्रवाल-

मा0 अध्यक्ष महोदय, मैंनें किसी का नाम नहीं लिया है ।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी आप बोलें।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

माननीय अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य भारतीय जनता पार्टी ने टाण्डा में हुए इस काण्ड और इससे पहले वाले हादसे का जिक्र किया है।

मनोरंजन कर राज्य मंत्री (श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय)-

मान्यवर, वहां 40 लोगों की दुकाने जलाई गईं।

श्री अध्यक्ष-

अरे भाई आप क्यों बोल रहे हैं, देखिये यह पब्लिक मीटिंग नहीं है, यह विधान सभा है, यह नियमों से चलती है।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, टाण्डा में जो पिछले दिनों हुआ, जिन लोगों ने किया और जिन लोगों के और जिस राजनैतिक दल के नाम आये, उससे भी सदन परिचित है, आप परिचित हैं। कितना बड़ा नुकसान हुआ लोगों का, कितनी दुकाने जलाई गईं और लूटी गईं और किसी हद तक बहुत कम ही सही, लेकिन खजाने से उसकी भरपाई भी हुई। आपका भी पैसा होगा जिससे भरपाई हुयी। ये एक नया ट्रेण्ड चला है किसी खास विचारधारा का कि मारने से तो आबादी कम हो नहीं रही है। लाओ अब जला कर देखें, इन्हें भूखा और नंगा बनायें। ये एक विचारधारा है। ये एक काम करने का तरीका है। ये पिछले दिनों भी हुआ टाण्डा में और ये अब भी हुआ। मान्यवर, डा0 साहब बहुत सम्मानित सदस्य हैं, उन्होंने खुद ही कहां कि किसी अमुक धर्म के व्यक्ति ने लड़की को छेड़ा। किसी के घर में दाखिल हुआ। अगर आपकी यह बात शत-प्रतिशत मान भी ली जाये। ऐसा होगा भी तो उसके बाद जो ताण्डव हुआ टाण्डा में और बेगुनाह लोगों की दुकानों को जिस तरह से जलाकर, पूरे के पूर मार्केट्स को बरबाद कर दिया गया। मेरे ख्याल से, यह सदस्य भारतीय जनता पार्टी के लिये सही होगा। काम करने का तरीका है, ये आपका तरीका है। मान्यवर, अब भी इस हत्या के मामले में यह जाने बगैर कि हत्यारा कौन है क्योंकि वो जलाने की प्रवृत्ति बहुत हावी हो गयी है आप पर और आपने फिर बेगुनाहों की दुकानें, घर जलाने शुरु कर दिये।

(मा0 सुरेश राणा, मा0 विजय बहादुर यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के कुछ अन्य मा0 सदस्यों के एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने तथा उससे उत्पन्न शोर के मध्य)

श्री अध्यक्ष-

पहले सुन तो लीजिये। अरे, आप पहले सुनिये, आप बैठिये, पहले सुनिये। मा0 विजय बहादुर जी, बैठिये। मा0 राणा जी, मुजफ्फनगर से अम्बेडकरनगर बहुत दूर है। आप बैठिये, डा0 साहब ने सारे तथ्य रख दिये हैं।

(मा0 सदस्य सुरेश राणा द्वारा लगातार खड़े होकर बोलने का प्रयास करते रहने पर)

श्री अध्यक्ष-

ये लिखा नहीं जायेगा चाहे जो बोलिये। ये कार्यवाही का अंग नहीं माना जायेगा। आप लोग बैठिये, अब आप लोग बैठ जायें, ये अच्छी बात नहीं है। मा0 राणा जी, जब आपके नेता ने बात कह दी और जब इधर से कोई बात आयेगी तो आप जवाब देंगे कि आपके नेता देंगे। आप बहुत तेज मत बनिये। आप बहुत तेजी न दिखाइये, नियमों में चलिये, बैठिये। नहीं बैठिये, जब आपके नेता ने कह दिया। जब कोई बात खत्म होती है तो आप उठते हैं। आप उनको कहने तो दीजिये, हर बार खड़े हो जाते हैं, जब कोई बात आती है। कोई बात लिखी नहीं जायेगी। कहिये जितना कह पाइये, विजय बहादुर यादव जी बैठो। आप इनका जवाब तो सुनिये। डा0 साहब बहुत संजीदगी से, आपसे बेहतर

ढंग से उस बात का जवाब दे सकते हैं, आप बैठिये। ये बड़ी होशियारी से ऐसी बात कहेंगे जो कटु भी नहीं लगेगी और उनकी बात भी हो जायेगी।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, मैं वही बात आपसे कह रहा हूं कि डा0 साहब ने जो कुछ कहां, वो कटु भी नहीं था लेकिन वो सच भी नहीं था। मसलन आपने कहां कि अगर घर में कोई घुसेगा तो जो होना था, वो हुआ। आपकी राजनैतिक एप्रोच यह है कि अगर कोई किसी के घर में घुसेगा तो आप उसका धर्म देखकर, उसके धर्म के सारे बेगुनाह लोगों की दुकानें बाजार में जलाकर खाक कर देंगे। ये आपने अभी कहां है।

डा0 राधामोहन दास अग्रवाल-

अब मैं बोल ही लूं, अब मैं बोल ही लूं।

श्री मोहम्मद आजम खां-

क्या बोलेंगे आप।

डा0 राधामोहन दास अग्रवाल-

अब आप सुन ही लो।

श्री मोहम्मद आजम खां-

मान्यवर, साम्प्रदायिकता की बुनियाद पर और पूरे प्रदेश में लाकानूनियत फैलाने के नाम पर, इस सरकार को लांछित करने के नाम पर, आगजनी के रास्ते से, पूरी सरकार को जो बदनाम करने का षडयन्त्र हो रहा है। ये कहना कि कोई व्यक्ति किसी के घर में घुसेगा तो कानून को उसका काम नहीं करने दिया जायेगा बल्कि अगर कोई घुसेगा तो जो होना था, वह हुआ। यानि लोगों की दुकानें जला दी जायेंगी, सरकार को बदनाम करने के लिए, यह कहां की शराफत का जुमला है, राजनैतिक जुमला है, इसलिए मैंने यह कहां है। डॉक्टर साहब को इस पर अफसोस होना चाहिए, न कि इस पर नाराज होना चाहिए, क्योंकि डॉ0 साहब के बारे में पूरे सदन की और हमारी अपनी राय यह है कि डॉ0 साहब, तथ्य रखेंगे। डॉ0 साहब, अगर कोई गलती करता है, डॉ0 साहब अगर यह कहते हैं कि जो घर में घुसा है, उस पर कानूनी कार्रवाई नहीं हुई, उसको पूरी सजा नहीं मिली, डॉ0 साहब का यह कहना सही होता, लेकिन यह कहना कि घर में घुसा था और फिर जो होना था वह हुआ, इसलिए मान्यवर, मैं बल देकर यह कहना चाहता हूं कि जो घटना हुई उस घटना में हत्या की निंदा किसी को भी करनी चाहिए, लेकिन कानून अपना काम करेगा। मान्यवर, जो एफ0आई0आर0 मेरे पास है, उसमें यही लिखा गया है कि जिन लोगों ने हत्या की है, वह अज्ञात व्यक्ति हैं, अज्ञात व्यक्तियों के मकान नहीं जलाये जाते लेकिन बेगुनाह मुसलमानों के घर जलाए गए, बेगुनाह मुसलमानों को दहशतजदा किया गया और मजबूरन कफ्र्यू लगाना पड़ा क्योंकि पूरा टांडा जला दिया जाता। मान्यवर, यह बराबर कोशिश हो रही है, पूरे जिले को और पूरे मण्डल को साम्प्रदायिकता की आग में झोंकने की कोशिश हो रही है। इसलिए मान्यवर, अज्ञात लोगों के खिलाफ रपट दर्ज है, 33-34 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, घोषित कर्फ्यू के बाद अघोषित कफ्र्यू हो, कानून को हाथ में लेने की इजाजत नहीं होगी और सख्ती से दंगाइयों से निपटा जायेगा।

(भाजपा के मा0 सदस्यों की तरफ से लगातार विरोध के स्वर सुनाई दिए।)

श्री सुरेश राणा-

मा0 अध्यक्ष जी, यह किसी वर्ग विशेष के संसदीय कार्यमंत्री हैं या विधान सभा के संसदीय कार्यमंत्री हैं।

(भारतीय जनता पार्टी के मा0 सदस्यों के एक साथ खड़े होकर बोलने के प्रयास पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 डॉ0 साहब, अब हमें भी कुछ फैसला करने देंगे।

डॉ0 राधा मोहन दास अग्रवाल-

अध्यक्ष महोदय, हमारी बातें आनी चाहिए। बातें बहुत साफ होनी चाहिए।

*बाल विकास एवं पुष्टाहार व बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री वसीम अहमद)-

हम ईंट से ईंट बजा देंगे, इस तरह की अल्फाज इनके एक बड़े नेता ने कहें है, जो अखबारों में आया है, बोला है कि हम ईंट-से-ईंट बजा देंगे, इस तरह की इनकी हरकतें, इस तरह की बातें इन्होंने की।

(श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय, श्री वसीम अहमद के खड़े होने)

श्री अध्यक्ष-

मा0 संसदीय कार्यमंत्री जी बोल चुके हैं। अब आप बैठ जाएं।

श्री तेज नारायण पाण्डेय उर्फ पवन पाण्डेय-

यह इन लोगों को प्लान था, पूरे अम्बेडकरनगर को भी योगी आदित्यनाथ आग के हवाले करना चाहते हैं, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के मकानों पर गुम्मे चलवाये, ईंटे चलवाये, उनके घरों में घुसने यह काम योगी आदित्यनाथ के लोगों ने किया है, मैं यह सच्चाई कहना चाहता हूं कि योगी आदित्यनाथ को.....

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिए, आप सब लोग बैठें। मा0 पाण्डेय जी यह आपको शोभा नहीं देता आप बैठिए। मुझे कुछ कहने दीजिए। मुझे फैसला तो सुनाने दीजिए इस पर। इस पर आप मुझे भी कुछ फैसला सुनाने तो दीजिएगा।

डॉ0 राधामोहन दास अग्रवाल-

श्री रामबाबू की हत्या और उस पर यह राजनीति, मैं अपनी बातें रखूंगा, मान्यवर,.....

श्री अखिलेश कुमार सिंह-

मान्यवर, यह दृश्य तो कल ही दिख गया था, जब पूरा यह वातावरण शोकाकुल था, और एक भी आदमी कहीं मन में यह नहीं सोच रहा था कि उस वीर, जो बलिदान हुआ है, उस सीओ के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

लिए, उसके लिए कुछ कहते लेकिन उसमें भी अपने आदरणीय, माननीय, सम्मानित नेता ने, एक लाइन खींच दी, 21 वर्ष एक आदमी कह कर, सारे लोगों की भावनाओं के साथ एक लाइन खींच दी।

डॉ0 राधामोहन दास अग्रवाल-

नहीं, नहीं यहां तक नहीं हुआ, मैं दोहराऊंगा जो बातें कही गयीं हैं और संसदीय कार्यमंत्री के द्वारा कही गई हैं। अध्यक्ष महोदय, कल सी0ओ0 की हत्या हुई है, और सी0ओ0 पुलिसकर्मी है....

श्री मोहम्मद आजम खां-

मा0 अध्यक्ष जी, एक हत्या का जिसमें अज्ञात व्यक्ति लिखे गए हैं। अज्ञात व्यक्तियों ने हत्या की, घर मुसलमानों के जलाये गए। हत्या अज्ञात व्यक्तियों ने की घर मुसलमानों के जलाये गए, ये कहां का न्याय है, घर में घुसे, बाजार मुसलमानों के जलाये जाये, इंगित करके दुकानें जलायीं जाएं, मकान मुसलमानों के जलाएं जाएं, ये कहॉं का न्याय है, कहां का कानून हैं।

(भारतीय जनता पार्टी के मा0 सदस्यों के वेल में आने के प्रयास पर)

श्री अध्यक्ष-

ये कहां आ रहे हैं। कहां आ रहे हैं।

(भारतीय जनता पार्टी के मा0 सदस्य वेल में आ गए और सरकार का विरोध करने लगे, वेल से)

श्री सुरेश राणा-

[x x x]

सुश्री सावित्री बाई फूले-

[x x x]

श्री अध्यक्ष-

यह कुछ लिखा तो जा नहीं रहा है काहे को बोल रहे हो, न आपकी बात लिखी जायेगी और न ये कार्यवाही का अंग मानी जायेगी। जब कार्यवाही का अंग नहीं मानी जायेगी तो प्रेस में भी नहीं जायेगी, प्रेस को भी मना किया जा रहा है।

(घोर व्यवधान के मध्य)

आप लोग कृपया अपने-अपने स्थानों पर जाकर बैठ जायें। अब विरोध हो गया आपका, अब अपने-अपने स्थानों पर कृपया चले जायें।

(भारतीय जनता पार्टी के सदस्य वेल में खड़े रहे)

(श्री रघुनन्दन सिंह भदौरिया कहने लगे कि [x x x])

(श्री धर्मपाल सिंह के प्रयासों से वेल में आये सदस्य अपने-अपने स्थानों पर वापस चले गये)

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल-

मान्यवर, अगर सितम्बर माह में ही प्रशासन सजग हो गया होता तो राम बाबू गुप्ता की जान नहीं गयी होती। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी से मैं यह कहना चाहता हूं कि सितम्बर में जो घटना

नोट :-[x x x] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

हुई है प्रशासन ने कार्यवाही की होती तो रामबाबू गुप्ता को जान नहीं देनी पड़ती। एक नौजवान व्यक्ति लड़की के घर घुसा। कोई भी व्यक्ति इस तरह से किसी के घर जायेगा तो क्या करेगा। जब वह घर में घुसेगा तो वह उस लड़की के साथ छेड़खानी नहीं करेगा, तुरन्त कार्यवाही नहीं करेगा। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी शब्दों का जुमला बनाकर कहते हैं। इसलिए निंदनीय है यह बर्ताव माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी का, यह बयान उनका शर्मनाक नहीं है। यह पुलिस का साम्प्रदायिकरण करते हैं। कहते हैं कि वैसे ही पुलिस कम है। एक मुस्लिम कर्मी मारा गया इसलिए दुखी हैं। यह हर मामले को मान्यवर बिगाड़ते हैं।

*राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

मान्यवर, मा0 सदस्य ने जिस सूचना को सुनने के लिए अपनी सूचना दी हैं उस तक माननीय सदस्य अपने को सीमित रखें। लेकिन माननीय अध्यक्ष जी अपनी बात कहने के क्रम में अगर बार-बार माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी या किसी पर इस तरह की कारीगरी की टिप्पणी करने की बात आयेगी तो यह सुनने लायक विषय नहीं रह जायेगा।

दूसरी बात, मैं बहुत आदर करता हूं इनका ।

(डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल द्वारा बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

डा0 साहब बैठिये।

श्री अम्बिका चौधरी-

धमकी मत दीजिए, टिप्पणी नहीं की, धमकी नहीं दी टिप्पणी मत कीजिए। धमकी नहीं दे रहा हूँ, टिप्पणी मत कीजिए।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं कि उस विषय पर जो बार-बार बात कही जा रही है और संसदीय कार्य मंत्री जी का नाम लेकर बात कही जा रही है यह बात किसी भी स्थिति में उचित नही है और, कि यह घुमा देते हैं और यह कर देते हैं यह बात किसी भी हालत में मुनासिब नहीं है। अपनी बात आपकी अनुमति से इस सदन में कोई सदस्य चाहे सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का हो नियमों के अन्तर्गत जिसको आप अनुमति देते हैं अपनी बात वह विषय पर कह सकता है लेकिन मान्यवर, शोर करके और सिर्फ उत्तेजना दिखा करके अगर किसी बात पर आक्षेपात्मक बात होगी तो यह अनुचित है और शोर आप ज्यादा कर नहीं सकते यह मैं बताना चाहता हूं।

श्री हुकुम सिंह-

अध्यक्ष जी, यह उत्तेजना इन्होंने पैदा किया किसी और ने नहीं पैदा किया । आप बैठे हैं मान्यवर, आप आसन पर खुद बैठे हुए हैं, उत्तेजना पैदा क्यों हुई उत्तेजना आपके सामने पैदा हुई किसी धर्म का नाम नहीं लिया गया था, किसी का नाम नहीं लिया गया था केवल यह कहां गया था कि एक व्यक्ति के घर में लड़की के साथ में छेड़खानी करने के लिए एक आदमी घुसा और जब वह घुसा लड़की के साथ छेड़खानी करने के लिए, मान्यवर, अगर किसी में अगर आत्मसम्मान होगा, इज्जत

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

होगी जिसकी बेटी होगी उसके ऊपर क्या बीती होगी इसका अनुमान नहीं लगा सकते। अगर यही सोच है सरकार की, जहां हमें अधिकार है कि हम किसी के भी घर में घुसेंगे, किसी की भी बेटी के साथ में छेड़छाड़ करेंगे तो कर दें इस बात को मान्यवर,मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि सरकार की ताकत और सरकार का दम्भ रहा है औरों में भी रहा होगा लेकिन इस तरह से धौंस दिखाकर हमें डराने की कोशिश मत करें। न हम डरने वाले हैं और न डरेंगे कभी भी। हम अपनी बात कहने के लिए आये हैं और अपनी बात को मजबूती के साथ कहेंगे, सुनने का धैर्य आप रखो। सरकार में आप बैठे हुए हैं और आपमें संतुलन होना चाहिए शांति होनी चाहिए, पेसेंश होना चाहिए। आप खड़े होकर हमें डराने लगें, धमकाने लगें डॉटने लगें हम डॉट खाने के लिए बैठे हैं यहां ?

श्री अध्यक्ष-

कोई किसी को डरायेगा नहीं।

श्री हुकुम सिंह-

मान्यवर, मैने अपनी बात कही, शालीनता के साथ अपनी बात कही किसी का नाम नहीं लिया, नाम वहां से लिया गया आप उनको कंट्रोल कीजिए।

डा0 राधा मोहन दास अग्रवाल-

अध्यक्ष महोदय, मेरी मांग बहुत साफ है जिसकी हत्या हुई है राम बाबू गुप्ता, हत्या क्या वह इसीलिए कि उसका नाम राम बाबू गुप्ता है, कोई कार्यवाही नहीं होगी तय कर लो आप अन्यथा इस सरकार को कहने में दो मिनट नहीं लगना चाहिए था कि अगर उसके घर के लोगों ने डर के मारे किसी का नाम देने की हिम्मत नहीं जुटाई हैं तो भी हम इस रहस्य को पता करेंगे कि कौन थे वह हत्यारे और उन्हें कानून के रूप में जो सजा मिलनी चाहिए, वह मिलेगी सरकार का जवाब यह होना चाहिए। मैंने आपसे कहां कि शव के साथ अगर ईंटे, पत्थर चलाये जा रहे थे उनको चोटे लगीं हैं तो सरकार का जवाब यह होना चाहिए था कि हम इसको पता करेंगे अगर शव के ऊपर ईटे पत्थर चलाये गये हैं तो हम इन्तहा कार्यवाही करेंगे। हम आपको यह हक देते हैं इस बात का कि अगर उसके अलावा भी किसी ने ईंटे, पत्थर चलाये हों तो आप कार्यवाही करिये लेकिन जो पक्ष हम रख रहे हैं उस पर कोई कार्यवाही करने की जगह पर शब्दजाल बुनकर अपराधियों को बचाने का कार्य यह सरकार करेगी तो भारतीय जनता पार्टी के लोग इसको कभी भी किसी हालत में स्वीकार नहीं करेंगे। सरकार को यह बताना होगा कि राम बाबू गुप्ता के हत्यारों के साथ यह सरकार क्या करने वाली है। और वह लाश जब निकली थी उस जुलूस में जिन लोगों ने ईंट, पत्थर चलाये उनके ऊपर यह सरकार क्या करने वाली है।

श्री मोहम्मद आजम खां-

माननीय अध्यक्ष जी, मैंने पहले ही बताया कि 33 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किये जा चुके हैं और रिपोर्ट अज्ञात के खिलाफ है लेकिन माहौल बहुत तनावपूर्ण है। बहुत से बेगुनाह लोगों के मकान जल चुके हैं उसी की वजह से कर्फ्यू लगाया गया और यह सरकार की मजबूरी है। इस सरकार शासन को कायम रखने के लिए और लोगों के जान और माल की हिफाजत के लिए, चाहे वह कोई भी पक्ष हो उसके लिए कानून लागू करेगा। जो जघन्य अपराध हुआ है उसकी ही गिरफ्तारी 33 लोगों

की हुई है इसी हत्या के मामले में 33 लोगों की गिरफ्तारी हुई है लेकिन जो कफ्र्यू है उस कफ्र्यू की वजह यह है कि यह जाने बगैर कि अज्ञात रिपोर्ट है लेकिन बेगुनाहों के बड़ी तादाद में घर जले हैं, दंगा बहुत बड़े इलाके में फैलने की आशंका थी इसलिए कफ्र्यू लगाया गया है ।

श्री अध्यक्ष-

मैंने माननीय डा0 साहब को सुना और माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना। मैं, इसकी सत्यता और सब आ जाये इसलिए इस पर वक्तव्य के लिए कहता हूं, वक्तव्य आ जायेगा।

श्री प्रदीप माथुर-

माननीय अध्यक्ष जी, नोएडा से लेकर इटावा तक यमुना को प्रदूषणमुक्त करने के लिये और यमुना को एक रेगुलर फ्लो आफ वाटर के लिये लगभग एक लाख लोग यमुना रक्षक दल के बैनर तले दिल्ली तक पदयात्रा कर रहे हैं। मान्यवर, आज स्थिति यह है कि यह पदयात्रा पहली मार्च, 2013 से शुरू हुयी और वृन्दावन से शुरू होकर यह कल हरियाणा पहुंची है। इन यमुनाभक्तों की मांग यह है कि यमुना में गिरने वाले नाले उत्तर प्रदेश में नोएडा से लेकर इटावा तक जितने परोक्ष रूप से नाले गिर रहे हैं, उनको रोका जाये । जो सालिड अपशिष्ट है, उसको रोका जाये और जितना भी इंडस्ट्रियल एफलुएन्ट उसमें गिर रहे हैं, उसको भी रोका जाये और यमुना को हथिनीकुण्ड से बराबर एक रेगुलर फ्लो के रूप में लाया जाय । मान्यवर, यह यमुना मोक्षदायिनी है, कृष्ण की पटरानी है और यम की बहन है। बृज में इस यमुना को पूजा जाता है और इसका आचमन लिया जाता है। आज स्थिति यह है कि यमुना जल का आचमन करना तो दूर रहा, इसमें स्नान भी नहीं कर सकते हैं। इसमें जितने भी सीवेज ट्रीटमेंट प्लान्ट और एस0टी0पीज0 लगे हुये हैं, वह कोई भी नगरपालिका या नगर निगम नहीं चला रही है। उसका नतीजा यह है कि सारे के सारे नाले यमुना नदी में परोक्ष रूप से गिर रहे हैं और यही पीड़ा है यमुना रक्षक दल में चलने वाले इन पदयात्रियों की, इस पदयात्रा में एन0आर0आईज0, उत्तर प्रदेश और पूरे देश के लोग और विदेशों से लोग इसमें शामिल हुये हैं, साथ ही तमाम संत शामिल हुये हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। चूंकि यह एक लाख लोगों का मजमा पदयात्रा कर रहा है तो कहीं कोई हिंसक घटना न हो, लोग आराम से बैठ जायें उत्तर प्रदेश सरकार, नगर विकास विभाग, जल निगम, पर्यावरण विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस मामले पर सख्ती करे और यमुना में नालों को गिरने से रोका जाये जिससे कि उसकी धार्मिक आस्था बनी रहे और उसका जल भी शुद्व हो सके । मैं सरकार से इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर वक्तव्य की मॉग करता हूं और शीघ्र कार्यवाही कराने की मांग करता हूं जिससे कि एक लाख पदयात्री जो मार्च कर रहे हैं, उनको हम कहीं भी बुलाकर सरकार से बात करके वापस बुलायें, क्योंकि कहां तक वह पदयात्रा करेंगे, क्योंकि पूरा देश इसमें इन्वाल्व है, पूरी दुनिया के लोग इसमें आ रहे हैं, यह बहुत आवश्यक मामला है।

श्री अध्यक्ष-

आप जायेंगे कि नहीं इसमें पदयात्रा में ?

श्री प्रदीप माथुर-

मान्यवर, यह गंभीर मामला है, कोई भी हिसंक घटना हो गयी तो बड़ी दिक्कत हो जायेगी ।

श्री मोहम्मद आजम खां-

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के लोग शामिल हैं, ऐसी सूचना दी है माथुर साहब ने, नेता कांग्रेस ने और कई हजार की तादाद में लोग हैं, यह भी सूचना दी है। कहां तक आ गये हैं यह सूचना नहीं दी है।

श्री प्रदीप माथुर (बैठे हुये)-

हरियाणा तक ।

श्री मोहम्मद आजम खां-

हरियाणा तक आ गये हैं यह बता रहे हैं। तो आप कहां से शरीक होंगे यह सूचना रहे ताकि आपकी सुरक्षा का खास प्रबन्ध किया जा सके ।

श्री प्रदीप माथुर-

माननीय मंत्री जी, यह गंभीर मामला है। मैं तो शामिल हो लिया और शुरू करा दिया। अब मैं आपको भी आगाह करा रहा हूं और केन्द्र सरकार को भी आगाह करा रहा हूं और हरियाणा सरकार को भी आगाह करा रहा हूं। मैं यह चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार इस मुद्दे पर कितनी चिन्तित है, आपका नगर विकास विभाग और नगर निगम क्या कर रहे हैं, आपका प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है, यमुना में डायरेक्ट कितनी गन्दगी जा रही है, कितने नाले गिर रहे हैं, इस मामले पर क्या कोई सख्त कदम उठायेगी सरकार ?

श्री मोहम्मद आजम खां-

आप हरियाणा में शरीक होकर उन्हें छोड़ आये, अब अगर आप उनके साथ आये होते और अगर आप अब भी साथ आयें तो जब वह उत्तर प्रदेश में दाखिल होंगे तो मैं आपके स्वागत के लिये वहां खड़ा मिलूंगा एक बात। दूसरी बात, गंभीर प्रश्न है, गंभीरता से ही लिया जा रहा है, लेना भी चाहिये। हमारी नदियों को पाकसाफ होना चाहिये और यह भी मैं उम्मीद करता हूं कि जो दिल्ली का गन्दा पानी यमुना में आ रहा है क्या उसका भी कुछ इन्तजाम आप करेंगे क्योंकि वह गन्दगी ही उत्तर प्रदेश में आ रही है। अब उस गन्दगी को हम कैसे साफ करेंगे, यह हम आपसे जानना चाहते हैं, आप जानकार हैं।

(माननीय सदस्य श्री प्रदीप माथुर के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष -

फिर आप खड़े हो गये।

श्री मोहम्मद आजम खां-

असल में इन्हें डर यह है कि कहीं प्रमोद तिवारी जी न खड़े हो जाएं। मान्यवर, गम्भीरता से इसको देखा जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

मैंने श्री प्रदीप माथुर जी को सुना और संसदीय कार्य मंत्री जी को सुना, अब मैं इसे अग्राह्य करता हूं।

अब इसके बाद दो और सूचनाएं हैं, तय यह हुआ था कि 1:20 के बाद जीरो ऑवर खत्म हो जाएगा। दो और सूचनाएं हैं एक है माननीय प्रमोद तिवारी जी की प्रदेश में बढ़ते ध्वनि, वायु, जल प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में और दूसरी है माननीय स्वामी प्रसाद मौर्या जी की दिनांक 03-03-2013 को जनपद प्रतापगढ़ के थाना जेठवारा के ग्राम चमरूपुर पठान के रहने वाले मुस्ताक और रईस एवं रसीद के ऊपर प्राणघातक हमले में मुस्ताक की हुई मृत्यु से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में। हम इसमें वक्तव्य मंगा लेते हैं आप उसमें बात कर लीजिएगा, इस समय कहने की कोई जरूरत नहीं है।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, ठीक है।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, नम्बर-3 पर हमारी सूचना है।

श्री अध्यक्ष-

अब आज टाइम हो गया है।

श्री प्रमोद तिवारी-

मान्यवर, अभी डेढ़ बजने में 5 मिनट बाकी हैं।

श्री अध्यक्ष-

1:20 तक का ही समय था, आप भी अपने हिसाब से टाइम बढ़ाते हैं। आप इसे कल कह लीजिएगा, नम्बर-1 पर हो जायेगी।

(माननीय सदस्य श्री योगेन्द्र उपाध्याय के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

आपकी सूचना पर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।

वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक के अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान अनुदान संख्या-54, लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) अनुदान संख्या-55 लोक निर्माण विभाग (भवन), अनुदान संख्या-56 लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम), अनुदान संख्या-57 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सेतु), अनुदान संख्या-58 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सड़कें)

*लोक निर्माण, सिंचाई मंत्री (श्री शिवपाल सिंह यादव)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान सं0-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 16,16,70,05,000 रुपए से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान सं0-55-लोक निर्माण विभाग (भवन) के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 1,10,05,50,000 रुपए से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान सं0-56-लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 2,70,00,00,000 रुपए से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान सं0-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 11,10,29,34,000 रुपए से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति तथा श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 79,32,30,62,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाए।

माननीय अध्यक्ष जी, आज वर्ष 2013-2014 का लोक निर्माण विभाग का बजट मैं आपकी अनुमति से प्रस्तुत करने जा रहा हूं। मान्यवर, यह बजट बहुत सी दिक्कतों के साथ, मैंने प्रयास भी किया, बहुत प्रयास किया, केन्द्र सरकार से कि हमारी उत्तर प्रदेश की सड़कें और पुल क्योंकि बिना सड़कों के, बिना पुलों के उत्तर प्रदेश का पूर्ण विकास नहीं हो सकता है। वैसे तो केन्द्र सरकार से जितना भी हमको बजट मिलना चाहिए था प्रयास करने के बावजूद भी नहीं मिला। एक साल पहले लगातार पांच साल तक उत्तर प्रदेश की सड़कों के बारे में, पुलों के बारे में।

लोक निर्माण मंत्री की ओर से सेन्ट्रल हाल कैफेटेरिया में भोजन की व्यवस्था के सम्बन्ध में सदन को सूचना

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी, थोड़ा रुक जाईये। सारे माननीय विधायकों के लिए जो हमारा कैफेटेरिया है उसमें मा0 लोक निर्माण मंत्री जी की तरफ से भोजन की व्यवस्था है।

वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक के अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान अनुदान संख्या-54, लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) अनुदान संख्या-55 लोक निर्माण विभाग (भवन), अनुदान संख्या-56 लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम), अनुदान संख्या-57 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सेतु), अनुदान संख्या-58 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सड़कें)

लोक निर्माण, सिंचाई मंत्री (श्री शिव पाल सिंह यादव)-

हमें बिगड़ा हुआ माहौल मिला था। लगातार उत्तर प्रदेश का बजट का बहुत ही लम्बे समय से दुरुपयोग हो रहा था, कमीशनखोरी, बेईमानी और बहुत धीमी गति से और उसमें भी बहुत लूट हुई, कमीशनबाजी हुई। जब से हम लोगों को समय मिला, माहौल भी बिगड़ा हुआ था, उस माहौल को भी मुझे सुधारना पड़ा। मौसम भी एक कारण रहा, क्योंकि आप जानते हैं तीन-चार महीना लम्बी

बरसात भी हुई फिर उसके बाद सर्दी भी रही बहुत ठण्ढ रही, उसके बावजूद भी हमने उत्तर प्रदेश की सड़कों को ठीक करने का प्रयास किया है। हमको जितना केन्द्र सरकार से धन मिलना चाहिए था उतना धन नहीं मिला। माननीय नेता कांग्रेस हैं नहीं, इन्होंने कई सड़कें दी सी0आर0एफ0 में भी और उन्होंने कहां कि हम सहयोग करेंगे, हम पैसा ले आयेंगे लेकिन पैसा नहीं मिला। उसके बावजूद भी हमने उत्तर प्रदेश के बजट से व्यवस्था की है। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि माननीय प्रधानमंत्री जी का अर्थशास्त्र अमेरिका और यूरोप के लिए तो ठीक है लेकिन विदेश के लिए तो ठीक है लेकिन हिन्दुस्तान जैसे गरीब देश के लिए तो गांधी लोहिया और चौधरी चरण सिंह की नीतियां, उनका इतिहास और उनका अर्थशास्त्र जब तक नहीं होगा तब तक इस गरीब हिन्दुस्तान और उत्तर प्रदेश जैसे गरीब प्रदेश की सड़कों का सुधार नहीं हो सकता है। इसलिए मैं आपकी अनुमति से इसकी विषम परिस्थितियों के बावजूद मैंने उत्तर प्रदेश की सड़कों को ठीक कराने का काम किया। मैं आपकी अनुमति से वर्ष 2013-14 का बजट आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं। महोदय आपका तो अनुभव है और उत्तर प्रदेश की सड़कों के बारे में भी ज्ञान है । आजादी के 65 वर्षों के बाद भी आज उत्तर प्रदेश में बहुत से ऐसे गांव हैं जिनमें सड़कें नहीं हैं आपको मालूम होगा अच्छी तरह से विदित होगा कि तीन महीने जब बरसात होती है, चार महीने जब बरसात होती है तो पूरे के पूरे गांवों का सम्पक्र शहरों से टूट जाता है। 65 साल की आजादी के बावजूद आज बहुत से गांव ऐसे हैं जिनमें पुल भी नहीं है लेकिन हम आज आपकी अनुमति से जो बजट लाए हैं वह उत्तर प्रदेश की सड़कों के लिए पुलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम बहुत जल्दी उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने का काम करेंगे। मैं विभिन्न योजनाएं के विवरण माननीय सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करना चाहूंगा । वर्तमान सरकार प्रदेश की समस्त पांच सौ से अधिक आबादी की लगभग 7000 अनजुड़ी बसावटों को दो वर्षों में जोड़ने हेतु कटिबद्ध है। ग्रामों को पक्के सम्पक्र मार्गों से जोड़ने हेतु विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कार्य कराया जा रहा है इसके लिए रुपया 1,775 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। पांच सौ से अधिक आबादी के लगभग 7,208 अनजुड़ी बसावटों को दो वर्षों में पक्के सम्पर्क मार्ग से जोड़ा जाएगा। जिनमें से 987 बसावटें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित हैं। 250 से 499 की आबादी की लगभग 17,835 अनजुड़ी बसावटों को अगले तीन वर्षों में जोड़ा जाना प्रस्तावित है। डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना के अन्तर्गत चयनित समग्र ग्रामों एवं अनजुड़ी बसावटों को सम्पक्र मार्गों से जोड़ने हेतु रु0350 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। स्पेशल कम्पोनेंट प्लान में समग्र ग्रामों के अतिरिक्त 250 से अधिक की आबादी की बसावटें जिनमें 40 प्रतिशत या इससे अधिक अनुसूचित जाति/जनजाति की आबादी है को पक्के सम्पक्र मार्गों से जोड़ने हेतु रु0 400 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है।वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 में नाबार्ड योजना के अन्तर्गत 935 ग्रामीण सम्पक्र मार्ग स्वीकृत किए गए हैं। जिनकी लम्बाई एक हजार पांच सौ दो कि0मी0 एवं कुल लागत रुपया 603 करोड़ है यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में इस हेतु रुपया 290 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। जिला योजना के अन्तर्गत समस्त जनपदों में कार्य करने हेतु कुल रुपया 435 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। नक्सल योजना के अन्तर्गत नक्सल प्रभावित जनपदों में मार्गों के निर्माण हेतु कुल रुपया 50 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। प्रदेश में उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने एवं किसानों को कच्चा माल एवं अन्य उत्पाद

मंडी तथा शहरों में पहुंचाने की सुविधा देने के लिए व्यापार विकास निधि में रुपया 677 करोड़ का प्राविधान किया गया है। जिससे प्रदेश के महत्वपूर्ण मार्गों के चौड़ीकरण के लिये एवं सुदृढ़ीकरण तथा नये मार्गों का निर्माण किया जायेगा। यह प्राविधान मान्यवर विगत वर्ष 250 करोड़ था और इस वर्ष 677 करोड़ है। यह लगभग गतवर्ष की तुलना में पौने तीन गुना है। बुन्देलखण्ड एवं पूर्वांचल क्षेत्रों के विकास के लिये हमारी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। अन्य योजनाओं के साथ साथ पूर्वांचल विकास निर्धि एवं बुन्देलखण्ड विकास निधि की योजनाओं हेतु क्रमशः रुपये 253 करोड़ एवं रुपये 72 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। 13वें वित्त आयोग के अर्न्तगत बुन्देलखण्ड एवं पूर्वांचल क्षेत्रों के विकास हेतु रुपया 75 करोड़ की बजट व्यवस्था अलग से प्रस्तावित है। मान्यवर, प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों को चार लेन मार्गों से जोड़ने के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश के 75 जनपद मुख्यालय में से 28 जनपद पूर्व में चार लेन मार्गों से जुड़े हुए हैं तथा 28 जनपद भारत सरकार के अन्तर्गत आने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित हैं। 19 जनपदों में से 11 जनपदों में उकसा द्वारा एवं अवशेष 8 जनपदों में लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2012-2013 एवं 2013-2014 में कार्य कराया जायेगा। वर्ष 2013-2014 में इस हेतु रुपया 350 करोड़ का बजट प्रस्तावित है। मान्यवर, प्रदेश के समस्त राज्यमार्गों को कम से कम 7 मीटर चौड़ा करने एवं महत्वपूर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु इस वित्तीय वर्ष में विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कुल रुपया 1758 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। (मेजें थपथपाई गईं) मान्यवर, प्रदेश में पहली बार भारत नेपाल सीमा पर 640 किमी0 लम्बाई में मार्ग निर्मित करने के लिये रुपये 1600 करोड़ की गठित परियोजनाओं के सापेक्ष 248 किमी0 लम्बाई हेतु रूपया 704 करोड़ का अनुमोदन प्राप्त हुआ है जो इस क्षेत्र के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इस परियोजना हेतु रुपया 250 करोड़ तथा भूमि अध्याप्ति हेतु रुपया 20 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। तेरहवें वित्त आयोग के अन्तर्गत भारत एवं नेपाल सीमा क्षेत्र के विकास हेतु रुपये 62.50 करोड़ की बजट व्यवस्था अलग से प्रस्तावित है। मान्यवर, प्रदेश में 1.4.2012 को लोक निर्माण विभाग द्वारा अनुरक्षित सभी श्रेणी के मार्गों की कुल लम्बाई लगभग 194103 किमी0 है इसमें से 12500 किमी0 पूर्व निर्मित मार्गों का नवीनीकरण कराया जायेगा जिसके लिये रुपया 1956 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। मान्यवर, प्रदेश में वर्ष 2013-2014 में लोक निर्माण विभाग हेतु उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम द्वारा 100 सेतुओं का निर्माण पूर्ण कराया जायेगा जिनमें से 90 नदी सेतु एवं 10 रेलवे उपरगामी सेतु हैं। इस हेतु कुल रुपया 1110 करोड़ की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। मान्यवर, लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत ही प्रदेश में उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम एवं उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम भी कार्यरत् हैं अतः मैं इनके सम्बन्ध में भी आपके सामने अवगत कराना चाहूंगा। प्रदेश में सेतु निगम द्वारा सेतुओं के निर्माण कार्य, निक्षेप कार्यों के रूप में किये जाते हैं जिसके लिये धनराशि लोक निर्माण विभाग से प्राप्त होती है। 60 मीटर से अधिक लम्बाई से सेतुओं का निर्माण सेतु निगम द्वारा कराया जाता है। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा प्रदेश तथा देश के अन्य प्रदेशों में विभिन्न प्रकार के भवनों जैसे अस्पताल, इन्जीनियरिंग कालेज, बहुमंजिली भवन औद्योगिक परिसर स्टेडियम, बैराज विद्युत तापीय परियोजनायें, टाउनशिप आदि कार्यों को गुणवत्ता के साथ कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2013-14 में रुपया चार हजार करोड़ का लक्ष्य प्रस्तावित है। मान्यवर, मैंने संक्षेप में लोक निर्माण की नीतियों और

उपलब्धियों को, कार्यक्रमों को आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन के समक्ष प्रस्तुत किया है। मुझे विश्वास है कि कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में हमें सदन के सभी पक्षों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

(मेजें थपथपाई गईं।)

आपके माध्यम से मैं सभी मा0 सदस्यों से आग्रह करना चाहूंगा कि क्षेत्रों में लोक निर्माण विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर दृष्टि रखें क्योंकि जनप्रतिनिधियों की जागरुकता राजकीय संसाधनों के समुचित उपयोग की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। मैं आपके माध्यम से इस सदन के समस्त मा0 सदस्यों से अनुरोध करना चाहूंगा और वैसे मैंने प्रयास किया है कि जितने भी मा0 सदस्यों ने मुझे अवगत कराया और जो भी प्रस्ताव दिए हैं उन पर मैंने अमल किया है। और मैंने नौ महीने के अन्दर पैच रिपेयरिंग से लेकर गड्ढा मुक्ति का काम किया है। (मेजें थपथपाई गईं।) और बहुत शीघ्र ही, मैं उत्तर प्रदेश की सड़कें जो दूसरे प्रान्त हैं लगे हुए, उससे अच्छी सड़कें उत्तर प्रदेश की होंगी।

इसलिए मेरा प्रयास है। इन योजनाओं के साथ मैंने आपके सामने आज लोक निर्माण विभाग का बजट प्रस्तुत किया है। मैं चाहूंगा और सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध करूंगा कि इन अनुदान मांगों को एक मत से पारित कराने का काम करें।(मेजें थपथपाई गईं।)

श्री अध्यक्ष-

यह मद संख्या-6 बाद में रखा जाएगा।

संसदीय कार्य एवं नगर विकास मंत्री (श्री मोहम्मद आजम खां)-

जी।

श्री अध्यक्ष-

कटौती का प्रस्ताव सतीश महाना जी रखें।

* श्री सतीश महाना-

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या-54 लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) लेखा शीर्षक (2059- लोक निर्माण कार्य) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य- विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना।

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या-55 लोक निर्माण विभाग (भवन) लेखा शीर्षक (2059- लोक निर्माण कार्य, 2216-आवास, 4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय तथा 4216-आवास पर पूंजीगत परिव्यय) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य- विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना।

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या-56 लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) लेखा शीर्षक (4575- अन्य विशेष क्षेत्र कार्यक्रम पर पूंजीगत परिव्यय) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य-विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या-57 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन सेतु) लेखा शीर्षक (3054-सड़क तथा सेतु तथा 5054-सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य- विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना।

मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या-58 लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) लेखा शीर्षक (3054- सड़क तथा सेतु तथा 5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य- विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना।

अभी माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने अपना बजट रखते समय कुछ प्रमुख बातें बताईं। मैं इस बात को जानता हूं सभी इस बात को जानते हैं कि स्वाभाविक रूप से यह कहां जाता है कि -गुड रोड्स लीड टू प्रोग्रेस आफॅ दि स्टेट आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने भाषण में इस बात को और आगे बढ़ाते हुए कहां 'इफ यू कैन डबुल द स्पीड, यू कैन ट्रिपल द ग्रोथ', मान्यवर, कुछ अच्छी बातें होती हैं तो उसको कोड जरूर करना चाहिए। लेकिन मान्यवर, 5 साल में उस स्पीड को डबुल करने की इच्छाशक्ति है, सरकार में तो क्या आप इस बात को कहने के लिए तैयार हैं कि एक साल में 20 कि0मी0 प्रति 100 कि0मी0 के आधार पर हमने जो लक्ष्य था, उसको पूरा करने का प्रयास किया और हमको उसमें कितना एचीवमेण्ट हुआ। मान्यवर, 194103 कि0मी0 की सड़क पूरे प्रदेश में माननीय मंत्री जी ने बताई। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राजमार्ग, प्रमुख जिला मार्ग, अन्य जिलों के मार्ग और ग्रामीण मार्ग यह सब सम्मिलित हैं। विगत वर्ष 2012-13 का जो बजट माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने प्रस्तुत किया था, उसमें जो बजट का प्राविधान था, मैं उसकी ओर आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा। जिला योजना में 296 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया था और जो लिखकर दिया गया है, उसमें है कि 732 कि0मी0 सड़क बनी। मान्यवर, क्या अभी जिलों में पैसा गया है क्या और अगर जिलों में पैसा गया भी होगा तो इसी जनवरी, फरवरी में गया होगा। मान्यवर, 296 करोड़ रूपये जिला योजना में था, मेरी जानकारी के अनुसार इसमें 20 प्रतिशत भी काम नहीं हुआ है। समग्र ग्राम योजना के अन्तर्गत 10 करोड़ का प्राविधान था, प्रोग्रेस शून्य। स्पेशल कम्पोनेंट प्लान का भी माननीय मंत्री जी ने बताया है कि इस वर्ष उन्होंने 400 करोड़ की व्यवस्था की है, मान्यवर, 500 करोड़ की व्यवस्था पिछले वित्तीय वर्ष में भी थी, उसमें निर्मित किए जा चुके सम्पक्र मार्गों की जो रिपोर्ट आपने इसमें दिया है, उसमें लिखा है, शून्य। यह सरकारी रिपोर्ट है, जो मैं पढ़ रहा हूं। मान्यवर, लोक निर्माण विभाग के द्वारा जो कार्यपूर्ति-दिग्दर्शक प्रस्तुत किया गया है, उसको पढ़कर बोल रहा हूं। मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने अपने भाषण में शायद कहां है कि जिला योजना में 435 करोड़ रुपया की व्यवस्था की गयी है लेकिन 2013-2014 में जो प्राविधानित धनराशि है, वह 685 करोड़ रुपये लिखी है। पिछले वर्ष 296 करोड़ रुपये को आप खर्च नहीं कर पाये और इस वर्ष 685 करोड़ रूपये। इसी प्रकार स्पेशल कम्पोनेंट प्लान के अन्तर्गत 500 करोड़ रुपये, जिसका खर्चा शून्य, इस बार 400 करोड़ रुपये अतिरिक्त। मान्यवर, किस प्रकार का बजट देना चाहते थे कि केवल आंकड़े दिखाकर क्या अपनी बात को समाप्त कर लेना चाहते हैं ? केवल आंकड़े प्रस्तुत कर देने से सड़कें बनने वाली नहीं हैं। माननीय मंत्री जी, यह विभाग आपके पास पहली बार नहीं आया है, इस विभाग के सम्मानित मंत्री

आप पहले भी रह चुके हैं। सरकार के जो प्रमुख विभाग होते हैं, जिसमें प्रमुख रूप से काम होना होता है, विभाग तो सभी प्रमुख होते हैं लेकिन कुछ ऐसे विभाग होते हैं जिन पर स्पेसिफिक रूप से बल दिया जाता है जिसमें लोक निर्माण विभाग एक है और सरकार के जो वरिष्ठतम मंत्री होते हैं, उसको इसकी जिम्मेदारी दी जाती है कि यह महत्वपूर्ण विभाग है, वरिष्ठतम मंत्री इसको देखेंगे तो उसके ऊपर काम करके दिखायेंगे। लेकिन मान्यवर, क्या यही है प्रगति रिपोर्ट जो आपने दी है ? विगत वर्ष आपने कुल बजट 7355.863 करोड़ का प्रस्तुत किया था और आपने कुल व्यय 3136.241 करोड़ का दिखाया है, 40 प्रतिशत। मान्यवर, माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहां कि अगर खर्च नहीं हुआ तो अगले साल कर देंगे। क्यों नहीं हुआ। क्या कारण था। क्या सरकार और वक्रिंग एजेंसी के बीच में तालमेल नहीं है। मान्यवर, इस बात को माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि जिस समय जिलों में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से पूछा जाता है कि इसका प्रस्ताव आपने तीन-चार-पांच महीने पहले बना दिया था तो इस पर काम कब शुरू हो रहा है तो आपके विभाग के इंजीनियर्स के द्वारा दिया जाता है कि पत्रावली ऊपर भेजी गयी है जब वह स्वीकृत होकर आएगी तब होगा। जब मैंने उस पर पूछा कि जो पत्रावली स्वीकृत होने के लिए गयी है वह कब आएगी तो उन्होंने कहां कि आप तो समझते ही हो कि कैसे पत्रावली पास होती है वह जब आएगी तब आएगीं। भई, इसका क्या मतलब है। एक विभाग के इंजीनियर को यह कहने का साहस क्यों हो रहा है। मैं इस बात को बड़ी प्रमाणिकता और वेदना के साथ कहता हूं कि कोई भी अधिकारी किसी भी सम्मानित विधायक के सामने दूसरे की बुराई करता है तो वह आपका सम्मान कभी भी नहीं कर सकता है। उनको इस बात की नकेल कसनी पड़ेगी और मान्यवर, वह नकेल कसने में आप सक्षम हैं। अपनी बात कह देने से समाप्त कर देने मात्र यहां तक बात नहीं रह जाती है। अगर हम कहते हैं कि अगर राज्य की प्रगति करनी है तो सही तरीके से उस पर काम करना पड़ेगा। मा0 मंत्री जी ने अपने भाषण में कहां कि भारत सरकार सहयोग नहीं कर रही है। केन्द्र सरकार को जब आप चाहते हैं सहयोग करते हैं और वह आपका सहयोग ले लेती है। लेकिन वह आपका सहयोग नहीं कर रही है। यह तो बड़ी आश्चर्यजनक बात है। केन्द्रीय सड़क निधि एवं इंटर कनेक्टिविटी योजना के अंतर्गत विगत वर्ष केन्द्र सरकार के द्वारा 184 करोड़ 76 लाख रुपये अवमुक्त किये गये थे। आप उसको खर्च नहीं कर पाये हैं। आपने 117 करोड़ रुपया खर्च किया है। और आप कहते हैं केंद्र सरकार सहयोग नहीं कर रही है। मैं एक बात सरकार से पूछना चाहता हूं कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी, आदरणीय संसदीय कार्यमंत्री जी आदरणीय मंत्री जी भी इस बात को कहते हैं कि यह यहां पर हैं नहीं, नहीं तो यह कुछ दिला सकते थे। मंत्री जी क्या आप समझते हैं कि इनके कहने से कुछ मिल जाएगा। आपको लगता है कि यह जाकर वहां कह देंगे कि इतने हजार करोड़ रूपये दे दीजिए और वह कहेंगे कि हमारे विधान मण्डल दल के नेता ने कहां तो हम भेज देते हैं। क्या यह संभव है। यह नहीं हो सकता है। आप सक्षम हैं जब आप चाहेंगे तो लेकर आ जायेंगे। जब चाहा है तब आपको मिला है। इसके लिए भी चाह लीजिए आपको मिल जाएगा। और कोई किसी पर अहसान नहीं कर रहा है। हम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोग पेट्रोल और डीजल में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले लोग हैं। हमारा अधिकार है। यह कहेंगे तब भी लेंगे यह नहीं कहेंगे तब भी लेंगे। यह सरकार सक्षम है। माननीय मंत्री जी पहली बात आपने कही कि भारत सरकार सहयोग नहीं कर रही है। दूसरी बात आपने कही कि बिगड़ा माहौल आपको मिला

है। और बिगड़े माहौल में वहां पर कमीशन था, बेईमानी थी। यह बात आज आप नहीं कह रहे हैं। वर्ष 2008 में जिस समय आपने लोक निर्माण विभाग के बजट पर कटौती का प्रस्ताव रखकर एक रुपया मांगा था उस समय आपने कहां था। बहुत सारी बातें कहीं थीं। मैं एक-दो बातें पढ़ देताहूं। आपने कहां कि अधिष्ठाता महोदय, कोई भी किसी दल का रहा हो, सबको कह दिया गया कि 50 प्रतिशत। मान्यवर, यह आपका भाषण पढ़ रहा हूं, पचास परसेण्ट, आज तो फिफ्टी-फिफ्टी परसेण्ट हो रहा है और जब भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगायेंगे तो कितनों को जेल भेजा आपने बता दीजिए, आपने इनसे पूछा, भ्रष्टाचार पर आपने कितने लोगों को जेल भेज दिया, आप यह बता दें, आपने कहां कि मैं उदाहरण देना चाह रहा हूं कि मैनपुरी में करहल से किशनी रोड स्वीकृत हुई थी, बहुत दौरा किया है आपने, इस सड़क पर नौ करोड़ रूपये खर्च हुए। हमने उस इंजीनियर को जेल भिजवा दिया था, जेल से छूटने के बाद अगर आप दिखवा लें, तो एनेक्सी, पी0डब्ल्यू0डी0 के कहीं न कहीं, किसी न किसी अधिकारी या मिनिस्टर के यहां बैठा हुआ, उनके आफिस में बैठा हुआ दिखाई देगा। 09 करोड़ रुपया खर्च हो गया और वह रोड बनी नहीं, यह आपने कहां। जो बात आपने यहां पर बैठ कर कही थी, तो जब आपको वहां पर जाने का मौका मिला तो एक साल में आपके द्वारा कही गई बातों के ऊपर मान्यवर, कितनी जगह आपने जांच कराई और कितनों को आपने जेल भेज दिया। अगर आपकी बात सही थी, आपने तब भी यहां कहां था बैठकर और आज फिर आपने उस बात को दोहराया, एक साल का कार्यकाल, जिन सड़कों के बारे में आपने बहुत सारी ऐसी सड़कें बताईं, मैं सबका संज्ञान लूं ऐसा सम्भव नहीं है, दो-चार के बारे में मैंने आपको बताया है। आपने कहां कि उस समय जमुना पुल बनना था, पांच लाख रूपये का काम हुआ था, पेमेण्ट उसमें हुआ साठ लाख रुपये का, यह आपने ही कहां था। जो बातें मा0 नेता प्रतिपक्ष के रूप में आपने यहां पर कही थी, लोक निर्माण विभाग के बारे में क्या आपने सरकार में आने के पश्चात् उन्हीं बिन्दुओं के ऊपर जांच करा कर क्या उनके ऊपर कार्यवाही की। यदि की हो तो बता दीजिए, यदि नहीं की, तो क्या आप उसी लाइन पर चलना चाहते हैं। बहुत गम्भीर बात है मान्यवर, आरोप लगा देना और आरोप लगा कर सिद्ध कर देने के बाद जब आपको अवसर मिलता है तो आप उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं करते। आप क्या संदेश देना चाहते हैं ? आपको संदेश देना चाहिए था, तत्काल बरखास्त कर के। एक साल का समय बहुत होता है, नौ महीने में बहुत कुछ हो जाता है, आपको तो एक साल का समय मिला है। मार्च आ गया दोबारा, क्यों नहीं किया आपने। आप मान्यवर, बात करते हैं, टूटी-फुटी सड़कों की, आपने कहां कि बहुत ठीक करा दिया। पिछली बार इसी विधान सभा में लोक निर्माण विभाग का बजट प्रस्तुत करते हुए हम सबके निवेदन के ऊपर आपने कहां था कि 20-20 किमी0 बता दो, जहां-जहां होगा, पैच करवा देंगे। पैच करवा देने के बारे में आपने बोला था, नई सड़क निर्माण के लिए नहीं बोला था। सबने दी थी कि नहीं दी थी, मुझे नहीं मालूम, मैंनें दी थी, लेकिन एक किमी0 भी नहीं हुआ। पैच आप एक किमी0 भी नहीं करवा पा रहे हो और आप कह रहे हो कि पूरी रोड्स बना दीं, प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा दिया, सारी सड़कें गड्ढा मुक्त हो गईं। आप कह रहे हैं कि गड्ढा मुक्ता हो गईं तो क्या आप बनारस से गोरखपुर अपनी गाड़ी से जा सकते हैं । एक बार चले जाइये। क्या यह संदेश देने के लिए तैयार हैं। जो बात मैं कह रहा हूं उसके ऊपर मा0 मंत्री जी जो इधर बैठे हैं शिक्षा देते हैं।

*बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री रामगोविन्द चौधरी)-

मान्यवर मैंनें कहा कि जो कटौती का प्रस्ताव करते हैं, जिसमें यह कहां जाता है कि सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य-विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना। यह बिल्कुल दिया जाता है, कटौती करने वाला इस बात को कहता है, तभी पूर्ण कटौती होती है। यही मैंने कहां था।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य भाषण को जरा संक्षेप में करिये, अभी बहुत लोग भाषण देने वाले हैं।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, यह बहुत महत्वपूर्ण विभाग है और अभी तो दो ही बजे हैं, मान्यवर बजट का सत्र तो आठ-आठ, नौ-नौ, बजे तक चलता है।

श्री अध्यक्ष-

अरे वह चले, हमें इसकी चिन्ता नहीं है, लेकिन आप सबसे पहले खिसकते हैं।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं, मैं आपकी पीड़ा को समझ सकता हूं। मान्यवर, आपने कहां कि व्यापार विकास निधि के अन्तर्गत 677 करोड़ रुपये देंगे तो इसके ऊपर आपने कुछ न कुछ व्यापार विकास निधि जिससे व्यापार बढ़े, इण्डस्ट्रीज बढ़ें, उन क्षेत्रों के इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारे में सोचा होगा। मान्यवर, आपको ऐसे कौन कौन से एरिया लगते हैं कि ये इण्डस्ट्रियल एरियाज़ हैं और जहां पर पी0डब्ल्यू0डी0 द्वारा ये सड़कें बनायी जायेंगी जिसके ऊपर आपने 677 करोड़ रुपये का प्रॉविजन किया है। मान्यवर, भ्रष्टाचार की बात मैंने आपको बतायी। मान्यवर, मैं एक बात कहना चाहता हूं और बड़े विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत सन् 2000 में ये चालू हुआ था। मान्यवर, मैं, मेरे पिता जी, मेरे बाबा, मैंने भी वो इतिहास पढ़ा था और मेरे बेटे ने भी वो इतिहास पढ़ा होगा कि इस देश में कलकत्ता से लेकर लाहौर तक 1500 मील की सड़क, 1500 माइल्स की सड़क एक व्यक्ति ने बनायी थी जिसका नाम था शेरशाह सूरी और सदियों से, पीढ़ियों से हम उसको पढ़ते चले आये लेकिन सन् 2000 के दशक में इस भ्रान्ति को समाप्त करके इस देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने इस देश में 15000 किलोमीटर सड़क बनाने का काम किया। इस देश को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने के लिये इस देश के सन्तों, महापुरुषों ने काम किया होगा, सूफी सन्तों ने किया होगा लेकिन इस देश को पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक नेशलन क्वाड्रेंगिल से जोड़ने का काम उन्होंने किया और वहीं से निकल कर आयी थी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना। मुझे इस बात को कहते हुये प्रसन्नता होती है कि वर्तमान सरकार केन्द्र ने उसको प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के स्थान पर अटल बिहारी ग्रामीण सड़क योजना ऐसा प्रस्ताव उन्होंने किया। ऐसा कोई काम क्या हम कर सकते हैं। क्या हम इस प्रकार से कह सकते हैं कि हर गांव को सड़क से जोड़ने की जो योजना तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई द्वारा की गयी थी। हम उसी प्रकार का मॉडल प्रदेश के अन्तर्गत खड़ा करके दिखायेंगे। ये कहां जा

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सकता है, कहिये। आप अच्छी सड़कों के बारे में बताइये कि एक वर्ष के अन्तर्गत हमने ये टारगेट लिया है, अगले फाइनेंसियल इयर में हम यह टारगेट ले लेंगे। हर वर्ष का आप कोई न कोई लक्ष्य निर्धारित करने का काम करिये। मान्यवर, मार्गों के अनुरक्षण के बारे में, मान्यवर, जो छोटे से स्मॉल रिपेयर्स होते हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, मैं समाप्त करता हूं, आपका आदेश है, विषय बहुत हैं।

श्री अध्यक्ष-

फिर एक बार आपको मौका मिलेगा।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, मैं अपनी बात दो मिनट में समाप्त करता हूं। दो मिनट आप मुझे दे दें। मान्यवर, गड्ढामुक्त सड़कों का काम लीजिये। आपने कहां और फिर मैं आप ही का भाषण पढ़ूंगा पिछला वाला तो फिर आपको कुछ ध्यान दिलाने का प्रयास करूंगा। आपने अपने इस भाषण में कहां था, यहां पर बैठकर जो आपने बोला था, इसके पहले वाले कालखण्ड में आप लोक निर्माण मंत्री थे, आपने बोला था। आपने कहां, आपने आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने कहां कि हम जब वहां थे तो हमने विधायकों को इतनी इतनी सड़क बनाने के लिये दीं। आपने कहां, आप कब दोगे। मान्यवर, आपने जो यहां पर कहां था तो फिर वहां बैठकर कर दीजिये। जो आप सुझाव देते हैं, मैं सुझाव वही दे रहा हूं जो आपने दिये थे और आप अपने द्वारा दिये गये सुझाव का इम्प्लीमेण्टेशन करा दें। मान्यवर, मेरा आपसे यही निवेदन है। मान्यवर, मैंने जो कहां है कि अगर सड़कें बनेंगी और लोक निर्माण विभाग बहुत महत्वपूर्ण विभाग है। मान्यवर, उन महत्वपूर्ण विभागों पर आपने अपनी बात रखी है। मान्यवर, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि बहुत सारी बातें अच्छी नहीं लगतीं, मैं भी इस सदन का सदस्य हूं, मेरा यह सौभाग्य है कि मैं कई वर्षों से यहां पर हूं। ये जो एक लिस्ट चलती, मिनिस्टर्स और अधिकारियों की तो ये क्यों है। मेरे को एक वरिष्ठ व्यक्ति ने कहां, किसी का नाम लेने की जरूरत नहीं है, उन्होंने कहां कि मंत्री जी की और उनके विभाग के फलां-फलां अधिकारी की आपस में बन नहीं रही है। क्यों नहीं बन रही है ? उसका साहस कैसे हो सकता है कि आपके साथ न बनाये, उसको हटाने की बात होती है। मान्यवर, मजबूत सरकार के मजबूत मंत्री के रूप में आप हैं, आपकी किसी भी प्रकार की कोई मजबूरी नहीं होनी चाहिए, इसलिए मान्यवर, हम आपसे कहना चाहते हैं। आपने कहां कि बारिश आ गई, सर्दी आ गई थी, अच्छा हुआ कि आपने यह नहीं कहां कि बीच में गर्मी भी आ गई। बारिश आएगी, सर्दी आएगी या गर्मी आएगी इन तीन बातों के अलावा और कोई चौथी बात होगी नहीं। बीच में, पतझड़ में ही सब कुछ होगा, मुझे लगता है। पतझड़ का इंतजार कर रहे है आपने मान्यवर, कुछ गांव के बारे में कहां कि इतनी आबादी के इतने गांव कुछ बने, स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के बारे में आपने कुछ कहां, मान्यवर। मान्यवर, मैं केवल आपसे इतनी बात कहकर कि आपका जो यह बजट है, इसमें कहीं-न-कहीं सड़कें दिखाई पड़ी, सड़क को देखने के लिए कहीं

जाने की जरूरत नहीं पड़ती, हम लोग जब चलते हैं, सड़कों के ऊपर, वह दिखायी पड़ती हैं। उत्तर प्रदेश के वर्तमान परिस्थितियों में आज बहुत सारे, हम सब लोगों को, उत्तर प्रदेश वालों को तो है ही अपेक्षा, और भी लोगों को है, उन अपेक्षाओं को पूरा करने की जिम्मेवारी आपकी है, हमारी नहीं है। उस जिम्मेवारी को आप पूरा करें और उत्तर प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत, जो भी सड़कें हों, जरा सब तरफ आप चिंता कर लेंगे तो आपकी कृपा होगी। आपके बाये बैठे हुए मा0 मंत्री जी भी, आपके बाये और उनके दाहिने, बिना आपके बात किए मेरी बात पूरी होती नहीं है, मा0 मंत्री जी, पता नहीं क्यों। सारी-की-सारी सड़कों की मान्यवर, आप थोड़ी चिंता करेंगे और जो आपने अपना विगत वर्ष जो बजट प्रस्तुत किया था, उसके अंतर्गत जो कमियां रह गई होंगी, इस वर्ष, अगले वर्ष, आने वाले वर्ष के बाद जिस समय हम बजट भाषण आपका सुने तो उस समय मान्यवर, एक सेन्टेनस न हो कि पिछले पांच वर्ष में सब कुछ हो गया था, गड़बड़ हो गया था, भ्रष्टाचार हो गया था, गड्ढ़े हो गए थे, लूट हो गई थी, घसोट हो गई थी, मान्यवर, यह मत बोलिएगा। ये बताइएगा कि दो साल के अन्तर्गत आपने क्या किया उनके पापों के लिए, क्या सजा दी आपने, अगर किसी ने किया है तो मुझे नहीं मालूम, किया है कि नहीं किया, आप बताइंगे, आप सरकार में बैठे हैं, आप बताइंगे, मैं नहीं कह रहा हूँ। उनके बारे में आप ने क्या किया और आपने इन दो वर्षों के अन्तर्गत उस डबल स्पीड का, जिसको मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहां है कि डबल हो जाएगी, तो प्रदेश की प्रगति तीन गुना हो जायेगी। 20-20 प्रतिशत के हिसाब से, दो वर्ष जब हो जाएंगे, अगर 100 किलोमीटर का आप 140 किलोमीटर स्पीड करने में सफल होंगे तो हम मानेंगे कि आपके द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट जनहित में है। मान्यवर, इतनी बात कहकर मैं अपने कटौती के प्रस्ताव को बल देता हूं।

*श्री नारद राय-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से मा0 लोक निर्माण मंत्री द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट का बिन्दुवार समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मा0 अध्यक्ष जी, यह बात सही है कि किसी भी प्रदेश को विकसित करने के लिए, विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए, वहां की सड़कें, वहां के पुल का इंतजाम होना बहुत ही जरूरी हुआ करता है। दुःख के साथ इस बात को सदन में कहना चाहता हूं कि आजादी के इतने दिन बीत जाने के बाद भी उत्तर प्रदेश के विकास के लिए जो इंतजाम किए गए, वह नाकाफी थे और उसी का नतीजा था कि आज उत्तर प्रदेश विकास में पीछे छूट गया है।

(इस समय 2 बजकर 12 मिनट पर अधिष्ठाता प्रो0 शिवाकान्त ओझा पीठासीन हुए।)

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं बधाई देना चाहूंगा आदरणीय लोक निर्माण मंत्री जी को, जिन्होंने एक बहुत-ही बढ़िया प्रयास किया और सदन में इस बात को रखने का काम किया। बजट में प्राविधान किया। आजादी के बाद बहुत-से ऐसे गांव, बहुत-से ऐसे पुरवे थे, जो मुख्यमार्ग से नहीं जुड़े थे, जहां सड़कें नहीं थी, चलने के लिए, जहां बरसात की बात तो छोड़ दीजिए मा0 अधिष्ठाता महोदय, आम दिनों में भी, लोगों को जाने के लिए पानी के रास्ते से गुजर करके जाना पड़ता था। मैं बधाई देना चाहता हूं, लोक निर्माण मंत्री जी को कि उन्होंने बजट में प्राविधान करने का काम किया है और उत्तर प्रदेश के सम्पूर्ण उन गांवों को जिन गांवों को आज तक सड़क से जड़ने का मौका नहीं मिला, वहां पर

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सड़क बनाने का और पुल बनाने का निर्णय लेने का काम किया है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, बधाई देना चाहता हूं मैं मा0 मंत्री जी को कि इन्होंने जो पिछली सरकार में कमीशनखोरी, बेईमानी और लूट का अड्डा बना हुआ था विभाग, जहां पर कोई कार्य नहीं होता था, सिर्फ समझौता होता था, सिर्फ कमीशनखोरी होती थी, सिर्फ लूट होती थी, उस पर सिर्फ जुबानी रोक लगाने का काम नहीं किया। मान्यवर, अखबारों में और टी0वी0 में सिर्फ बयान देकर, रोकने का काम नहीं किया बल्कि इसका इन्तजाम करने का भी काम किया है। यह कहां है कि जो बैइमान अफसर होंगें, लुटेरे होंगें और जो कामचोर होंगें, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। और उन्होंने जांच कराकर सैकड़ों ऐसे अफसरों को सस्पेन्ड करने का काम भी किया है। मेंजो की थपथपाहट। मान्यवर, पिछले पांच साल में इस विभाग में जो स्थिति बनी वह यह थी कि लोग काम नहीं करना चाहते थे सिर्फ कमीशन खाना चाहते थे। उन पर रोक लगाने का काम माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने किया है। मैं बधाई दूंगा माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को उन्होंने जो बजट प्रस्तुत किया है उसका समर्थन मैं इसलिए करना चाहता हूँ कि आपने इस विभाग में ऐतिहासिक काम किया है और प्रदेश में सौ सेतुओं को निर्मित करने का निर्णय लिया हैं। मैं इसके लिए आपको साधुवाद देना चाहता हूं। मान्यवर, इस विभाग में एक बिगड़ा हुआ माहौल था जिसका जिक्र महाना जी ने भी करने का काम किया है। उस समय अधिकारियों और कर्मचारियों में काम करने की प्रवृत्ति घट गयी थी और उसी का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश इतना पिछड़ गया है। मान्यवर सरकारें आती हैं और जाती है लेकिन जो सरकार के निर्णय होते हैं। और जिनसे प्रदेश प्रगति के रास्ते पर जाने का काम करता है उसको पिछली सरकार में रोकने का काम किया गया। योजनाओं को बन्द करने का काम किया गया। जबकि उन योजनाओं को गति देने का काम सरकार द्वारा किया जाना चाहिए था। मान्यवर, पिछली बार माननीय मुलायम सिंह यादव जी के नेतृत्व में हमारी सरकार बनी थी उन्होनें जो योजनायें हाथ में लीं उसको बहुजन समाज पार्टी की निक्म्मी सरकार ने रोकने का काम किया और उत्तर प्रदेश को पीछे ढकेलने का काम किया गया। माननीय मुलायम सिंह यादव जी के सरकार में भी माननीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी लोक निर्माण मंत्री थे, और उन्होंने कई अच्छे निर्णय लिए थे। मान्यवर, जब हम लोग पढ़ते थे तब देखते थे सड़कों पर रोलर और डम्पर चला करते थे। और उस पर पी0डब्लू0डी0 लिखा होता था। फिर धीरे-धीरे सारी मशीनरी फेल हो गयी और विभाग कोई काम नहीं करता था दूसरों से कराने लगा। मैं दावे के साथ कहना चाहता हूं कि समाजवादी पार्टी की वर्ष 2003 में गठित सरकार से पहले पी0डब्लू0डी0 विभाग में कोई भी आदमी मेहनत के साथ काम नहीं करता था। सिर्फ दूसरों से काम कराना और कमीशन लेने का काम होता था। जब से माननीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी इस विभाग के मंत्री हुए हैं तब से एक निर्णय लेकर उन्होंने इस विभाग की छवि उज्जवल करने का काम किया है। और उन्होंने यह निर्णय लिया कि विभाग द्वारा भी काम कराया जायेगा। जो अधिकारी खाली बैठे हैं उनको काम पर लगाया जायेगा। उन्होंने निर्णय लिया है कि इस विभाग के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में काम को गति देने के लिए, गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए तेजी से काम किया जायेगा। मान्यवर, जब माननीय मुलायम सिंह यादव मुख्य मंत्री थे तो यह कहां था कि सभी सड़कों को गड्ढ़ामुक्त बनाया जायेगा। लेकिन बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि सरकार बदल गयी और जो डाक-बंगले आदि बनने का निर्णय हुआ था वह बी0एस0पी0 सरकार आते ही पलट दिया और योजनाओं को रोक देने का काम

किया गया। मान्यवर इस विभाग की अरबों रुपयों की मशीने सड़ती रही वहां अधिकारी जो तैनात थे वह काम चोर हो गये और जिसकी सूरत बदलने के लिए माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने इशारा किया है और उस पर कटौती रखने का काम महाना जी ने किया है। यह सही है कि बिगड़ा हुआ माहौल मिला था उसको ठीक करने का काम हमारी सरकार कर रही हैं। मान्यवर पिछली सरकार में जो कुछ भी हुआ उसको साल भर लग रहा है हमारी सरकार को ठीक करने में। इनको तो उसका खामियाजा तो भुगतना ही पड़ा है। मैं बधाई दूंगा माननीय मंत्री जी को जिन्होने उत्तर प्रदेश की सारी सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने का निर्णय लिया है और इस पर काम चल रहा है। मान्यवर, आप सुन लें जब सड़कों पर गडढ़े दिखेंगें तभी तो उन्हें गड्ढ़ामुक्त बनाने का काम किया जायेगा। पिछले पांच साल में बी0एस0पी0 सरकार के लोग कहते रहे इस बारे में लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया और चले गये। बी0जे0पी0 के समय में कलराज मिश्रा जी ने लोक निर्माण मंत्री रहते हुए, गड्ढ़ामुक्त सड़कों को बनाने का वादा किया था, लेकिन वह गड्ढायुक्त सड़के छोड़कर चले गये। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि हम अपनी प्रदेश के सड़को को गड्ढ़ामुक्त बनायेंगे। हमने जो गड्ढ़ामुक्त सड़के बनाई उस सड़कों को 5 साल में बहुजन समाज पार्टी ने गड्ढ़े में तब्दील कर दिया था। गुड्ढ़ामुक्त सड़के जो बनने लायक थीं माननीय महाना जी वह बनी लेकिन जो गड्ढ़े में सड़क थी उसको बनाने के लिए बजट का प्राविधान कर दिया और मैं बधाई देना चाहता हूं लोक निर्माण मंत्री जी को, इन्होंने दावे के साथ कहने का काम किया है जिस बात की तरफ आपने इशारा किया है अगली बार बजट के समय हम लोग किसी पिछली सरकार का जिक्र करने का काम नहीं करेंगे बल्कि अपने किये हुए कार्यो को बतायंगे और 2014-15 में जो कार्य करेंगे उसकी योजना को बतायेंगे। मान्यवर, आजादी की लड़ाई में बलिया का बहुत बड़ा योगदान है। आजादी की पहली चिंगारी बलिया से निकली थी और आजादी की लड़ाई में अगली कतार में खड़े होकर के लोगों ने आहुति देने का काम किया था। लेकिन आजादी के बाद हुक्मरानों ने जो दिल्ली की सियासत में बैठने का काम किया लगातार 35 साल 40 साल सियासत में बैठने का काम किया उन लोगों ने मंगल पाण्डे और चित्तू पाण्डे को भुला दिया। वैसे भी बलिया टेल पर बसा हुआ जिला है। जब कभी भी समाजवादी पार्टी की सरकार बनी, माननीय मुलायम सिंह यादव जी मुख्य मंत्री बने तो उन्होंने बलिया की तरफ दृष्टि दौड़ाने का काम किया, विकास करने का काम किया लेकिन जैसे ही सरकार चली जाती है विकास बलिया का अवरूद्ध हो जाता है और यही कारण है कि आज बलिया की जो हालत है वह बद से बदतर होती चली जा रही है। मैं बधाई देना चाहता हूं माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को जिन्होंने हमारी आबरू बचाने का काम किया है। जिन्होंने बलिया की आबरू बचाने का काम किया। 5 साल में बहुजन समाज पार्टी सरकार ने बलिया में कागज पर अरबों रुपया खर्च किया होगा लेकिन बलिया की आबरू बचाने का काम नहीं किया। कभी जमाना था जब बलिया से लोग बिहार में प्रवेश करते थे तो कहते थे कि लगता है बिहार आ गया । टूटी हुई सड़के दिखाई देती थी 5 साल के आपके कार्यकाल का नतीजा था कि अब जब उत्तर प्रदेश से लोग आते हैं तो पिछले वाले बिहार की तरफ से देखने का काम करते हैं। अब लोग कहते हैं कि उत्तर प्रदेश बिहार हो गया क्योंकि एक रूपया भी बलिया में और खास तौर से जितने उत्तर प्रदेश को बिहार से जुड़ने वाली सीमाएं हैं उस पर कोई कार्य नहीं किया गया और नतीजा हुआ मैंने कहां कि हमारा स्वाभिमान घटाया। माननीय अधिष्ठाता महोदय, हम लोगों का शादी विवाह बिहार में ज्यादा होता है

अब तिलकहरवे नहीं आ रहे हैं। क्योंकि 5 साल में बहुजन समाज पार्टी ने सड़क की जगह पर गड्ढ़ा बना दिया तिकहरू आयें तो कैसे आये। मैं बधाई देना चाहता हूं अपने माननीय शिव पाल जी को कि इन्होंने लालगंज से जो बिहार से जैसे ही नदी पार होते हैं लालगंज से जो बलिया का सिकन्दरपुर का इलाका है वहां तक सड़क बनाने का प्रस्ताव पास किया है इसके लिए मैं बार-बार इनका अभिनन्दन करता हूं स्वागत करता हूं। मान्यवर, बलिया जनपद पिछड़ा है उसको पिछड़ा नहीं रहना चाहिए। मैं बधाई देना चाहता हूं माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को, इन्होंने हम लोगों को भरोसा दिलाया है बिहार से जुड़ने वाला बलिया जिला पुलों से तो जुड़ा हुआ है बिहार से लेकिन उसका लाभ बलिया को नहीं मिलता है। किसी भी शहर को अगर दूसरे स्टेट से जोड़ा जाता है तो उस शहर का विकास होता है, बगल के प्रदेश का विकास नहीं होता। बगल के प्रदेश का विकास नहीं होता। उदाहरण के तौर पर कहना चाहता हूं कि किसी जमाने में बिहार को जोड़ने के लिये बलिया के भरौली से बक्सर का पुल बना, माननीय ओम प्रकाश सिंह जी। बक्सर में फाइव स्टार होटल बन गया, बक्सर का विकास हो गया, क्योंकि वह जिला था लेकिन बलिया का हिस्सा उजियार भरौली आज भी पलानी में रहने को लोग विवश है। हमने माननीय मुख्यमंत्री जी से भी मांग किया था और माननीय मुख्य मंत्री जी चुनाव से पहले वहां गये थे, आदरणीय पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी भी एक बार उपचुनाव में गये थे और इन्होंने कहां कि बड़ा वीरान इलाका है, आपका पुल क्यों नहीं बना, इसके लिये नारद राय जिम्मेदार हैं। मैं माननीय पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि बलिया के विकास के लिये गंगा नदी पर और घाघरा नदी पर पक्का पुल का निर्माण कराने की कृपा करेंगे, इन्होंने भरोसा दिया है और आश्वासन देने का भी काम किया है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, स्वर्गीय चन्द्रशेखर जी और तत्कालीन राज्यपाल आदरणीय रोमेश भंडारी जी ने गाजीपुर-हाजीपुर के एन0एच0 पर बाईपास के लिये शिलान्यास करने का काम किया था। मैं आग्रह करना चाहता हूं, काग्रेंस पार्टी के लोग भी बैठे हैं कि रोमेश भंडारी जी गर्वनर थे और माननीय चन्द्रशेखर जी देश के गौरव थे, उन दो लोगों के नाम का जो पत्थर लगा हुआ है बलिया में एनएच0 बाई पास का, वह अपने भाग्य को रो रहा है। मैनें माननीय पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी से आग्रह किया था लेकिन वह सड़क एन0एच0 की है, इसलिये मैं काग्रेंस पार्टी के लोगों से भी आग्रह करना चाहता हूं कि हमारे नेता चन्द्रशेखर जी के नाम से जो बलिया में गाजीपुर से हाजीपुर बाईपास का पत्थर लगा था, उसका निर्माण कराने में सहयोग करने का काम करें । माननीय अधिष्ठाता महोदय, एक अनुरोध माननीय पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी से करूंगा, हमारे महाना जी इसमें कटौती का प्रस्ताव ला दिये, यह भी शहर के रहने वाले हैं वह भी नगर विकास राज्य मंत्री रहे हैं और मैं भी नगर विकास राज्य मंत्री रहा हूं। शहरों की सड़कों की हालत बहुत खराब है । मैं बधाई देना चाहता हूं आदरणीय शिवपाल सिंह जी को, जो पिछले कार्यकाल में इन्होनें शहर की सड़कों को बनाने के लिये पैसा देने का काम किया था, लेकिन बहुजन समाज पार्टी ने उसमें व्यवधान डाल दिया। बहुजन समाज पार्टी ने यह आदेश कर दिया कि अब सड़कें जिसकी होंगी, वही बनाने का काम करेगा। अगर हम लोग पी0डब्लू0डी0 से आग्रह करके पैसा भी ले जाना चाहें तो शहर की सड़कों पर पैसा नहीं जा सकता। मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि इस आदेश को निरस्त करने का काम कीजिये, जिस तरह से उस जमाने में एन0ओ0सी0 लेकर नगर निगम से, नगरपालिका से शहर की सड़कों को भी पी0डब्लू0डी0 से बनाया जाता था, फिर उस काम को शुरू करने का प्रयास

किया जाये, मैं इस काम को करने के लिये माननीय मंत्री जी की सराहना करना चाहता हूं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, बहुजन समाज पार्टी के जमाने में समाजवादी पार्टी के द्वारा निर्माण होने वाले सारे कार्य रोक दिये गये, दर्जनों पुल और सैकड़ों सड़कों का काम छोड़ दिया गया, इससे सिर्फ वित्तीय नुकसान ही नहीं हुआ बल्कि लोगों का आना जाना भी दुर्लभ हो गया। मैं पी0डब्लू0डी0 मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि हमारे जो पुल बनाये गये थे उस पर पत्थर लगाया, लेकिन जिस तरफ काम चल रहा था उसको रुकवा देने का काम किया गया, वहां से मशीनें मंगा ली गयीं, वहां से पैसा वापस करा लेने का काम बहुजन समाज पार्टी के लोगो ने किया। लेकिन हमारे माननीय मंत्री जी ने उन पुराने कार्यो को शुरू कराने का काम किया, नये कार्य भी कराने का काम किया है तो जो पाप बहुजन समाज पार्टी ने किया था, उस पर पैसा लगाकर छोड़ दिया था, उन योजनाओं को भी हमारे मंत्री जी ने पैसा देने का काम किया है। माननीय मंत्री जी ने उन योजनाओं को भी चालू रखने का काम किया है और बार-बार विपक्ष के लोग जिस सवाल को उठाने का काम करते हैं, माननीय महाना जी 5 साल तक आप रहे, हम लोग नहीं रहे। एक मीटर भी सड़क आपके पैड पर लिख दी गयी हो और बन गयी हो तो हम गुलामी लिखवा लेंगे। नही बनी, लेकिन अपने दिल पर हाथ रखकर विपक्ष के विधायक लोग देखें माननीय शिवपाल सिंह जी के बगल में मैं बैठा रहता हूं देखता हूं कि कभी भाजपा के, बसपा के, कांग्रेस के लोग अपनी दरख्वास्त लेकर आते हैं और माननीय मंत्री जी उस पर आदेश करते हैं कि तत्काल पैसा उपलब्ध करायें। इस बात के लिए मैं माननीय मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि सड़क किसी जाति के लिए नहीं होती है और सड़क किसी पार्टी के लिए नहीं होती है। सड़क पर सभी जाति और सभी पार्टी के लोग चलते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करें।

श्री नारद राय-

माननीय अधिष्ठाता जी, पुनः मैं माननीय लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट का बिन्दुवार समर्थन करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं।

कुंवर कौशल सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा गोरखपुर से नेपाल की तरफ। मान्यवर, जो लुम्बिनी को रोड जाती है, यह आज से बीस साल पहले रोड बनाई गई थी जो वर्तमान में उखड़ चुकी है और 90 किलोमीटर की रोड है। हालात यह हैं कि उसका टेण्डर भी हो चुका है और आज 6 महीने हो गये टेण्डर हुए किन कारणों से अधिकारी उस पर काम नहीं करा रहे हैं और किन कारणों से काम नहीं हो रहा है यह मुझे नहीं मालूम लेकिन ऐसी दशा में जब विदेशों से लोग आते और जाते हैं तो हमेशा कोसते हैं और कभी-कभी बौद्धिष्ट या अंग्रेज उस रोड की फोटो खींच लेते हैं कि हम कहां आ गये। हम दूसरी तरफ माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहेंगे कि लुम्बिनी से नौतनवा की दूरी 10 किलोमीटर है और नौतनवा से कुशीनगर जो रास्ता जाता है उसकी कुल दूरी 125 किलोमीटर है। अभी बौद्धिष्ट परियोजना में हमारी रोड की जांच चल रही थी जिसमें पूर्व विधायक ने यह दर्शा दिया कि हम रानीपुर होते हुए निकलेंगे और जब बौद्धिष्ट की टीम

जापान से आई तो उसने उसको कैंसिल कर दिया। हमारी आपसे यह मॉग है कि अगर उसका टेण्डर हुआ तो आज तक उस पर काम क्यों नहीं हो रहा है और दूसरी मॉग यह है कि लुम्बिनी को जाने वाला रास्ता अगर नौतनवा होते हुए, सिसवां होते हुए अगर वह कप्तानगंज को निकलता है तो उससे पर्यटकों की दूरी भी कम हो जायेगी। ऐसी स्थिति में हम चाहेंगे कि इसकी जॉच कराई जाए और दूसरी चीज हम यह कहेंगे कि अभी वर्तमान में लोहिया ग्राम या समग्र ग्राम के काम चयनित हुए हैं इनमें तीन कोड गिट्टी डाली जा रही है। गांव के अन्दर सोलिंग के ऊपर तीन कोड गिट्टी डालने का कोई औचित्य नहीं है मेरे विचार से अगर दो कोड गिट्टी डाली जाए तो उस रोड की लम्बाई अपने आप 4-5 सौ मीटर बढ़ जायेगी और गॉव के शत-प्रतिशत लोगों का काम हो जायेगा। मान्यवर, इस पर भी विचार किया जाए और दूसरा यह कहना था कि जो पी0एम0जी0एस0वाई0 की बनी हुई रोडे हैं, साठ टन ले करके जब दसचक्का की ट्रकें जाती हैं तो यह सारी सड़कें टूट जाती हैं। अभी कुछ दिन पहले माननीय सदस्य बोल रहे थे कि मा0 राजनाथ सिंह के समय में टोकेन चला और कोई ट्रक वाले को नहीं रोकता था लेकिन उस टोकेन के चलते दस चक्का की ट्रकें इस प्रकार से चलती थीं कि जो हमारी रोडे मानक के अनुसार बनी थीं कि इस पर केवल 20 या 25 टन की ट्रकें जायेंगी उस पर 50-60 टन की ट्रकें चढ़ीं तो रोडें अपने आप टूट गई। इसमें मान्यवर, यह होता है कि प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के ठेकेदारों को यह कहां जाता है कि साहब आप पांच साल तक इसकी व्यवस्था कीजिए। वह जब रोडें बनाते हैं 30-40 टन की ट्रकों को चलने के लिए और ट्रकें चलती हैं 60 टन की, तो मैं यह चाहूंगा कि किन्हीं परिस्थितियों में ऐसी व्यवस्था लागू की जाए कि जो हमारी छोटी रोडें हैं इन पर 6 चक्का ट्रकों को ही चलने की अनुमति प्रदान की जाए जिससे जो पुरानी बनी हुई रोडे हैं यह सुरक्षित रह सकें। एक तरफ तो हम रोडे बनाने की बात करते हैं और दूसरी तरफ इतना हैवी ट्रैफिक उस पर चल रहा है कि सारी की सारी रोडें दो बरसात के बाद टूट करके धराशायी हो जाती हैं तो मान्यवर, जो बड़ी ट्रकें हैं उन्हें बड़ी रोडों पर चलाया जाए, हम यह नहीं कहते कि यह न चलाई जाएं लेकिन गांव के अन्दर से हो करके पी0एम0जी0एस0वाई0 की रोडों पर या टोला और पुरवा को जो रोडें जाती हैं गिट्टी ले करके, चाहे वह डाला से जाती हों, या किसी और चीज से जाती हों। तो उन छोटी रोडों पर चलने के लिए छोटी ट्रकों का इस्तेमाल होता तो मेरे विचार से उन रोडों की आयु काफी लम्बी होगी। मेरा एक सुझाव और था कि ये जो रोड़ चली है डा0 लोहिया ग्राम की इस पर आप ध्यान दें। जहां भी काम हो रहे हैं, मानक के विपरीत काम हो रहे हैं, इस्टीमेट सरकार ने आज की डेट में अव्वल ईंटों का बनाया है काम जहां हो रहा है दोयम ईंटों का हो रहा है और सड़कें टूटेंगी तो सरकार की बदनामी होगी। मेरा इतना ही कहना था कि हम बार्डर के रहने वाले लोग हैं और बार्डर का किनारा है मैं चाहूंगा कि मेरी सरहद पर ध्यान देते हुए व्यवस्था को सुदृढ़ करें।

श्री राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे लोक निर्माण विभाग के बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया। मैं माननीय सतीश महाना जी द्वारा लाये गये कटौती प्रस्ताव पर बल प्रदान करता हूं। महोदय, मैं बुन्देलखण्ड क्षेत्र से आता हूं। चित्रकूट मण्डल में महोबा विधान सभा क्षेत्र से मैं निर्वाचित हुआ हूं। बुन्देलखण्ड के बारे में इस सदन में बहुत चिंता व्यक्त की जाती है। अभी माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी अपने बजट भाषण में बुन्देलखण्ड के लिए चिंता व्यक्त

की। मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने भी बुन्देलखण्ड के बारे में बहुत कुछ यहां बताया। लेकिन जो बजट में प्राविधान किया गया है लगभग 100 अरब से ऊपर का बजट है। मैंने भी गौर से इस बजट को पढ़ा है। अनुदान संख्या-57 और 58 के अंतर्गत जिसमें पुलों और सड़कों के निर्माण के लिए बजट की व्यवस्था की गयी है। लगभग 90 अरब के बजट का प्रस्ताव रखा गया है लेकिन बुन्देलखण्ड के मामले में इस बजट में बहुत घुमा-फिरा करके गुमराह करने का प्रयास किया गया। इस बजट में बुन्देलखण्ड क्षेत्र की खासतौर से मैंने देखा, जिस मण्डल से आता हूं चित्रकूट मण्डल, उसमें चार जनपद हैं चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर और महोबा। इन जनपदों को कुछ खास नहीं प्राप्त हुआ। मैं माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को ध्यान दिलाना चाहूंगा कि जब मैं लोकसभा का सदस्य था उस समय आप लोक निर्माण विभाग के मंत्री थे तो आपने बुन्देलखण्ड की सड़कों का कार के माध्यम से पूरा भ्रमण किया था और आपने मुझसे कहां था कि लगता है कि यहां सड़कें बनी ही नहीं। उस समय आपने बहुत कुछ घोषणायें उस सरकार के समय में की थी खासतौर से मेरे हमीरपुर और महोबा जनपद के लिए। वहां केन, बेतवा, धसान, यमुना नदियां हमारे क्षेत्र में हैं। वहां 6 पुलों के निर्माण की घोषणा हुई थी जिसमें 5 पुलों का शिलान्यास माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने किया था उसका उदघाटन आठ वर्षों के बाद भी नहीं हो पाया तो महोदय मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा। (श्री वसीम अहमद ने अपने आसन पर बैठे हुए कहां कि अपने समय में, पिछले 05 साल में करा लेना चाहिए था।) यही तो चक्कर रहा कि आप लोगों के झगड़े में बुन्देलखण्ड की उपेक्षा हुई। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकाल में बहुत कुछ काम हुआ। मैं उन पुलों की ओर ध्यान दिला रहा हूं, अब आप उसके पीछे मत जाईये, मैं विकास के लिए खड़ा हुआ हूं फिर चक्कर में पड़ जाऊंगा तो वह काम रुक जायेंगें।

श्री विश्वम्भर सिंह यादव-

आप चक्कर में ही पड़ गये।

श्री राजनारायण बुधौलिया उर्फ रज्जू महाराज-

माननीय मंत्री जी, मैं क्षेत्र की बात रखते हुए अपनी बात कहना चाहूंगा कि मंत्री जी उन पुलों के निर्माण के बारे में आप राशि निर्गत करें। राठ-गरौठा मार्ग पर धसान नदी पर जो पुल निर्माणाधीन है उसका निर्माण शीघ्र हो जाए जिससे झांसी जाने वाले लोगों के लिए रास्ते की दूरी कम होगी और सुविधा होगी। अत्यन्त आवश्यक पुल है। एक जनपद हमीरपुर में राठ से कालपी की ओर जाने वाला पुल पड़ता है चण्डोत ग्राम में, वह भी काफी कुछ तैयार हो चुका है लेकिन उसमें कुछ धन की कमी है। उस पर विचार कर लिया जाय। एक बेतवा नदी पर बनने वाला पथरेटा ग्राम में जलालपुर और कदौरा के बीच में एक पुल निर्माणाधीन है वह भी रुका हुआ है। यमुना नदी में मनकी और मूसानगर के बीच पुल निर्माणाधीन है साथ ही साथ एक पुल जनपद महोबा से जनपद हमीरपुर को जोड़ने वाला बिरमा नदी पर ग्राम खेरा परा में वह भी करीब 28 वर्षों से शिलान्यास हो चुका है वह पुल आज भी अधूरा है उस पुल का जरूर निर्माण कराया जाय। माननीय मंत्री जी इन पुलों की घोषणा आपने ही की थी रही सड़कों की बात तो आप जानते हैं कि बुन्देलखण्ड से बालू और गिट्टी का व्यापार पूरे प्रदेश में होता है। बुन्देलखण्ड की बालू और गिट्टी से प्रदेश की सारी सड़कों और पुलों का निर्माण होता है। लेकिन बड़ी दुखद बात है कि आज बुन्देलखण्ड की सड़कें सारी उखड़ी पड़ी हुई हैं वहां खनिज क्षेत्र होने के कारण हमारा महोबा विधान सभा क्षेत्र जहां मात्र खनिज उद्योग ही

है आप वहां की हालत देखें सड़कों की अभी गड्ढा मुक्त करने की बात हो रही थी तो वहां सड़कें ही नहीं हैं तो जहां से सारे प्रदेश की सड़कों का निर्माण होता हो तो वहां पूरा क्षेत्र सड़क विहीन हो तो मैं माननीय मंत्री जी को याद कराना चाहूंगा कि कबरई क्षेत्र जहां बहुतायत में क्रेशर उद्योग संचालित हैं उस क्षेत्र की जितनी भी सड़कें हैं हमारी महोबा विधान सभा में सारी सड़कें उखड़ी पड़ी हैं कबरई क्षेत्र है, श्रीनगर क्षेत्र है खरैला क्षेत्र है पनवाड़ी क्षेत्र है चरखारी विधान सभा क्षेत्र भी आता है जहां से उमाभारती जी विधायिका हैं उधर की सड़कों का भी संज्ञान ले लिया जाय। मैं लोक निर्माण मंत्री जी को याद कराना चाहूंगा यह कुछ महत्वपूर्ण सड़कें हैं हमारे क्षेत्र की उनके लिए निश्चित रूप से धन निर्गत करने का कष्ट करें। खास तौर से एक बिलरायां पनवाड़ी मार्ग है जो प्रमुख राजमार्ग है वहां आवागमन बहुत है उस मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजने का काम करें। क्योंकि वहां आवागमन बहुत ज्यादा है। साथ ही साथ एक बहुत महत्वपूर्ण सड़क है मुस्करा से महोबा 42 कि0मी0 की सड़क है इसमें काफी राशि निर्गत हो गई है लेकिन शेष राशि के निर्गत न होने के कारण काम रुका हुआ है जिससे बहुत दिक्कतें हो रही हैं। उस सड़क का निर्माण भी बहुत जल्द कराया जाय। साथ ही साथ जो खनिज क्षेत्र के गांव हैं पहारा है, धरौन है, उटियां है, पचपहरा है, बरवई है, बंहिंगा आदि है जो खनिज क्षेत्र के गांव हैं वहां सड़कों की बहुत बुरी हालत है उस क्षेत्र की सड़कों का ध्यान दिया जाय इन्हीं शब्दों के साथ आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करते हुए करते हुए कटौती के प्रस्ताव पर बल देता हूं।

* श्रीमती सैय्यदा शादाब फातिमा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे माननीय लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत लोक निर्माण विभाग के बजट के पक्ष में बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूं। जब यह बजट रखा गया तो उसमें जो व्यवस्थाएं थीं उसे देखकर लगा कि वास्तव में यह विकास के लिए चिन्तित व्यक्ति ने इस बजट की परिकल्पना की थी मान्यवर बातें तो बहुत सी आती हैं कहने को तो अभी आदरणीय महाना जी ने कहां था कि एक वर्ष होने जा रहे हैं सरकार को परन्तु उसमें कोई निर्माण का कार्य नहीं हुआ मैं उसका उत्तर बाद में दूंगी पहले सिर्फ इतना कहूंगी कि किन हालात में हुआ खजाना खाली था उसके बावजूद बहाना नहीं किया गया और पिछला जो बजट आया था लोक निर्माण का वह भी बहुत सुन्दर था और इस बार का उससे भी बढ़कर के इसलिए मैंने कहां कि सड़कों के नवनिर्माण के लिए सड़कों एवं पुलों के नवनिर्माण के लिए मरम्मत के लिए विशेष मरम्मत के लिए 8,225 करोड़ रुपयों की व्यवस्था की गई यह अपने आप में इस बात को इंगित करती है कि वास्तव में विकास करने का जज्बा था। कोई बहाना नहीं दिल में विकास करने का अगर जज्बा हो तो कभी भी संसाधनों की कमी आड़े नहीं आती है। क्योंकि ऐ जज्बे ऐ दिल गर मैं चाहूं ऐ जज्बे ऐ दिल गर मैं चाहूं हर चीज मुकाबिल आ जाए ।मंजिल के लिए दो कदम चलूँ और सामने मंजिल आ जाये इस जज्बे के साथ में हमारे लोक निर्माण मंत्री जी ने यह बजट रखा था मैं सिर्फ एक बात कह रही हूं किसी पर कटाक्ष नहीं मैं इतना कह रही हूं। बजट पहले भी आया था लोक निर्माण विभाग का, क्या हुआ था ? स्मारकों से, पार्कों से स्मारकों में बनी हुई प्रतिमाओं से सिर तोड़ता रहा था। भटकता रहा था उन अंधी गलियों में। बजट में पी0डब्ल्यू0डी0 की सड़कों के ऊपर टोकेन एलाटमेंट होता था पैसे

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

का और बाद में वह कहां जाता था क्या वह इस पूरे सदन के साथ धोखा नहीं था। इससे बड़ा धोखा क्या होगा कि जो पैसा, कहां जाता था कि सड़कों पे दिया जायेगा वह पैसा बाद में पार्कों और स्मारकों के ऊपर खर्च होता था। और उससे भी अगर बच जाता था। वहां गया तो भी नजर आया। उससे भी अगर बच जाता था तो वह पैसा कहां जाता था जरा सोचियेगा। कुछ काले चोर ले गये और कुछ गोरे चोर ले गये। हम क्यों कहें कि मशीन से गिना जाता था या क्या होता था। लेकिन हकीकत यह थी कि बाकी जो बचे वो काले चोर ले गये। यह काले चोर अगर ढूंढेंगे तो यहीं कहीं न कहीं मिल जायेंगें। (मेजें थपथपाई गईं) ढूंढ लीजियेगा, यह काले चोर यहीं कहीं न कहीं मिल जायेंगे। मिल ही जायेंगें। बातें बहुत होती हैं। विकास की बातें, मगर जरा सोचियेगा कि क्या हालत थी ? पांच साल तक लोक निर्माण विभाग की नाव भंवर के अंदर हिचकोले खाती रही। मान्यवर, अभी आदरणीय बुधौलिया जी खड़े थे, बुन्देलखण्ड की लम्बी सूची थी। मांगना आपका अधिकार है, मांगिये ? हमारा नेता इतना शानदार है कि आपको ना नहीं करेगा। लेकिन हम एक बात आपसे कहते हैं, एक सवाल आपसे, कोई कड़वी बात नहीं। मैं यह भी नहीं कहूंगी 5 साल शिलान्यास क्यों नहीं हुआ। लेकिन इतना जरूर कहूँगी कि मुझे भी बान्दा जाने का इत्तेफाक हुआ, क्यों हुआ ? क्योंकि एक माननीय पुरुषोत्तम नरेश दिवेद्वी जी थे जिनके कारनामों के कारण वहां जाकर के उस बालिका से मिलने का अवसर हुआ तो उस पुल से गुजरे। कौन सा पुल ? वह पुल जो आपके माननीय तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री जी ने बनाया था। उस पुल के ऊपर इतना बड़ा लम्बा-चौड़ा ब्लैक होल। कहां जा रहा था बजट ? अब यह आप लोग बताइये और यह लोग सुनें। बाकी इधर के लोग बतायेंगें कहां-कहां गया। लोक निर्माण विभाग की कश्ती भंवर में थी। 5 साल तक लोक निर्माण विभाग हिचकोले खाता रहा है, थोड़ा वक्त तो लगेगा सुधरने में। अलादीन का चिराग नहीं होता, मैजिक लैम्प नहीं होता। कोशिश है, ईमानदार कोशिश है लेकिन यह भी याद रखना साथी कि-

तूफां से लड़ी है यह तलातुम से लड़ी है,
तूफां से लड़ी है यह तलातुम से लड़ी है
कश्ती को सम्भलने में जरा देर तो होगी।

लेकिन ज्यादा देर नहीं होगी। सम्भल गये हैं हम और इस कश्ती को सम्भाल कर पार लाने की कोशिश की है और आ भी गये। आप पर कोई इल्ज़ाम नहीं लगायेंगें। आप बातें करते रहे सड़कों की, क्या दिया आपने पूर्वांचल को ? मैं स्वंय विधायक रही हूं पूर्वांचल के एक जिले से। एक किलोमीटर तो दूर 100 मीटर सड़क तत्कालीन मंत्री जी ने नहीं दी थी। और आज जिला योजना के अन्तर्गत हम समझते हैं कि 600 करोड़ से ज्यादा की धनराशि 685 करोड़ रुपये प्रस्तावित किये गये। स्पेशल कम्पोनेंट योजना जो समग्र थी उसमें 100 करोड़ थे और स्पेशल कम्पोनेंट प्लान अन्य में 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई। लेकिन आप क्या समझेंगे ? आपने कभी किसी को समझने की कोशिश नहीं की। विकास के रास्तों पर चलने की कोशिश नहीं की। अभी हमारे भाई, यहां सम्मानित विधायक नारद राय जी कह रहे थे कि पहले जब लोग बलिया से बाहर जाते थे बॉर्डर पर तो कहते थे कि बिहार शुरू हो गया। 5 साल में आपने सड़कों का इतना सत्यानाश किया । चल कर देख लीजियेगा, मैं तो गई हूं। बिहार का जब बलिया में कदम रखते थे तो कहते थे कि बिहार शुरू हो गया। यह क्यों हुआ ? क्योंकि विकास के प्रति आपकी प्रतिबद्धता शून्य थी। आपकी प्रतिवद्धता पार्कों के प्रति थी, महापुरुषों के

प्रति नहीं, क्योंकि महापुरुषों ने कभी नहीं कहां कि हमारे लिए बड़े-बड़े स्मारक बना दो। आपकी प्रतिबद्धता धन उगाही के लिए थी इसमें आपका दोष नहीं है।

श्री अधिष्ठाता-

संक्षेप करें।

सुश्री सावित्री वाई फूले-

एक महिला बोल रही हैं उनको समय दिया जाए।

श्रीमती सैय्यदा शादाब फातिमा-

धन्यवाद साध्वी जी, तो इसमें दोष आपका नहीं है, दोष आपकी विचारधारा का है, विचारधारा का इसलिए क्योंकि आपकी जो विचारधारा है वह समाज को तोड़ने वाली विचारधारा है। मैं स्पष्ट रूप से कह देना चाहती हूं कि भारत की संस्कृति तोड़ने की संस्कृति नहीं है। समाज को तोड़ने की संस्कृति आप कहीं और से लेकर आए हैं। क्या कारण था आप जो भी निर्माण का कार्य करते थे एक वर्ग विशेष के क्षेत्र में कराते थे ? हम यह नहीं कहते कि हमें विकास का पूरा सूरज दे दो, लेकिन हम यह जरूर कहते हैं कि किसी बस्ती के लिए विकास का पूरा सूरज है तो हमारे लिए रोशनी की चन्द किरणें क्यों नहीं ? (मेजें थपथपाई गईं।)

इसलिए आज विकास का रास्ता हर गली से होकर गुजरा है। आप नहीं समझेंगे क्योंकि आपकी विचारधारा दूषित है, इसलिए कि भारत की जमीं पर रोपा गया विदेशी नस्ल का पौधा है आपका दल, और जो विदेशी नस्ल का होता है, मैं कोई अपशब्द नहीं कहूंगी, बस इतना कहूंगी कि उसे वर्णसंकर जाति का कहते हैं और वर्णसंकर किसे कहते हैं, यह कहना अससंदीय नहीं होगा क्योंकि स्वंय योगीराज अरविन्द भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में इसे बताते हुए कहा है कि-

'दोषैरैतः कुलाघ्रनाम वर्णसंकरकारकः

उत्साद्यन्ता जाति धर्मः कुल धर्मश्च शाश्वतः'

अर्थात वर्णसंकर व्यक्ति अपने कुल और धर्म का नाश करने वाला होता है। जो व्यक्ति कुल और धर्म का नाश करता है वह प्रदेश का कैसे विकास करेगा? यह सोचने की बात है, इसलिए आप पांच साल तक प्रदेश को लूटते रहे। (मेजें थपथपाई गईं।)

जहां तक लोहिया गॉवों की बात है 21000 गांवों का चयन किया गया और साढ़े तीन सौ करोड़ इसके लिए रखे गए।

श्री अधिष्ठाता-

समाप्त करें।

श्रीमती सैय्यदा शादाब फातिमा-

मैं समाप्त कर रही हूं।

बस एक बात कहूंगी कि जो मशीनें खरीदी गईं अरबों रुपये की, विभाग के द्वारा विकास का कार्य कराने की, मैं यह मांग करती हूं माननीय मंत्री जी से, कि पूर्व में इन्होंने मशीनों को जंग लगा दिया है आप पुनः विभाग के द्वारा उसे परिचालित करा करके विभाग का उद्धार करने का काम करें

मान्यवर, यह वह लोग हैं जिनके राज्य में एक ही काम हुआ, धन उगाही का काम, (शोर) जांच तो होगी ही, सुन तो लीजिए, ट्रांसफर पोस्टिंग का काम, सुन लें यह स्थिति थी पांच साल तक तमाम नियमित अधिशासी अभियन्ता मौजूद थे, उनको सम्बद्ध कर दिया गया और प्रोन्नत लोगो को चार-चार पांच-पांच जिलों का काम क्यों दिया गया, रिश्तेदार थे तुम्हारे, नातेदार थे तुम्हारे, तो लेनदेन हुआ,क्यों किया हमने कहां काले चोर हैं यहां। योग्य अधिकारियों को सम्बद्ध कर दिया गया क्योंकि वह एक जाति विशेष से सम्बन्ध रखते थे। क्या बात करते हो, सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, कहां गया। मुझे बार-बार इशारा हो रहा है अनुशासित व्यक्ति हूं बात मानूंगी, लेकिन अपने क्षेत्र की एक बात कह दूं बात खत्म कर दूंगी वरना क्षेत्र वाले बाद में गाली देंगे। अपनी बात तो कह लेने दीजिए माननीय मंत्रीजी से एक बात कहना चाहूंगी कि सलामतपुर से लेकर असावर तक बंधे के किनारे-किनारे एक रिंग रोड के निर्माण की मांग मैं करती हूं। ताकि हमारे क्षेत्र का विकास हो सके आखिर में एक बात कहकर मैं खत्म कर दूंगी, बड़ा दर्द है पांच साल तक जुबॉ पर ताले थे, क्या उनको खबर थी होठों पर जो कुफ्र लगाया करते थे, आप नहीं समझेंगे उस दर्द को, जो मैंने झेला है-

क्या उनको खबर थी होठों पर, जो कुफ्र लगाया करते थे
एक रोज उसी खामोशी से, टपकेंगी दहकती तहरीरें।

कृषि, कृषि शिक्षा, राज्य मंत्री (श्री मनोज कुमार पाण्डेय)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने लोक निर्माण विभाग के बजट के समर्थन में हमें बोलने का अवसर दिया, इसके लिए हम आपका धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से हम कहना चाहते हैं कि माननीय लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा जो यह बजट सदन में रखा गया है, एक ऐसा बजट माननीय मंत्री जी ने रखा है जिसमें उन्होंने पहली बार उत्तर प्रदेश के किसी लोक निर्माण मंत्री के रूप में यह चिन्ता की है कि दुरस्त गांव के उन इलाकों को जो आजादी के बाद से आज तक पक्की सड़कों से नहीं जुड़ पाये हैं, उनको जोड़ने की उन्होंने कल्पना ही नहीं की है, बल्कि उनको जोड़ने का बजट रखा है, हम इस सदन की ओर से माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं, आभार प्रकट करना चाहते हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, अभी हमारे बहुत ही वरिष्ठतम सदस्य जिनसे हमें बहुत सीखने को मिलता है, माननीय सतीश महाना जी, अभी कह रहे थे कि पिछली बार का जो लोक निर्माण विभाग का बजट था, उस बजट का कोई पैसा खर्चा नहीं हो पाया। वह कह रहे थे कि उत्तर प्रदेश में तमाम ऐसी सड़कें हैं जो गड्ढामुक्त नहीं हो पायी हैं। उन्होंने कहां कहीं हमने सड़कों को बनते हुए नहीं देखा और एक बात उन्होंने महत्वपूर्ण कही कि माननीय लोक निर्माण मंत्री जी, जब अगली बार आप बजट प्रस्तुत करेंगे तो यह नहीं कहेंगे कि पिछली 5 साल की सरकार ने यह कुकृत्य किया है। हम आदरणीय सतीश महाना जी से कहना चाहते हैं कि आप इसके लिए रोक नहीं सकते हैं, इसलिए कि एक सरकार आई है उत्तर प्रदेश में उसका गवाह यह सदन भी है और उत्तर प्रदेश की जनता भी है कि जिस तरीके से उत्तर प्रदेश में और खासकर लोक निर्माण विभाग में जिस तरह से सड़कों के नाम पर लूटा गया, जिस तरीके से भ्रष्टाचार किया गया, लोगों ने अपनी जेबें भरी, सड़कें कागज पर बन गयीं और धरातल पर सड़कें नहीं बनी हैं, तो इससे कहीं न कहीं राज्य विकास में पीछे हुआ है, इससे हम इन्कार नहीं कर सकते हैं और जब इतने पीछे विकास में राज्य को किया गया है तो इसको गति देने के लिए जैसा अभी आदरणीय विधायिका जी

बोल रही थी, उनकी बात को बल दूंगा कि उसको आगे बढ़ने में कुछ न कुछ तो समय लगेगा। पिछला लोक निर्माण विभाग का बजट इसी मार्च माह में रखा गया था, उसको स्वीकार होने में, उसको असली जामा पहनाने में, तकनीकी जॉच होने और निविदा होने में निश्चित रूप से जो औपचारिक समय लगता है, वह लगा लेकिन आज इस बात को मजबूती से पूरा उत्तर प्रदेश स्वीकार करता है, माननीय महाना जी कहें या न कहें, लेकिन उत्तर प्रदेश में सड़कों का विकास चल पड़ा है, उत्तर प्रदेश में 80 प्रतिशत से ज्यादा गड्ढामुक्त सड़कें हुई हैं। इसको आज उत्तर प्रदेश की जनता कहती है। यह केवल सवाल कर देने से कि कहां बनी हैं, किस जगह बनी हैं तो हम कहना चाहते हैं कि हम जनपद रायबरेली से सम्बन्धित हैं। कांग्रेस का जिला कहां जाता था, बहुत बचपन से हम लोग समाचार-पत्रों में और दिव्य सपनों में और तमाम इस तरह के बड़े लोक लुभावने जो इस तरह के विज्ञापन छप कर आते थे, रायबरेली जिला एक सुपर वीवीआईपी जिला माना जाता रहा, बड़े-बड़े नेता वहां से चुने जाते रहे, प्रधानमंत्री होते रहे लेकिन इसको हमने नहीं कहां है, जो अमेरिका की एक टीम आई थी, उसने अपने सर्वेक्षण में कहां है कि जब मैं रायबरेली गया और रायबरेली की गलियों, नालियों और सड़कों को देखा तो यह कहने में हमें कोई हिचक नहीं है कि अगर देश के सबसे अविकसित जिलों में अगर कोई जिला माना जाए तो वह रायबरेली जिला है। यह अमेरिका की एक टीम ने कहां। वर्ल्ड बैंक के लोग आए, वर्ल्ड बैंक के लोगों ने स्वीकार किया कि मैं समझता था कि रायबरेली बड़ा विकसित जिला होगा, लेकिन रायबरेली की सड़कों में पता नहीं गड्ढा कहॉ है कि गड्ढे में सड़क है, यह उनके वक्तव्य थे जो हिन्दुस्तान टाइम्स में छपे थे। आज हम माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं, अपने रायबरेली के चारों माननीय विधायकों की ओर से देना चाहते हैं कि अकेले रायबरेली में उन्होंने जितनी सड़कों का निर्माण कराया है, आजादी से लेकर आज तक इतनी सड़कों का निर्माण कभी नहीं हुआ है, इसको हम बहुत मजबूती से कहना चाहते हैं। आदरणीय महाना जी, हम कहना चाहते हैं, कितने ही युद्धों में एक रणनीति और एक विचारधारा बना करती थी कि हम कमर से नीचे वार नहीं करेंगे, यह ठीक है, आप विपक्ष में हैं, आपने कटौती का प्रस्तुत किया, यह आपका अधिकार है लेकिन हम बड़ी विनम्रता से कहना चाहते हैं कि आज जब पूरा उत्तर प्रदेश मान रहा है, सारे राजनैतिक दलों के लोग मान रहे हैं। हो सकता है कि इस सदन में रहकर न मान रहे हों लेकिन सदन की सीढ़ियों पर कहते हैं कि जितना काम लोक निर्माण विभाग के मंत्री आदरणीय श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने 11 महीने में करा दिया है इतना कभी नहीं हो पाया है। मैं इसके लिए उनको बधायी देता हूं। रही भ्रष्टाचार की बात करते हैं। हमारे पास सूची है। हमारे साथी बैठे हैं पांच साल सत्ता में रहे हैं। भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ जितनी कार्यवाही हमारे लोक निर्माण विभाग के मंत्री जी ने किया अगर उसका 20 प्रतिशत बसपा के लोग बता दें तो हम सदन छोड़कर बाहर चले जायेंगे। यह कार्यवाही करने का काम हमारे लोक निर्माण मंत्री जी ने किया है। अधिकारी जेल गये हैं। एक्सिएन जेल गया है, जे0ई0 जेल गया है। अधिष्ठाता महोदय, अभी हमारे आदरणीय वरिष्ठ सदस्य श्री बुधौलिया जी बोल रहे थे। बुन्देलखण्ड की बात बोल रहे थे। मैं पार्टी में बुन्देलखण्ड का कई बार प्रभारी भी रहा हूं वहां जाने का अवसर भी मिला है। बुधौलिया जी मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप अभागे क्यों रहे जब गंगा बह रही थी और लोग लूट रहे थे तो न सही एक-दो ही रोड ले लेते यद्यपि वह रोडें आपको कागज पर मिलतीं। उस समय आप उसको बनवा नहीं सकते थे। यह आप भी

जानते हैं हम भी जानते हैं। सड़कों के नाम पर बुन्देलखण्ड के कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने लूटने का काम किया है यह पूरा उत्तर प्रदेश जानता है और आज भी कुछ अधिकारी उसमें से होंगे वह भी जानते हैं। उसमें उन लोगों ने सहयोग करने का काम किया है। इसलिए आज हम कहना चाहते हैं कि मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने सड़कों के निर्माण में, पुनर्निर्माण में जो गति देने का काम किया है हम सदन की ओर से उनको बधायी देते हैं। अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे समय दिया। मैं अपने क्षेत्र की एक छोटे सी बात माननीय लोक निर्माण मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि खरौली में एक छोटे से पीपे के पुल की आवश्यकता है वह आगे बढ़ाने का काम हमारे माननीय मंत्री जी कर रहे हैं। उसको करने का काम करेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती सीमा द्विवेदी-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे कटौती प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए हम आपके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। अधिष्ठाता महोदय, आज के कुछ साल पहले जब हम गॉव में किसी रोड पर गुजरते थे तो लोग कहते थे कि भई यह पी0डब्ल्यू0डी0 से बहुत अच्छी रोड बनी है। आज गुणवत्ता में बहुत कमी आयी है। यह सब जानते हैं।

(इसी समय 03 बजकर 02 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

लोक निर्माण विभाग ऐसा विभाग है जिसका नाम लेते ही हर व्यक्ति के मन में यह बात आती है कि बहुत अच्छा विभाग है बढ़िया काम करता है। क्योंकि जब हम कार्यदायी संस्था का चयन करते हैं तो सबसे पहले प्राथमिकता पर लोक निर्माण विभाग का नाम आता है। मैं तीन-चार बातों की तरफ मा0 मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूं। पूर्वांचल विकास निधि हम पूर्वांचल के विधायकों के लिए हुआ करती थी। इस बार पूर्वांचल विकास निधि हमको बहुत देर से प्राप्त हुयी है। जब प्राप्त भी हुयी है तो उसमें ऐसे-ऐसे क्राइटेरिया बना दिये गये हैं कि उसका उपभोग हम गांव में नही कर पा रहे हैं। उसमें यह कह दिया गया कि चाहे हम आर0ई0एस0 को देंगे चाहें पी0डब्ल्यू0डी0 को देंगे। माननीय अध्यक्ष जी, आप भी गांव से चुनकर आते हैं। किसी गांव में गये, किसी गली में गये, तीन सौ मी0 खड़ंजा बनना है, 200 मी0 नाली बनना है हम किसी संस्था को देकर बनवा दिया करते थे। लेकिन आज समस्या इस बात की है कि हम पूर्वांचल विकास निधि से उस नाली, खड़ंजे को नहीं बनवा पा रहे हैं। क्योंकि उसका मानक अलग होता है, लोक निर्माण विभाग का मानक अलग होता है। माननीय मंत्री जी, मैं आपका ध्यान चाहूंगी कि आप लोक निर्माण विभाग को निर्देश करें कि जो पैसा हम लोग खड़ंजा या नाली बनवाने के लिए दें या तो आप उसको बनवायें अगर नहीं बनवायें तो ऐसी कार्यदायी संस्था आप चयन कर लें जो खड़न्जा और नाली का भी निर्माण करती हो। यह मेरी व्यक्तिगत पीड़ा आपसे है। दूसरा माननीय अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र में सई नदी पर बेलवार घाट पर पुल बना था, जब मा0 मुलायम सिंह जी मुख्यमंत्री थे तो बेलवार घाट पर पुल का उद्घाटन/शिलान्यास करने के लिए गये थे, आज लगभग मैं समझती हूं कि 13-14 साल से ज्यादा का समय बीत गया होगा, बेलवार घाट का पुल जिस पर एक बार नहीं, दो-दो बार रिवाइज स्टीमेट बने, लेकिन आज की तारीख में बेलवार घाट का पुल जस का तस खड़ा है, आज उस पर कोई भी कार्य नहीं हो रहा है। उसके नाते मान्यवर, इतनी दिक्कत है कि अगर हम एक ब्लाक से दूसरे ब्लाक को जाना चाहें तो पांच मिनट में पहुंच सकते थे उस पुल के बन जाने के नाते, अब उसके न बनने से हम को 60 किमी0 का चक्कर मार

करके एक से दूसरे ब्लाक को जाना पड़ता है, चूंकि मैंने इस विषय को इसलिए यहां पर रखा क्योंकि आपने अपने बजट में बहुत सारे पुलों का नाम लिया, बहुत सारी रोडों का नाम लिया, मेरी आपसे यह भी गुजारिश होगी कि आप कोई भी पुल बनवायें अच्छी बात है, नया पुल बनवायें जरूरी है, लेकिन एक बार विचार यह भी कर लिया जाय, जो पुल आपके विभाग के अधूरे पड़े हैं, उनको प्राथमिकता पर पूरा करा लिया जाय और बनवायें चाहे न बनवायें, आपकी मर्जी, लेकिन हमारे बेलवार घाट का पुल जरूर बन जाय, यह भी मैं आपसे कहना चाहती हूं।

श्री अध्यक्ष-

कृपया अब आप समाप्त करें।

श्रीमती सीमा-

माननीय अध्यक्ष जी, जैसे ही आप आये हैं, बोलने शुरू किये थे। माननीय अध्यक्ष जी, दूसरी बात मैं कहना चाहूंगी, आपने बड़ी-बड़ी योजनायें चलाई हैं, त्वरित विकास योजना, आपकी लोहिया ग्राम चयन योजना और तीसरा आपने जनेश्वर मिश्र का किया है, पुनर्निर्माण का किया है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं इन सबसे पहले मा0 मंत्री जी को एक काम के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं, मेरे क्षेत्र में एक रोड जाती थी, मछली शहर से बनवा बाजार के लिए, मछली शहर से मंत्री भी थे पिछली सरकार में थे, मंत्री के नाते भी मा0 अध्यक्ष जी वहां पर कोई काम नहीं हुआ, इतने बड़े-बड़े गड्ढे वहां पर पड़े थे, जनता कहती थी, कैसे बने। हमने आपको प्रस्ताव दिया, आपने उस प्रस्ताव पर उस रोड को बनवा दिया, इसके लिए हमारे क्षेत्र की जनता आपके प्रति आभार व्यक्त करना चाहती है, लेकिन मा0 अध्यक्ष जी, हमने चार और नाम दिये थे। एक हमारा है, भिखारीपुर, भिखारीपुर से गौहानी होते हुए सरायबी का, एक है सरायकाशी यह 6-7 किमी0 की लम्बी रोडें हैं मान्यवर, इसकी इतनी खराब स्थिति है, इतनी इसकी जर्जर स्थिति है कि उस गांव में आप पैदल भी नहीं जा सकते हैं, गाड़ी की तो बात आप छोड़ ही दीजिए और मा0 अध्यक्ष जी, आप भी कभी उस रास्ते से गुजरते होंगे, जब हम लखनऊ से सुल्तानपुर के आगे बदलापुर को जाते हैं, जब बदलापुर से आगे हम नौगढ़वा से जौनपुर को जाते हैं मा0 अध्यक्ष जी मेन रोड है जी0टी0 रोड है इतनी खराब उसकी स्थिति है कि गाड़ी चल नहीं पाती है वहां पर, मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगी इसी बजट में इस बनारस और जौनपुर के बीच की जो रोडें खराब पड़ी हैं उनको भी आप बनवाने की कृपा करें। मा0 अध्यक्ष जी, इतनी लूट होती है आपके विभाग में रिपेयर के नाम पर, मैं दो-तीन उदाहरण आपको दे रही हूं सरकार आपकी है, अधिकारी आपके वहां पर बैठे हुए हैं। आप मछलीशहर से सुजानगंज कुन्दहा की तरफ आइये, अभी तीन-चार महीने पहले रोड रिपेयर हुई है, आज आप जाकर के झोले में गिट्टी को भर सकते हैं, डामर का वहां कोई अता-पता नहीं है। मैंने आपसे कई बार एक्सीयन से शिकायत भी किया, लेकिन पता नहीं कोई कुछ सुनता क्यों नहीं, मेरी यह समझ में नहीं आता है। मा0 अध्यक्ष जी, तीसरी बात आपसे कहना चाहूंगी, जहां मेरा घर है अचकारी मेरा गांव है, मेरे घर के दक्षिण दिशा में सई नदी है, उत्तर दिशा में कठोरा नाला है, पूरब दिशा में अचकारी नाला है। ऐसा दुर्भाग्य है, अचकारी नाले का भी पुल टूट गया, कठोरा नाले का भी पुल टूट गया, मा0 अध्यक्ष जी, अगर आप दोनों पुल को नहीं बनवा देते हैं तो मैं ही अपने घर नहीं पहुंच पाऊंगी तो मेरे क्षेत्र की जनता मेरे घर क्या पहुंच पायेगी। इस बात को मैं इसलिए कहना चाहती हूं मा0 अध्यक्ष जी, मेरे पुल का निजी मामला है, इस पुल को

आप इस वित्तीय बजट में जरूर रखेंगे। मैं इन्हीं शब्दों के साथ अपनी बात समाप्त करती हूं, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया बहुत-बहुत धन्यवाद ।

* प्रो0 शिवाकान्त ओझा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं मा0 लोक निर्माण मंत्री के द्वारा रखे गये लोक निर्माण बजट प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं और बधाई देता हूं, मा0 लोक निर्माण मंत्री जी को, उन्होंने बड़ी सूझ-बूझ के साथ और धरती पर बजट लोक निर्माण विभाग का कैसे लागू होना चाहिए, उसकी क्या व्यवहारिकता होनी चाहिए, उसको पूरी ईमानदार के साथ प्रस्तुत करने का काम किया है, हर क्षेत्र को छुआ है, चाहे सड़क का मामला हो, चाहे पुल का मामला हो, चाहे पुलिया का मामला हो, चाहे टूटी हुई सड़कों का मामला हो, चाहे गड्ढे वाली सड़क का मामला हो और सबसे बड़ी बात हम गांव के रहने वाले लोग हैं, छोटे गांव में छोटे मजरों को भी पक्की सड़क से जोड़ने के काम की जो शुरुआत की है मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने उनको कोटिशः धन्यवाद देता हूं और हमारा ख्याल है कि उन गांवों के गरीब, गुरबे लोग भी इस बात को महसूस करेंगे आने वाले दिनों में कि समाजवादी पार्टी का ऐसा लोक निर्माण मंत्री हुआ था जिसमें सिर्फ बड़े-बड़े गांवों को ही देखने की ताब नहीं थी, अकेले केवल बड़े बड़े लोगों के गांवों को जोड़ने का काम नहीं किया था। झोपड़ी में रहने वाले गरीब गुरबों के घरों को जोड़ने का भी काम जो मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने अपने प्रस्ताव में किया है तो सदा सर्वदा के लिये उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण के इतिहास के अन्तर्गत मा0 शिवपाल सिंह यादव जी का नाम अजर अमर रहेगा, लिखा जाता रहेगा।

(विपक्ष के कतिपय सदस्यों द्वारा टीका टिप्पणी करने पर)

मान्यवर, अगर आप शब्दों का अर्थ न समझते हों तो कभी आइयेगा, पढ़ लीजियेगा मुझसे। मान्यवर, मैं कहना चाह रहा हूं पिछली जो सरकार के कुकृत्य हैं, उन कुकृत्यों का फल कुछ न कुछ हम लोगों को भोगना पड़ रहा है। यहां बैठे हुये हमारे अधिकारीगण भी हैं। मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने भी, मा0 मुख्य मंत्री जी ने भी, बैठे हुये मा0 लोक निर्माण ई0एन0सी0 जी ने भी, मेरी एक प्रधानमंत्री सड़क चौड़ीकरण योजना के अन्तर्गत सड़क बनी थी। मा0 मुख्य मंत्री से लेकर मा0 लोक निर्माण मंत्री तक, मा0 प्रमुख सचिव, सचिव लोक निर्माण से लेकर ई0एन0सी0 तक सबने मेरे पत्र पर टी0ए0सी0 जांच करने के लिये लिखा और मुझे कहते हुये कष्ट है कि अधिकारियों की मनमानी इस हद तक है कि टी0ए0सी0 जांच का पत्र मुझे दिसम्बर से मिल रहा है और महीने में तिथि तय होती है। मेरे पास पत्र रखा हुआ है, अब चौथा पत्र मुझे मिला हुआ है, जिसके अन्तर्गत खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि अगली तिथि में आपकी टी0ए0सी0 जांच हो जायेगी, इतना मनमाना अधिकारी और जैसा इधर उतना सशक्त लोक निर्माण मंत्री जिसकी भौं पर लोग उठ जाते हैं। मा0 लोक निर्माण मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जनता का महत्वपूर्ण पैसा है उस पैसे को वो लोग खा गये। सड़क बनी नहीं, टूट गयी और मैंने जब एक्स0ई0एन0 को बुला करके कहां तो एक्स0ई0एन0 ने कहां कि होता रहेगा, देख लिया जायेगा, इसको आगे चल करके देख लेंगे। मान्यवर, मैंने इनसे यहां तक कहां कि जो 3 मीटर, 4 मीटर की हैं उनको तो कस्बे के भीतर ठीक कर दो। वो करने के लिये भी अधिकारी

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

तैयार नहीं हुये। मा0 मंत्री जी का मैं ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि ये जो पांच में लुटेरे और बिगड़े हुये लोग थे तो निश्चित रूप से आपने कसकर लगाम लगायी है, इनको थोड़ा और ऐठने की जरूरत है। ये जो बेईमान और भ्रष्ट बैठे हुये लोग हैं। जो आज भी अधिकारियों के आदेशों की अनदेखी किया करते हैं उन पर लगाम लगने की जरूरत है। मा0 लोक निर्माण मंत्री जी मैं कुछ बातें अपने क्षेत्र की भी कहना चाहता हूं। इस विश्वास से कहना चाहता हूँ कि आपने मुझको दिया बहुत है। मैं बहुत दिनों से सदन में सदस्य रहा हूं, मंत्री भी रहा हूं मा0 अध्यक्ष जी। बहुत सारे पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर्स, सबने देखा है लेकिन मा0 लोक निर्माण मंत्री श्री शिवपाल सिंह यादव जी के बारे में जरूर कह सकता हूं कि मैं जब भी गया हूं या चाहे जिस दल के लोग गये हों। बहुत सारे चेहरे यहां पर ऐसे दिखायी पड़ते हैं जो उनके पास गये हैं। कभी नहीं पूछा लोक निर्माण मंत्री जी ने कि किस दल के हो, कहाँ से आये हो। जितना कर सकते हैं, तत्काल आदेश किया कि तत्काल पैसा देकर के कार्यवाही की जाये। इसके लिये मा0 लोक निर्माण मंत्री जी धन्यवाद के पात्र हैं। मा0 मंत्री निर्माण मंत्री, हमारा क्षेत्र जो रानीगंज है। ये सई नदी और बकुलाही नदी से चारों तरफ से घिरा हुआ है। नालों और नदियों से घिरा हुआ क्षेत्र है। दुर्भाग्य से 5 साल से मैं नहीं था, उधर के एक मा0 विधायक जी थे। मैं बहुत गम्भीरतापूर्वक कहना चाहता हूं, बैठे हुये लोग हैं, उस जमाने के ई0एन0सी0 भी बैठे हुये हैं उधर, 5 साल के भीतर आप लोगों ने 5 किलोमीटर सड़क बनाने का भी काम नहीं किया था। आज मैं बधाई देता हूं लोक निर्माण मंत्री जी को कि एक वर्ष नहीं बीता है, मेरे अपने विधान सभा क्षेत्र के भीतर 70 से 80 प्रतिशत सड़कें जो टूट गयी थीं, ध्वस्त हो गयी थीं। सब पर काम कराने का काम मा0 लोक निर्माण मंत्री जी के आदेश पर उन पर हुआ है। मैं बधाई देना चाहता हूं, हमारे क्षेत्र की जनता भी आपको बधाई देती है। एक पुल चाहिये, आपने स्वीकृत किया भी है, आदेश दिये भी हैं और मा0 अध्यक्ष जी, एक पुल तो ऐसा था, एक चौहरनम देवी बड़ी प्रसिद्ध देवी हैं, हमारे यहां सई नदी पर 2000 का बना हुआ पुल खड़ा, ढांचा खड़ा। तत्कालीन सरकार में राजनाथ सिंह के जमाने में वह पुल बना हुआ था। राजनाथ सिंह के जमाने में वह पुल बना हुआ था, ढांचा खड़ा है, 5 साल के भीतर आप उसका अप्रोच नहीं बनने दिया। मैं बधाई दूंगा आपको आपने उसके अप्रोच को बनाने के लिए निर्देशित किया है। वह जल्द-से जल्द बनकर तैयार हो जाए, जिससे आवागमन की सुविधा लोगों को मिल जाए। मान्यवर, हमारी रानीगंज तहसील है, पूरे रानीगंज तहसील में एक भी डाक बंगला नहीं है। अधिकारी आते-जाते हैं, हम लोग भी आते हैं, जाते हैं, बैठने का कोई स्थान नहीं है। मैंने जमीन उपलब्ध करवा दी है, पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग को, मा0 मंत्री जी का आदेश भी हुआ है। मैं चाहूंगा कि मा0 मुख्य मंत्री जी, संभवतः अप्रैल के तीसरे सप्ताह में हम लोगों के यहां जा रहे हैं, उस पी0डब्ल्यू0डी0 डाक बंगले के पुल का शिलान्यास भी कराया जाए और उस डाक बंगले का निर्माण भी कराया जाए। मान्यवर, मेरी सई नदी पर दो पुल बनने बहुत आवश्यक हैं, कम-से-कम या तथाकथित जो बड़े, सैडो प्राइमिनिष्टर हैं, उस सड़क को ठीक किया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं बजट का समर्थन करता हूं।

श्री नीरज (कुशवाहा) मौर्य-

मा0 अध्यक्ष महोदय, आज लोक निर्माण विभाग के कटौती प्रस्ताव पर जो मा0 महाना साहब ने रखा है, उस पर बोलने के लिए आपने हमको समय दिया है, मैं आपका आभारी हूं और मैं अपने

सभी विपक्ष के साथियों द्वारा रखे गए बातों से अपने को सम्बद्ध करता हूं मान्यवर, लोक निर्माण विभाग बड़ा ही महत्वपूर्ण विभाग है और इस विभाग से ही पूरे उत्तर प्रदेश के गांवों को, नगरों को, राजधानियों को जोड़ने का काम होता है। पिछले बजट के समय में मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने यह घोषणा करी कि 15 दिन के अंदर उत्तर प्रदेश की समस्त सड़कों को गड्ढ़ामुक्त कर दिया जायेगा। हम लोगों को भी आस लगी कि चलिए जो बरसात में सड़कें टूटी हैं, शायद वह सहीं हो जायेंगी, लेकिन आज जितने भी मार्ग खराब हैं वहां पर कहीं मरम्मत का कार्य नहीं हुआ। मान्यवर, चूंकि मैं शाहजहांपुर की जलालाबाद सीट से आता हूं और हमारे क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बहुत ज्यादा है। बाढ़ में तमाम मार्ग कई पुलिया ध्वस्त हुई, उसका प्रस्ताव बनवा कर भी जिले से भिजवाया गया, लेकिन अभी तक किसी भी मार्ग में कोई पुलिया जो बाढ़ में टूटी थी, उनको बनाने का कार्य नहीं किया गया। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह अपील करना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र की जो सड़कें जो पुलियां बाढ़ से प्रभावित हुई हैं उनको ठीक कराने का काम किया जाये। इसके अतिरिक्त, जो मेरे क्षेत्र में कई ऐसे सम्पक्र मार्ग हैं जो पीडब्लूडी के द्वारा निर्माण किये गये हैं वह भी अत्यन्त जर्जर और खराब हो गये हैं। इसमें जलालाबाद से दिवेरनियां मार्ग बहुत खराब है । इसी तरह से सिकन्दरपुर अफगानान से धियरियां मार्ग बहुत खराब है। इसको ठीक कराया जाय। मान्यवर, हमारे यहां एक क्लान ब्लाक है। इसमें खजूरी गांव है। यह गांव परमवीर चक्र विजेता नायक जदुनाथ सिंह का गांव हैं उनकी जन्म स्थली है। यहां पर बाराकला से खजूरी मार्ग बहुत खराब है। आज वह सड़क दिखाई नहीं पड़ रही है। गड्ढ़े ही गड्ढ़े हैं। मान्यवर, वो नायक जदुनाथ सिंह जी देश की लड़ाई लड़ते-लड़ते अपने प्राणों की आहूति दे बैठे थे। उनको सबसे बड़ा सम्मान परमवीर चक्र मिला। उन्ही के गांव की सड़क इतनी खराब है तो मैं कहना चाहूंगा कि उनको सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी उस सड़क को तुरन्त ठीक करा दिया जाय। मान्यवर हमारे यहां फर्रुखाबाद से बन्दायू राज्य राजपथ बहुत खराब है हमारी विधान सभा से ही वह निकलता है पूर्णतयः जर्जर है और जगह-जगह गड्ढे हैं। इस मार्ग पर दो ब्लाक पड़ते हैं मिर्जापुर और कलान इसमें आये दिन स्थिति यह है कि भंयकर जाम लगा रहता है। इस सड़क को चौड़ीकरण की मांग मैं माननीय मंत्री जी से करता हूं और सड़क को दुरुस्त करने की भी मांग करता हूं। मेरे क्षेत्र से एक एन0एच0 भी निकलता है। बरेली से कानपुर जाने के लिए इस एन0एच0 से जलालाबाद का बाई पास आया हुआ है। वहां के लिए सड़क गयी है। वह मालूपुर मार्ग बहुत खराब है। उसको पी0डब्लू0डी0 ने बनाया है उसको भी बनवाने का काम इस बजट में किया जाय। मान्यवर, इसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सम्पक्र मार्ग है कनारीबांक और दूसरा है ढिंगरी कुंवरपुर मार्ग। इनको भी इस बजट में जोड़ने का काम किया जाय। मान्यवर, मेरे क्षेत्र में सरकार की जो डॉ0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम योजना है, उसमें चार गांव चयनित हुए थे, लेकिन किसी भी गांव में कोई कार्य अभी तक नहीं कराया गया है। इस पर काम शीघ्र कराया जाय। मान्यवर, हमारे क्षेत्र में गांव है संगहाँ वह डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र विकास योजना में चयनित हैं उस पर सम्पक्र मार्ग का काम कराया जाय। मान्यवर, जो यह मार्ग है, वह इतना खराब है कि उस गांव में पहुंचना ही मुश्किल है। वहां विकास का काम होना तो बहुत दूर की बात है, वहां कोई अधिकारी भी देखने नहीं जाता। वहां जीप नहीं पहुँच सकती है। सरकार वाकई में जो डॉ0 राम मनोहर लोहिया समग्र विकास योजना बना रही है उसे यदि लागू करना चाहती है तो उस पर कार्य करे। जो यह 2012-13 की

योजना है और चयनित गांव हैं उन पर काम करने के लिए आपके पास एक माह से कम ही समय बचा है। उस सम्पक्र मार्ग को दुरुस्त करके उस गांव का सर्वांगीण विकास कराया जाय। मान्यवर सरकार ने जो घोषणायें की हैं उन पर यदि अमली जामा नहीं पहनाया गया तो सारी बातें कागजों पर रह जायेंगी। मान्यवर, आज जो बजट लोक निर्माण विभाग का आया है इसमें माननीय मंत्री जी ने बड़ी-बड़ी घोषणायें की हैं लेकिन इन घोषणाओं को जमीनी हकीकत पर उतारना बहुत जरूरी है। मान्यवर, 2012-13 के बजट में जो घोषणायें की गयी हैं और जिन पर काम अभी अधूरा है अगर ऐसे ही सरकार द्वारा काम किया जाता रहा तो फिर इस नये बजट का कोई मतलब नहीं है। मैं आपके माध्यम से इस पर रखे गये कटौती के प्रस्ताव पर बल देते हुए यह मांग करता हूं कि जो मैने अपने क्षेत्र की बाते रखीं हैं यह सरकार यदि उन्हें अपनी इस बजट में जोड़ती है तो शायद हम उसका समर्थन करने के लिए तैयार होंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री राधे श्याम सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय लोक निर्माण मंत्री द्वारा प्रस्तुत 2013-14 के प्रस्तुत बजट पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपके प्रति आभार प्रकट करना चाहते हैं। माननीय मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है मैं उसका समर्थन करता हूं मान्यवर, पूरे बजट को देखा जाये तो गांव के विकास से गांव की तरक्की से जुड़ा हुआ बजट है। गांव के विकास के बगैर प्रदेश और देश का विकास नहीं हो सकता। जिस गांव में सड़क न हो, जिस टोले पर सड़क न हो वह गांव कभी तरक्की नहीं कर सकता। हमारे विपक्ष के माननीय सदस्यों के द्वारा यह कहां गया कि 11 माह होने जा रहे हैं कहीं भी किसी सड़क पर कोई काम नहीं दिखाई दे रहा है। मान्यवर, पहली जून को बजट प्रस्तुत हुआ जुलाई में बजट पारित हुआ बरसात का सीजन आ गया हमारे माननीय सदस्यों को जानना चाहिए बरसात में कोई भी सड़क की पिच नहीं बनवाई जा सकती और न ही उसकी मरम्मत कराई जा सकती है जब तक मौसम ठीक न हो, धूप न हो सड़कों का निर्माण नहीं हो सकता। मैं याद दिलाना चाहता हूँ अपने विपक्षी माननीय सदस्यों को जो लोग बजट की आलोचना कर रहे हैं 2003 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी और माननीय मंत्री जी को उस समय भी लोक निर्माण मंत्री के पद पर रहने का अवसर मिला, 3 साल के अन्दर जो सड़के बनी जो पुल बना वह अपने आप में एक इतिहास है। निश्चित रूप से अगर उस 3 साल को देख करके हमारे पूर्व की सरकार ने काम किया होता तो निश्चित रूप से हमारे प्रदेश की कोई सड़क गड्ढ़ायुक्त नहीं होती। और आज कम समय में जो 20 कि0मी0 सड़क मरम्मत के लिए सभी विधान सभा क्षेत्रों मे ंदिया गया है जिला योजना में जो प्रस्ताव दिया गया है वह सराहनीय है। गांव को जोड़ने के अलावा इस बजट में हम कहना चाहते हैं साल दो साल के अन्दर कोई ऐसा ग्रामसभा का पुरवा नहीं बचेगा जो पिच रोड से न जोड़ दिया जाय । मैं मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि पिछली सरकार में अकेले मेरे विधान सभा में इन्होंने एक नदी पर 4 बड़े पक्के पुल का निर्माण करवाया जिसमें 2 पुल का लोकार्पण भी कर दिया और 2 पुल बनके तैयार हुआ था नेता विपक्ष मंत्री की हैसियत से उन दोनो पुल का लोकार्पण करने जा रहे थे जनता ने उनका विरोध किया। जनता के विरोध के सामने उनको वापस आना पड़ा। हम मंत्री जी से अनुरोध करना चाहते हैं कि आपके द्वारा बनवाया गया पुल जो देवराथ पिपरा छोटी गंडक पर है, बाला बाबा छोटी गंडक पर है जो कुशीनगर महराजगंज को जोड़ने वाला है जो आपके पडरौना को गोरखपुर

से जोड़ने वाला है और उन दोनो पुलो को लोकार्पण अपने हाथों से करने की कृपा करें, यह मांग करना चाहता हूं। मैं यह मांग करना चाहता हूँ कि मैं जिस विधान सभा से आया हूं वह विधान सभा क्षेत्र अनुसूचित सीट रहा है वहां विकास अति पिछड़ा है। तहसील होने के बाद, टाउन एरिया होने के बाद, दो-दो इंटर कालेज होने के बाद वहां आज तक आजादी के 65 साल बीत जाने के बाद कोई डाक बंगला नहीं बना। हम मंत्री जी से अनुरोध करना चाहते हैं चूंकि तहसील का मुख्यालय है, विधान सभा का मुख्यालय है वहां एक लोक निर्माण विभाग के द्वारा सरकारी डाक बंगला बनवाने की संस्तुति देने की कृपा करें। हम बधाई देना चाहते हैं कि मंत्री जी ने अपने भाषण में कहां है कि गोरखपुर से महराजगंज तक सड़क चौड़ी होगी। हम बधाई देना चाहते हैं कि भारत से नेपाल की सीमा को जोड़ने के लिये लगभग ढाई सौ किमी0 की सड़क प्रस्तावित है, इसके लिये हम बधाई देना चाहते हैं और जब-जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है, हमारे पूर्वांचल में सर्वाधिक विकास होता है। नदियों पर पुल बनाये जाते हैं, गांव-गांव में सड़क बनाई जाती है, टोले जोड़े जाते हैं। हम आपसे कहना चाहते हैं कि 5 साल के अंदर जो सड़कें गड्ढायुक्त हो गई हैं, उन गड्ढायुक्त सड़कों को हमारी सरकार गड्ढामुक्त करने का जो काम कर रही है, इसमें धीरे-धीरे वक्त लगेगा, समय लगेगा और एक साल के अंदर जब अगली बार हमारे लोक निर्माण मंत्री बजट प्रस्तुत करेंगे तो यह नहीं कहेंगे कि पिछली 5 साल की सरकार ने क्या किया, बल्कि जो किये रहेंगे, उस बात को आपके बीच में कहेंगे। 5-6 महीने का अवसर काम करने के लिये मिला, इन 5-6 महीने के अंदर जिला योजना में अकेले हर जिले के लिये लगभग 50 से ऊपर सड़कें स्वीकृत हो गयी हैं। इसका टेण्डर हो गया है, निर्माण शुरू हो गया है। राज्य सड़क निधि से तमाम सड़कें स्वीकृत हुयी हैं और सड़को की मरम्मत के लिये 20 किमी0 के लगभग 70 से 80 प्रतिशत काम समाप्त हो गये हैं। इसलिये यह जो लोकप्रिय बजट माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं, क्योंकि गांव के विकास से ही देश का विकास होगा। गांधी जी ने कहां था कि गरचे देश बनाना है तो पहले गांव बनाना होगा और गांव की उन्नति तथा विकास तब होगा, जब गांव को सड़कों से जोड़ दिया जायेगा, इसलिये इस बजट का समर्थन करते हुये मैं अपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

श्री विवेक कुमार सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, मैं बहुत आभारी हूं । लोक निर्माण मंत्री जी को मैं बधाई देता हूं कि उनमें दृढ़ इच्छाशक्ति है, कुछ करना चाहते हैं पर पता नहीं क्या मजबूरी है कि चाचा भतीजे के प्रेम के बीच में लगता है, बुआ भतीजे का प्रेम ज्यादा भारी हो गया है। दिक्कत यह है कि हम उनकी मजबूरी समझते हैं, पिछले बजट सत्र में उन्होंने आश्वासन दिया था कि निश्चित रूप से जिन लोगों ने गलत काम किये हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। मान्यवर, मुझे ज्यादा न कहकर सिर्फ यह कहना है कि जिन अफसरों ने लूट के कीर्तिमान स्थापित किये हैं, वह आज सर्वोच्च पदों पर आसीन हैं और जो अफसर पड़े थे जहां, वह आज भी पड़े हैं। माननीय मंत्री जी, कभी-कभी आजम साहब का बयान पढ़ लेते हैं तो मन में तसल्ली हो जाती है कि कुछ होने वाला है। चार-चार रिपोर्ट लोकायुक्त की पड़ी हैं सी0एम0 कार्यालय में। क्या कारण है कि उसको सी0बी0आई0 को नहीं सौंपा जा रहा है। मेरा सीधा सा मानना है कि एक कोतवाल जब जनपद में आता है और सात दिन अगर उसने दहशत फैला दी तो लोगों को न्याय मिलता है और लोग डरते हैं

लेकिन अगर वह चुप रहा, नहीं कुछ कर पाया तो लोग कोसते हैं। हम आपके शुभचिन्तक हैं, हम चाहते हैं कि बार-बार आप लोक निर्माण विभाग का बजट पेश करें और उस कुर्सी पर बैठें । लेकिन दिक्कत यह हो रही है, माननीय मंत्री जी कि दहशत नाम की चीज समाप्त हो रही है, आप कहते हैं और हम भी मानते हैं कि गिट्टी पड़ती है, लेकिन कितनी मात्रा में उसमें डामर पड़ता है कि गाड़ी जब उस पर से गुजरती है तो डामर बाहर हो जाता है, गिट्टी बाहर हो जाती है। स्थिति बड़ी नाजुक है, अधिकारी आपका आदेश नहीं मान रहे हैं। मैं समझ नही पा रहा हूं कि आखिर क्या कारण है । इतना सब करने के बावजूद चुप्पी क्यों साधे हुये हैं, आखिर किसका डर है, आपके साथ में सारे विधायक खड़े हैं, जरा खुलकर आइये तो सामने, आप भी हम भी और इसलिए आइये, जैसा कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहां था कि अगर सड़क का निर्माण हो जायेगा तो विकास की गंगा बहने लगेगी। विकास आप भी चाहते हो, विकास हम भी चाहते हैं। मजबूरी केवल यह है कि जिन सड़कों से हमें पहले आने में 3 घण्टे का समय लगता था आज उन्हीं सड़कों से आने में 5 घण्टे का समय लगता है। अभी फातिमा जी बहुत अच्छा शेर कह रही थीं, बांदा यात्रा का वर्णन कर रही थीं, शीलू निषाद के बलात्कार का जिक्र कर रही थीं और जितने अच्छे शेर उन्होंने पढ़े हैं मैं तो चाहूंगा कि माननीय लोक निर्माण मंत्री जी उन्हें अपनी गाड़ी में बैठाकर ले जाएं और 5-कालीदास मार्ग में शेर पढ़वा दें तो शायद कुछ मुख्य मंत्री टेम्पो हाई हो जाए। जिस पुल से वह गुजरी हैं उसका जिक्र मैंने पिछले बजट में बड़े जोर-शोर से किया था। मुझे अफसोस है कि जिन ठेकेदारों ने उसका ठेका लिया था, जिन्होंने गड्ढे पैदा कराये थे, जो सड़क बनवाई थीं वह ध्वस्त है और आप आराम से बैठे हुए हैं। आपसे मैंने निवेदन किया था पिछले दिनों और आपने कहां था (कि वादा करें और आपने वादिया किया था) कि मैं शीघ्र वायदा पूरा करूंगा और मैंने आपसे यह भी कहां था कि माननीय मंत्री जी कांग्रेस का विधायक होने के बावजूद मैं बार्डर पर आपको रिसीव करूंगा, मैं आपका स्वागत करूंगा। आप चलिये जरा सड़क देख लीजिए दो महत्वपूर्ण मौके आपके पास हैं, मुझे तो समझ में नहीं आता कि आप जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं। सिंचाई का पुल टूट गया, फसल नष्ट हो गई, खिंचाई आपकी हो रही है आपके विभाग की हो रही है और मजा ले रहा है वह जिसने चोरी की है, वह आपको धमका रहा है। मैंने विधान परिषद् की कार्यवाही देखी मैं ताज्जुब में पड़ गया कि किसने किया है, किसके रिश्तेदारों, नातेदारों ने नहरों का निर्माण कराया है। आप से निवेदन है कि आप हमारे क्षेत्र को कुछ दीजिए नहीं हम आपसे व्यक्तिगत रूप से मांग लेंगे। जब पांच साल हमने अपने क्षेत्र के मंत्री से नहीं मांगा मैं आज फिर कह रहा हूं कि अगर हमारी दृढ़ इच्छाशक्ति होगी, हमारे हाथ की कलम में ताकत होगी तो देखियेगा पूरा उत्तर प्रदेश आपके पीछे खड़ा होगा और नहीं होगा तो यह समझ लीजिएगा कि 2014 के चुनाव में बड़ा बुरा हश्र होने जा रहा है सारे ख्वाब धरे रह जायेंगे। मैं इन्हीं शब्दों के साथ आपके प्रति आभार प्रकट करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं।

*राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

आपकी पुलिया पर फटे वाले पजामें का क्या हाल है।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री विवेक कुमार सिंह-

मैं उसी की बात कर रहा हूं।

श्री हेमराज वर्मा-

आज जिस तरह से माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने बजट प्रस्तुत किया है वास्तव में इसकी कोई मिसाल नहीं मिलती, इस बजट की जितनी तारीफ की जाए उतना कम है। माननीय मंत्री जी ने सभी जनपदों को फोरलेन से जोड़ने की बात कही है। जो समय लगता है एक जनपद से दूसरे जनपद जाने का इस योजना से सभी जनपदों को आपस में जोड़ने से उस समय की बचत होगी और प्रदेश विकास के रास्ते पर काफी आगे बढ़ेगा। ऐसे बहुत से छोटे गांव हैं जहां पर सम्पक्र मार्ग नहीं है, माननीय मंत्री जी ने उन छोटे गॉवों का भी ख्याल किया है जो 250 की आबादी वाले हैं। जिन गावों को अब तक सड़क नहीं मिल पाई माननीय मंत्री जी ने अपनी कार्य योजना में उन गॉवों को सम्पक्र मार्ग से जोड़ने की बात कही है, यह और भी सराहनीय कार्य है। माननीय मंत्री जी ने बहुत सी नदियों पर बहुत से नालों पर सैकड़ों पुलों के निर्माण की योजना बनाई है, इसकी मिसाल और कहीं नहीं मिलती। आज मैं ज्यादा न कह कर जो बजट माननीय मंत्री जी ने पेश किया है और उसके समर्थन में जो हमारे सत्तापक्ष के जो सदस्य बोले हैं, मैं उनसे अपने आपको सम्बद्ध करते हुए अपने क्षेत्र की छोटी सी बात कहना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं कहना चाहता हूं कि हमारे पीलीभीत मुख्यालय का जो लिपुलेक-भिंड मार्ग है उस मार्ग को आपने पीलीभीत मुख्यालय से उत्तराखण्ड बार्डर तक जोड़ने वाली सड़क का, उसका चौड़ीकरण करने का काम किया है उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। साथ ही आपसे यह निवेदन करना चाहता हूं कि हमारा पीलीभीत जनपद जहां पर नौरवां रेलवे क्रासिंग है उस रेलवे क्रासिंग पर आये दिन भीड़ लगती है काफी समय लगता है जब कोई ट्रेन वहां से गुजरती है तो वहां जाम लग जाता है और काफी देर तक वहां रुकना पड़ता है।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये।

श्री हेमराज वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। उस रेलवे क्रासिंग पर अगर ओवर ब्रिज बन जायेगा, हमारी पीलीभीत जनपद में कोई ओवर ब्रिज भी नहीं है अगर ओवर ब्रिज बन जायेगा तो क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी और यह पीलीभीत जनपद की बहुत पहले से मॉग चली आ रही है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक खंकरा नदी है उस नदी पर दो पुल बनने बहुत जरूरी हैं। एक न्यूरिया से टोडरपुर मार्ग पर और एक खरौंसा से दहिगला मार्ग पर दो पुल बन जायेंगे तो क्षेत्र के लोगों को काफी सुविधा रहेगी।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं मा0 मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र में एक माला नदी है, उस माला नदी पर अधकटा से पैथवोझी मार्ग पर पुल बन जायेगा तो क्षेत्र के लोगों को काफी

सहूलियत मिलेगी। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र में बरखेड़ा से गजरौला मार्ग काफी संकरा है उसका चौड़ीकरण होना बहुत जरूरी है, इसी तरह से पीलीभीत माधौटांडा मार्ग का भी चौड़ीकरण होना बहुत जरूरी है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। हमारे क्षेत्र में पीलीभीत से धनपुआ मझोला रोड़ का चौडीकरण होना बहुत जरूरी है बहुत समय से वह रोड़ संकरा है और उस पर बहुत से वाहनों का आना-जाना रहता है। पीलीभीत से बनकटी रोड जिसका शेष भाग अभी तक नहीं बन पाया है बस रोड का ग्राम पड़री मोड़ से महोब तक बनना बहुत जरूरी है और उस रोड का अगर पीलीभीत से न्यूरिया महोफ होते हुए सड़क का चौड़ीकरण हो जायेगा तो क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं। मुझे आशा ही नहीं पूरी उम्मीद है माननीय लोक निर्माण मंत्री जी से कि हमारे क्षेत्र के जो काम हैं इन कामों की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री जय प्रकाश निषाद-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे माननीय सतीश महाना जी के कटौती प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया, मैं आपका आभार प्रकट करते हुए विपक्ष के माननीय सदस्यों के कटौती पर बल देते हुए अपने-आपको सम्बद्ध करता हूं। पिछली बार जब बजट सत्र चल रहा था तो माननीय मंत्री जी ने बजट सत्र के दौरान यहां पर बैठे सभी मा0 विधायकों के क्षेत्रों में काम कराने का बहुत बड़ा आश्वासन दिया था। उन्होंने कहां था कि पूरे प्रदेश में जितनी विधान सभायें हैं सभी विधान सभाओं के सभी सड़कों को गड्ढ़ामुक्त कराया जायेगा। मान्यवर, मैं आपसे बताना चाहता हूं कि चौरी-चौरा ऐतिहासिक धरती है, उस ऐतिहासिक धरती में दो ऐसी सड़कें हैं जो अभी तक गड्ढ़ामुक्त नहीं हो पाई। वहां पर एन0एच0आई0 के लोग, भारी वाहन चलाकर उसको तोड़ दिया हैउन लोगों ने उस सड़कों पर भारी भारी गढ्ढे कर दिए हैं भारी वाहन चलाकर। मैंने इसको कई बार माननीय मंत्री जी से अवगत कराया उस पर कई बार जॉच हुई उसको देखा गया उसका बजट बनकर शायद मंत्री जी के कार्यालय में आ भी गया होगा लेकिन आज तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। चौरी-चौरा गोरखपुर से देवरिया के लिए बलिया तक सड़क जाती है स्व0 पूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी थे तो उन्होंने यह सड़क बनवाई थी लेकिन उसको गढ्ढामुक्त करने के लिए माननीय मंत्री जी द्वारा जो धन मुहैया कराया गया उस धन के द्वारा जो भी गड्ढा भरने का काम किया गया एक डेढ़ महीने पहले लेकिन आज उसकी हालत क्या है कि जस की तस उसकी हालत बन गई। उसकी सारी गिट्टियां बाहर हो गयीं और वह सारे के सारे गढ्ढे फिर खुल गए। कोई भी काम सुचारु रूप से नहीं हो पाया मैंने अवगत कराया था मोतीराम अड्डा से कुसन्डी बाजार तक बहुत भारी गढ्ढे जिसमें चौरीचौरा क्षेत्र जो है इसके पहले कभी भी बी0एस0पी0 का विधायक जीतकर नहीं आया था। लगातार पांच बार समाजवादी पार्टी की विधायक वहां से जीता करती थीं । श्रीमती शारदा देवी वहां से जीतकर आती थी। अभी तक उस क्षेत्र को गड्ढामुक्त नहीं बनाया गया। वहां पर फुटहवा से सोनवर्षा बाजार तक सरैंया सुगर मिल होते हुए जो नेशनल हाई वे में जाकर जुड़ती है उस सड़क को हमारे बगल के माननीय विधायक माननीय राधेश्याम सिंह जी भी हैं वह भी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं उनको भी कभी कभी उधर से गुजरना पड़ता है। वह गड्ढा मुक्त अभी नहीं हो पायी है। यह बहुत जरूरी है एक ऐतिहासिक मार्केट लगता है सोनवर्षा बाजार जहां पर बहुत आवागमन है। यह सड़कें नहीं बन पायीं।

माननीय मंत्री जी से मैं अवगत कराना चाहता हूं और भी गोरखपुर से देवरिया बहुत बार गुजरे हैं चौरीचौरा के निबिहावा फाटक पर जो रेलवे क्रासिंग है वहां पर तमाम घटनाएं आए दिन होती रहती हैं वहां पर ओवर ब्रिज बनाने के लिए कई बार हमने बजट भाषण में जोड़ने के लिए कहां था लेकिन उसका कोई भी प्राविधान नहीं हो सका। ऐतिहासिक धरती चौरी-चौरा शहीदों की धरती होने के बावजूद वहां पर गेस्ट हाउस या डाक बंगला आज तक नहीं है। अध्यक्ष जी मैं आपसे कहना चाहता हूं कि एक डाक बंगला बनाने का वहां पर प्राविधान करना चाहिए। क्योंकि ऐतिहासिक धरती होने के नाते दूरदराज के लोग उस शहीदी धरती को देखने के लिए आते हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि वहां पर एक डाक बंगले का निर्माण होना चाहिए। विधान सभा चौरी-चौरा एक ग्राम सभा हरैया के पास एक मंझना नाला है उस मंझने नाला पर झिरझिरवा घाट पर एक पुल का निर्माण कराया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करें।

श्री जय प्रकाश निषाद-

अध्यक्ष जी मैं कहना चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र में चार राम मनोहर लोहिया ग्राम सभा चयनित हैं समग्र ग्राम में अभी तक वहां कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि 2011-12 में एक महीने बचे हैं लेकिन आज तक जो चार ग्राम चयनित हैं उसमें अभी तक कोई कार्य शुरू नहीं कराए गए हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब हो गया ।

*सिंचाई राज्य मंत्री (श्री गायत्री प्रसाद)-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं लोक निर्माण विभाग के बजट के समर्थन में खड़ा हुआ हूँ।

(श्री सतीश महाना व दो एक अन्य माननीय सदस्यों के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

प्रजापति जी को अब बुला लिया है तो इनको बोलने दीजिये।

श्री सतीश महाना-

माननीय अध्यक्ष जी, इधर से भी माननीय सदस्यों को सुन लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

अरे बैठिये। सोम जी का इसके बाद में आयेगा। प्रजापति जी को अब बुला लिया है तो इनको बोलने दीजिये।

श्री गायत्री प्रसाद-

माननीय अध्यक्ष जी, यह सुनना नहीं चाहते हैं। इनका यही रवैया है, कम से कम जवाब सुन तो लीजिये।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

महाना जी, क्या जल्दी जाना है। आप देखिये द्विवेदी जी बोल के गई हैं और आपने कट मोशन रखा है। अरे मंत्री जी, आप रुक जायं। यह हाथ जोड़ रहे हैं।

श्री संगीत सिंह सोम-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे पी0डब्ल्यू0डी0 कटौती प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये मैं आपका आभारी हूं। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पिछली बार जब बजट प्रस्ताव शिव पाल जी ने प्रस्तुत किया था, बजट प्रस्तुत किया था कई लाख करोड़ रूपये का। बहुत सड़कों की घोषणा भी हुई थी। (शोर) एक मिनट सुन तो लीजिये। अभी कई माननीय सदस्यों ने कहां कि मेरे यहां 20 किमी0 सड़क बन गई, मेरे यहां 25 किमी0 सड़क बन गई। एक मंत्री जी ने कहां कि बरसात थी इसलिये बन नहीं पाई। मैं पूछना चाहता हूं कि जब बरसात आई होगी तो पूरे उत्तर प्रदेश में आई होगी। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है माननीय शिव पाल जी के बारे में यह कहां जाता है कि वो बड़ा सामांजस्य बनाकर चलते हैं और पक्ष विपक्ष का बड़ा ध्यान रखते हैं। लेकिन पहली बार यह देखने को मिल रहा है, वैसे तो मैं शिवपाल जी से काफी दिनों से जुड़ा हुआ हूं। लेकिन पहली बार देखने को मिल रहा है कि पक्षपात करके शिवपाल जी ने अब तक काम किया है। (शोर) आजम खां साहब एक मिनट, एक मिनट लेकिन मैं यह। अब आप कहने ही नहीं देंगे क्या फायदा। तो मैं माननीय शिवपाल जी से यह कहना चाहता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने दो घोषणा मेरे यहां की थी। एक डोराला से मसूरी और एक सकोटी से फलादां। बड़ी दुःखद विषय है कि मुख्य मंत्री जी की घोषणा के 6 महीने बाद भी उन सड़कों पर आज तक एक भी रोड़ी नहीं पड़ी। पिछली बार एक बात शिवपाल जी ने बड़ी हंसी लेकर कहां था कि अबकी बार इस साल में कुछ हो या न हो तो एक माननीय सदस्य ने कहां था कि हेमा मालिनी जैसे गाल बना देंगे तो शिवपाल जी ने कहां था कि हेमा मालिनी जैसे बनाऊं न बनाऊं टी राम जैसे गाल जरूर बना दूंगा मैं आपकी सड़कों के। लेकिन दुःखद विषय यह है कि टी0 राम जी भी यहां बैठे हैं और टी0राम जी जैसे गाल बने या नहीं बने हमें तो नहीं लगता कि कहीं कुछ बना है। हमारी आजम खां साहब अभी कोई सड़क नहीं बनी हमारी। (शोर) क्या उधर आ कर ही बनती है सड़क। सड़क अगर उधर ही बनती हो तो बताओ। मेरा कहना केवल यही था कि जो गांव जो सड़कें गड्ढामुक्त होने के लिये दी गई थीं सुन तो लीजिये, अभी तक भी मेरठ में किसी सड़क पर रोड़ी नहीं पड़ी है। बड़ी अच्छी बात यह है कि मेरे प्रभारी मंत्री जी आजम खां साहब हैं। जब आजम खां साहब हमारे प्रभारी मंत्री हुए थे तो हमने सोचा था कि प्रदेश के बड़े ताकतवर मंत्री हमारे प्रभारी हुए हैं तो हमारे जिले में तो विशेष रूप से काम होगा, अब इन्साफ होगा लेकिन पता नहीं वो इन्साफ कहां है, पता नहीं वह ताकत कहां है हमें तो यह पता है कि हमारे जिले में एक भी काम नहीं हुआ। सड़कों की जब बात आती है सकोटी फलांदा का अभी मैने जिक्र किया कि एक भी रोड़ी उस पर नहीं पड़ी माननीय मुख्य मंत्री जी की घोषणा के बाद। जो पिछली सरकार में घोटाले हुए। मैंने पिछली बार भी कहां था, कुछ अधिकारियों के खिलाफ मैंने लिखकर दिया था और उस पर मैंनें जांच की मांग की थी। जांच भी हुई टी0ए0सी0 जांच हुई। टी0ए0सी0 वहां गई भी लेकिन दुःखद विषय यह है कि वह अधिकारी आज भी वहीं के वहीं काम कर रहे हैं और जिस तरीके से पीछे लूट मचा रहे थे आज भी वैसे ही लूट मचा रहे हैं टी0ए0सी0 की

जांच के बाद भी, जो टी0ए0सी0 जांच करने गए थे मैंने उन्हें भी टेलीफोन करके कहां कि आपकी जांच रिपोर्ट गई या नहीं गई उन्होंने कहां कि मैं अपनी जांच रिपोर्ट दे चुका हूं उसमें कार्यवाही करना मंत्रालय का काम है। मैं माननीय शिवपाल जी से यही कहना चाहता हूं कि ऐसे अधिकारी जिनमें कोई खौफ नहीं है। पिछले पांच साल से यही बात आती है कि वह कह देते हैं कि इन्होंने लूटा, यह कहते हैं कि उन्होंने लूटा, हम यह कहते हैं किसी ने भी लूटा, जिसने लूटा उसके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। ऐसे अधिकारी जेल जाने चाहिए। क्योंकि ऐसे अधिकारियों के इतने मनोबल बढ़े हुए हैं कि वह आज न किसी की बात सुनने को तैयार हैं न उनमें सत्ता का डर है और न किसी विपक्ष का डर है। कल आजम साहब एक बात कह रहे थे कि अधिकारी सोचते हैं कि सरकार तो आती रहती है जाती रहती है लेकिन अधिकारी उसी कुर्सी पर बना रहता है। यह वास्तविकता है। अधिकारी के दिमाग में यह बात घर कर गई है कि कोई भी आए, कोई भी जाए, हमें तो इसी कुर्सी पर बने रहना है। हमें किसी की बात नहीं सुननी है। मैं शिवपाल जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि शिवपाल जी के डंडे में वह हनक होती थी, एक डर होता था अधिकारियों में, वह इनके डंडे से कांपा करते हैं लेकिन पहली बार देखने को मिल रहा है कि अधिकारी डर की वजह से काम नहीं कर रहे हैं। अबकि बार काम नहीं हो रहा है। एक बात मैं और शिवपाल जी को याद दिलाना चाहता हूं कि एक नानू से लेकर सरधना तक..

एक मा0 सदस्य-

मंत्री जी का नाम लेकर संबोधित न करें।

श्री संगीत सिंह सोम-

मैं एक बात कहना चाहता हूं कि नानू से लेकर सरधना तक चार किलोमीटर जिसकी लम्बाई है, और मेरठ से लेकर सरधना तक कुल 20 किलोमीटर की लम्बाई है बीस किलोमीटर में करीब 16 किलोमीटर सड़क ऐसी है जिसमें मेरठ से लेकर सरधना तक दस मिनट में जाया जा सकता है, लेकिन जो चार किलोमीटर की दूरी है उसकी इतनी खराब हालत है, जैसे अभी बोल रहे थे कि गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा है यह पता नहीं चलता है। मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि उस सड़क के बारे में थोड़ी चिन्ता कर लें। क्योंकि क्राइम के ऊपर जब बात होती है पूरे प्रदेश में कहते हैं कि क्राइम बढ़ा हुआ है तो जो ऐसी सड़कें हैं ऐसी सड़कों की वजह से भी लुटेरे अपना काम करते हैं क्राइम इस वजह से और भी बढ़ रहा है। जब सड़कें बनेंगी विकास होगा तो क्राइम अपने आप कम हो जाएगा। मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि मेरे यहां मोमन से रतनपुरी को एक रास्ता जोड़ता है जो पी0डब्लू0डी0 विभाग का ही है।उस पर कई साल पहले रोड़ी पड़ी थी लेकिन आज तक उस पर लेपन कार्य नहीं हुआ। मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि मंत्री जी उसे भी प्रस्ताव में ले लें तो अच्छा रहेगा।मैं माननीय मंत्री जी से एक बात और कहना चाहता हूं कि मैं कई जिलों का, जिला योजना का रिकार्ड लाया हूं यह पी0डब्लू0डी0 के ही हैं सारे, कई जिलों के हैं, हमारे जिले में भी यह था कि 86 करोड़ रुपया इस बार दिया गया है। लेकिन हमारे जिले में एक भी सड़क स्वीकृत नहीं हुई है अब पता चला है कि तीन सड़कों का एक-एक लाख रुपया अब जाएगा। जो पिछले साल का था। मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि जो सड़कें आपके यहां जिला योजना प्रस्ताव में आई हैं उन्हें करायें। अगर उनको कराया

जाएगा तो एक अच्छा मैसेज जाएगा। एक अच्छा काम होगा। मैं बहुत ज्यादा न कहकर, केवल मा0 मंत्री जी को यही कहते हुए कि आपकी जो हनक और धमक है उसे बनाए रखें। पी0डब्लू0डी0 विभाग में आपकी चर्चा होती है यह सच है कि आपकी चर्चा होती है कि पांच साल इन्होंने लूट कर खाया लेकिन शिवपाल जी ने बहुत अच्छा किया था। लेकिन वह मैसेज अबकि बार नहीं जा रहा है वही मैसेज जाना चाहिए ।

(इस समय 03 बजकर 55 मिनट पर अधिष्ठाता प्रो0 शिवाकान्त पीठासीन हुए।)

मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं।

श्री गायत्री प्रसाद-

माननीय अधिष्ठाता जी, लोक निर्माण के बजट पर आपने बोलने का अवसर दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष जी, जिस तरीके से बजट आया है मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने पेश किया है निश्चित रूप से यह प्रगति के रास्ते का बजट है। उत्तर प्रदेश में पहली बार इतनी धनराशि का बजट पेश हुआ है निश्चित तौर से, ऐसी सड़कों का जैसा कि हमारे कई मा0 सदस्यों ने बताया और पक्ष और विपक्ष के भी लोगों ने बताया, इसके पहले मा0 मुख्य मंत्री जी ने भी सड़क के बारे में बताया था कि जो भी सड़कों का विकास होता है जब समाजवादी पार्टी की सरकार आती है तब होता है उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री जी मुलायम सिंह यादव जी थे। जो इसी सदन से सड़कों की घोषणा करते थे, नलों की घोषणा करते थे, जिसको आज खुद विपक्ष के लोग दोहराते हैं। तो अगर विकास हुआ है तो समाजवादी पार्टी की सरकार में हुआ है और इसके पहले पूर्व की सरकार ने जिस तरीके से पूरे प्रदेश में लूट-खसोट करके एक भी सड़क बनवाने का काम नहीं किया, सिर्फ लखनऊ में ही एक बार खुदती थी सड़क, दोबारा उसी को बनाते थे, सुबह होती थी, फिर खोदते थे और इतना भ्रष्टाचार फैलाया और निश्चित रूप से माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने सरकार बनते ही, जैसा अभी एक सदस्य ने कहां कि कार्यवाही नहीं हो रही है, इतिहास गवाह है कि जितने कर्मचारियों को, अभियन्ताओं को जो निलम्बित करने का काम माननीय लोक निर्माण मंत्री, शिवपाल यादव जी ने किया है, इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। माननीय अध्यक्ष जी, जिस तरीके से हमारे क्षेत्र में ही जब बसपा की सरकार थी तो पूर्व सरकार की मुखिया ने बाईपास बनवाने के लिए 2 करोड़ रुपये दिया था और इतना बन्दरबांट किए कि आज भी वह अमेठी का बाईपास अधूरा है। उस पर चल नहीं सकते हैं। मान्यवर, वहां की सड़कें जिस तरीके से जर्जर थी, जैसे ही हमारे माननीय लोक निर्माण मंत्री बने, सरकार हमारी बनी, 30 कि0मी0 हर विधायक की सड़क बनने की घोषणा की, प्रस्ताव लिया और उस पर काम चल रहे हैं। क्षेत्र की जनता और प्रदेश की जनता खुशहाल है। पूरे प्रदेश में जिधर जाइये, उधर सड़कों का निर्माण हो रहा है। 80 प्रतिशत सड़कें गड्ढामुक्त हो चुकी हैं। अध्यक्ष जी, जिस तरीके से पूर्व की सरकार के लोग कहते हैं, उन्हें सोचना चाहिए, अमेठी में ही अगर इन्हें देखना है, क्योंकि अमेठी क्षेत्र कांग्रेस का वीवीआईपी कहां जाता है, जगदीशपुर से गौरीगंज जो मुख्यालय है, सड़क बनायी है, यहां पर टी0राम जी बैठे हैं, माननीय अध्यक्ष जी, प्रतिदिन उस पर एक्सीडेण्ट होता है, 30 कि0मी0 की सड़क में ऐसे 50 खतरनाक मोड़ हैं कि कोई भी उस रास्ते से गुजर जाता है तो दोबारा उस रास्ते से जाने की जुर्रत नहीं जुटा पाता है। ऐसी सड़क बनवाने का काम किया। मान्यवर, हम गोण्डा जा रहे थे, उसमें इतने गड्ढे थे और जब से सरकार बनी, फिर एक बार दोबार हम गए,

देखा कि पूरी सड़क गड्ढामुक्त हो गई है। यह जो लोग बैठे हैं और कहते हैं कि काम नहीं हो रहा है, आपने क्या विकास किया है। अगर किसी ने काम किया है तो समाजवादी पार्टी की सरकार ने किया है। इसलिए अध्यक्ष जी, मैं लोक निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं, धन्यवाद देना चाहता हूं माननीय मुख्य मंत्री जी को कि पक्की सड़कों को बनवा करके प्रत्येक जिले से जोड़ने का काम किया है। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद।

श्री दलवीर सिंह-

माननीय अधिष्ठाता जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं। एक सड़क गाजियाबाद से कानपुर तक एन0एच0 91 बन रही है। पीएनसी और गल्फा, दो कम्पनियां इस सड़क को बना रही हैं। इस सड़क से लगी हुई दोनों साइड की सड़कें गिट्टी, मिट्टी और बालू आदि लाने में सब ध्वस्त कर दी हैं। पूरे जनपद अलीगढ़, बुलन्दशहर, एटा की, जहां-जहां से होकर यह ट्रकें निकल रही हैं, इन्होंने पूरी सड़कें विध्वंस कर दी हैं। आपके अधिकारी यहां बैठे होंगे, प्रमुख सचिव और ईएनसी, मैंने कई बार कहां है कि जब तक आप उन पर पेनाल्टी नहीं करेंगे, उनसे रिकवरी नहीं करेंगे, उनसे मरम्मत नहीं करायेंगे, तब तक वह आपके राज्य की जितनी सड़कें बनी हैं, जिले की जितनी सड़कें बनी हैं, तोड़ते रहेंगे। हमारे यहां की सब सड़कों को विध्वंस कर दिया है, आप कितनी ही सड़क बनवा लें, एटा, अलीगढ़, बुलन्दशहर और गाजियाबाद इन जिलों की साइड की सड़कें इन लोगों ने कतई खत्म कर दी हैं। और कई बार मैंने रोका है। 65-65 टन गिटटी और मिटटी भरकर यह लाते हैं। सड़कें बेकार हो गयी हैं। यह आपके राजस्व की बहुत बड़ी बेइमानी कर रहे हैं। इसने रायल्टी के रूप में केवल 50 लाख रूपये जमा किया है। जैसी मेरी जानकारी है। अब तक इन पर कम से कम 50 करोड़ रूपये की रायल्टी हो जानी चाहिए थी। बिना किसी परमीशन के इन्होंने राजस्व की भी हानि की है और पूरे सम्पक्र मार्गों को ध्वस्त कर दिया है। मैंने डी0एम0 को बताया आपके प्रमुख सचिव को बताया इंजीनियर इन चीफ को बताया लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। आप इस पर प्रभावी कार्रवाई करें।

श्री पूरन प्रकाश-

बोलो गिरिराज महाराज की जय। माननीय अधिष्ठाता जी, मैं बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे लोक निर्माण विभाग के बजट पर आदरणीय महाना जी के कटौती प्रस्ताव पर बल देने के लिए बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, प्रदेश में जनपद मथुरा वह जिला है जहां हर साल करोड़ों लोग चाहे वह श्री गिरिराज जी महाराज हों, चाहे वृन्दावन हो चाहे बल्देव हों दर्शन करने आते हैं। हमारे लोक निर्माण मंत्री जी भी बहुत बड़े भक्त हैं। वहां बाबा जय गुरूदेव हैं उनके यहां भी साल में चार बार मेला लगता है। नेता जी भी और हमारे लोक निर्माण मंत्री जी भी खुद मथुरा आते हैं। आज मथुरा की सड़कों की यह स्थिति है कि जहां आदमी 15 मिनट में पहुंचता है वहां आज पांच घण्टे लग रहे हैं।

श्री अम्बिका चौधरी-

माननीय अधिष्ठाता जी, माननीय सदस्य अगर इसको अतिशयोक्ति में बढ़ाकर बोल रहे हैं तो उनको बांके बिहारी क्षमा कर देंगे अन्यथा उन्हीं का नारा लगाकर इतना बड़ा झूठ 15 मिनट का 5 घण्टा बोलेंगे तो श्राप गिरेगा। इसलिए उसको सुधार लें।

श्री पूरन प्रकाश-

माननीय राजस्व मंत्री जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मेरी बात को डिटो किया। मान्यवर, मथुरा से बल्देव मार्ग जनपद का मुख्य मार्ग है। 102 नम्बर कहां जाता है। आज उस सड़क पर आप चल नहीं सकते। दूसरे जनपदों को जोड़ता है। अभी दो डिलीवरियां उस रोड पर हो गयीं एक में जच्चा बच्चा दोनों मर गये। यह रिकार्ड में है आप वहां के जिलाधिकारी से रिकार्ड मंगवा लीजिएगा। आपके प्रशासन ने मथुरा का मुख्य पुल जो यमुना जी के ऊपर है उसको बन्द कर दिया गया। सारा ट्रेफिक गोकुल बैराज से होकर उसी मार्ग पर आ रहा है। मथुरा सादाबाद मार्ग पर। वहां पर अलीगढ़, हाथरस वहां पहुंचने में आपको डेढ़ घण्टे लगते हैं और 20 किमी0 सड़क को पार करने में छः घण्टे लगते हैं। स्थिति यह है कि आपने आदेश कर दिया लेकिन वहां काम शुरू नहीं हुआ है। आपके चीफ इंजीनियर ने लिखकर दिया कि यह मरम्मत लायक नहीं है इस पर पुनर्निर्माण होगा। मैंने लिखकर भी दिया था आपने विभाग में भेज दिया लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। उसी तरह से राया से बल्देव मार्ग पर आप नहीं चल सकते हैं। इसी तरह से मथुरा से पूरब रूट नं0 33 मुख्य मार्ग है। आपके 10 जनपदों को जोड़ रहा है, अलीगढ़, हाथरस, पीलीभीत, बरेली, भरतपुर से वाया मथुरा और राया पड़ता है और राया की स्थिति यह है कि आप जाइयेगा, चार घण्टे, पांच घण्टे जाम से आपको निजात नहीं मिल सकती है। आपने उसमें भी आदेश किया था कि इसका बाईपास बनवाया जाय, लेकिन अभी तक नहीं बना। मा0 अधिष्ठाता जी, आपके माध्यम से इस लोक निर्माण विभाग के महत्वपूर्ण विभाग का बजट आपने रखा है, आपने अरबों, खरबों रूपये का हवाला दिया है, लेकिन उस जनपद में जहां पर आपका नाता दिल से भावना से जुड़ा हुआ है बाबा जयगुरूदेव, बाबा की आत्मा देख रही होगी आपको, उन्हीं की वजह आप बैठे हो वहां पर, यह भी आप याद कर लीजिएगा, मान्यवर अगर मा0 लोक निर्माण मंत्री जी रहते हुए वह इस सरकार में नहीं बन पाये तो मैं समझता हूं कि यह कभी नहीं हो पायेंगें। आज स्थिति यह बनी हुई हैं, आप जब मथुरा गये हुए थे तो आपने कहां था कि विधायक जी आपकी कोई शिकायत नहीं, बीस साल हो गये मुझे विधायक हुए, चौथी बार का विधायक हूं, बीस साल मेरे पिता जी विधायक रहे, लेकिन मैंने कभी सदन में इतनी अपनी पीड़ा नहीं कही, जितनी मैं आज कह रहा हूं और इसके साथ-साथ आपके जनपद में ही शहर में ही जो आपका एनएच-2 है जहां बाबा का आश्रम है, उसके आगे जो आपका चौराहा पड़ता है, उस पर जब तक आप ओवरब्रिज नहीं बनायेंगे, पुल नहीं बनायेंगे, तब तक उसकी भी निजात नहीं होनी वाली। अभी आपके पीछे हमारे अधिकारी बैठे हुए हैं नोट कर लें, बल्देव ब्लाक और राया ब्लाक के सबके आपके आडिट होने के बाद स्टीमेट आ गये, आपके विभाग के आ गये, अधिकारियों के आ गये, लेकिन क्या कारण है मान्यवर, काम शुरू नहीं हो रहा है और एक और मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि जो आपके पिछले कार्यकाल में हुए थे और जो आपके कुछ टेण्डर हो रहे हैं, खुल रहे हैं, वही फिर नया खेल शुरू हो गया है, वही ठेकेदार फिर आ गये हैं, उन्हीं ठेकेदारों की वजह से यह उधर से इधर आये थे, कहीं ऐसा न हो जाए कि उन्हीं ठेकेदारों को वजह से फिर दोबारा आपको इधर न आना पड़ जाए। उनको निकालना पड़ेगा आपको, नेटवक्र बना हुआ है, कहीं मानक नहीं है, कोलतार की जगह काला तेल चलता है, रिफाइनरी चोरी होता है, काले तेल से सड़कें बनती हैं । दो-दो साल भी नहीं हुए हैं कि डेढ़ महीने पहले ही उछलने लग गईं। अभी उसी तरह आपका कन्जौली

घाट पुल है, आपने दो साल पहले चालू तो करा दिया, स्टार्ट हो गया, लेकिन उसके न तो इधर से अप्रोच मार्ग है न तो उधर से अप्रोच मार्ग है, रायपुरघाट से कन्जौली घाट और कन्जौली घाट से बल्देव मार्ग रोड ही नहीं है, अब पुल क्या करेगा। जो आपका मथुरा का पुल है वह टूटा हुआ पड़ा है, बन्द कर दिया है प्रशासन ने, हैवी व्हीकल नहीं निकलता कहीं पर भी, सेंक्शन हो गया, उसकी शुरूआत करा दें। मा0 अधिष्ठाता जी हम आपके माध्यम से चाहेंगे कि हमारे लोक निर्माण मंत्री शायद अगर नोट कर लिये हों, आपने आदेश कर दिया हो, हम सभी आपको तभी एप्रीसियेट कर पायेंगे, तभी माना जायेगा कि अब आपकी कथनी-करनी पूरी है, मैं अनुरोध करूंगा कि कृपया यह सब नोट करा लें, जितने यह बल्देव ब्लाक की, राया ब्लाक की 97 सड़कें हैं, जितना आपने आर्डर कर के स्टीमेट मंगा लिया है, लेकिन उसका पैसा निर्गत नहीं हो रहा है, वह निर्गत करा दें, कहें तो मैं दोबारा लिख कर के आपके पास भेज दूंगा और मान्यवर जो मैंनें कहां तीन महीने पहले की बात है, हमारे जितने साथी बैठे हुए हैं, मा0 अधिष्ठाता जी, अभी दो कैजुवल्टी हुई हास्पिटल नहीं पहुंच पाये, हास्पिटल जाने लायक रोडें नहीं हैं बल्देव-मथुरा रोड पर, मथुरा-सादाबाद रोड पर 15 दिन के बाद ही दूसरी घटना हुई, वह तो खैर हास्पिटल पहुंच गये, लेकिन हालात यह हैं कि मरम्मत लायक वह है ही नहीं, आपके चीफ इन्जीनियर की रिपोर्ट है, मरम्मत होगी नहीं, बने हैं नहीं तो क्या करें। जबकि मुख्य मार्ग है, मैंनें पहले ही आपको बताया था कि 102 नम्बर है वह मार्ग मथुरा-सादाबाद मार्ग है और राया का जो मैंनें बताया वह 33 नम्बर है। प्रदेश के नक्शें के आपके मुख्य मार्गों की मैं बात कह रहा हूं, बाकी जितने मार्ग हैं वह आपने सब मंगा लिया है, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि पिछले साल भी आपने मुझे आश्वासन दिया था, लेकिन वह सिर्फ आश्वासन ही न रह जाए, यह मैं कहना चाहूंगा, इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

श्री उमेश पाण्डेय-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे लोक निर्माण विभाग के मा0 महाना साहब द्वारा रखे गये कटौती के प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे लोक निर्माण विभाग के मा0 महाना जी के रखे गये कटौती प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। इसके लिये आपका आभार व्यक्त करता हूं। अभी हमारे सत्ता पक्ष के मा0 सदस्यों द्वारा बड़ी वाह वाह की गयी, बड़ी वाह वाही लूटी गयी कि हमने ये तीर मार दिया, हमने वो तीर मार दिया लेकिन आज एक साल पूरे होने को हैं, धरातल पर शून्य है। विकास के नाम पर शून्य है। सुन लो, मेरी बात सुन लो। मा0 अधिष्ठाता महोदय, सत्ता में बैठे हैं आप और सत्ता में जिसने गलत किया, उनके खिलाफ कार्यवाही करो आप। दम है तो कार्यवाही करिये। हमारी बात सुनिये, मैं सुझाव देना चाहता हूं, सुनना है तो सुनिये। मा0 अधिष्ठाता महोदय, यह बात सही है कि कोई योजना बनाने में टाइम लगता है। कोई योजना और उसको धरातल पर लाने में टाइम लगता है लेकिन एक माह पन्द्रह दिन रह गये। ये सरकार जो लोहिया जी की माला जपती है, हम भी जपते हैं लेकिन हमारे जनपद मऊ में विधानसभा क्षेत्र मधुबन के अन्तर्गत मात्र तीन गॉव लिये गये हैं। अभी तक वहां पर कोई काम शुरू हुआ ही नहीं है। यहां तक कि 2011-12 में लगभग 40 किलोमीटर की सड़क दोहरीघाट होते हुये मधुबन तक जो गोरखपुर, बलिया और बिहार को जोड़ने वाली सड़क है। जिस पर लाखों लोग डेली आवागमन करते हैं। बलिया से बिहार और गोरखपुर जाते हैं। वह सड़क अपने ऑसू बहा रही है। इतने इतने गड्ढे, राज्य सरकार

का उसमें लगभग करोड़ों रुपया खर्च हो चुका है जबकि 13वें वित्त में पैसा भी मौजूद है। आखिर क्या कारण है कि उस कार्य को शुरु नहीं कराया जा रहा है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से मैं मा0 मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मा0 मंत्री जी उस सड़क पर आये दिन बूढ़े, बच्चे, नौजवान आये दिन गिर रहे हैं, घायल हो रहे हैं। आये दिन लोगों के टायर फट रहे हैं जबकि उस पर लाखों रुपया, करोड़ों रुपया राजस्व की हानि भी हो रही है। सारी बसें दूसरे रूट से जा रही हैं। लोगों का आना जाना मुश्किल हो गया है। बड़ी वीभत्स स्थिति हो गयी है। हमारा क्षेत्र शहीदी धरती के नाम से जाना जाता है और शहीदी एक सड़क आपने हमारे यहां दी है, 44 करोड़ की लागत से अलीनगर में, अलीनगर से लेकर सठघरा सेण्टर तक। में। मैं आपको बधाई देना चाहता हूं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, यह सरकार अभी मा0 मुख्य मंत्री जी ने कहां कि हम टेण्डर प्रणाली के द्वारा काम करायेंगे। आखिर क्या कारण है कि वह 44 करोड़ की सड़क दो फर्मों को बगैर टेण्डर कराये आवंटित कर दी गई और उन फर्मों को किया गया जो फर्में पहले से बदनाम हैं। उनके द्वारा बनाई गई सड़कें टूट चुकी हैं, उनकी जांच करा ली जाये। मा0 अधिष्ठाता महोदय आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से कहना चाहता हूं हम लम्बी बात नहीं करना चाहते। मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि अभी मैंने क्वेश्चन लगाया था सड़कों पर, जो गड्ढामुक्त करने की बात है। मा0 मंत्री जी ने सदन में आश्वस्त किया था कि उत्तर प्रदेश की समस्त सड़कें 15 दिन के अन्दर गड्ढामुक्त हो जायेंगी। मैंने क्वेश्चन लगाया और उत्तर आया कि सभी सड़कें गड्ढामुक्त हो गईं। जिन अधिकारियों ने गलत उत्तर दिया। गड्ढा अभी वैसे ही हैं और उत्तर दे दिया गया कि उसको ठीक कर दिया गया, कर दिया गया, गड्ढामुक्त कर दिया गया। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैंने फोटोग्राफ खिंचवा करके प्रमुख सचिव, विधान सभा के कार्यालय में कुछ सड़कों का दिया भी है। इन अधिकारियों के खिलाफ मा0 मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि उन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाये।

(सत्ता पक्ष के कतिपय मा0 सदस्यों द्वारा बीच में बोलने पर)

बीच में मत बोलिये। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से, मा0 मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि गॉव का विकास, जो सपना है, जो सबकी सोच है, जिसके नीचे हम लोग बैठे हैं, जिस मण्डप में हम बैठे हैं, उन्होंने भी सोचा था, गांव के विकास और बेहतरी के लिए। बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर ने भी सोचा था, गॉव के विकास और बेहतरी के लिए, आज उसमें कार्य होना चाहिए, न कि हम एक-दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप लगा करके, विकास को कहॉ ले जाना चाहते हैं, खाली एक-दूसरे के ऊपर आरोप प्रत्यारोप और धमका-धमकाकर बातें की जा रही हैं।

श्री अधिष्ठाता-

आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री उमेश पाण्डेय-

यह जो असंसदीय परम्परा चली है, इसको खत्म करने की आवश्यकता है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से इतना ही कहना चाहता हूं कि जिन बातों को, अपने क्षेत्र की समस्याओं को मैंने आपके सामने रखा है, मेरे क्षेत्र की समस्याओं का समाधान जल्द-से-जल्द किया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं मा0 महाना जी के द्वारा रखे गए कटौती के प्रस्ताव पर बल देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं।

श्री सुधाकर-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने 2013-14 लोक निर्माण विभाग के बजट पर बोलने का आपने अवसर दिया, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं मा0 अधिष्ठाता महोदय, आलोचना तो हर चीज की की जा रही है, जब परम्परा चली आ रही है कि अरबों-अरबों के बजट को कटौती प्रस्ताव में यह कह दिया जाता है कि एक रूपया कर दिया जाए। यदि इस बात को मान भी लिया जाए तो एक रुपये में मैंने पहले ही कह दिया कि एक लेवन चूस मिलने वाला नहीं है। खैर, इस परंपरा को स्वस्थ परंपरा बनाया जाए और अच्छा काम हो रहा है तो उसकी तारीफ की जाए। माननीय अधिष्ठाता महोदय, 14 अगस्त, 1947 को 11 बजकर 59 पर भारत का आखिरी वायसराय माउण्ट बैटन ने हिन्दुस्तान छोड़कर जाने का डिसीजन किया था। जब हिन्दुस्तान छोड़कर जाने लगा कहां हिन्दुस्तानियों भारत छोड़कर जा रहा हूं, अपना संविधान बनाओ, अपना कानून बनाओ, अपना देश चलाओ और जब संविधान सभा की संरचना हो रही थी, जिसके चेयरमैन भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद बनाए गए, जो कार्य समिति बनाई, प्रारूप समिति के चेयरमैन डॉ0 अम्बेडकर बने, तो हमारे यहां के रहने वाले, घोसी विधान सभा के रहने वाले, अमला के, माती के रहने वाले अलगू राज शास्त्री उस संविधान सभा के मेम्बर थे। जब 19 अप्रैल, 1919 को जब पंजाब के जलियॉवाला बाग में गोली चली, जब 1750 ट्रिगर गोली चली, जहां 1600 लोग घायल हुए, 379 लोग घटना स्थल पर मर गए आजादी के वास्ते, वह आजादी आज 65 वर्ष पूरा कर रही है। वहीं मधुवन है, जहां 14 अगस्त, 1942 को राम नक्षत्र पाण्डेय और बनवारी यादव के नेतृत्व में मडवल कलेक्टर के यहां से 250 गोलियॉ चलती रहीं, गोलियॉ कम पड़ गई लेकिन मधुवन में सीने कम नहीं पड़े। आजादी की लड़ाई में उस धरती का काफी योगदान है। देवलोक से मान्यवर, वह शहीद लोग मान्यवर, मा0 मंत्री जी को बधाई दे रहे होंगे। जब पूर्वांचंल में कहीं रोड नहीं थी, जब पूर्वाचंल में कहीं वैसी रोड नहीं थी, हेमामालिनी का नाम सदन में लिया जा रहा है। उस समय बालेश्वर गायक ने कहां था कि वह रोड कल्पनाथ राय ने बनवाई थी, वहां हेमामालिनी का क्या है आज वह रोड बसपा के राज में, इन लोगों के राज में सड़क में गड्ढ़ा है कि गड्ढ़े में सड़क है, पूरी सड़क पर धान रोप दिया गया, बसपा के राज में। जो शहीदों के नाम पर बनी थी, देवलोक से सारे शहीद लोक निर्माण मंत्री को बधाई दे रहे हैं कि 5 वर्ष के बाद नहीं 25 वर्ष के बाद पहले लोक निर्माण मंत्री ऐसे मिले हैं, जो उन शहीदों की आत्मा को शांति देने का काम किए हैं और वह सड़क तैयार हो रही है। वह सड़क बन रही है। जो दोहरीघाट के सड़क की बात हो रही है मान्यवर, हमारी सरकार ने पैसा रिलीज किया है, काम शुरू होने जा रहा है। हमारे यहां 30 वर्ष से मॉग हो रही थी कि मीरपुर घाट का पुल बन जाए, हथनी का पुल बन जाए, जरथौली का पुल बन जाए। आजादी के बाद पुल बनने की बात तो छोड़ दीजिए, लड़ते-लड़ते कितने लोग शहीद हो गए लेकिन पुल नहीं बना। मैं वर्तमान सरकार और मा0 लोक निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं, खड़े होकर के सारे लोगों को बधाई देनी चाहिए कि पुल मंजूर हो गया और एक महीने दो महीने के अंदर काम शुरू हो जायेगा। मा0 लोक निर्माण मंत्री को मैं धन्यवाद देना चाहूंगा कि यही आजमगढ़ से, मऊ से, घोषी से हम लोग चलते थे 12-12 घंटा, 14-14 घंटा लगता था, लखनऊ आने में पैसेजर से और फिर शियालदाह हम लोग पकड़ते थे। मान्यवर, तीन घंटे में मऊ से आजमगढ़ होते हुए लखनऊ का सफर पूरा कर रहे हैं । पूरे जनपद

मऊ में सड़कों का जाल बिछ गया है। अभी तो इस सरकार को गठित हुए लगभग एक साल का समय हुआ है। आप लोग पांच साल यहां पर रहे इतने गड्ढे कर दिये हैं कि इनको जवाब देते नहीं बन रहा है हमारे बहुजन समाज पार्टी के साथियों को और बगले झांक रहे हैं। वहां पर एक मुख्य मंत्री जी बैठती थीं नजदीक में जाकर बैठना तो दूर उनके दर्शन नहीं कर पाते थे। यह समाजवादी पार्टी की सरकार जब से आयी है जब यह लोग जाते हैं तो हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी इन्हें अपने बगल में बिठाते हैं । इनको पहले सुना जाता है और हम लोगों से कह दिया जाता है कि आप लोग बैठें। इसे ही समाजवाद कहते है। मेजों की थपथपाहट। विपक्ष के लोग अपनी बात माननीय मुख्य मंत्री और माननीय मंत्रीगण से जाकर कह रहे हैं और अपने काम करवा रहे हैं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि चाहे पक्ष के हों या विपक्ष के जब काम हो रहे हैं तो आपको सरकार की प्रशंसा करनी चाहिए। माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहूँगा कि उन्होंने पूरे पूर्वांचल में सड़कों के विकास का संकल्प लिया है। बनारस से लेकर नौतनवां की सड़क किसी जमाने में खराब हुआ करती थी हमारी सरकार उसके निर्माण पर विचार कर रही है। निश्चित तौर पर वह सड़क बनेगी। बलिया से लेकर शाहगंज, सुल्तानपुर के लिए जो सड़क जाती है वह सड़क भी हमारी सरकार बनवायेगी ऐसी हमें आशा है। मान्यवर, यह लोग इस विभाग को इतना गंदा करके गये हैं कि उस गंदगी को सुधारने में कुछ समय तो लगेगा ही । सरकार द्वारा इस विभाग के कामों पर ध्यान दिया जा रहा है । इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस बजट का पुरजोर समर्थन करता हूँ।

श्री धर्मपाल सिंह-

मान्यवर, माननीय अधिष्ठाता जी मैं आपका आभारी हूं कि आपने लोक निर्माण विभाग के बजट पर जो महाना जी ने कर्टौती का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है उस पर बोलने का मौका दिया है। मान्यवर किसी भी सरकार की प्राथमिकता में सड़कें हुआ करती हैं। सच में विकास का पैमाना सड़कें ही होती हैं। किसी प्रदेश में अगर सड़कें ठीक हैं तो यह माना जाता है कि इस प्रदेश का जी0डी0पी0 भी ठीक है और कृषि भी ठीक है। मान्यवर इसलिए जो यह लोक निर्माण विभाग का बजट है बहुत महत्वपूर्ण बजट है। सच में शब्दों में लोक के निर्माण करने का यह बजट है। मान्यवर, विगत बजट में माननीय मंत्री जी ने कहां था कि प्रदेश को नई सड़के नहीं देंगे। प्रदेश में जो भी सड़के हैं हम उनकी मरम्मत करवा देंगे। मान्यवर कोई मरम्मत का कार्य उसमें नहीं हुआ है। एक बजट का सन्दर्भ देंगें, जिसमें कहां गया है कि समग्र ग्राम विकास योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये बजट में आवंटित किये गये हैं। मैं बताना चाहता हूं कि इसमें से एक भी रुपया खर्च नहीं हुआ है। आप विभाग का पेंच कसिए कि जब पैसा है तो काम क्यों नहीं हो रहा है इसकी आप चिन्ता कीजिए। मान्यवर, आजादी को प्राप्त हुए 66 वर्ष हो गये हैं मैं आपको बधाई दूंगा कि आपने अपनी योजना में जिला मुख्यालयों को फोर-लेन मार्ग से जोड़ने और तहसील मुख्यालयों को विभिन्न मार्गों से जोड़ने और उनका चौड़ीकरण करने और सुदृढ़ीकरण करने की आपने योजना बनायी है यह अच्छी बात है। मान्यवर, आजादी के बाद भी आज भी प्रदेश में 250 से 500 तक की आबादी के 24056 गांव ऐसे हैं, जो सड़कों से आच्छादित नहीं हैं। सड़कों से उन्हें जोड़ा नहीं गया है और आपने इस बजट में अभी मात्र 2100 ग्रामों को जोड़ने के लिए कहां है और इनको बजट भी आवंटित किया है। मान्यवर, मैं आपका ध्यान अपने जनपद बरेली की विधान सभा आंवला की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । मान्यवर, आपने

फोर लेन की बात कही। हमारे बरेली बदायुं मार्ग से भमेरा आवंला, राम नगर, शाहाबाद यह बहुत चौड़ी सड़क बन रही है इस सड़क पर काम बहुत सुस्ती से चल रहा है। मान्यवर, यह बिलारी से मुरादाबाद तक जोड़ने का काम है इसको फोर लेन करने का काम करें। मान्यवर, जब नेशनल हाइवे जाम हों जाता है तो शाहाबाद से सिरौली, सिरौली से गुलेरिया, गुलेरिया से अलीगंज और अलीगंज से रामपुरा यह मार्ग चढ़ता है, इसको स्टेट हाइवे घोषित करें तो आवागमन की बहुत सुविधा होगी और आम जनता भी इससे जुड़ने का काम करेगी। मान्यवर, दूसरा आपने बहुत से सेतु, पुल बनवाने की बात कही है हमारी आंवला विधान सभा क्षेत्र में रामगंगा नदी है उस पर पान्टून पुल बना है कुछ सालों पहले वहां नाव पलट गयी और 18 लोगों की मृत्यु हो गयी । हम चाहते हैं कि पान्टून पुल के स्थान पर आप सेतु बनवाने का काम करें और मान्यवर, कुछ सुझाव भी हम देना चाहते हैं। अधिष्ठाता महोदय, हम लम्बा भाषण नहीं करना चाहते हैं हमारे माननीय सदस्य जो नये सदस्य हैं हम अपना समय उनको देंगे, हम कम बोलेंगे। मान्यवर, ग्रामीण सड़कें बनती है। मान्यवर, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में ग्रामीण सड़कें 4-5 वर्ष में खराब हो जाती हैं आपके इंजीनियर विदेश भी जाते होंगे अध्ययन करने कि मजबूत सड़कें कैसे बनाई जायें। गांव की सड़कें मजबूत बने आपके पास क्वालिटी मेन्टेन करने के लिए विभाग है आपने क्वालिटी प्रमोशन सेल भी बनाया हुआ है गुणवत्ता मेन्टेन करने के लिए और थर्ड पार्टी गुणवत्ता मेन्टेन हो इसका भी प्रयोग किया गया है। मान्यवर, सड़कें मजबूती से बने, गांव की सड़के जो बनती हैं उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित हो इसकी आप चिन्ता करेंगे तो सरकार का संदेश अच्छा जायेगा। मान्यवर, एक सुझाव और देना चाहेंगे मान्यवर, एक्सीडेन्ट होते है सड़कों के किनारे लोग अतिक्रमण कर लेते हैं लोग घर बना लेते हैं और कुछ लोग तो बाकायदा नक्शा पास कराकर नक्शा बना लेते हैं। मान्यवर, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि जिस विभाग के लोग नक्शा पास करने का काम करते हैं आप पहले उनको दंण्डित करने का काम करिये फिर जिसका मकान है उसको तुड़वाने का काम करें। मान्यवर, मैं इन्हीं शब्दों के साथ आपको धन्यवाद देते हुए कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, अपनी बात को समाप्त करता हूं धन्यवाद।

*श्री अजय कुमार 'लल्लू'-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं हृदय से आपका आभार व्यक्त करता हूं। कुशीनगर जनपद का तमकुहीराज क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। हम बाढ़ की विभीषिका तो झेलते ही हैं स्थिति यह है कि सड़कें इतनी टूटी और जर्जर पड़ी हुई हैं पिछली सरकार ने 5 वर्षों में उस इलाके में एक भी नई सड़क को बनाने काम नहीं किया है साथ ही साथ पुरानी सड़कों की जो स्थिति है आप अपनी आंख से देखेंगे अभी हमारे एक साथी चर्चा कर रहे थे कि गड्ढ़े में सड़क है या सड़क में गड्ढ़ा है इसका पता नहीं चलता है। पूर्व में बाबू गेंदा सिंह जी वहां से नेतृत्व किया करते थे। स्व0 बाबू गेंदा सिंह का नाम हरेक आदमी जानता है। उनके द्वारा एक टीवी रोड का निर्माण हुआ था तमकुहीरोड से बरवा पट्टी तक । बरवा पट्टी वह सुदूर क्षेत्र है जो एकदम नदी के किनारे बसा गांव है और वहां की स्थिति यह है कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो उस समय जितने टूटे हुए अंश थे। वह बनने का काम शुरू हो गया था लेकिन बाद में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकाल में वह सड़कें वैसी की वैसी रोक दी गईं। टीबी रोड पर तमकुहीराज के पास एक

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बूढ़ीगण्डक पर पुल की आवश्यकता है, जिसका आगणन आपके पास आ चुका है अगर वहां पर एक पुल का निर्माण हो जायेगा तो वहां से उस पार लोगों को जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। यही स्थिति गौरी जगदीश के गौरी घाट पर है जो 1984 की बाढ़ से टूटी हुई पड़ी है और उसका भी आगणन आपके यहां आ चुका है। अभी कुछ दिन पहले एक घटना हुई थी आज तक उस पार के लोग यदि नई-नवेली दुल्हन भी आती है तो नाव से नदी को पार करके अपने घर जाती है और उस पार के लोग आज भी नाव से शहर में जाते हैं अपना सामान खरीदने के लिए शादी विवाह का सामान खरीदने के लिए। अभी तीन महीने पहले एक घटना हुई दो लोगों की नदी में डूबने से मृत्यु हो गई और इसके पहले पता नहीं कितने लोग मरे होंगे उसकी गिनती नहीं होगी। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि गौरीघाट पर भी एक पुल बनवाने का काम किया जाए। यही स्थिति गोलाघाट एक जगह है जो पिपराघाट का एक टोला पड़ता है वहां भी ऐसी ही स्थिति है, वहां भी नदी के उस पार के लोगों ने आज तक नाव से ही यात्रा करने का काम किया है। उन्हें इस पार या उस पार शाक-सब्जी वगैरह खरीदना हो या कोई अन्य कार्य हो या शादी विवाह हो उन्हें नाव से नदी को पार करना पड़ता है। यहां भी जो दुल्हन आती है तो वह नाव से नदी को पार करके अपने घर जाने का काम करती है। ऐसे में जहां भौतिक संसाधन का युग है, कम्प्यूटर लैपटॉप से पूरा देश पूरी तरह से जुड़ चुका है वहीं आजादी के इतने वर्षों के बाद भी लोगों को नाव से इस पार से उस पार आकर तमाम स्थितियों को झेलना पड़ रहा है। यहां तक कि कोई बीमार हो जाए और अगर रात में वह बीमार हो जाए तो कम से कम उसे 20 किलोमीटर तक बिहार के रास्ते को पकड़ करके आना पड़ता है और आज जहां हम हजारों हजार रुपये बजट का प्रावधान रखते हैं ऐसे में मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह मॉग करूंगा कि गौरीघाट के पुल, गोलाघाट के पुल और टीबी रोड के पुल का आगणन आपके यहां आ गया है। आपसे मैं निवेदन करूंगा, कई बार मैं आपसे मिला हूं पत्रक भी दिया हैं इन तीनों पुलों का निर्माण अतिशीघ्र कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि तमकुही रोड से नरवाजोत जाने के लिए एक चौड़ीकरण रोड, जो यू0पी0 से बिहार को जोड़ने के लिए आपने कई सड़कों की योजना चलाई है और यू0पी0 से बिहार जोड़ने के क्रम से तमकुही रोड से नरवाजोत तक, तमकुही रोड से दाऊगंज होते हुए बहादुरपुर बिहार बार्डर तक, तमकुही राज से अहिरौलीदान तक और एक रोड जो पडरौना से तमकुही राज तहसील तक आती है। माननीय अध्यक्ष जी इस समय यहां पर नहीं हैं वह एक कार्यक्रम में दुदही गये थे। आपके पिछले साल के बजट में जिला मुख्यालय से तहसील मुख्यालय को जोड़ने की योजना थी और वह रोड बन रही थी, जब आपकी घोषणा हुई तो मुझे बहुत खुशी हुई कि इसी बहाने जल्दी बन जायेगी लेकिन पता नहीं कौन सा ग्रहण लग गया कि वह गोड़रिया तक आकर रूका है। मैं आपके माध्यम से मॉग करना चाहूंगा कि वह सड़क जो आपकी योजना में है आपके घोषणा-पत्र में है, जिला मुख्यालय से तहसील मुख्यालय, पडरौना से तमकुही राज तक को जोड़ने का कार्य करें। प्रान्तीय खण्ड कसया एक ए0ई0 के भरोसे चल रहा है, मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मॉग करना चाहूंगा कि चूँकि एक ए0ई0 पूरे जनपद को नहीं चला सकता, वहां पर 14 ब्लॉक हैं इसलिए इन 14 ब्लॉकों में एक ए0ई0 पूरा काम नहीं कर सकता है मैं आपके माध्यम से मांग करूंगा कि वहां पर एक और ए0ई0 की नियुक्ति तत्काल कर दी जाए। मैं कहना चाहता हूं कि नहर की सारी पटरियॉ पूरी तरह से टूटी पड़ी

हैं, नहर का जब निर्माण हुआ तो यू0पी0 से बिहार जाने के लिए तमाम रोडों के निर्माण कराये गये लेकिन वह पटरी जर्जर स्थिति में पड़ी है, उन पटरियों पर तत्काल सड़क बनवाकर उनकी व्यवस्था को सुनिश्चित कराने का काम किया जाए। हमारे यहां दाऊगंज से मथौली तक एक सड़क है वह काफी खराब स्थिति में है। इसी सदन के सदस्य रहे हैं आदरणीय श्री कृपाशंकर आर्य जी जो गन्ना राज्यमंत्री भी हुआ करते थे, यहां उनका घर है, उनकी बड़ी वेदना है, कई बार उन्होंने लिख करके दिया है, आपकी ही पार्टी के मेम्बर हुआ करते थे, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि उनके घर तक की एक सड़क जो दाऊगंज से मथौली तक जाती है उसका निर्माण कराने का काम करें। मैं कहना चाहता हूं कि बांसगांव सरगटियां से जमुआन घाट तक जो सड़क जाती है उस सड़क पर एक पुल का निर्माण होने से शायद वहां की स्थिति सामान्य हो जाए। मान्यवर, एक पुल की मैं और मांग आपके माध्यम से करना चाहूंगा एक स्थान है रामायनडोभ, रामायनडोभ पर अभी 10 दिन पहले एक घटना हुई है जिसमें सात लोग मर गये हैं। बहुत बड़ा पुल नहीं है, मुश्किल से 15 से 20 मीटर का पुल है अगर वह पुल बन जायेगा तो कई लोगों का जीवन बच जायेगा, जो छोटे-छोटे बच्चे नाव से स्कूल जाते हैं मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मांग करूंगा कि उस पुल को भी बनवाने का काम किया जाए। बिरवठ से बेदूपार खलवा टोला तक एक पुल का निर्माण, अमवॉ नदी में एक पीपे पुल का निर्माण, बिरवठ के नदी में एक पीपे पुल का निर्माण कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है जिसका आगणन आपके यहां आ चुका है। मैं माननीय मंत्री जी से मांग करता हूं कि इन पीपे के पुलों का भी निर्माण हो जाएगा तो जो गन्ना किसान नदी के उस पार से गन्ना नाव से ले आता है वह आराम से पीपे के पुल के सहारे अपना गन्ना फैक्ट्री को दे सकता है। चूंकि गन्ना पर ही आधारित हमारा क्षेत्र है। आपने बोलने का मौका दिया बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सचीन्द्र नाथ त्रिपाठी-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे माननीय लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। मान्यवर, यह बजट अत्यन्त रोचक, लोकोपकारी, जनोपयोगी एवं जनहितकारी है। यह बजट सड़क बनने का है, यह बजट टूटी-फूटी सड़कों के सुदृढ़ीकरण का है, यह बजट मजरों को जोड़ने का है, यह बजट सेतु बनाने का है। माननीय अधिष्ठाता जी, मैं आपके माध्यम से लोक निर्माण मंत्री को साधुवाद देना चाहता हूं कि हमारे विधान सभा क्षेत्र जफराबाद में जो आदिगंगा गोमती और सई के मध्य अवस्थित है, उसमें माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने वर्ष 2005 में तीन पुलों का निर्माण कराने के लिए दिया था जो सात वर्ष तक अपने को बेसहारा महसूस कर रही थी आपने उनको बनवा दिया इसके लिए आपको धन्यवाद्। हमारे लोक निर्माण मंत्री जी का जनपदों को चारलेन से जोड़ने का सपना साकार होने जा रहा है। हमारा जो एन0एच0 है लखनऊ से वाराणसी मार्ग, वह जौनपुर से वाराणसी तक अत्यन्त जर्जर है। उससे जुड़ने के लिए हमारा कुन्दहा, सुजानगंज, मछलीशहर का अवशेष भाग मड़ियाहूं जलालपुर, जलालपुर टुकेरा तक को इस चार लेन से जोड़ करके बजट को अत्यन्त रोचक बनाने की कृपा करें। चूॅकि दो नदियों के मध्य हमारा विधान सभा क्षेत्र है, आदिगंगा गोमती और सईं, अतिलंघन करना बड़ा ही मुश्किल होता है, हमारी आधी विधान सभा क्षेत्र बहुत ही दुःखी है। धनेजा घाट और गड़हर घाट जो कई वर्षों से पीपे के पुल से चल रहा है उस पर नया पुल बनवा करके बजट को रोचक बनायें। मेरा आपसे

नम्र निवेदन है कि जो कार्य आपने किया है उसके लिए धन्यवाद् और जो कार्य हमारे क्षेत्र के अवशेष हैं लेकिन बहुत जरूरी हैं, लोकमहत्व के हैं, उस पर भी विचार करने की कोशिश करें, धन्यवाद।

श्री राजबली जैसल-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीय लोक निर्माण मंत्री द्वारा प्रस्तुत लोक निर्माण विभाग के बजट पर विपक्ष द्वारा रखे गये कटौती के प्रस्ताव पर आपने हमें बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद्। माननीय मंत्री जी द्वारा उत्तर प्रदेश के तमाम संर्वांगीण। माननीय मंत्री जी द्वारा अभी उत्तर प्रदेश के सर्वांगीड़ विकास के लिए, ग्रामीण अंचलों को सड़कों से जोड़ने के लिए तमाम योजनाओं की विस्तार से चर्चा की गयी। मैं सिर्फ एक ही बात कहना चाहूंगा कि वास्तव में अगर डा0 राम मनोहर लोहिया के नाम पर आपकी योजना चल रही है और उस गांव के समग्र विकास की योजना लागू करना चाहते थे तो इन गांवों को जोड़ने के लिए, सड़कों के निर्माण के लिए आपके बजट का प्राविधान है, निश्चित रूप से इसमें कुछ बढ़ोत्तरी होनी चाहिए जिससे कम से कम लोहिया समग्र गांव का विकास अच्छे तरीके से हो सकता था। मैं ज्यादा न कहते हुए मैं अपने क्षेत्र की बात करना चाहता हूं हमारे कोरांव से रमनगंड देवघाट मार्ग जो पहाड़ों के बीच से जाता है और उसमें तमाम खनन के काम चलते हैं जिससे वे सड़कें प्रभावित हो जाती हैं तो उसका अगर चौड़ीकरण हो जाए तो ज्यादा अच्छा होगा। इसी तरह से सुहास महुआव से लेकर रतैवरा 9 कि0मी0 की सड़क है उसकी विशेष मरम्मत की आवश्यकता है। उसी तरह से पथरा सै पौसिया 8 कि0मी0 की सड़क है, उसकी विशेष मरम्मत की आवश्यकता है। इसी तरह से जिला मुख्यालय से तहसील मुख्यालय को चौड़ीकरण करने का काम किया जा रहा है। हमारे जिला मुख्यालय से हमारा कोरांव तहसील मुख्यालय और करछना तहसील मुख्यालय दोनों एक रास्ते पर पड़ते हैं, चौड़ीकरण की आवश्यकता नहीं है क्योंकि सड़क काफी चौड़ी है लेकिन उसमें एक रेलवे लाइन पड़ने के कारण अक्सर वहां जाम का सामना करना पड़ता है तो करछना में एक उपरिगामी सेतु बनवाने की निश्चित रूप से आवश्यकता है। अगर आप उस उपरिगामी सेतु को बनवाने का काम करेंगे तो उसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई देना चाहेंगे। माननीय मंत्री जी, एक चीज मैं ऐसे मौके पर जरूर कहना चाहूंगा जब आज पी0डब्लू0डी0 का बजट आपके द्वारा रखा गया है और डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र गांव का आज इलाहाबाद में टेण्डर हो रहा है। इस समय पौने पांच बजने जा रहा है, लेकिन अब तक डी-क्लास को छोड़करके, उसमें भी जो बड़े काम हैं उनको छोड़ करके ए, बी, सी के एक भी टेण्डर फार्म की बिक्री नहीं की गयी है, यह किन परिस्थितियों में है ? एक तरफ आप डा0 राम मनोहर लोहिया के आदर्शों पर चलने का काम कर रहे हैं, उस तरफ बैठ करके इस तरफ की तमाम खामियों को गिनाने का काम कर रहे हैं। वहीं आज इलाहाबाद में इतनी बड़ी अनियमितता बरती जा रही है कि एक भी टेण्डर फार्म का वितरण नहीं किया जा रहा है, यह किन परिस्थितियों में ? मैं चाहूंगा कि आप इसका संज्ञान लें और अभी वक्त है, आप उस टेण्डर को, अभी तमाम टेण्डर नहीं हुए हैं इसको आगे बढ़ाने का काम कर दें जिससे लोगों को सही रूप से टेण्डर मिल सके और लोग इच्छानुसार निविदा का काम कर सके। इसी तरीके से मैं एक चीज जरूर निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे इलाहाबाद में एक पैकेज का निविदा, जो पैकेज नम्बर यू0पी0 031013 है जिसका टेण्डर 14 जनवरी को पड़ा था, 15 जनवरी को इसकी निविदा खुली थी, 25 जनवरी को इसका टेक्किनीकल बिड़ फायनल हुआ था, 05 फरवरी को फाइनल

बिड हुआ है लेकिन 05 फरवरी से 05 मार्च हो गया और 15 जनवरी से निविदा पड़ी हुई है। दो महीने से टेण्डर पड़ा हुआ है तो कौन सी ऐसी परिस्थिति है कि उसका बांड नहीं बनाया जा रहा है ?

(इस समय 04 बजकर 48 मिनट पर अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

कृपया इसका भी संज्ञान लें करके इसमें भी निश्चित रूप से कार्यवाही करें। अभी मा0 सदस्य कह रहे हैं कि टेण्डर पर क्यों बोल रहे हैं ? इसलिए बोल रहा हूं कि जब आप इस तरफ से उस तरफ बैठते हैं तो इस तरफ की तमाम खामियों को गिना रहे हैं और आप कहते हैं कि हम न्याय करेंगे, अन्याय नहीं करेंगे, बदले की भावना से काम नहीं करेंगे तो आज टेण्डर क्यों नहीं पड़ रहा है ? क्यों नहीं खोला जा रहा है तो निश्चित रूप से इसका संज्ञान लेने का काम माननीय मंत्री जी करें और इसकी अवधि बढ़ाने का काम करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती इन्द्राणी देवी-

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आभारी हूं कि आपने लोक निर्माण विभाग के बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया। मैं इस सदन को बताना चाहती हूं जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी आदरणीय नेता जी मुख्य मंत्री थे तो हमारे जनपद श्रावस्ती में जनता की मांगों पर हमारे जनपद श्रावस्ती में अंधरपुरवा पर पुल बनवाने का निर्माण कार्य जब नेता जी मुख्य मंत्री थे तब काम शुरू हुआ था जनपद श्रावस्ती नेपाल बार्डर से मिला हुआ क्षेत्र है वहां 70 गांव को जोड़ने वाली गोंडा, बलरामपुर की भी वह दूरियां कम करता है अंधरपुरवा का पुल लेकिन जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार आई तो उसको वहीं छोड़ने का काम किया । मान्यवर, मैं आपको बताना चाहती हूं कि जब हमारी समाजवादी पार्टी की सरकार बनी और उस 70 गांव की जनता ने और हमारे श्रावस्ती के विधायक जी भी इस सदन में बैठे हुए हैं हम लोग उस क्षेत्र में गए तो जनता की मांग थी कि समाजवादी पार्टी के आदरणीय नेता जी ने यह पुल देने का काम किया था लेकिन जब हम लोग अपनी पूरी तन्मयता से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएंगे तो हमारी समस्याओं को आप लोगों को जरूर देखना है। मैं इस सदन के माध्यम से बताना चाहती हूं। कि हमारे दोनों एम0एल0ए0 जनपद श्रावस्ती से जीते और जीतने के बाद आदरणीय सिंचाई मंत्री जी से उन क्षेत्र की समस्या के बारे में हम लोग बताए मैं बधाई देना चाहती हूं माननीय सिंचाई मंत्री जी को कि आपने जनपद श्रावस्ती के अंधरपुरवा पुल पर काम शुरू कराने का जो कार्य किया है और आपके आदेशों को आपके अधिकारियों ने तत्काल लागू करने का काम किया है मैं अपनी तरफ से क्षेत्र की जनता की तरफ से उन अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहती हूं जिन्होंने 70 गांवों की गरीब जनता की आवाज को सुनने का काम किया। माननीय मंत्री जी आपने हमारे भिनगा क्षेत्र में मधवापुर घाट पर पुल देने का जो काम किया है और आपके प्रयास से वह बनने जा रहा है वह 80 गांवों को जोड़ता है उस समय बसपा के माननीय सदस्य लोग कहॉ थे जनपद श्रावस्ती नेपाल सीमा से जुड़ा हुआ है आपकी पांच साल की सरकार थी आप उन जनता की समस्या को नहीं देखे आज हमारे सिंचाई मंत्री जी ने जनपद श्रावस्ती में हमारे नेपाल बार्डर से जुड़ा हुआ ककरदरी से चौधरीडीह तक हमारी रोडें बन रही हैं हमारी बहराइच से भिनगा मुख्यालय तक चौड़ीकरण हो रहा है माननीय सिंचाई मंत्री जी को मैं धन्यवाद और बताना चाहती हूं और इस सदन के माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहती हूं कि माननीय मंत्री जी आज जनपद श्रावस्ती में आपके दो एम0एल0ए0 हैं लेकिन जनपद श्रावस्ती नेपाल बार्डर का क्षेत्र है

उस श्रावस्ती क्षेत्र से गरीब की आवाज आएगी तो आपका उत्तर प्रदेश जिस तरह से श्रावस्ती पर आपका ध्यान आकर्षित है उस तरह उत्तर प्रदेश की जनता आपको दुआ देगी और आशीर्वाद देती रहेगी। माननीय मंत्री जी मैं अध्यक्ष जी के माध्यम से बताना चाहती हूं कि जिस तरह से हमारे यहां पुल और रोडों की बौछार चल रही है उस तरह हमारे भिनगा नगर में ईदगाह तिराहे से लक्ष्मनपुर जाने वाली रोड तक ओवरब्रिज दे दिया जाय तो हमारे क्षेत्र की जनता और बधाई देगी और बधाई देती रहेगी। माननीय मंत्री जी आपका एम0एल0ए0 तो है श्रावस्ती लोक सभा श्रावस्ती में पांच सपा के एम0एल0ए0 हैं मैं इस सदन और उत्तर प्रदेश को संदेश देना चाहती हूं कि आपका लोक सभा श्रावस्ती में जो भी प्रत्यासी जाएगा आपका श्रावस्ती से नहीं गोंडा बलरामपुर और बहराइच भी आपका होगा। जय हिन्द जय समाजवाद।

एक सदस्य-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी पार्टी की तरफ से मेरा दूसरा नाम था। मैं ढाई घंटे से बैठा हुआ हूं। मैं व्यक्तिगत प्रयास कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब इनको बोलने दीजिये। इनके बाद आपका नाम है।

श्री सुरेश राणा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि अपने मुझे बोलने का मौका दिया। अभी मेरे से पूर्व सुधाकर सिंह जी बोल रहे थे, और सुधाकर सिंह जी ने बोलते बोलते कहां कि हम सबको धन्यवाद करना चाहिए माननीय मंत्री जी का, हम सबको बधाई देनी चाहिए माननीय मंत्री जी को। निश्चित रूप से हमारा भी मन करता है माननीय मंत्री जी को बधाई देने का कि हम माननीय मंत्री जी को बधाई दें हम भी धन्यवाद करें लेकिन क्या मैं इस बात के लिये बधाई दूं अभी शहीदों की बात आपने की कि शहीदों की आत्मा बहुत सन्तुष्ट होगी इनके विकास को देखकर। मैं कहना चाहता हूं, मेरे बराबर का प्रदेश पंजाब प्रदेश, जब 23 साल का भगत सिंह हंसते हंसते फांसी के फंदे पर चढ़ा होगा तो शायद उसी समय किसी शायर ने लिखा होगा कि --

खून जितना था बहाया वतन के वास्ते
खून जितना था बहाया वतन के वास्ते,
एक कतरा भी ना रखा अपने तन के वास्ते
यूं तो दुनिया में मरते हैं बहुत,
पर मौत वो है जो आये वतन के वास्ते।

ऐसे भगत सिंह के प्रदेश से जब लोग उत्तर प्रदेश मे आते हैं, मेरा भी मन मंत्री जी को बधाई देने का करता है पर क्या इस बात के लिये बधाई दूं कि जब हरियाणा, पंजाब से लोग उत्तर प्रदेश के अंदर प्रवेश करते हैं तो करनाल बार्डर से जैसे ही अंदर घुसते हैं डेढ़ डेढ़ फिट के गड्ढे सड़कों के अंदर हैं। क्या मैं इस बात के लिये बधाई दूं। सारा विभाग बैठा है। हमारे जानदार शानदार प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश सिंह जी बैठे हैं। मैं उनके समक्ष यह बात रखना चाहता हूं, हमारे शामली का, शामली से आपको भी विशेष लगाव है आप कई बार गये हैं। हमारे शामली की मुख्य सड़क

पानीपत खटीमा मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त है। एक पुल जो मुज्जफरनगर से बाहर है और पानीपत खटीमा मार्ग राज्य मार्ग का मुख्य पुल है, सैकड़ों गांवों के लोगों को जोड़ता है, पिछले तीन दिन से धरना चल रहा है, वह पुल टूटा हुआ है। हजारों लोग उस पुल के कारण प्रभावित हैं। हमारी मुख्य सड़क है मुज्जफरनगर से ले करके थाना भवन तक बीच में चरखावल का जो पुल है वह पूरी तरह से टूटा हुआ है। अभी आदरणीय राजेन्द्र जी इशारा कर रहे हैं, इनको भी बता दूं।

कोई चलता पदचिन्हों पर, कोई पदचिन्ह बनाता है,

है वो ही सूरमा वीर पुरुष दुनिया में पूजा जाता है।

आप इनके पद चिन्हों पर मत चलो। आप इनके पद चिन्हों पर मत चलो, आप अपने पदचिन्ह बनाओ। और बहादुरी के साथ जिस हौसले के साथ, जिस उम्मीद के साथ आपको लोगों ने वहां बैठाया है, उस उम्मीद को कायम करो। आज लखनऊ में जब मैं निकलता हूं, हाउस से बाहर जाता हूं कारों के पीछे पट्टियां लगी हुई हैं और पट्टियों पर लिखा हुआ है मिशन 2014 जो भी कार मिलती है झंडा लगा है पीछे लिखा है मिशन 2014 यह कारों की पट्टियों से मिशन 2014 पूरा नहीं होगा। यह सड़कों से मिशन 2014 पूरा होगा। अमरीका के राष्ट्रपति ने कहां था (सदन की लाइट चले जाने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप बोलते रहें।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, यह बहुत गम्भीर बात है, लाइट चली गई।

श्री अध्यक्ष-

अरे आ रही है। देखिये आ गई।

श्री सुरेश राणा-

अमरीका के राष्ट्रपति ने कहां था कि अमरीका समृद्ध है इसलिये अमरीका की सड़कें अच्छी नहीं हैं बल्कि अमरीका समृद्ध इसलिये है कि अमरीका की सड़कें अच्छी है। जिस देश और प्रदेश की सड़कें अच्छी होती हैं वह देश और प्रदेश समृद्ध होता है। माननीय मंत्री जी ने अपने भाषण में कहां था इसलिये मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं आपका जो विभाग है वह पूरे प्रदेश का आइना है। जिस प्रदेश की सड़कें अच्छी होंगी उसका वह विभाग अच्छा होगा। तमाम विभागों की चर्चा होगी । यह भी एक विभाग है। जब कोई व्यक्ति बार्डर से अंदर प्रवेश करता है, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार से प्रवेश करता है तो पहली ही धमक और पहली ही मिनट में अंदाजा हो जाता है कि इस प्रदेश की सरकार कैसी है। जैसी सड़कें होती है वैसा ही प्रदेश की सरकार के बारे में संदेश जाता है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि हमारी विधान सभा में मुख्य रूप से मैंने दो बार प्रयास किया और चीफ इंजीनियर तक वह सड़कें आई। हमारे शामली से ले करके गढ़ीपुख्ता जो बिल्कुल सेन्टर है पूरे जिले का और हिन्ड से ले करके गढीपुख्ता जो सेन्टर है विधान सभा का, दोनों बड़ी महत्वपूर्ण सड़कें हैं। कई बार तो कष्ट के साथ मुझे कहना पड़ता है जब हम लोग नये थे, बैठे थे और भाषण हुआ और भाषण में कहां गया, उधर से उमेश पाण्डेय जी ने कहां था,

उस समय भी धमक के साथ ब0स0पा0 के सदस्यों ने कहां था कि हिम्मत है, तो गिरफ्तार करो, जिसने भ्रष्टाचार किया गिरफ्तार करो और इतने बहादुर मंत्री हैं, हम तो उम्मीद कर रहे थे कि उत्तर प्रदेश की तमाम जेलें इन भ्रष्टाचारियों से भर जाएंगी लेकिन हमारी आंखें तरस गई हैं, हम इंतजार कर रहे हैं उस दिन का, कि एक दिन ऐसा दिन आएगा कि पांच साल के अन्दर प्रदेश को लूट कर खाने वाली सरकार के भ्रष्ट मंत्री जेलों में जाएंगे, वह दिन कब आएगा मंत्री जी ?

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करें।

श्री सुरेश राणा-

मैं हमेशा आपकी आज्ञा का पालन करता हूं आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूं।

*श्री बजरंग बहादुर सिंह-

मान्यवर, आज पी0डब्लू0डी0 के कटौती के प्रस्ताव पर आपने बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूं। आज पी0डब्लू0डी0 का बहुत बड़ा बजट, प्रदेश की खुशहाली, प्रदेश के विकास के वास्ते, मा0 मंत्री जी ने सदन के अन्दर रखा। हम जानते हैं किसी प्रदेश का विकास तीन चीजों से संभव होता है। सड़क, शिक्षा, सुरक्षा और निश्चित रूप से मंत्री जी ने विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए, चौड़ीकरण के मामले में, अनुरक्षण के मामले पर, पुलों के मामले पर, बहुत सी मदों पर, धन रखने का काम किया और रखना भी चाहिए। लेकिन निश्चित रूप से कहां गया है कि यह बहुत बड़ा विकास का बजट है। हम निश्चित रूप से जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष कितनी जनसंख्या बढ़ रही है। प्रति वर्ष कितनी गाड़ियां बढ़ रही हैं, कितने लोग बढ़ रहे हैं प्रतिवर्ष पी0डब्लू0डी0 को कितना टैक्स मिलता है, कितना टैक्स जनता देती है। बहुत बड़े पैमाने पर रोड सैक्टर से टैक्स आता है और जिस रूप में जितना टैक्स आता है क्या पी0डब्लू0डी0 की सड़कों पर उतना पैसा खर्चा हो रहा है ? चौड़ीकरण के नाम पर एक हजार करोड़...

(शोर)

मेरा समय आप लोग मत लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

आप जल्दी-जल्दी बोलो आप तो सब जानते हो, आप अच्छी सड़कें बनाते हो बोलो।(हंसी)

श्री बजरंग बहादुर सिंह-

मान्यवर, इस नाते मैं कहना चाहता हूं मेरा विधान सभा क्षेत्र फरेंदा है जो महाराजगंज जनपद में है। पांच साल पहले मैं विधायक था। उस समय बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी और इनकी सरकार में, मैं पांच वर्ष तक संघर्ष करता रहा, आता रहा,जाता रहा मुख्य मंत्री जी से मिलने का तो कभी अवसर ही प्राप्त नहीं हुआ। (हंसी) लेकिन बहुजन समाज पार्टी की सरकार में मेरा एक काम नहीं हुआ। सवा करोड़ की जो विधायक निधि होती है उससे मैंने अपनी विधान सभा में विकास

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

का कार्य कराया।जब देखा सड़क नहीं बन सकती है,पुल नहीं बन सकता है, तो तीन करोड़ 80 लाख रुपया मैंने विद्युत विभाग को दिया और 180 करोड़ से मैंने अपनी विधायक निधि से विद्युतीकरण कराने का काम किया। जिसके नाते जनता ने मुझे दुबारा भेजने का काम किया। मान्यवर, मा0 लोक निर्माण मंत्री जी बैठे हैं मैंने आग्रह किया था कि मेरे क्षेत्र में इतनी जर्जर सड़क, पी0डब्लू0डी0 के लोग भी बैठे हुए हैं जो प्रमुख अभियन्ता हैं उनका भी दौरा हुआ था। सड़क गड्ढे में है या सड़क में गड्ढा है मैं खुद ही भ्रमित हूं माननीय मंत्री जी मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं, आप मेरा कुछ करें या न करें मेरे इस सड़क का प्रस्ताव, करीब बीस किलोमीटर की सड़क है। इसका प्रस्ताव, बहुजन समाज पार्टी के 5 साल के शासनकाल में 5 बार प्रमुख अभियन्ता कार्यालय से उसका स्टीमेट वापस गया है। आपकी सरकार में भी बहुत दिनों से दोस्ती के नाते उसका स्टीमेट आ गया है। मैंने आपसे आग्रह किया था, आपने उस दिन बहुत ठीक मिजाज में कहां कि तुम्हारा मैं करा देता हूं। मान्यवर, उसका पता किया, अभी तक वह पत्र प्रमुख अभियन्ता कार्यालय नहीं पहुंचा है। लेकिन माननीय मंत्री जी मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं, यह जनहित का सवाल है, उस सड़क को आप कहीं से व्यवस्था करके बनवाने का काम करें, ऐसी मेरी आपसे अपेक्षा है और नहीं देंगे तो मैं अपना पूरा विधायक निधि पी0डब्ल्यू0डी0 को, सरकार को दे दूंगा कि आप ले जाइये, सड़कों का विकास कराइये। वह जिन्यून सड़क है, इसलिए मैं चाहता हूं कि निश्चित रूप से बहुत सारे अधिकारी यहां पी0डब्ल्यू0डी0 के बैठे हैं, उस सड़क को बनवाने का काम करेंगे।

(कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

श्री बजरंग बहादुर सिंह-

अध्यक्ष जी, 2 मिनट में मैं अपनी बात समाप्त कर लूंगा। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र के अन्दर बहुत सारी सड़कें खराब हैं, जिनका मैंने पी0डब्ल्यू0डी0 को प्रस्ताव किया था। बहुत सी सड़कों की जॉच भी प्रमुख अभियन्ता ने कराया था और अधीक्षण अभियन्ता ने मौके का निरीक्षण करके रिपोर्ट दी थी कि इन सड़कों की विशेष मरम्मत जनहित में आवश्यक है। लेकिन प्रमुख अभियन्ता कार्यालय में बहुत सारे ऐसे अधिकारी बैठे हैं, पी0डब्ल्यू0डी0 के अधिकारी बैठे हैं जो निश्चित रूप से सुनना नहीं चाहते क्योंकि उनको पैसा चाहिए। इसलिए आज तक वह फाइलें नहीं हुई। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि आज जो उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार चल रही है, वह निश्चित रूप से किसान विरोधी है, दलित विरोधी है। मैं कटौती के प्रस्ताव पर बल देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

(बहुजन समाजपार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी के कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष-

जो माननीय सदस्य बोलना चाहते हैं, चूंकि अब समय नहीं बचा है, 200 शब्दों में आप अपनी बात लिख दीजिए, वह कार्यवाही का अंग बन जायेगा। अनीसुर्रहमान जी, आप लिखकर दे दीजिए। महाना जी, आप पूछिए। रजनी तिवारी जी, आप लिखकर दे दीजिए, हम जुड़वा देंगे, वह कार्यवाही का अंग बन जायेगा। अब समय नहीं है, साढ़े पांच बजे खत्म करना है। *

* (देखिये मा0 सदस्यों के लिखित भाषण नत्थी 'ग' आगे पृष्ठ-202-226 पर।)

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, मेरे में से एक मिनट भड़ाना जी को दे दें।

*श्री रवीन्द्र भड़ाना-

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश में सड़कों का हाल खस्ता है। मेरी विधान सभा क्षेत्र की सारी सड़कें टूटी पड़ी हैं। मेरी विधान सभा क्षेत्र का मुख्य मार्ग दिल्ली रोड, हापुड़ रोड को जोड़ने वाला बाईपास टूट कर क्षतिग्रस्त हो गया है, आपके माध्यम से उसे बनाने की मांग सरकार से करता हूं। मान्यवर, एक वहां बाईपास है, जो बाईपास मेरठ-दिल्ली रोड को मिलाता है, बिल्कुल क्षतिग्रस्त है, वह टूट गया है, उसे बनाने की मंत्री जी से मांग करता हूं। इसी प्रकार बाईपास से गूमी गगौल गौटरा होकर कताई मिल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है, टूट गया है, उसे बनवाने की माननीय मंत्री जी से मांग करता हूं। हापुड़ रोड फफून्डा के पास से एक रोड मदरसे के सामने से शुरू होकर सलेमपुर होते हुए ग्राम चान्दसारा से कताई मिल होकर हवाई पट्टी मार्ग तक की सड़क टूट चुकी है, उसका चौड़ीकरण कराकर बनवाने का कष्ट करें। मान्यवर, कताई मिल के पास की रोड से ग्राम इटायरा तक की रोड़ भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है, माननीय मंत्री जी इसे भी बनवाने का काम करें। मान्यवर, हापुड़ रोड से ग्राम अल्लीपुर से कुठला तक की रोड क्षतिग्रस्त हो चुकी है को बनवाने की मांग करता हूं। हापुड़ रोड फफून्डा के पास से अल्लीपुर पीपली खेड़ा सम्पक्र मार्ग को बनवाने की मांग करता हूं। ग्राम फफून्डा की सरकारी ट्यूववैल नं0 69 से ग्राम पीपली खेड़ा को जाने वाला सम्पक्र मार्ग जो दोनों गांवों को जोड़ता है को बनवाने की मांग करता हूं। हापुड़ रोड फफून्डा के पास से नरहाड़ा होकर जुरार्नपुर फाटक तक का मार्ग बनवाने की मांग करता हूं। दिल्ली रोड मौइऊदीनपुर से गांवड़ी मार्ग को बनवाने की मांग करता हूं। ग्राम भूड़बराल से उपलैड़ा होकर ग्राम छज्जूपुर तक का मार्ग बनवाने की मांग करता हूं। गगौल रोड हवाई पटटी मार्ग से ग्राम अच्छरौन्डा होते हुए ग्राम काशी की कश्यप बस्ती तक का मार्ग तथा कश्यप बस्ती से कताई मिल तक का मार्ग बनवाने की मांग करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

बस करिये। आप लिखकर दे दें।

श्री रविन्द्र भड़ाना-

देवलोक कालोनी से होकर शिवपुरम तक का मार्ग एवं आंतरिक सड़कें एवं पानी निकास हेतु नाले बनवाने की मांग करता हूं। माधवपुरम में शिव भक्ति नगर प्रेम विहार वाली आईसक्रीम वाली गली तक का मार्ग बनवाने की मांग करता हूं। ग्राम फतेउल्लापुर को जाने वाला सम्पक्र मार्ग एवं पानी निकास हेतु नाले की व्यवस्था, सीवर व्यवस्था कराने की मांग करता हूं। मान्यवर, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। धन्यवाद।

(श्री छोटे लाल वर्मा, श्रीमती विमला सिंह सोलंकी सहित कई माननीय सदस्यों के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप लिखकर दे दीजिएगा, वह प्रोसीडिंग का भाग बन जायेगा। वह बोलने के बराबर माना जाएगा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया गया है। उस पर सभी पक्षों के 21 माननीय सदस्यों ने अपने विचार रखे हैं। सभी सदस्यों के नाम पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। समय की सीमा है। मैं सभी लोगों को बधायी देना चाहता हूं कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उन्होंने मेरे कटौती के प्रस्ताव का समर्थन किया है। मान्यवर, एक माननीय सदस्य श्री ओझा जी के द्वारा कहां गया कि हमारे माननीय लोक निर्माण मंत्री जी इतने अच्छे हैं कि कोई भी उनके पास चला गया तो उन्होंने उनकी बात मान ली। और सबसे ज्यादा समस्या उन्होंने ही यहां पर बतायी। अगर सबसे ज्यादा समस्यायें बतानी थीं और जाने के बाद ही काम हो जाना चाहिए था। मान्यवर, अगर उनका काम हो गया होता तो विधान सभा में इस सरकार की किरकिरी कराने का उनका अधिकार नहीं था। अगर उनका काम हो गया होता तो। नहीं हुआ तभी तो बताया। एक भी माननीय सदस्य ने चाहे इधर से हों चाहे उधर से हों अपने क्षेत्र में गड्ढे वाली सड़कों को जरूर बताया। मान्यवर, वही बात हुयी न कि एक आदमी मोटर साइकिल पर जा रहा था और थोड़ी-थोड़ी देर में बार-बार पीछे हाथ करके कुछ चेक कर रहा था। तो मैंने सोचा कि यह बार-बार क्या चेक कर रहा है। तो बाद में मुझे लगा कि यह चेक कर रहा है कि मेरी पत्नी पीछे बैठी हुयी है, तो यह बैठी हुयी है कि नहीं बैठी हुयी है। मान्यवर, मैं एक-दो महत्वपूर्ण सुझाव देकर अपनी बात खत्म करूंगा। अधिकतर सड़कें जो ग्रामीण क्षेत्र में बनती हैं वह अधिकतर साल-दो साल में धुल जाती हैं। मेरा माननीय मंत्री जी से एक सुझाव है कि जहां कहीं भी सड़क बने उसके दोनों तरफ नाला अथवा नाली जो भी आवश्यकता हो सड़क बिना नाले-नाली के नहीं बननी चाहिए। क्योंकि पैसा सरकार का लगता है। सरकार का पैसा हार्डेण्ड मनी होता है। सरकार का पैसा फ्री में नहीं आ रहा। आम जनता ने जो टैक्स दिये हैं उससे सरकार का पैसा आता है। कुछ सड़कें मान्यवर जैसे- कानपुर-हमीरपुर रोड है, कुछ जीटी रोड्स हैं, कुछ नेशनल हाई-वे हैं, जो स्टेट गवर्नमेण्ट के पास बनने हैं, उनकी भी हालत बड़ी खराब है। चूंकि समय की सीमा है, सभी सदस्य अपनी बात नहीं रख पाये हैं, आपके आदेशानुसार जिन्होंनें अपनी बात नहीं लिख कर दी, वह अपनी बात लिख कर दे देंगे तो आप उसको कार्यवाही के अन्दर जुड़वा देंगे, तो मैं यही निवेदन करूंगा कि उनकी बातें कार्यवाही में जुड़ जाय। अन्त में एक बात और कहना चाहूंगा, यदि मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने यहां पर बैठ कर कुछ लोगों के ऊपर आरोप लगाये थे, तो उन आरोपों के ऊपर एक साल में आपने क्या किया है, अपने उत्तर भाषण में अगर वह बता देंगे तो कृपा होगी, इतनी बात कह कर मान्यवर मैं अपने कटौती के प्रस्ताव पर बल देता हूं।

*श्री शिवपाल सिंह यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, मैंनें बताया कि 08 करोड़ 03 हजार 664 रूपये का बजट लाकर के बहुत महत्वपूर्ण योजनाएं दी हैं और मैंनें सभी सदस्यों से निवेदन भी किया है कि जो भी योजनाएं, जो भी कार्य हो रहे हैं उन पर दृष्टि जरूर रखें, क्योंकि जहां-जहां पर सदस्यों ने दृष्टि रखी वहां तो बहुत अच्छा काम हुआ और जहां पर दृष्टि कम रखी है, तो वहां पर गड़बड़ियां हुई हैं और मैंनें पहले भी कहां था कि सदस्यों को इसमें अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाना जरूरी है तो काम अच्छा होगा और

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

वैसे तो मैंनें मा0 महाना साहब ने कहां कि जिला योजना में 2932 कार्य स्वीकृत किये, 3209 किमी0 की सड़कें और रूपया 299 करोड़ आवंटित किया है, कार्य प्रारम्भ है, स्वीकृतियां निर्गत कर दी गई हैं। अब मौसम भी ठीक हो गया है, यह सही है कि बरसात में पी0डब्ल्यू0डी0 का काम अच्छा नहीं हो सकता है, आप सब लोग भी जानते हैं कि बरसात में बिटूमिन का काम बिल्कुल भी नहीं हो सकता है, मिट्टी का काम भी नहीं हो सकता है और मान लीजिए करा भी दो तो नहीं हो सकता है और सर्दी में पी0डब्ल्यू0डी0 का काम बिटूमिन का काम कितना भी अच्छा करा दो, टिकाऊ हो ही नहीं सकता है, तो इसलिए कुछ देरी हो सकती है, लेकिन अब 15 फरवरी के बाद मौसम, लेकिन अबकी बार तो 15 फरवरी के बाद भी मौसम खराब हुआ, लेकिन अब ठीक है मौसम, अब बहुत तेजी के साथ काम शुरू हो चुका है और अब तो लगातार 15 फरवरी के बाद मार्च, अप्रैल, मई, जून यह पी0डब्ल्यू0डी0 के लिए बहुत अच्छा मौसम है और बहुत से काम और भी मैंने किये हैं लोहिया समग्र ग्राम योजना, जो 1367 बसावटें, 1352 किमी0, 1249 कार्य और 729 कार्य हेतु रुपया 143 करोड़ की स्वीकृति निर्गत हो चुकी है और नरेगा योजना से मिट्टी, पुलिया का पैसा मिलना है। देरी हो रही है नरेगा से वस्तुतः देरी हो रही है और वैसे तो महाना साहब व्यापार विकास निधि 2012-2013 में मात्र 04 मण्डल में और वर्ष 2013-2014 में सभी मण्डलों में कार्य लिये जा रहे हैं। और इस कार्य योजना में आपको मैं बता ही चुका हूं कि पिछली बार 250 करोड़ थे, अब की 677 करोड़ रुपये हैं तो ये योजना हमने शहरों को भी दी है, खासकर के व्यापारियों को दी है और व्यापार बढ़े और व्यापार के साथ-साथ हमारे गांवों के लोग, किसान लोग हैं तो सड़कें गांवों की भी बनें। वैसे तो मा0 अध्यक्ष जी मैंने पुलों को भी जोड़ा। पिछली सरकार में भी मैंने कितने पुल स्वीकृत किये थे। 500 से ऊपर किये थे, लगभग 600, पौने छः सौ थे और उसमें लगभग 493 पुल बने भी थे, शेष 49 पुल रह भी गये थे और वे पुल पिछले 5 साल में नहीं बने। अब बताओ उनकी लागत क्या हो गयी होगी तो नहीं बने वो पुल, अब उनकी लागत क्या होगी। वो भी हमको अभी पूरे करने हैं। अब उन काम तेजी से शुरू है और बहुत जल्दी कुछ काम हो भी गये हैं। केवल उद्घाटन करना है।

(सत्ता पक्ष के कतिपय सदस्यों द्वारा यह कहने पर कि इनके पत्थर भी लग गये हैं)

श्री शिवपाल सिंह यादव-

चलिये, कहीं कहीं तो लगा ही है। पत्थर लगाने का शौक तो था ही।

(सदन में हंसी)

और यह सही है कि पत्थर तो बहुत लगे हैं। पिछली बार जब मैं नेता प्रतिपक्ष था, तब भी मैंने पत्थरों का जिक्र किया था कि कितना एस्टीमेट था पत्थरों पर और जो सरकारी खदानें थीं। पिछली सरकार के काम बता रहा हूं कि कितनी खदानें सरकारी थीं, उनका रेवन्यू भी कहां चला गया, रेवन्यू भी नहीं आया। कितने एस्टीमेट और एस्टीमेट के बावजूद भी आज कह रहे हैं कि उनकी सुरक्षा नहीं है। कोई तो गारण्टी होनी चाहिये। अगर हमारी सड़क बन रही है, हमारा पुल बन रहा है तो उसकी गारण्टी तो फिक्स होनी चाहिये। अगर ये बने थे तो उनकी कोई तो गारण्टी होनी चाहिये। अगर हमारी सड़क बन रही है। अगर हमारा स्टेट हाई-वे बन रहा है तो कम से कम 4 साल तक उस पर काम की जरूरत नहीं होनी चाहिये। अगर हमारी एम0डी0आर0 रोड है तो उस पर कम से कम 6 साल काम की जरूरत नहीं होनी चाहिये। अगर ग्रामीण मार्ग है तो कम से कम 8 साल ग्रामीण मार्ग को चलना

चाहिये। अगर उसमें कमी है तो विभाग की कमी है, ठेकेदार की कमी है, इंजीनियर की कमी है। मैं मानता हूं कि कमी है और हुयी है कमी। मा0 सदस्यों ने जो सुझाव दिये हैं। बहुत अच्छे सुझाव दिये हैं, मैं मानता हूं। जिन सदस्यों ने मेरे पास सड़क रिपेयरिंग के लिये, पैच रिपेयरिंग के लिये, चौड़ीकरण के लिये, मैं सब मानता हूं कि मैंने प्रयास किया है कि वो सड़कें पूरी हों और कहिये तो पैच रिपेयरिंग मैं बता दूं लेकिन बहुत समय लग जायेगा। मैंने करायी है पैच रिपेयरिंग, क्या हालत थी। एक साल पहले क्या हालत हुयी सड़कों की। न तो पैच रिपेयरिंग, न तो चौड़ीकरण, सड़क पर कोई काम ही नहीं हुआ। इस्टीमेट सड़कों के क्या थे। 25 नहीं थे, 100, 100 थे। जहां एक करोड़ रुपया लगना चाहिये था, वहां एक किलोमीटर में दो, ढाई, तीन करोड़ रुपये तक लगे और कहीं-कहीं तो सड़कें भी नहीं बनीं, उसकी वजह से स्थिति खराब हुयी थी सड़कों की। मान्यवर, मैंने कहां कि पांच साल का बिगड़ा हुआ माहौल था। पांच साल तक माहौल किसने बिगाड़ा, क्यों बिगाड़ा। ये सही है कि उनको सजा मिल जानी चाहिये थी। एक सजा तो मिली है, इधर थे उधर बैठ गये। एक सजा तो मिल गयी लेकिन कुछ दिक्कतें आयीं तो इसलिये परेशानियां हुयी हैं सड़कों पर लेकिन मैंने जो बजट दिया है। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं, सभी सदस्यों को भरोसा दिलाता हूं, मुझे सड़के भी बनानी हैं, मुझे पुल भी बनाने हैं, मुझे सड़कों का चौड़ीकरण भी कराना है, रिपेयरिंग भी करानी है, फोर लेन भी कराना है और फोर लाइन मैंने जोड़ी भी है। जिला मुख्यालयों को फोर लाइन से जोड़ा है। वैसे तो एक साल में बहुत-से कार्य हो जाएंगे, रहेंगे तो दूसरे बजट में हो जाएंगे। मैंने केवल 2 साल में जो इतना बजट दिया है, उससे सारे गांवों को भी जोड़ेंगे। मैंने बजट में कहां कि बहुत-से गांव ऐसे हैं, जो आजादी के 65 साल के बाद भी जुड़े नहीं हैं, सड़कों से, सम्पक्र टूट जाता है, गांव अंधेरे में हैं, पुल नहीं हैं, चारो तरफ बाढ़ आती है, तब पुल नहीं है। यहां तक कि एक ईंच जमीन बिना पानी की नहीं रहती है, कहां जाए आदमी, बंधों पर दिन काटता है, पेड़ों पर दिन काटता है, आप तो भिज्ञ हैं, इस बात से भिज्ञ हैं। पेड़ों पर दिन काटते हैं, शौचालय के लिए परेशान हो जाते हैं। मुझे तो पता है इसलिए मैं ऐसा बजट लाया हूं, इसलिए मैंने कहां मैंने कहां माथुर साहब, प्रधानमंत्री जी के अर्थशास्त्र से यूरोप जैसा हो सकता है, अमेरिका जैसा हो सकता है, लेकिन हमारा हिन्दुस्तान गरीब देश है, इसमें तो योजना गांव भी लोहिया है, औद्योगीकरण में चौधरी चरण सिंह जैसे अर्थशास्त्री हैं, तभी गांव का तरक्की होगी, तभी गांव का विकास होगा, तभी गांव जुड़ेंगे इसकी वजह से हैं दिक्कतें लेकिन हम आपको आश्वासन देते हैं मा0 महाना साहब, मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं पहले भी मैंने कानपुर में तो अच्छी रोड की शुरूआत भी कर दी थी। अब भी मैंने तय कर लिया है कि कम-से-कम बड़े महानगरों में एक-एक ऐसी मॉडल रोड बन जाए। कम-से-कम एक-एक तो बन ही जाए एक साल में।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, मथुरा में भी बनवा दीजिए।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

बनेगी, बनेगी। मान्यवर, इसी तरह मैंने बड़े पुल में 23 नए पुल अभी स्वीकृत किए हैं, 15 पुलों पर काम शुरू हो गया है और इस वक्त 7 पुल पूर्ण करा दिए हैं। 7 पुल पूरे भी करा दिए

हैं, और भ्रष्टाचार के मामले में जो कहां जा रहा है, वैसे तो मैंने 41 अधिकारी निलंबित किए और कुल 120 अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही करवा दी है, वैसे तो मैं और करना चाह रहा था कार्यवाही, आप लोगों को तो पता ही है कि अखबारों ने क्या लिख दिया था। नहीं मालूम, कार्यवाही मिनिष्टर, लिखना शुरू कर दिया था। मौर्या जी भी बोलने लगे थे, लेकिन इनके खिलाफ कार्यवाही नहीं कर पाया, यह मैं महसूस कर रहा हूं। (सदन में हँसी) ये भी जिम्मेदार है, टी0राम तो हैं ही, जो आप सभी लोगों को पता है, बहुत-से लोग जिम्मेदार हैं। मा0 अध्यक्ष जी, विभाग में एक काम और किया गया, इन पांच सालों में एक काम और किया गया, जो विभाग के द्वारा काम करा दिया जाता था, और विभागीय कार्य बहुत अच्छा होता था और जो विभागीय मशीनरी का प्रयोग होता था, मैंने पिछले सालों में, जब पिछली सरकार थी, तब मशीनें खरीदी थीं, आधुनिक मशीनें खरीदीं थीं, लेकिन इन 5 सालों में उन मशीनों का कोई प्रयोग नहीं हुआ। मान्यवर, वह मशीनें खड़ी हैं विभाग के कर्मचारी खड़े हैं उनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। मैं चाहता हूं कि विभागीय काम भी हो। विभागीय काम अच्छा होता है। मान्यवर, आप तो जानते हैं कि कहीं कहीं पर तो बहुत दिक्कते होती हैं। ठेकेदार के द्वारा होती हैं। बहुत से जिले ऐसे हैं जिनमें गोलियां चल जाती हैं। टेण्डर नहीं हो पाते हैं। तब विभागीय काम शुरू करा दिया जाता है। अभी माननीय नारद राय जी ने और शादाब फातिमा जी ने कहां मैं उनकी बात मानता हूं और चाहता हूं कि विभागीय काम होना चाहिए। मैं इन माननीय सदस्यों की मांगों को स्वीकार करता हूँ। बजट में धन आवंटित हो जाय इसके लिए आपकी भी मेहरबानी की जरुरत होगी, माननीय अध्यक्ष जी।

श्री अध्यक्ष-

आप मशीनें खरीदें इस बजट में।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मान्यवर, मशीनें खरीदेंगे जो मशीनें जरुरी हैं। अब जैसे बलिया जिला है। सुल्तानपुर में, फैजाबाद में, आजमगढ़ में, टेण्डर नहीं हो पाया है। मैं चाहता हूं कि ऐसी जगह पर विभागीय काम हो। आधुनिक मशीनें विभाग खरीदे, जितनी पुरानी मशीनें हैं, उनका प्रयोग मरम्मत कार्यों में कर सकते हैं। मेजों की थपथपाहट। बलिया के बारे में आपको पता है कि हत्यायें हो चुकी हैं टेण्डर को लेकर, एक दिन में चार हत्यायें हुई हैं। यह विभागीय काम की प्रथा पिछली सरकार में खत्म कर दी गयी। मुझे इसे फिर से शुरू करना है। माननीय अध्यक्ष जी आपके सहयोग की भी जरूरत होगी।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

मान्यवर, माननीय अध्यक्ष जी उन रुकावटों को आप ही दूर कर सकते हैं इसलिए आपका भी आश्वासन चाहिए, मेहरबानी चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

आपको मेरा पूरा आश्वासन है।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

जो पांच सौ से अधिक आबादी की बसावटें हैं उनको दो वर्ष में करेंगे और जो दो सौ पचास से अधिक आबादी की बसावटें हैं उनको तीन वर्ष में करेंगें। जिला मुख्यालयों को फोर-लेन की सड़कों से जोड़ा जायेगा। बनारस से गोरखपुर, एन0एच0आई0 का रोड है और जो लखनऊ से गोरखपुर गया है वह रोड है, हमने पत्र भी लिखा है एन0एच0आई0 रोड के लिए मैं केन्द्रीय मंत्री जी से भी दो बार मिला हूँ उनसे आश्वासन मिला है लेकिन धन का आवंटन नहीं आया है। प्रदीप माथुर जी आप तो जानते ही हैं आपने जितनी रोडें दी हैं आपने उसका जिम्मा भी लिया है कि आप करवा देंगे।

श्री प्रदीप माथुर-

वह इसी बजट में हो जायेंगी।

श्री शिवपाल सिंह यादव-

लेकिन उनकी स्वीकृति नहीं आयी हैं। नेशनल हाई वे के बारे में आपको पता है सी0पी0डब्लू0डी0 का कार्य है। उसमें धन केन्द्र का है। अभी दलवीर सिंह जी नहीं हैं, उन्होंने नेशनल हाई वे की बात कही और एन0एच0आई0 की बात कही। मान्यवर, बहुत से लोग यह समझते हैं कि सब कार्य प्रदेश सरकार को करना होता है। लेकिन आप जानते हैं कि सी0पी0डब्लू0डी0 केन्द्र सरकार के अधीन है। मान्यवर, कहीं कहीं पर तो हमने उन मार्गो की भी रिपेरिंग करायी है, यह जानते हुए कि यह उनका कार्य है इसके बावजूद हमने कराया है। नगर की रोडों पर भी हमने काम कराया है। मैं आप सबको आश्वासन देना चाहता हूं कि आपके सुझावों पर विचार किया जायेगा। महाना साहब से अनुरोध है कि कृपया अपने कटौती के प्रस्ताव को वापस लेने का कष्ट करें। हमने बिना कहे ही आपके बहुत सी बातें मान ली हैं। महाना साहब आपका पूरा ध्यान रखा जायेगा। हंसी और जो सदस्य नहीं बोल पाये हैं वह लिखकर दे दे मैं उनको भी जोड़ लूंगा और जो जरूरी सड़के हैं, मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि अगर सड़क की गुणवत्ता खराब होगी, कोई हमारे सदस्य लिख करके देंगे तो हम जांच करायेंगे और गड़बड़ी होगी तो उस पर कार्यवाही अवश्य होगी। जहॉ तक आपने करहल और किसनी का किया था यहां टी0 राम बैठे हैं मैने जेल भेज दिया था और मैने कई इंजीनियर भी जेल भेज दिये थे और कई ठेकेदार भी जेल भेज दिये थे। लेकिन उस इंजीनियर को जेल से निकालकर फिर घुमाया और उसी इंजीनियर से जांच करा रहे हैं बताओं वह इंजीनियर क्या जांच करेगा जिसने उस रोड पर 9 करोड़ रुपया गबन कर लिया हो। मैंने जेल भेजा था और यह प्रक्रिया फिर शुरू हो जायेगी अगर नहीं सुधरेंगे। जिन्होंने गड़बड़ियां की हैं, देरी जरूर हुई है जांच चल रही है लेकिन उस पर कार्यवाही जरूर होगी। बांदा मैं अभी नहीं पहुंच पाया हूं यह बात सही है कि मैं जाना चाहता हूं मैं जब लीडर अपोजीशन था तब मैं गया था मैं जानता हूं वहां पर बहुत घपले हुए, बहुत बड़े बड़े इस्टीमेट बने और वह पुल था चिल्ला घाट का पुल जिस दिन उद्घाटन हुआ उसके 13 दिन बाद उसमें इतना बड़ा होल हो गया था मैंने खुद देखा था अपनी आंखों से देखा था। वैसे तो वह पुल मैंने खुद स्वीकृत किया था उसके खम्भे मैंने खड़े किये थे लेकिन उस पर जो स्लैब पड़ी है उस पर हमें खतरा लग रहा है, अगर हैवी ट्रक गये तो कहीं नीचे न आ जायें तो इसलिए कार्यवाही जरूर होगी। गुणवत्ता में सुधार जरूर होगा। बहुत तेजी के साथ काम हुआ है पी0डब्लू0डी0 में तो मेरा महाना

साहब से अनुरोध है कि अपना कटौती का प्रस्ताव वापस ले लें और सर्वसम्मति से यह बजट पास करायें।

श्री अध्यक्ष-

माननीय महाना जी, अपना कटौती का प्रस्ताव वापस ले रहे हैं।

श्री प्रदीप माथुर-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय लोक निर्माण विभाग के मंत्री माननीय शिव पाल जी पर पूरे हाउस का विश्वास है।

श्री अध्यक्ष-

यह कोई जरूरी नहीं है आपके लोग बोले, सब किये ।

श्री प्रदीप माथुर-

आप जो कहते हैं वह करते हैं और इस बात को भी मैं कहना चाहूंगा कि आप यह भेदभाव नहीं करते पिछली सरकार की तरह कि जो इधर बैठे हैं उनका काम न हो, सबको समदृष्टि से देखते हैं। पर हम यह उम्मीद कर रहे थे कि इस बजट में आपने जैसे पिछले 5 सालों में जब आपकी सरकार थी उसी तरह आप 7-7 कि0मी0 सड़क का प्राविधान करेंगे तो वह भी आप प्राविधान कर देते तो आज सब आपकी जय-जयकार लगाकर जाते।

श्री अध्यक्ष-

बैठिये। मैं प्रश्न उपस्थित करता हूं।

श्री सतीश महाना-

मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने मुझसे कहां कि वापस ले लें तो मुझे अवसर तो दीजिए हो सकता है कि मेरा मन बन जाय।

मान्यवर, मेरा अधिकार बनता है। माननीय अध्यक्ष जी, जिस दिन माननीय लोक निर्माण मंत्री जी सिद्धार्थ नगर की सारी सड़कें ठीक करवा देंगे जहां से आप आते हैं।

श्री अध्यक्ष-

हमारी आप चलकर देख लें कानपुर से खराब नहीं है।

*श्री सतीश महाना-

मान्यवर, जो भी हो, मैं इशारा आपका समझ रहा था आप बोल नहीं सकते लेकिने मैं बोल सकता हूं जिस दिन ये सिद्धार्थनगर की सड़कें बनवा देंगे और जो इन्होंने कहां कि कार्यवाही करेंगे तो जब यह कार्यवाही कर देंगे तब उसके ऊपर वापस लेने को करेंगे अभी मैं अपने कटौती के प्रस्ताव पर बल देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मैं प्रश्न उपस्थित कर रहा हूं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-54-लोक निर्माण विभाग (अधिष्ठान) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 16,16,70,05,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मॉग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-55-लोक निर्माण विभाग (भवन) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 1,10,05,50,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-56-लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-56-लोक निर्माण विभाग (विशेष क्षेत्र कार्यक्रम) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 2,70,00,00,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-57-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सेतु) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 11,10,29,34,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-58-लोक निर्माण विभाग (संचार साधन-सड़कें) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 79,32,30,62,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

वित्तीय वर्ष 2013-2014 के आय-व्ययक में अनुदान की मांगों पर चर्चा एवं मतदान-अनुदान संख्या-59, लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय)

राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से एवं श्री राज्यपाल की सिफारिश से प्रस्ताव करता हूं कि 31 मार्च, 2014 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिये आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिये 3,44,70,07,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं निवेदन कर लूं कि आमतौर पर इस पर विवाद नहीं होता । लेकिन कटौती का प्रस्ताव रखते समय अगर सदस्य कोई बात रखना चाहेंगे या कोई जिज्ञासा होगी तो मैं सदन को अवगत करा दूँगा। अन्यथा इस पर किसी विशेष बहस की आवश्यकता नहीं है।

*श्री सतीश महाना-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान संख्या-59-लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मॉग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय। कमी करने का उद्देश्य विभागीय नीति की आलोचना करना तथा सुझाव देना।

मान्यवर, मैं दो मिनट में अपनी बात कहूंगा । मान्यवर, यह बड़ा महत्वपूर्ण विभाग है, इससे हम लोगों को रोज कहीं न कहीं पाला पड़ता है। हम लोग जिस समय यहां लखनऊ में आते हैं तो हम लोग जिन निवास में रहते हैं, जिन घरों में रहते हैं, उन घरों की जो स्थिति है, वह मान्यवर, हम लोगों में किसी से भी छिपी नहीं है। बहुत सारे स्थानों के ऊपर मान्यवर, अब माडीफिकेशन हो रहा

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है। मैं क्षमा चाहता हूं यह कहने के लिये, कि हम उन्हीं खराब स्थानों पर रहते हैं, जहां कांकरोच रहते हैं, मेरे घर पर तो हैं, पता नहीं किसी के घर पर हैं कि नहीं । इतने मोटे-मोटे कांकरोच हैं। एक बात और माननीय मंत्री जी, मैं केरला गया, वहां जा रहा था तो टैक्सी वाले को मैनें बताया नहीं कि मैं कौन हूं तो उसने दिखाया कि यह फंला-फंला और यह विधायकों का घर है, यहां विधायक रहते हैं। मैनें कहां कि यह विधायकों का घर भी देखने लायक होता है क्या, तो उसने कहां कि हां यह बड़ी इम्पार्टेंट चीज है। तो क्या हम लोग भी उस स्थिति में हैं कि विधायकों का घर भी कोई देख ले, कम से कम उनकी ओर भी निगाह पड़ जाये। मैं जैसे विधायक निवास-5 या 6 में रहता हूं, पाक्र रोड पर, वहां पर कम से कम एक बोर्ड तो लग जाये कि यहां पर यह विधायक निवास है। किसी को आना होता है तो वह आगे चला जाता है, कोई पीछे चला जाता है। कुछ छोटी-छोटी बॉतें और हैं। दारुलशफा के ए-ब्लाक में जिस तरह से पीछे की ओर दुर्गन्ध है, उसकी हालत मान्यवर, बड़ी खराब है। यू0पी0 भवन में बहुत सारे माननीय सदस्य जाते होंगे तो जो सदस्य जाते हैं उनके लिये तो पता नहीं, मेरे ख्याल से जो पीछे वाला कमरा होता होगा, वह होता होगा अन्यथा कुछ अधिकारियों के लिये और विशिष्ट व्यक्तियों के लिये सामने वाला कमरा होता है। मैं क्षमा सहित इस बात को कहना चाहता हूं। आप मंत्री हैं न, तो यू0पी0 सदन में रूकने की आदत होगी वैसे अधिकांशतः सदस्य यू0पी0 भवन में रहते हैं। उसकी तरफ भी मान्यवर, आपका थोड़ा सा ध्यान जाये, वैसे तो मैंने सोचा था कि मैं कुछ नहीं बोलूंगा लेकिन बहुत सारे माननीय सदस्य जो पीछे बैठे हैं, उन्होंने मुझे मजबूर कर दिया यह बात कहने के लिये और यह मेरी आवाज नहीं है, यह पूरे सदन के सम्मानित सदस्यों की आवाज है। इसलिये मान्यवर, जो कुछ इसमें है, अब जो विधायक बनने के बाद रह गया है, प्रोटोकाल का जिस समय विषय आयेगा, उसके बारे में उस समय विस्तार से कहेंगे, उसके बारे में अभी विस्तार से नहीं जाना चाहता। माननीय अध्यक्ष जी की अनुमति से एक दिन उस विषय के बारे में जरूर लेंगे। लेकिन इस समय हम कम से कम किसी को दिखा तो सके कि विधायक बनने के बाद साफ सुथरी जगह रह तो रहे हैं। या कोई आदमी साथ में दिल्ली जाये या वहां जाये जहां यू0पी0 भवन बने हुये हैं, वहां यह होता है कि अकेले जाओ तो रह लेते हैं, लेकिन किसी के साथ में जाओ तो यह होता है कि कहां रहेंगे, किसी और जगह रह लो तो कम से कम इज्जत बनी रहेगी । राज्य सम्पत्ति विभाग को मान्यवर, इस बात को तय करना पड़ेगा कि जैसे कोई वी0आई0पी0 रूम हैं, या दो फ्लोर हैं, कोई चार बार, पांच बार, छः बार, सात बार का विधायक है तो कम से कम उनको प्रायरिटी हो। कहने की आवश्यकता नहीं है, इज्जत कहने से नहीं मिलती, इज्जत अपने आप दी जाती है और यह सरकार का काम है, उसके लिये मॉग किसी को भी नहीं करनी चाहिये। इज्जत आप मांग कर नहीं ले सकते, इज्जत आप मन से ले सकते हैं। सरकार का मन बने, इन 403 विधायकों में से माननीय मंत्रियों को निकाल देंगे, क्योंकि उनके पास सुविधा सारी होती है, बाकी विधायकों की इज्जत बनी रहे, राज्य सम्पत्ति विभाग से मैं इतनी ही बात कहकर अपना कटौती का प्रस्ताव रखता हूं।

(श्री सुरेश कुमार खन्ना तथा श्री धर्मपाल सिंह के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

अब इसमें क्या है, सारी बॉतें उन्होंने कह दी, अब छोड़िये।

* श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, थोड़ा संरक्षण दीजिये । अगर इस पर भी नहीं बोलेंगे तो काहे पर बोलेंगे ।

श्री अध्यक्ष-

अब इस पर क्या बोलियेगा। सारी बांतें तो कह दी। दारुलशफा पर कह दिया, विधायक निवास पर कह दिया, यू0पी0 भवन पर कह दिया, केवल बंगाल वाले पर नहीं बोले और बम्बई में सदन तैयार है, उसका उद्घाटन होने वाला है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

केवल दो-तीन बांतें कहना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, आपने राज्य सम्पत्ति विभाग के बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये हम आपका आभार व्यक्त करते हैं। मान्यवर, मैं शुरू होता हूं लिफ्ट से। हमारे बहुखंडी मंत्री आवास में जो लिफ्ट लगी है, हम एक दिन आपसे प्रार्थना करेंगे कि आप कृपा करके उसमें पधारें। जब तीन नं0, चार नं0 पर आपको जाना हो या आपको 12 नं0 पर जाना हो और सात-आठ पर अगर कहीं आप फंस जायें और मोबाइल आपके पास न हो तो मान्यवर, क्या हालत होगी, इसकी मान्यवर, थोड़ी सी कल्पना कर लें कि जिस दिन मोबाइल हाथ में न हो और सात या आठ मंजिल पर फंस जायें और हम यह चाहते हैं कि यह काम दूर न करें और तो मैं आपका परम आभारी रहूंगा। मान्यवर, तीन लिफ्टें हैं और तीनों में दो की तरफ जब बढ़ते हैं तो वहां का लिफ्टमैन कहता है कि यह खराब है, दूसरे की तरफ बढ़ते हैं तो वह कहता है कि यह तो परमानेंट खराब है और जब तीसरे पर जाकर खड़े होते हैं तो कहता है कि साहब इस पर तो मैंने मैटिंग बिछवा दी। मैटिंग तो बिछवा दी लेकिन वह टैक्निकली इतनी फेल है कि उतरते और चढ़ते दोनों बार फंस गयी और मोबाइल पास नहीं। बहुत मुश्किल से उसका दरवाजा खींचा, दरवाजा खींचने में दोनों नाखून की जो हालत मैंने महसूस की। हम चाहते हैं कि अम्बिका सोनी जी उसको महसूस कर लें।

श्री अध्यक्ष-

वह अम्बिका चौधरी हैं।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, जुबान फिसल गयी।

श्री अध्यक्ष-

माननीय चौधरी साहब, ये अम्बिका सोनी को क्यों याद करते हैं?

श्री अम्बिका चौधरी-

यह मेरे मित्र हैं, इनके बारे में मैं बताऊंगा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, सुन लें।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

यह अम्बिका सोनी को क्यों याद करते हैं, एकाकीपन कष्टदायी होता है।

नेता विरोधी दल (श्री स्वामी प्रसाद मौर्य)-

मान्यवर, यह अम्बिका सोनी के चक्कर में कुंवारे रह गये।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मैं मा0 अम्बिका चौधरी जी का व्यक्तिगत रूप से बहुत सम्मान करता हूं। हमारे कमरे में सीपेज आ गयी। उस सीपेज वाले ने बाथरूम तोड़ दिया और 22 दिन तक खुला पड़ा रहा और कोई आदमी जिस दिन चाहता तो घुस करके हमारा सब सामान वगैरह बांध ले जाता।

श्री अध्यक्ष-

ये लोग कह रहे हैं कि जेवरात तो थे नहीं, तो ले क्या जाता ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, 22 दिन तक बाथरूम टाइल लगने के लिए और सीपेज के रिपेयर के लिए खुला पड़ा रहा। मैंने आश्वासन समिति की मीटिंग बुलाई और उसमें राज्य सम्पत्ति विभाग को बुलाया। राज्य सम्पत्ति अधिकारी ने मेरे ऊपर बड़ी कृपा की, उस दिन मेरा उनसे साक्षात्कार हुआ उनकी वाणी का लोकार्पण पहले टेलीफोन पर हुआ और उसके बाद मैंने व्यक्तिगत रूप से उनके दर्शन किये। मैंने उनको वहां सब दिखाया नीचे दिखाया। दो वर्ष से नीचे कूड़ा नहीं उठा था, पूरा पानी लॉन में फैला हुआ था। उसके बाद अपने बाथरूम का वह स्थान जहां से आदमी घुस सकता था, जो सीपेज को ठीक करने के नाम पर हुआ था उसको भी दिखाया उस दिन से मान्यवर, काम लगा हुआ है और 15 जनवरी से काम लगा हुआ है, आज तक नहीं खत्म हुआ। सुबह इन्जीनियर साहब आते हैं कि जी साहब, आप कमरे पर हैं, मैं अभी आ रहा हूं और उन्होंने शक्ल दिखायी और चले गये। 15 जनवरी से काम लगा हुआ है और 15 जनवरी से आज तक कहीं किचेन में, कहीं और जगह काम की बात हो रही है लेकिन आज तक पूरा नहीं हुआ। इसमें एक परसेण्ट भी गलत नहीं है चाहें तो जांच करा लें।

श्री अध्यक्ष-

अब आप खत्म करें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, सुन लें जिस बात पर आना चाहता हूं। पिछले वर्ष भी मैंने एक अनुरोध आपसे किया था, पार्लियामेण्ट में एक प्रैक्टिस है। जो तीन बार लोक सभा के सदस्य हो जाते हैं, उनको वहां रहने के लिए बड़ा मकान दिया जाता है। ग्रेडेशन है, जो तीन बार एम0पी0 हो गये उसको चौथी बार में उनको अलग से मकान दिया जाता है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश में यह व्यवस्था नहीं है। अगर आपकी कृपा हो जाए तो यह लागू हो सकती है और यह होना चाहिए। मेरा यह सातवॉ टर्म है। पिछली बार मैंने नो-ड्यूज लेना चाहा तो उन्होंने एक लाख रुपये का बिल मेरे ऊपर भेज दिया, 10 साल का कि 600 रूपया महीना एक्सट्रा जमा करो। मान्यवर, जिस समय नॉमीनेशन का मामला होता है उस समय

आदमी यह नहीं देखता है कि किस चीज का जमा हो रहा है, सही जमा हो रहा है या गलत जमा हो रहा है? वह जमा करके अपना पिंड छुड़ाता है। आज तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।.....

श्री अध्यक्ष-

पिछली बार यह बात आई थी तो यह हुआ था कि इस सम्बन्ध में बैठक आयोजित की जाय।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, सफाई कर्मचारियों का हाल यह है कि वह कभी-कभी हमारे ऊपर कृपा कर देते हैं। कभी एक सप्ताह में कभी 15 दिन में एक बार दर्शन देने आते हैं। जितना भी सामान उनको चाहिए सफाई के लिए यह मैं बहुखण्डी की बात कर रहा हूं वह सब सामान मैं उपलब्ध कराता हूं। मैंने आज तक व्यवस्थाधिकारी की शक्ल नहीं देखी टेलीफोन पर तो उनकी बात जरूर सुनी जिस दिन राज्य सम्पत्ति अधिकारी आए थे उस दिन वह भीड़ में कहीं थे लेकिन मैंने उनको देखा नहीं मैं पहचानता भी नहीं हूं। मान्यवर, मैं सबसे ज्यादा रहने वाला हूं जितना बहुखण्डी मंत्री आवास में मैं रहने वाला हूं उतना शायद ही कोई रहता हो। मान्यवर, सफाई का मुद्दा हो, चाहे पानी का एक दिन तो मान्यवर, पानी चला गया जितनी भी दुर्व्यवस्था हो सकती हैं वह उन सर्वेंट क्वार्टर्स में है। उन्हें बहुखण्डी मंत्री आवास नहीं कहिए वह तो सर्वेंट्स क्वार्टर्स हैं। मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया मैं आभारी हूं।

श्री अध्यक्ष-

अब बहुत हो गया। अब माननीय मंत्री जी से सुनिए। आपने अपनी सारी व्यथा कह दी कोई बाकी नहीं है।

श्री अम्बिका चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी सारी शिकायतें आ गईं ।

श्री धर्मपाल सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी मुझे एक मिनट का अवसर दे दें।

श्री अध्यक्ष-

इसमें क्या कहेंगे।

श्री धर्मपाल सिंह-

मान्यवर, सांसदों को संसदीय कार्य में भाग लेने के लिए राज्य सम्पत्ति के द्वारा वहां पर व्हिकल की व्यवस्था है। क्या संसदीय कार्य में भाग लेने के लिए यहां विधायकों को राज्य सम्पत्ति विभाग व्हिकल की व्यवस्था कराएगा।

श्री अम्बिका चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी महाना जी ने कटौती का प्रस्ताव रखा उस पर श्री खन्ना जी ने कई चर्चाएं ऐसी रखीं जो कटौती से सम्बंधित नहीं थीं । मैं यह कहना चाहता हूं कि अभी जब आपने कुछ समस्याओं का उल्लेख किया है मैं इस सम्बंध में कुछ जानकारी माननीय सदस्यों को देना चाहता हूं। लेकिन मैं अपनी जानकारी दूं इसके पहले मैं एक दो बात रखना चाहता हूं। मान्यवर, खन्ना जी बहुत परेशान हैं और ऐसा लगा जैसे जिन्दगी परेशानी के अलावा कुछ है ही नहीं। विधायक निवास के पास

आए तो लगा कि इस सृष्टि की सारी कठिनाइयां बाथरूम में छेद, सीपेज, लिफ्ट में गए फंस, गन्दगी इतनी ज्यादा, लिफ्ट हिलती हुई व्यवस्थाधिकारी गायब, इंजीनियर गैर हाजिर, सफाई वाला मिला नहीं जिन्दगी में सात बार का विधायक होने के बाद भी इनको विधायक निवासों में कष्ट के अलावा कुछ मिला नहीं। इतना कष्ट इनको क्यों है इसके पीछे जाना पड़ेगा मैं वहां नहीं जाऊंगा। लेकिन मान्यवर, मैं असली बात बताना चाहता हूं आज उन्होंने दावा किया कि बाथरूम की मरम्मत में ऐसा छेद हो गया कि लगा मेरा सामान चोरी हो जाएगा उन्होंने यह दावा सदन में रखने का काम किया कि बाथरूम में जाते हैं तो जरूर उनके पास ऐसा कुछ सामान है जो गायब हो सकता है। कई लोगों में यह चर्चा थी कि सामान है कि नहीं है लेकिन आज यह पता चला कि गायब हो सकता है। इसलिए विभाग इसकी चिन्ता करेगा मैं सदन को आश्वस्त करता हूं कि जो भी सामान आपका बचा हुआ है वह बचा रहेगा। विभाग अपनी ओर से सम्पूर्ण मरम्मत करके उसकी हिफाजत करेगा। उसमें कोई खतरा नहीं होगा।

श्री सतीश महाना-

अगर सामान न हो तो सामान की व्यवस्था करवा दें।

श्री अम्बिका चौधरी-

दूसरी बात मुझे आश्चर्य थी पिछली बार खन्ना साहब ने कटौती रखी थी और कहां कि मैं बाथ रूम गया पिछली बार भी उनको बाथरूम का संकट हुआ था। उन्होंने कहां था कि मैं गया कपड़े उतारे, साबुन लगाया पानी गया अब न कोई आगे न कोई पीछे आप कार्यवाही दिखवा लें न कोई आगे न कोई पीछे मेरी समझ में नहीं आया कि मैं करूं क्या तो बड़ा संकट हो गया ।पिछली बार भी मैंने कहां कि नल में पानी का इंतजाम तो करवा दूंगा अब आगे न कोई पीछे यह भाजपा इतनी बड़ी पार्टी अपने को राष्ट्रीय पार्टी कहती है। न कोई आगे न कोई पीछे, उसका हम क्या करें मान्यवर। इसलिये मान्यवर, मेरा यह कहना है कि महाना जी अपना कटौती का प्रस्ताव वापस लेंगे उसके पहले आगे पीछे का कुछ इन्तजाम कर दीजिये। बाथरूम में कोई सामान चोरी न हो उसका इंतजाम कर दीजिये। लिफ्ट की बात मैं बताना चाहता हूं, दो तीन चीजें महत्वपूर्ण हैं, मैं उल्लेख करना चाहूंगा और समस्याओं पर जिनका आपने उल्लेख किया है वह सब आधारहीन नहीं हैं। मैं यह स्वीकार करना चाहता हूं कि वह सब समस्याएं आधारहीन नहीं हैं और दो-तीन समस्याएं अत्यन्त। आप सुन तो लीजिये, उन पर गम्भीरता से विचार किये जाने की आवश्यकता है। एक समस्या जिस पर खन्ना जी आपने बताया उस पर गम्भीरता से इलाज हो गया कि विभिन्न विधायक निवासों का विभिन्न किराया स्तर निश्चित था मान्यवर। और विभिन्न किराया स्तर निश्चित होने के कारण जो कठिनाई आपको आई कि आप विधायक निवास में थे और नो ड्युज के समय आपको वो पर्ची पकड़ा दी गई तो यह निर्णय कर लिया गया कि सभी विधायक निवासों का किराया एक बराबर कर दिया जायेगा और किसी से अतिरिक्त किराये की वसूली नहीं होगी चाहे पाक्र रोड हो या बहुखन्डी हो चाहे ओ0सी0आर हो, चाहे कोई भी हो, अब वो स्थिति नहीं रहेगी सभी विधायक निवासों का किराया एक बराबर तकनीकी रूप से कर दिया गया, इस कठिनाई से मुक्ति हो गई। मान्यवर, दूसरी एक बात और विधायकों के मामले में तय होनी थी कि हम सब लोग शुरू से जब से आये असल में पहले विधायक का अर्थ दूसरा होता था अब दूसरा हो गया। हम लोग आये उसके पहले से जब आप लोग शुरू में आये और उसके पहले वाले लोग जब आये हैं मुझे नहीं याद आदरणीय राम गोविन्द चौधरी जी 77 में आये थे, आदरणीय

अवधेश प्रसाद जी आये थे, थोड़े लोग रह गये इस सदन में, तब विधायक कोई चीज अपने लिये कहे तो इतनी शर्मिन्दगी होती थी कि देखो यह अपने लिये मांग रहा है। अब हम रोज अपने लिये मांगते हैं। कोई एक सदस्य खड़ा होता है तो हम लोग इतनी जोर से मेज बजाते हैं लगता है कि इसी के लिये आये हैं। मैं अपने को शामिल करके कहता हूं, कोई मैं इस व्यवस्था से अलग नहीं हूं। माननीय अध्यक्ष जी, तब चौकी होती थी और तख्त के अलावा कुछ नहीं होता था। बाद के दिनों में एक चारपाई मिलने लगी छोटी वाली कोठरी में। उसके बाद के दिनों में एक डबल बेड मिलने लगा। लेकिन जैसे जैसे समय आता रहा वैसे कभी एक्वा गार्ड तो फिर अभी आरोह आया तो इस वक्त हम लोगों ने दूसरा तय किया कि जैसी-जैसी डिमान्ड थी और जो संभव था जितने बेड रूम हैं उनके प्रत्येक में उसके हिसाब से डबल बेड और मैट्रेस इन सारी चीजों की व्यवस्था और सोफे जो कभी नहीं आते थे विधायक निवासों में उनको भी शामिल करके नये सिरे से सज्जित करने के लिये एक व्यवस्था सरकार कर रही है। समय बदलता है और समय बदलने के साथ व्यवस्थाएं बदलती हैं। आज विधायकों की आवश्यकताएं है तो आवश्यकता के अनुरूप यह सारी व्यवस्था हमने करने का काम किया है, जिसमें यह बात आ रही है। अभी इसी बजट सत्र में हर बार जो आपकी नियमावली में प्राविधान हैं उसमें एमेन्डमेंट भी आते हैं। और हम आपकी उपलब्धियां और पेंशन नियमावली में यह एमेंडमेंट लाकर यह सारी चीजों को ऐड करने का काम कर रहे हैं और उसके लिये बजट में व्यवस्था हो गई है। मान्यवर, जहां तक लिफट की बात आपने कही, बहुखन्डी की और कहां-कहां की बदल दी गई मैं उसका उल्लेख नहीं करूंगा। बहुखन्डी मंत्री निवास में ए ब्लाक में तीनों लिफ्टें बदल दी गईं। ए ब्लाक में भी लोग रहते हैं। खन्ना जी बी में रहते हैं इसलिये सिर्फ उन्होंने ऐसा कहां जैसे लिफ्ट आज ही गिरी ,कल फंसी परसों पता नहीं कहां फंसी और उनको यह लगा कि कई बार वह कह देता है कि भई बीच में फंस जायेंगें। ऐसे दरवाजे को मत खोलने की कोशिश करिये जिसमें नाखून उखड़ जाय। दरवाजा वह कोशिश कीजिये जिसको खटखटाने में खुल जाय। आप नाखून लगाकर क्यों खींच रहे हैं ? ऐसा मत खींचिये। खटखटाने वाले दरवाजे पर ट्राई कीजिये और वह सही पता नहीं मिल रहा है महाना जी से पूछ लीजिये। (व्यवधान) माननीय अध्यक्ष जी, अरे मेरा खटखटा देते तो कइयों के भाग जाग जाते।

माननीय अध्यक्ष जी, बी ब्लाक की तीनों लिफ्टों को बदले जाने का निर्णय हो गया, टेन्डर हो गये, एक लिफ्ट अभी तुरन्त बदली जा रही है। तीनों लिफ्टें मेरे ख्याल से काम से हिसाब से महीने दो महीने लगेंगें। तीनों लिफ्टें बदली जा रही हैं और एक बदल दी गई। मान्यवर, इसके अलावा एक और बात है। सफाई व्यवस्था की शिकायत जायज़ है और इसलिये सफाई के लिये निजी एजेन्सी को सफाई व्यवस्था दे दी गई हैं यह पहले से शुरूआत है लेकिन इसको और सुदृढ़ करेंगें प्रत्येक निधायक निवास में सफाई की व्यवस्था निजी एजेन्सियों को देकर के और इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जायेगा कि वहां पर सफाई रहे कोई कठिनाई न आय। और श्रीमन् जो बात हो रही है कुछ और चीजें हो रहीं हैं जिसका जिक्र नहीं आया हम यहां सदन में उल्लेख कर देना चाहते हैं कि सचिवालय का एक बहुत माडल तरीके का भवन आप उम्मीद कर लें जो यहां दारुलशफा में नये सिरे से बनने जा रहा है। करीब 400 करोड़ की बिल्डिंग और 100 करोड़ रुपया हमने इस बजट में इसके लिये प्रस्तावित किया है। और बहुत शानदार ढंग का आपका सचिवालय, सबसे नजदीक और सुविधा की दृष्टि से काफी चीजें इन्क्लूड की जा रही हैं। पिछली बार मैंने बजट रखते हुए आपको सूचित किया था मुझे

प्रसन्नता है कि बम्बई में आपका गेस्ट हाउस, 15 कक्ष का बनकर तैयार है माननीय मुख्य मंत्री जी से हम समय मांग रहे हैं जिस दिन भी वह समय देते हैं बम्बई में चलकर उसका लोकार्पण हो जाएगा और बम्बई में आपको अपना गेस्ट हाउस बनकर तैयार मिलेगा। एक ऐसा अवसर था कि उस जमीन को कुछ लोग बेचना चाहते थे, वहां आपका गेस्ट हाउस बन गया। मान्यवर, कलकत्ता के गेस्ट हाउस में अध्यक्ष जी, आपके आदेशानुसार वाहन का प्रबन्ध हो गया है मा0 सदस्य जाएंगे और अवगत करा देंगे तो उनके लिए वेहिकिल का भी प्रबन्ध किया जाएगा और वहां के प्रोटोकाल अफसर को जब हम गेस्ट हाउस में रहेंगे, तो स्टेशन से लाने का, या गाड़ी की व्यवस्था करनी होगी, कलकत्ते में तो व्यवस्था हो जाएगी। हमारी बड़ी कठिनाई दिल्ली की है। यू0पी0 भवन छोटा है और यू0पी0 भवन छोटा होने के कारण, यू0पी0 भवन और यू0पी0 सदन मिला करके हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो सकती है। मैं माथुर जी की ओर फिर इशारा करूंगा, तो लोग कहेंगे क्यों इनसे कहते हैं, कोई मतलब नहीं है, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि दिल्ली सरकार में लेफ्टिनेंट गवर्नर से खुद मा0 मुख्य मंत्री जी ने बात की और चिट्ठी लिखी, दिल्ली की मुख्य मंत्री शीला दीक्षित जी को चिट्ठी लिखी और बात की। दिल्ली में कोई जमीन हमारे गेस्ट हाउस के लिए नहीं मिल रही है। नोएडा में जमीन की तलाश हो रही है बड़ा गेस्ट हाउस बनाना चाहते हैं ताकि रोज-रोज की किल्लत खत्म हो जाए। हम दिल्ली नोएडा और इलाहाबाद में भी, इलाहाबाद एक ऐसी जगह है जहां तमाम लोगों को विभिन्न कारणों से जाने की आवश्कता होती है हाई कोर्ट भी है, संगम है, प्रयाग है। तो इलाहाबाद में भी गेस्ट हाउस बनाने के लिए और नोएडा में भी गेस्ट हाउस बनाने के लिए, जमीन की तलाश हो रही है और जल्दी ही यह काम पूरा हो जाएगा। हम बढ़िया गेस्ट हाउस वहां बनाना चाहते हैं इससे दिल्ली की कठिनाई दूर हो जाएगी। यू0पी0 भवन का जहां तक प्रश्न है समाजवादी पार्टी की पिछली सरकार में यह तय हुआ था कि इसको सुसज्जित कर दिया जाए। पचास फीसदी कमरों का रेनोवेशन हो गया है और पचास फीसदी कमरों का रेनोवेशन जारी है। प्रयास है कि जल्दी से जल्दी हो जाए। खानपान की व्यवस्था उसमें नहीं है। यह मा0 सदस्यों ने नहीं कहां लेकिन मैं अपनी ओर से कह रहा हूं। खानपान की व्यवस्था वहां संतोषप्रद नहीं है उसके लिए क्या व्यवस्था की जाए इसको देखा जा रहा है। हमारे सभी गेस्ट हाउस में खानपान की व्यवस्था सुदृढ़ हो इसकी आवश्कता है अभी उस स्तर की व्यवस्था नहीं है जिस स्तर की होनी चाहिए। जैसी अन्य राज्यों में व्यवस्था है। मान्यवर, लिफ्ट के बारे में बताया कि ओ0सी0आर0 में तीनों लिफ्टों को बदलने का हो गया है, सब जगहों पर हम लिफ्टों को बदल रहे हैं। इसलिए मान्यवर, मैं माननीय महाना जी से और मा0 सदस्यगण से कहूंगा कि अन्य जो छोटी-मोटी समस्यायें हैं यदि हम विभाग को बताते हैं तो वह करता रहता है। कर्मचारियों के लिए भी नये आवास बन रहे हैं। आपकी सुविधाओं का यह विभाग ध्यान रख सके इसके अतिरिक्त मैं आपकी आज्ञा से इस सदन की ओर से उनको धन्यवाद् देना चाहता हूं कि अभी जो हमने उत्तरशती रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया उसमें इस महकमें को, हमारे राज्य सम्पत्ति अनुभाग को हमारे अतिथियों को लाने का, उनको ले जाने का उनके आवास का उनके भोजन का उनके वाहन का जो हमने प्रबन्ध दिया था, उसकी सराहना की चिट्ठी मान्यवर, आप तक पहुंची है। इसके लिए मैं इस सदन के तमाम साथियों की ओर से उस महकमें के लोगों को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने प्रदेश की प्रतिष्ठा के सवाल पर जब बात आई तो उसको निभाया। हमारे पूर्व विधायकों की व्यवस्था करने के लिए भी, पहले स्थान दूसरा था,

फिर दूसरा स्थान हो गया, 48 घंटे से कम समय में हमने स्थान परिवर्तित किया। उसकी भी व्यवस्था इन लोगों ने किया।

श्री रघुनंदन सिंह भदौरिया-

जब हम लोग यू0पी0 भवन में रुकते हैं और टिकट या बी0आई0पी0 लगवाते हैं तो वहां के कर्मचारी पैसा लेते हैं अगर नहीं देते हैं तो काम नहीं करते हैं। मैं निवेदन करना चाहता हूं यह व्यवस्था देख ली जाए।

श्री अध्यक्ष-

आप बैठिए।

श्री अम्बिका चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी मैं गम्भीर बात कह रहा था। मा0 अध्यक्ष जी जो उपलब्धियां हैं इसके लिए हम उनको धन्यवाद् देना चाहते हैं।उन्होंने हमारे प्रतिष्ठापरक आयोजन में अपनी भूमिका ठीक ढंग से निर्वाह की। जो समस्यायें मा0 सदस्यों ने बताई हैं उसको सम्पूर्ण गम्भीरता के साथ देखते हुए इन चीजों का समावेश करना पड़ेगा। एक विशेष बात मैं कहना चाहता हूं जो खन्ना जी ने कही, जो इस सदन में कई बार आई। जब माननीय कलराज मिश्रा जी पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर थे, खन्ना जी, आप मंत्री थे और हम लोगों ने उस बार सवाल उठाया था तो एक पालिसी बनाने की बात आई थी और इस सदन में पिछले 20 सालों में कम से कम 10 बार यह सवाल गंभीरता से उठा है, कभी औचित्य के माध्यम से, कभी चर्चा में कि यहां भी विधायकों की सीनियारिटी के हिसाब से उनके आवास या उसकी श्रेणी तय कर दी जाय जिससे किसी को कोई शिकायत और असुविधा न रहे। सभी विधायक निवास सुसज्जित हों, सुविधाजनक हों, ठीक हों, यह अच्छी बात है लेकिन फिर भी जो वरिष्ठ होता है, उसकी वरिष्ठता का ध्यान होना चाहिए। इसके लिए एक कमेटी गठित कर दी गयी है, उसका विचार आ रहा है। उसके बाद तमाम दलों के नेताओं की बैठक करके और प्रस्ताव ले करके उस पर सर्वसम्मति बनाने का प्रयास किया जायेगा कि जो सचमुच 4 टर्म, 5 टर्म, 7 टर्म के लोग हैं और जो उनसे पीछे आने वाले लोग हैं, यदि इसमें सीनियर्स की कुछ बेहतर व्यवस्था की जा सके तो वह होनी चाहिए ताकि किसी को कठिनाई न हो। एक कैटेगरी का आवास किसको कहां मिलना है, उसमें कठिनाई नहीं है, किसी को अच्छा मिल गया, किसी को कम अच्छा मिल गया, कौन रायल होटल में तकलीफ महसूस करता है, कोई बहुखण्डी में ठीक समझता है और कौन पाक्र रोड में रहता है, इन सब चीजों पर विचार करने के लिए कमेटी बन गयी है और उसकी रिपोर्ट आयेगी। उसके बाद माननीय अध्यक्ष जी, आपके कक्ष में लीडर्स की बैठक हो, हम सहमति ले करके इसको जारी करने का काम करेंगे। इसी के साथ मैं पुनः अपने दोनों सदस्यों का और अन्य लोग जिनके माध्यम से बातें आयी हैं, उन सबका आभार व्यक्त करते हुए, महाना जी से अनुरोध करता हूं कि वह कृपया कटौती का प्रस्ताव वापस ले लें।

श्री अध्यक्ष-

अब मैं प्रश्न रखता हूं।

श्री अम्बिका चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय राम गोविन्द चौधरी जी इस सदन के हमारे वरिष्ठतम लोगों में से हैं, वरिष्ठ मंत्री भी है, वह भी चौधरी लिखते हैं। उनको परेशानी हो गयी कि मेरे नाम के उच्चारण में खन्ना जी को यह क्या हो गया ? हमारा उनसे जो रिश्ता है, वह आप जानते नहीं हैं, हम यहां बता नहीं सकते। इसलिए उन्होंने क्या कहां, इस चक्कर में आप मत पड़िये, मैं आपको अलग बताऊंगा।

श्री छोटे लाल वर्मा-

मान्यवर, आपने इलाहाबाद का नाम लिया, आगरा भी विश्व का प्रसिद्ध स्थान है।

श्री अध्यक्ष-

महाना जी, आप बोलें।

श्री सतीश महाना-

माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन में हम सब लोगों का बराबर का अधिकार है और इस सदन में जो भी बात आ जाती है, वह इस सदन में सम्पत्ति होती है, सबका बराबर का अधिकार होता है। माननीय मंत्री जी ने कहां कि उनका व्यक्तिगत अधिकार है। मान्यवर, उनका व्यक्तिगत अधिकार सदन में नहीं हो सकता, वह सब लोगों के बराबर के अधिकार की बात करें तो जब सदन की सम्पत्ति हो गयी तो व्यक्तिगत नहीं रही, व्यक्तिगत आप हटा लो। मान्यवर, मैं अपने कटौती के प्रस्ताव पर बल देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मैं प्रश्न उपस्थित कर रहा हूं।

प्रश्न यह है कि अनुदान सं0-59, लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत सम्पूर्ण अनुदान के अधीन मांग की राशि घटाकर एक रुपया कर दी जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और अस्वीकृत हुआ)

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष में अनुदान सं0-59, लोक निर्माण विभाग (राज्य सम्पत्ति निदेशालय) के अन्तर्गत होने वाले परिव्ययों को चुकाने के लिए आवश्यक धनराशि की पूर्ति के लिए 3,44,70,07,000 रुपये से अनधिक धनराशि स्वीकृत की जाय ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और स्वीकृत हुआ)

नियम-51 के अन्तर्गत सूचनायें

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 05-03-2013 को नियम-51 के अन्तर्गत कुल 50 सूचनायें प्राप्त हुईं, जिसमें निम्नलिखित सूचनाएं स्वीकृत हुईं :-

पहली सूचना श्री महेन्द्र कुमार सिंह 'झीन बाबू' की उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद् में कार्यरत नियमित कर्मचारियों को छठे वेतनमान का लाभ न दिये जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य हेतु स्वीकृत

की जाती है। दूसरी सूचना श्री मुकुट बिहारी वर्मा की जनपद बहराइच में विद्युत विभाग एवं पुलिस कर्मियों की सांठ-गांठ से हो रही धन उगाही को रोकने एवं दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य हेतु स्वीकृत की जाती है। तीसरी सूचना श्री गयादीन अनुरागी की जनपद-हमीरपुर में दैवीय आपदा के कारण नष्ट हुई फसलों का मुआवजा किसानों को दिये जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य हेतु स्वीकृत की जाती है। चौथी सूचना श्री सुरेश राणा की जनपद-मुजफ्फरनगर में पानीपत-खटीमा मार्ग पर एवं मुजफ्फरनगर-थानाभवन रोड पर पुलों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य हेतु स्वीकृत की जाती है। पांचवीं सूचना श्री अनुग्रह नारायण सिंह की उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञप्ति सहायक अभियोजन अधिकारी परीक्षा की पूर्व में विज्ञाप्ति एवं निर्धारित परीक्षा अतिशीघ्र कराने और अभियोजन निदेशालय का गठन कराये जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य हेतु स्वीकृत की जाती है। छठी सूचना डा0 अरुण कुमार बरेली की नगर में लो-वोल्टेज को देखते हुए स्वीकृत 4 सब-स्टेशनों का निर्माण कार्य शीघ्र कराये जाने के सम्बन्ध में केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत की जाती है। सातवीं सूचना श्री उमेश पाण्डेय की जनपद मऊ के विधान सभा क्षेत्र के दो विकास खण्डों एवं जनपद बलिया के विकास खण्ड दोहरी घाट फतहपुर एवं बेल्थरा रोड की सड़क के अधूरे कार्य को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत की जाती है। आठवीं सूचना श्री रघुनन्दन सिंह भदौरिया की कानपुर जी0टी0 रोड स्थित सी0ओ0डी0 क्रासिंग से रामादेवी चौराहे तक मुख्य मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है इस पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। नवीं सूचना श्री संजय कपूर की जनपद-रामपुर की तहसील-बिलासपुर के ग्राम-अहरो में चिकित्सा हेतु पी0एच0सी0 की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में है इस पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। दसवीं सूचना श्री बब्बन की जनपद-चन्दौली के मुगलसरायं क्षेत्रान्तर्गत कतिपय ग्राम सभाओं के पानी की निकासी हेतु नाले का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है इस पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। ग्याहरवीं सूचना श्री श्यामदेव राय चौधरी (दादा) वाराणसी नगर में विगत कई माह से कुपोषित बच्चों तथा गर्भवती माताओं को पुष्टाहार, हाटकुक भोजन आदि का वितरण बन्द होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है इस पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। बारहवीं सूचना डा0 धर्म सिंह सैनी की जनपद-सहारनपुर के अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन का भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में है इस पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। तेरहवीं सूचना श्री सुरेश बंसल की विधान सभा क्षेत्र गाजियाबाद के अन्तर्गत राईटगंज, गाजियाबाद में कन्या वैदिक विद्यालय इण्टर कालेज के मेन गेट के सामने पड़े कूड़े के ढेर से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है इस पर शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। चौदहवीं सूचना श्री अजय कुमार 'लल्लू' की जनपद कुशीनगर में रोडवेज बस डिपो पड़रौना में होने के उपरान्त भी उसका संचालन न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। पन्द्रहवीं सूचना श्री अमरपाल शर्मा की गाजियाबाद के इन्दिरापुरम्, वैशाली एवं बसुन्धरा में सीवर जाम की समस्या को देखते हुए नया सीवर ट्रीटमेन्ट प्लान्ट लगाये जाने के सम्बन्ध में है, शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। सोलहवीं सूचना श्री अनीसुर्रहमान की जनपद मुरादाबाद की विधान सभा काट में तहसील भवन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है। सत्रहवीं सूचना श्री गुटियारी लाल दुबेश की विधान सभा क्षेत्र आगरा कैण्ट, तहसील-सदर के अन्तर्गत श्री केहरी सिंह निवासी

चक्की पाट के द्वारा तहसील-सदर में फांसी लगाये जाने के सम्बन्ध में है शासन का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार की गईं :-

डा0 रीता बहुगुणा जोशी,

श्री बजरंग बहादुर सिंह,

श्री गेंदा लाल चौधरी,

श्री रामहेत भारती,

श्री जीतेन्द्र कुमार,

श्री धर्मपाल सिंह,

श्री राम चन्द्र यादव,

श्री जगन प्रसाद गर्ग,

श्री रवीन्द्र जायसवाल,

श्री रविन्द्र भडाना,

श्री शमशेर बहादुर सिंह उर्फ शेरू भईया,

श्री बंशी सिंह पहाड़िया,

डा0 पूर्णमासी देहाती,

श्री सुरेश कुमार खन्ना,

श्री दलजीत सिंह,

श्री छोटेलाल वर्मा,

श्री विजय बहादुर यादव,

साध्वी सावित्रीबाई फुले,

श्री मदन चौहान,

श्री राधेश्याम जायसवाल,

साध्वी निरंजन ज्योति,

श्री मनीष असीजा,

श्री अजय मिश्र 'टेनी',

श्री प्रमोद तिवारी,

श्री उमाशंकर सिंह,

श्री राकेश बाबू,

श्री कृष्णपाल सिंह राजपूत,

श्री कालीचरन सुमन,

श्री पूरन प्रकाश एडवोकेट,

श्री राजनरायन बुधौलिया,

डा0 रमेश चन्द्र बिन्द तथा

श्री अगयश राम सरन वर्मा।

जनपद कौशाम्बी के सैनी, कोखराज, बाना क्षेत्र के शीतला मां मन्दिर एवं जैन मन्दिर, पालीगांव एवं भैरोबाबा मन्दिर से मूर्तियों एवं घंटों की चोरी एवं राम बदन पाल की निर्मम हत्या किये जाने के सम्बन्ध में श्री केशव प्रसाद (कुशवाहा) मौर्य द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य श्री केशव प्रसाद मौर्य जी हैं?

(मा0 सदस्य श्री केशव प्रसाद मौर्य का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित रहने पर)

श्री अध्यक्ष-

यह लोग नहीं रहते हैं, इसका क्या किया जाय। अब मैं अगली मद लेता हूं।

जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का करोड़ों रुपये बकाया होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में श्री राधेश्याम द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य

राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

मान्यवर, मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा दी गयी सूचना ....

बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य राजस्व मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री अम्बिका चौधरी-

[जनपद-कुशीनगर के अन्तर्गत चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का करोड़ों रु0 गन्ना मूल्य बकाया होने एवं ढाढ़ा, सेवरही, रामकोला पी, कप्तानगंज एवं खड्डा चीनी मिलों से सम्बन्धित गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान न होने के कारण जन आक्रोश के बढ़ने तथा चीनी मिलों पर बकाया गन्ना मूल्य तत्काल किसानों को दिलाये जाने का उल्लेख किया गया है।

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा दी गयी उक्त सूचना के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद कुशीनगर में निजी क्षेत्र की चीनी मिल पडरौना पर वर्ष 1996-97 का रु0 129.73 लाख, 1997-98 का रु0 1104.06, 2011-12 का रु0 317.56 अर्थात् कुल अवशेष रु0 1551.35 लाख बकाया है। यह चीनी मिल बी0आई0एफ0आर0 में पंजीकृत है। बी0आई0एफ0आर0 द्वारा दिनांक 18-6-2003 को जे0एच0वी0 समूह को चीनी मिल का प्रमोटर बनाते हुए चीनी मिल पर विभिन्न वर्षों का कुल देय गन्ना मूल्य रु0 1239.77 लाख को चीनी मिल के पेराई कार्य प्रारम्भ करने के दो वर्ष के उपरान्त छः समान वार्षिक किश्तों में भुगतान करने के आदेश दिये गये। चीनी मिल ने वर्ष 2005-06 से पेराई कार्य प्रारम्भ किया। इस प्रकार चीनी मिल द्वारा पेराई सत्र 2005-06 तथा 2006-07 के उपरान्त भुगतान प्रक्रिया प्रारम्भ कर देनी चाहिए थी परन्तु चीनी मिल द्वारा निरन्तर छह सत्र पेराई करने के उपरान्त भी अभी तक कोई धनराशि का भुगतान नहीं किया गया है। चीनी मिल के द्वारा बी0आई0ए0आर0 के पैकेज के अनुसार भुगतान न किये जाने पर वस्तुस्थिति से बी0आई0एफ0आर0 को अवगत कराया गया। बी0आई0एफ0आर0 ने अपने आदेश दिनांक 10-7-2008 द्वारा गन्ना मूल्य का भुगतान न करने पर प्रस्तुत स्कीम को असफल घोषित करते हुए नये प्रमोटर के चयन करने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी। उक्त निर्णय के विरुद्ध चीनी मिल द्वारा ए0ए0आई0एफ0आर0 में अपील योजित की गई, जिसमें ए0ए0आई0एफ0आर0 ने बी0आई0एफ0आर0 के निर्णय दिनांक 10-7-2008 को वैद्य ठहराते हुए आई0एफ0सी0आई0 को आपरेटिंग एजेन्सी नियुक्त किया तथा टेण्डर प्रक्रिया में जे0एच0वी0 डिस्टलरी एण्ड शुगर मिल लि0 को भी शामिल होने की अनुमति प्रदान की। चीनी मिल की परिसम्पत्तियों की बिक्री हेतु आई0एफ0सी0आई0 को आपरेटिंग एजेन्सी नियुक्त किया तथा टण्डर प्रक्रिया में जे0एच0वी0 डिस्टलरी एण्ड शुगर मिल्स लि0 को भी शामिल होने की अनुमति प्रदान की। चीनी मिल की परिसम्पत्तियों की बिक्री हेतु आई0एफ0सी0आई0 द्वारा दिनांक 16-6-2010 को टेण्डर प्रकाशित किये गये परन्तु टेण्डर हेतु कोई निविदादाता नहीं आया।

इसी प्रकार चीनी मिल कप्तानगंज पर वर्ष 2002-03 का रु0 742.00 लाख, 2003-04 का रु0 298.00 लाख, 2006-07 का रु0 14.95 लाख तथा 2007-08 में रु0 671.66 लाख अर्थात् कुल रु0 1726.61 लाख बकाया है। उक्त चीनी मिल भी बी0आई0एफ0आर0 में पंजीकृत है। बी0आई0एफ0आर0 द्वारा पेराई सत्र 2002-03 का अवशेष गन्ना मूल्य रु0 822.53 लाख का भुगतान ब्याज रहित तीन वर्ष के अन्दर किये जाने के निर्देश दिये हैं, जिसके क्रम में चीनी मिल ने रु0 80.53 लाख भुगतान कर दिया है तथा रु0 742.00 लाख अवशेष है। इसी प्रकार पर वर्ष 2003-04 का रु0 433.00 लाख अवशेष गन्ना मूल्य को चार वर्ष के अन्दर 16 किश्तों में भुगतान किये जाने के निर्देश दिये हैं, जिसके क्रम में चीनी मिल ने प्रथम किश्त के रूप में रु0 135.00 लाख का भुगतान कर दिया है तथा अब रु0 298.00 लाख अवशेष है। बी0आई0एफ0आर0 द्वारा अपनी कार्यवाही दिनांक 09 जून, 2011 में कुल अवशेष गन्ना मूल्य में से रु0 5.00 करोड़ तत्काल तथा शेष धनराशि को आगामी तीन वर्ष में भुगतान किये जाने के आदेश दिये हैं। बी0आई0एफ0आर0 के उक्त आदेश के क्रम में अवशेष धनराशि के किश्तवार भुगतान सम्बन्धी आदेश का प्रतिवाद किये जाने की कार्यवाही विभाग द्वारा की जा रही है।

पेराई सत्र 2012-13 में जनपद कुशीनगर के अन्तर्गत कार्यरत चीनी मिलों की दिनांक 01-03-2013 तक की स्थिति के अनुसार गन्ना मूल्य की स्थिति निम्नवत् है :-

(धनराशि लाख रु0)

क्र0सं0	नाम चीनी मिल	देय गन्ना मूल्य	14 दिन पूर्व देय गन्ना मूल्य	भुगतान	अवशेष	भुगतान का प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
1	ढाढ़ाबुजुर्ग	17191.82	14574.70	10074.64	4500.06	69.12
2	सेवरही	12459.75	10576.59	6872.88	3703.71	64.98
3	रामकोला-पी	14675.02	12563.27	8421.74	4141.53	67.03
4	कप्तानगंज	11080.64	9475.75	7748.66	1727.09	81.77
5	खड्डा	4048.48	3411.19	2384.22	1026.97	69.89
	योग :-	**59455.71**	**50601.50**	**35502.14**	**15099.36**	**70.55**

पेराई सत्र 2012-13 में अवशेष गन्ना मूल्य के भुगतान हेतु गन्ना आयुक्त स्तर पर निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है। ऐसी चीनी मिलों जिनका गन्ना मूल्य भुगतान संतोषजनक नहीं है उन्हें नोटिस निर्गत की गई है। त्वरित गन्ना मूल्य भुगतान हेतु मुख्यालय स्तर पर परिक्षेत्रवार समीक्षा बैठक कर सभी क्षेत्रीय अधिकारियों व चीनी मिल प्रतिनिधियों को कड़े निर्देश जारी किये गये हैं। गन्ना मूल्य भुगतान का प्रभावी अनुश्रवण करते हुए जिलाधिकारी, कुशीनगर एवं मण्डलायुक्त, गोरखपुर को भी गन्ना मूल्य के त्वरित भुगतान कराये जाने हेतु पत्र/निर्देश निर्गत किये गये हैं। इसी क्रम में यह भी निर्देश दिये गये हैं कि जिन चीनी मिलों के गन्ना मूल्य भुगतान की स्थिति असन्तोषजनक पायी जाये उन चीनी मिलों की उत्पादित चीनी, शीरा एवं बगास को अभिरक्षा में लेकर स्टाक की बिक्री कराते हुए गन्ना मूल्य का भुगतान सुनिश्चित कराया जाय। विभाग गन्ना मूल्य भुगतान कराने हेतु सजग एवं संवेदनशील है व शत-प्रतिशत भुगतान कराये जाने हेतु कटिबद्ध है।]

जनपद आजमगढ़ के सरायमीर नन्दांव मार्ग की मरम्मत हेतु स्वीकृत धनराशि का अवशेष रिलीज कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आलम बदी द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य श्री आलम बदी साहब कहां हैं ?

(मा0 सदस्य का नाम पुकारे जाने एवं सदन में उनके अनुपस्थित रहने पर)

राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

मान्यवर, मा0 सदस्य श्री आलम बदी जी, सदन में उपस्थित नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

जनपद मथुरा में गोकुल बैराज बनाये जाने के उपरान्त दामोदरपुर आदि गांव जो कि गोकुल बैराज के डूबे क्षेत्र में आते हैं, के किसानों की भूमि का मुआवजा तत्काल दिलाये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप माथुर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य

श्री अध्यक्ष-

अब मैं अगली मद लेता हूं।

राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

मान्यवर, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दिनांक 27-2-2013 को .....

बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य राजस्व मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री अम्बिका चौधरी-

[को नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना में जनपद मथुरा में गोकुल बैराज बनाये जाने के उपरान्त दामोदरपुर आदि गांव जो कि गोकुल बैराज के डूबे क्षेत्र में आते हैं, के किसानों की भूमि का मुआवजा तत्काल दिलाये जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य की मांग की गयी है।

2-उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि मथुरा स्थित गोकुल बैराज के डूबे क्षेत्र से प्रभावित 08 राजस्व ग्रामों में 248.874 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण हेतु अनुमानित प्रतिकर के भुगतान हेतु शासनादेश दिनांक 31-3-2008 द्वारा रु0 45.75 करोड़ तथा शासनादेश दिनांक 07-10-11 द्वारा रु0 10.00 करोड़ की धनराशि जिलाधिकारी, मथुरा के निर्वतन पर स्वीकृत की गई है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में भी शासनादेश संख्या-1171/नौ-5-2013-411सा/06, दिनांक 4-3-2013 द्वारा रु0 3607.39 लाख (रु0 छत्तीस करोड़ सात लाख उन्तालीस हजार मात्र) की धनराशि जिलाधिकारी, मथुरा को स्वीकृत कर दी गई है।]

श्री प्रदीप माथुर-

माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से मैं मा0 मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि गोकुल बैराज के डूबे क्षेत्र की धनराशि 07-10-2011 को 10 करोड़ रूपया स्वीकृत कर दी गई, 2012-2013 में भी शासनादेशानुसार 3607.39 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी गई, परन्तु अभी तक डूबे क्षेत्र का मुआवजा उन किसानों को मिला नहीं । आज स्थिति यह है कि यदि धारा-6 की आवश्यकता है तो धारा-6 करा दीजिए, यदि धारा-6 टाईमबार्ड हो गई है तो जिलाधिकारी मथुरा से और सम्बन्धित अधिकारियों से कहकर किसानों से आपसी समझौते के आधार पर मुआवजा दिलवा दीजिए और यह मुआवजा जो है 2008 के उस पर है, आज स्थिति यह हो गई है कि 2013 होने को आ गया, उसके मुकाबले में वह मुआवजा कतिपय बहुत कम है, उसे वर्तमान सेचुरेट रेट पर करा दीजिए। आज स्थिति

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

यह है कि वह किसान मरणासन्न हैं और लगभग आठ रेवेन्यु विलिजर्स के किसानों की प्रॉपर्टी, जमीन, भूमि जिसमें वह खेती करते थे, वह गोकुल बैराज में समावेशित हो चुकी है। किसान आज मरने की कगार पर हैं, तो यह स्वीकृति से काम चलने वाला नहीं है, वह दिलवाने की बात करिये और पीड़ित किसानों के परिवारों के पुनर्वास और बेरोजगार लोगों को नौकरी दिलवाने की बात करिये। तो यह सारा बड़ा गम्भीर मामला है और लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप सीधे सवाल पूछिये।

श्री प्रदीप माथुर-

मान्यवर, पूछ तो लिया कि धारा-6 करानी हो, तो क्या धारा-6 करायेंगे और यदि धारा-6 टाईमबार्ड हो गई हो तो क्या जिलाधिकारी और ऐसे लोगों को निर्देशित करेंगे कि करार पर करायेंगे।

श्री अध्यक्ष-

आप पूछिये कि क्या धारा-6 करायेंगे ?

श्री प्रदीप माथुर-

क्या धारा-6 करायेंगे, यदि टाईमबार्ड है तो क्या करार पर करायेंगे कि नहीं करायेंगे, दोनों के बारे में बता दें।

श्री अम्बिका चौधरी-

मान्यवर, प्रश्न के साथ उत्तर आ गया है, इसलिए मेरी आवश्यकता नहीं है। उन्होंनें स्वयं प्रश्न के साथ उत्तर प्रस्तुत कर दिया। क्या धारा-6 करायेंगें या टाईमबार्ड हो गया है, तो जब टाईमबार्ड हो गया है तो कैसे करायेंगे। दोनों बातें एक ही साथ हैं। मान्यवर, यह प्रतिकर की राशि का निर्धारण एक स्टेज है और उस पर आब्जेक्शन मांगे जाते हैं और उस आब्जेक्शन के बाद जब अवार्ड घोषित हो जाता है मान्यवर, तो उसके आधार पर प्रतिकर बन करके और वितरण के लिए जिलाधिकारी को दे दिया जाता है। जो राशि गई है उस पर कोई विवाद नहीं है, वितरण हो जायेगा और इसके बाद भी प्रतिकर से अगर कोई छूट जाता है तो उसके लिए उस राशि का प्रबन्ध किया जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। अब अगली मद लेते हैं।

तम्बाकू व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अधिनियम में संशोधन करते हुए एक वस्तु पर एक ही रूप पर समान कर की दर लागू किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव जी उपस्थित हैं ?

(मा0 सदस्य का नाम पुकारे जाने पर एवं सदन में अनुपस्थित रहने पर)

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के छात्रों को माननीय न्यायालय के आदेशानुसार परीक्षा में अविलम्ब शामिल कराने एवं परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति शासन तथा मनमाने ढंग से बढ़ाये गये शुल्कों की वापसी कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनुग्रह नारायण सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य (व्यपगत)

श्री अध्यक्ष-

अब मैं अगली मद ले रहा हूं।

मा0 सदस्य श्री अनुग्रह नारायण सिंह जी सदन में उपस्थित हैं ?

(मा0 सदस्य का नाम पुकारे जाने पर एवं सदन में अनुपस्थित रहने पर)

मा0 सदस्य सदन में उपस्थित नहीं हैं।

जनपद फिरोजाबाद के नगर पालिका/परिषद् फिरोजाबाद के अन्तर्गत जल निगम द्वारा बनायी गयी पेयजल योजना टंकी 1-टापाखुर्द, 2-काशीराम बिहार पेयजल योजना को चालू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश बाबू द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर नगर विकास मंत्री का केवल वक्तव्य

श्री अध्यक्ष-

अब अगली मद ली जाती है।

राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दिनांक 27-02-2013 को नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना .....

बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य राजस्व मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री अम्बिका चौधरी-

[में जनपद फिरोजाबाद में नगर पालिका/परिषद्, फिरोजाबाद के अन्तर्गत जल निगम द्वारा बनायी गयी पेयजल योजना की टंकी 1-टापा खुर्द, 2-कांशीराम बिहार पेयजल योजना को चालू कराये जाने के सम्बन्ध में वक्तव्य की मांग की गयी है।

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

2-उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनपद फिरोजाबाद की विधान सभा टुण्डला में दो पेयजल योजनायें यथा-टापाखुर्द एवं कांशीराम बिहार पेयजल योजना का निर्माण उ0 प्र0 जल निगम, फिरोजाबाद द्वारा कराया गया है। उक्त योजनायें नगरपालिका परिषद्, फिरोजाबाद को अप्रैल, 2012 में हस्तान्तरित की गयी है। टापाखुर्द एवं कांशीराम बिहार योजना में टंकी पर दो नलकूप अधिष्ठापित हैं। 74वें संविधान संशोधन के पश्चात् नागरिकों को मूलभूत सुविधायें उपलब्ध कराने का दायित्व सम्बन्धित नागर निकाय का है। निकायों को राज्य वित्त आयोग एवं 13वें वित्त आयोग की संस्तुतियों से अन्तरण से दी जाने वाली धनराशि से भी नागरिकों को मूलभूत सुविधायें निकायों द्वारा उपलब्ध करायी जाती हैं। अवगत कराया गया है कि नगर पालिका परिषद्, फिरोजाबाद की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण पम्प आपरेटरों के वेतन का नियमित भुगतान न होने व उनके द्वारा धरना-प्रदर्शन/हड़ताल किये जाने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित हो गयी थी। निकाय में नियमित/संविदा कर्मी/पम्प आपरेटर उपलब्ध न होने के कारण नलकूपों के संचालन हेतु निविदा आमंत्रित की गयीं, परन्तु कोई निविदा प्राप्त न होने के कारण पुनः निविदा डाली गयी। अभी तक कोई भी निविदा प्राप्त नहीं है। निकाय द्वारा पुनः निविदा आमंत्रित किया जाना सूचित है।]

जनपद हमीरपुर के अन्तर्गत टाउन एरिया सुमेरपुर में बनी हुई रिमझिम लोहा फैक्ट्री द्वारा छोड़े जा रहे गन्दे पानी से फैल रहे प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में साध्वी निरंजन ज्योति द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य का स्थगन

श्री अध्यक्ष-

अस्वस्थता के कारण मा0 सदस्या साध्वी निरंजन ज्योति ने इसे स्थगित करने को कहा है, इसलिए इस मद को स्थगित किया जाता है।

जनपद इलाहाबाद के अन्तर्गत ग्राम पीपलगांव उर्फ शाहपुर शिवाला से ट्रिपल आई0टी0 चौराहे एवं लालमन तालाब तक जलभराव की समस्या से क्षेत्रीय जनता में व्याप्त रोष से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में श्रीमती पूजा पाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पंचायती राज मंत्री का केवल वक्तव्य

राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

मान्यवर, श्रीमती पूजा पाल, मा0 सदस्य विधान सभा ...

बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य राजस्व मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री अम्बिका चौधरी-

[दिनांक 27-2-2013 को नियम-51 के अन्तर्गत यह सूचना दी गयी है कि ''विधान सभा क्षेत्र पश्चिमी इलाहाबाद, जनपद इलाहाबाद के अन्तर्गत ग्राम पीपल गांव उर्फ शाहपुर शिवाला होते हुए ट्रिपल आई0टी0 तक तथा ट्रिपल आई0टी0 चौराहे लालमन तालाब तक लम्बाई लगभग 1.00 कि0मी0

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

है जो कि ग्रामीण आबादी में जल निकासी की व्यवस्था अत्यन्त दयनीय है और समुचित जल निकासी न होने के कारण जलभराव की समस्या आये दिन बनी रहती है और वर्षा के समय में अत्यन्त समस्या भयावह हो जाती है। जल भराव होने के कारण क्षेत्र में हमेशा संक्रमण रोगों के फैलने की आशंका बनी रहती है जिससे क्षेत्रीय जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रीय जनता का अनुरोध है कि ग्रामीण क्षेत्र में एक नाले का निर्माण करा दिया जाए जिससे क्षेत्रीय जनता को जल भराव की समस्या का निदान मिल सके। नाला का निर्माण न होने के कारण क्षेत्रीय जनता में सरकार के प्रति काफी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है।

इस सम्बन्ध में अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, इलाहाबाद से प्राप्त आख्या के अनुसार जनपद इलाहाबाद के अन्तर्गत ग्राम पीपल गांव उर्फ शाहपुर शिवाला से ट्रिपल आई0टी0 चौराहे एवं लालमन तालाब तक नाले की लम्बाई लगभग 1.5 किमी0 है जिसके निर्माण में रु0 43.40 लाख की लागत अनुमानित है। धनराशि उपलब्ध होने पर प्रश्नगत स्थल पर नाले का निर्माण कराये जाने की कार्यवाही की जायेगी।]

जनपद फैजाबाद के रूदौली क्षेत्रान्तर्गत डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों में की जा रही धांधली के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर, समग्र ग्राम्य विकास मंत्री का केवल वक्तव्य

राजस्व, अभाव, सहायता एवं पुनर्वास तथा लोक सेवा प्रबन्धन मंत्री (श्री अम्बिका चौधरी)-

मान्यवर, मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक 27-03-2013 को नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना ...

बाल विकास एवं पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा मंत्री (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया जो पढ़ा हुआ माना गया)

श्री अम्बिका चौधरी-

[में जनपद फैजाबाद विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत वर्ष 2012-13 में चयनित राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास योजना में आन्तरिक गलियों में सी0सी0 रोड एवं के0सी0 ड्रेन के कार्यों पर निविदाएं आमंत्रित करने व उन्हें अकारण आर0ई0एस0 विभाग द्वारा निरस्त कर देने तथा विगत माह जून में बी0एस0ए0 दफ्तर में कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में खाद्यान्न आपूर्ति के ठेके को लेकर भी कई बार ठेके की कार्यवाही निरस्त कर देने व लोक निर्माण विभाग खण्ड-2 प्रान्तीय खण्ड, सिंचाई विभाग, बाढ़ खण्ड, सरयू खण्ड व आर0ई0एस0 में सरकारी ठेकों को लेकर असामाजिक तत्वों में भयंकर संघर्ष चलने की स्थिति का उल्लेख करते हुए उक्त सम्बन्ध में उपेक्षापूर्ण कार्यवाही पर वक्तव्य की मांग की गयी है।

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

2-इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी, फैजाबाद एवं सम्बन्धित कार्यदायी विभागों से सूचना प्राप्त की गयी। मुख्य विकास अधिकारी, फैजाबाद द्वारा अवगत कराया गया है कि पंचायती राज अनुभाग-2 के शासनादेश दिनांक 21-02-2013 द्वारा जनपद-फैजाबाद में 23 चयनित डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्रामों की आन्तरिक गलियों में सी0सी0 रोड एवं के0सी0 ड्रेन के निर्माण कार्य हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गयी उक्त के क्रम में अधिशासी अभियन्ता के पत्र दिनांक 24-1-2013 द्वारा 23 ग्रामों की निविदायें आमंत्रित की गयी। जिसका वृहद प्रचार/प्रसार सूचना निदेशक के माध्यम से समाचार-पत्रों में प्रकाशन के द्वारा कराया गया। निविदा सूचना के अनुसार दिनांक 21-2-2013 से 23-2-2103 तक निविदा विक्रय की तिथि दिनांक 25-2-2013 को निविदा प्राप्त करने तथा दिनांक 26-2-2013 को खोलने की तिथि निर्धारित की गयी थी। दिनांक 24-2-2013 को जिलाधिकारी, फैजाबाद द्वारा विधान सभा, रूदौली के अन्तर्गत लाट संख्या-20 से 23 (माजनपुर, जखौली, उमापुर एवं मानापुर) की निविदाएं अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाने के क्रम में अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, फैजाबाद के पत्र दिनांक 24-2-2013 द्वारा निविदा प्रक्रिया निरस्त कर दी गयी, जिसकी सूचना अन्य के साथ-साथ जिला प्रशासन को भी तत्समय दे दी गयी थी।

उक्त कार्यों की निविदायें अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के पत्र दिनांक 25-2-2013 द्वारा दिनांक 12-3-2013 को पुनः आमंत्रित की गयी है जिसके अनुसार दिनांक 6-3-2013 से 8-3-2013 तक निविदा विक्रय दिनांक 12-3-2013 को निविदा प्राप्त करना एवं दिनांक 13-2-2013 को निविदा खोलने की तिथि निश्चित की गयी है। निविदाओं का व्यापक प्रचार/प्रसार करते हुए सूचना निदेशक के माध्यम से निविदाएं पुनः आमंत्रित की गई हैं। इसलिए ठेकेदारों को उपकृत करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

3-जनपद में संचालित 10 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में खाद्यान्न एवं अन्य सामग्री आपूर्ति हेतु जिलाधिकारी, फैजाबाद की अनुमति के उपरान्त ही टेण्डर प्रक्रिया आमंत्रित की गई थी, जिसे दिनांक 21-6-2012 को जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति के सम्मुख खोला जाना था, उसी समय ज्योति महिला समाज सेवा केन्द्र, जौनपुर द्वारा तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, फैजाबाद को लिखित रूप में अवगत कराया गया कि कुछ लोग टेण्डर डालने में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पत्र को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी, फैजाबाद द्वारा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) को नामित करते हुए कलेक्ट्रेट में दिनांक 29-6-2012 को निविदा टेण्डर बाक्स में डालने हेतु निर्देशित किया गया। दिनांक 29-06-2012 को पुनः कुछ अराजक तत्वों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने के कारण अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के पत्र दिनांक 29-6-2012 द्वारा अग्रिम आदेश तक टेण्डर प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया।

इस प्रकार टेण्डर प्रक्रिया किसी विशेष व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नहीं अपनायी गयी बल्कि सर्वशिक्षा अभियान के वित्तीय नियमों एवं भण्डार क्रय नियम के तहत ही अपनायी गई थी। नियमानुसार वित्तीय नियमों एवं भण्डार क्रय नियमों के अन्तर्गत क्रय सामग्री क्रय की जा रही है।

4-अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, खण्ड-2, सिंचाई विभाग, बाढ़ कार्य खण्ड के अन्तर्गत सरकारी ठेकों को लेकर असामाजिक तत्वों में विधि विरुद्ध एवं नीति विरुद्ध निविदाओं के निरस्तीकरण का कोई प्रकरण नहीं है। अधिशासी अभियन्ता, सरयू नहर खण्ड द्वारा

रूदौली विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत कोई कार्य नहीं है। दिनांक 29-1-2013 को बाढ़ कार्य खण्ड गोण्डा की निविदाएं पुलिस की मौजूदगी में बिक्री की जा रही थी। जिन्हें कुछ लोगों के द्वारा रोके जाने पर पुलिस बल द्वारा उन्हें पकड़ कर थाने पर ले जाया गया तथा निविदा बिक्री में कोई व्यवधान नहीं पड़ा है।]

श्री अध्यक्ष-

अब हम उठते हैं, कल दिनांक 06-03-2013 को पूर्वाह्न 11.00 बजे फिर मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 06 बजकर 18 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक 05 मार्च, 2013

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश।

नत्थी 'क'

(देखिये अतारांकित प्रश्न संख्या-54 का उत्तर पीछे पृष्ठ-44 पर)

विधान सभा के प्रथम सत्र, 2013 के 2सरे मंगलवार के लिये निर्धारित श्री बाला प्रसाद अवस्थी, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न **संख्या-54 के उत्तर का संलग्नक।**

जनपद लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी विधान सभा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2010-11 एवं वर्ष 2011-12 में कुल चयनित डा0 अम्बेडकर ग्रामों से सम्बन्धित पुरवों/मजरों के मुख्य सम्पक्र मार्गों में लक्ष्यानुसार कराये गये कार्यों से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :-

वर्ष 2010-11

डा0 अम्बेडकर ग्राम	सम्बन्धित मजरे	लक्ष्य किमी0	पूर्ति	विवरण
1-गोकन	1-गोकन	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-नगला	0.50	0.50	--
	3-पिपरी	--	--	पूर्व से संतृप्त

वर्ष 2011-12

1-मछेछा	1-मछेछा	--	--	पूर्व से संतृप्त कम धनावंटन
	2-नगरा	0.20	0.00	
	3-नजरा	0.30	0.30	--
2-चुरहा खुर्रमनगर	1-चुरहा खुर्रमनगर	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-खुर्रमनगर	0.13	0.18	--
	3-मड़ैया	--	--	पूर्व से संतृप्त
3-फिरोजपुर	1-फिरोजपुर	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-भीमनगर	--	--	पूर्व से संतृप्त
4-बौआ	1-बौआ	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-ढकिया	0.65	0.65	--
	3-दुबहा	0.65	0.65	--
	4-मुनीगंज	2.00	2.00	--
	5-वाजिदपुर	--	--	पूर्व से संतृप्त
5-तुरकहटाटप्पा गोकन	1- तुरकहटाटप्पा गोकन	3.50	3.10	कम धनावंटन
	2-मुजफ्फरपुर	1.30	1.29	कम धनावंटन
6-जैती	1-जैती	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-बनबोझा	0.65	0.65	--

7-बिचपरी	1-बिचपरी	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-माजिदपुर मड़या	--	--	पूर्व से संतृप्त
8-टेगुन खुर्रमनगर	1-टेगुन खुर्रमनगर	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-बरा	1.60	1.30	कम धनावंटन
9-कुंवरपुर	1-कुंवरपुर	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-मोहनपुर	--	--	पूर्व से संतृप्त
	3-गोपालपुर	0.50	0.40	कम धनावंटन
10-पकरिया	1-पकरिया	--	--	पूर्व से संतृप्त
11-मौठीखेड़ा	1-मौठीखेड़ा	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-पल्हनापुर	0.90	0.90	--
	3-देवीपुर	0.40	0.40	--
	4-कोरवा	2.00	1.46	कम धनावंटन
	5-परवरिश नगर	--	--	पूर्व से संतृप्त
12-तेन्दुआकंजा	1-तेन्दुआकंजा	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-कंजा	--	--	पूर्व से संतृप्त
13-पालचक	1-पालचक	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-एनुआ	2.55	0.30	कम धनावंटन
14-अजेहरा	1-अजेहरा	--	--	पूर्व से संतृप्त
	2-झिगुरीपुरवा	0.10	0.10	--

<u>वर्ष 2011-12</u>

<u>अवशेष कार्यों का विवरण</u>

डा0 अम्बेडकर ग्राम	सम्बन्धित मजरे	लक्ष्य किमी0	पूर्ति	विवरण
1-मछेछा	1-नगरा	0.20	0.00	कम धनावंटन अप्राप्त
5-तुरकहटाटप्पा गोकन	1-तुरकहटाटप्पा गोकन	3.50	3.10	कम धनावंटन
	2-मुजफ्फरपुर	1.30	1.29	कम धनावंटन
8-टेगुन खुर्रमनगर	1-बरा	1.60	1.30	कम धनावंटन
9-कुंवरपुर	1-गोपालपुर	0.50	0.40	कम धनावंटन
11-मौठीखेड़ा	1-कोरवा	2.00	1.46	कम धनावंटन
13-पालचक	1-एनुआ	2.55	0.30	कम धनावंटन

नत्थी 'ख'

(देखिये अतारांकित प्रश्न संख्या-93 का उत्तर पीछे पृष्ठ-57 पर)

विधान सभा के प्रथम सत्र, 2013 के 2सरे मंगलवार के लिये निर्धारित श्री सुनील कुमार सिंह यादव, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न **संख्या-93 के उत्तर का संलग्नक।**

क्रम सं0	जनपद का नाम	विकास खण्डों के नाम जहां खण्ड विकास अधिकारी के पद रिक्त है
1	कानपुर नगर	ककवन
2	कानपुर देहात	मैथा
6	कन्नौज	जलालाबाद
7	झांसी	बड़ागांव बबीना
9	जालौन	नन्दीगांव, कुठौद, कदौरा
10	फैजाबाद	अमानीगंज
12	सुल्तानपुर	करौदीकलां
14	अमेठी	भादर, मुसाफिरखाना, छतोह
15	गोण्डा	ईटिया थोक, नवाबगंज, तरबगंज
18	श्रावस्ती	इकौना
19	गोरखपुर	खोराबार, चरगांव, ब्रम्हपुर, पिपरौली
20	देवरिया	गौरीबाजार, बेतालपुर, देवरियासदर, लार, बरहज, भलुअनी, रूद्रपुर, रामपुरकारखाना
21	कुशीनगर	हाटा, नेबुआ नौरगिया, कप्तानगंज
22	महराजगंज	मिटौरा, निचलौल, सिसवा, धानी, बृजमनगंज, नौतनवा
23	बस्ती	हर्रैया, विक्रमजोत
24	संतकबीरनगर	बेलहरकला, बघौली, पौली
26	बरेली	मझगवा, क्यारा, भुता
27	बदायूं	जगत, उसावा, दातागंज, समरेर, बिसौली, इस्लामनगर
28	पीलीभीत	मरौरी
29	शाहजहांपुर	ददरौल
31	हमीरपुर	सुमेरपुर, मौदहा
32	बांदा	बडोखरखुर्द, कमासिन

क्रम सं0	जनपद का नाम	विकास खण्डों के नाम जहां खण्ड विकास अधिकारी के पद रिक्त है
33	महोवा	जैतपुर
35	प्रतापगढ़	शिवगढ़
37	फतेहपुर	भिटौरा, विजयीपुर
38	आगरा	फतेहपुरसीकरी, एत्मादपुर, समसाबाद, जैतपुरकला
39	मथुरा	राया
40	मैनपुरी	बेवर, घिरौर, बरनाहल
41	फिरोजाबाद	एका, शिकोहाबाद
42	अलीगढ़	गोण्डा, धनीपुर, लोधा
44	एटा	जैथरा, मारहरा
45	हाथरस	हसायन, मुरसान
46	मेरठ	जानीखुर्द
47	बागपत	पिलाना, छपरौली
48	गाजियाबाद	मुरादनगर
49	गौत्मबुद्धनगर	जैवर
50	बुलन्दशहर	गुलावटी, लखावटी, जहांगीराबाद, शिकारपुर, डिवाई
52	सहारनपुर	सढौलीकदीम, नकुड, पुवारका, बलियाखेड़ी
53	मुजफ्फरनगर	बघारा, जानसठ
54	शामली	कांधला, थानाभवन
55	आजमगढ़	मोहम्मदापुर, जहानागंज, रानी की सराय, अजमतगढ़ तरवा, ठेकमा, विलरियागंज, अहरौला, तहवरपुर, फूलपुर
56	मऊ	दोहरीघाट, रानीपुर, बड़रांव, फतेहपुर मण्डाव
57	बलिया	सीयर, मनियर, गडवार, बेरूवावारी, वैरीया, रेवती, मुरलीछपरा, हनुमानगंज, सोहाव
58	मुरादाबाद	मूढापाण्डे, कुंदरकी, छजलैट
59	रामपुर	चमरौआ,
62	सम्भल	बहजोई, असमौली, रजपुरा
65	हरदोई	सुरसा, अहिरौरी, टोडरपुर
66	लखीमपुर खीरी	कुम्भी (गोला)

क्रम सं0	जनपद का नाम	विकास खण्डों के नाम जहां खण्ड विकास अधिकारी के पद रिक्त है
69	वाराणसी	बड़ागांव
71	गाजीपुर	करण्डा, मरदहा, मुहम्मदाबाद, बाराचंवर, शादात, भदौरा, रेवतीपुर
72	जौनपुर	महराजगंज
73	मिर्जापुर	कोन, लालगंज
74	सोनभद्र	चोपन

नत्थी 'ग'

(देखिये मा0 अध्यक्ष के आदेश पीछे पृष्ठ-166 पर)

श्री रविन्द्र कुमार मोल्हू-

मान्यवर, आपने मुझे लोक निर्माण विभाग के बजट (वित्तीय वर्ष 2013-14) पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

मान्यवर, आपको सादर अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 06 रामपुर मनिहारान जनपद सहारनपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग, मुख्य मार्ग व सम्पर्क मार्ग व पुलों की स्थिति जर्जर, क्षतिग्रस्त है, जिनका निर्माण शीघ्र कराया जाना अनिवार्य है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है :--

1-दिल्ली-यमुनोत्री मार्ग सहारनपुर से रामपुर मनिहारन होते हुए मुजफ्फरनगर की ओर इसका टेण्डर हो चुका है। कार्य प्रगति बिल्कुल धीमी है वन विभाग पेड़ नहीं काट रहा है। इस सड़क पर चलना बिल्कुल असम्भव है।

2-गागलहेड़ी से देवबन्द-मुजफ्फरनगर मार्ग, इसका भी टेण्डर हो चुका है। कार्य प्रगति धीमी है।

3-सहारनपुर स्टार पेपर मिल से नागल तक सड़क पूरी टूटी हुई है, इसकी भी मरम्मत करायी जाय।

4-नागल से ग्राम सोहनचीड़ा होते हुए ग्राम चन्दैना कोली तक-यह सड़क जिला योजना में सम्मिलित कर ली गयी है, परन्तु आज तक कार्य शुरू नहीं हुआ है।

5-सहारनपुर जैन डिग्री कालेज से बड़गांव तक, इसका टेण्डर हो चुका है, परन्तु प्रगति बिल्कुल धीमी है।

6-ग्राम हसनपुर चौराहा दिल्ली रोड से गांव पहसूं होते हुए रामपुर मनिहारन-बड़गांव मार्ग तक, राजबाहा की पटरी का निर्माण। इससे सैकड़ों गांव जुड़ते है।

7-गांव दूधली बुखारा-ग्राम हसनपुर भलस्वा के मध्य हिण्डन नदी का पुल निर्माण। यह पुल लगभग 20 गांवों को जोड़ता है। बरसात के समय इनका सम्पक्र टूट जाता है।

8-ग्राम भगवानपुर से ग्राम चन्दैना कोली के मध्य हिण्डन नदी का पुल का निर्माण। यह पुल 2 ब्लॉक रामपुर मनिहारान व नागल को जोड़ता है। बरसात में इनका सम्पक्र टूट जाता है।

9-ग्राम नन्दी फिरोजपुर, मल्हीपुर के मध्य बना पुल पूर्ण कर चालू कराया जाय। यह पुल भी दो ब्लाक को जोड़ता है।

10-ग्राम कल्लरपुर गुर्जर में अपर खण्ड पूर्वी यमुना नहर का पुल निर्माण। यह भी बहुत सारे गांवों को जोड़ता है।

11-ग्राम-मानकमऊ के रामपुर मनिहारान तक, पूर्वी यमुना नहर की सड़क पटरी का निर्माण।

12-ग्राम रेड़ीमलकपुर से ग्राम नल्हेड़ा गुर्जर, भाकला होते हुए शहरी पुल (रामपुर मनिहारन) तक राजबहा पटरी मरम्मत।

अतः मान्यवर, आपसे मेरा अनुरोध है कि इन सड़कों व पुलों का निर्माण/मरम्मत कार्य कराये जाने हेतु गम्भीरतापूर्वक संज्ञान लें तथा इनको लोक निर्माण विभाग के बजट (वित्तीय वर्ष 2013-14) में सम्मिलित करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

श्री राकेश बाबू-

नवनिर्माण

1-राजमल से ढकई मार्ग

2-राजमल से नगला करन सिंह

3-नगला धनवन्त मार्ग से गढीदया तक

4-वफोरा चौराहे से साहबगणी होते हुए रामगण तक मार्ग

5-टूण्डला आवागण मार्ग से रुद्रगणी तक

6-जलेसर रोड से सिंह पुर मार्ग

7-जामपुर ओखरा मार्ग से हुलासपुर मार्ग तक।

एस0सी0पी0 योजना 2013-14 में नवनिर्माण सड़क

1-एटा चिलासनी मार्ग से बेलनगंज तक

2-एटा अवागण मार्ग से रुद्रगणी तक

3-कायथा नारखी मार्ग से

4-कुबरे गली से मदनपुर मार्ग

5-राजमल से ढकई तक

6-नगला धनवन्त मार्ग से नगला करनसिंह मार्ग

7-नगला धनवन्त मार्ग से गणीदया तक।

श्री मो0 आसिफ जाफरी-

माननीय अध्यक्ष जी,

लोक निर्माण विभाग के बजट में मेरी विधान सभा 253 में निम्न मार्गों का कोई उल्लेख नहीं :-

1-इमामगंज से आलमचन्द होते हुए वाया पट्टी नरवर से बदनपुर घाट तक की सड़क की हालत बहुत जर्जर है, आवागमन के लायक नहीं है। अतः लोक महत्व में निर्माण कराना अति आवश्यक है।

2-पुरखास से बनेपुर कटइया तक सड़क की स्थिति बहुत जर्जर है।

अतः लोक महत्व में जन महत्व में निर्माण होना अति आवश्यक है।

श्री अवधेश कुमार सिंह उर्फ मंजू सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी,

मैं लोक निर्माण विभाग के प्रस्तुत किये गये बजट का समर्थन करते हुए अपने क्षेत्र व जनपद की समस्या की ओर ध्यान खींचना चाहता हूं जरवल से गोण्डा बलराम की मार्ग को 4 लेन में बदलने का कार्य किया जाना चाहिये। मेरे क्षेत्र की सी0वी0एन0 रोड जिसका प्राक्कलन विभाग द्वारा भेजा जा चुका है उसकी स्वीकृति प्रदान करने की गोण्डा से वाया बेलसर से तरबगंज तहसील मुख्यालय का चौड़ीकरण हेतु कुछ धनराशि जारी की गई है परन्तु अभी करीब 24 किलोमीटर के चौड़ीकरण हेतु धनराशि निर्गत कराने का कष्ट करें। मेरा क्षेत्र नदी नालों का क्षेत्र है। जनपद गोण्डा फैजाबाद के बीच घाघरा नदी पर टेमवाघाट का पुल जिसका प्राक्कलन आ गया है स्वीकृत जारी किया जाना जरूरी है तथा गोण्डा से बाराबंकी के बीच घाघरा नदी पर कैथीघाट पुल का निर्माण कराने का कष्ट करें इसी प्रकार मेरे क्षेत्र में समेरा शेखपुर घाट पर टेढ़ी नदी तथा सम्यक् भिखारीपुर के बीच टेढ़ी नदी पर तथा गोडवा घाट के जर्जर पुल के स्थान पर नया पुल व बकियापुर से मलगूरपुर के बीच एक पुल भी बहुत ही आवश्यक है। कृपया मंत्री जी उपरोक्त सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने की कृपा करेंगे।

श्री गेंदा लाल चौधरी-

मा0 अध्यक्ष महोदय,

नवनिर्माण सड़क के विषय में।

(1) गांव कटैलिया से टोडरपुर गांव तक

(2) सासनी विजयगढ़ से गांव विजैथा तक 800 मी0।

(3) अलीगढ़ आगरा रोड से पापरी गांव तक 800 मी0।

(4) सासनी नानऊ रोड से नन्नी नगला तक

(5) भैडू से गांव राजपुर तक 2 किमी0।

<u>आरम्भ कार्य</u>

(1) हाथरस से तरफरा गांव तक।

(2) अलीगढ़ आगरा रोड से अलगर्जी नगला होते हुए सिटी स्टेशन तक।

(3) उपरगामी सेतु तालाब चौराहा रेलवे फाटक हाथरस पर।

श्री कृष्णपाल सिंह राजपूत-

महोदय,

आपको सादर अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित सम्पर्क मार्गों के निर्माण/मरम्मत कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु।

<u>विकास खण्ड-बबीना</u>

1-राजापुर रोड से प्रजापति मोहल्ला तक।

2-महेशगढ़-बसई रोड से महेशगढ़ तक।

3-राजापुर-गजगांव के बीच से पटकुईया मोहल्ला तक।

4-डेली-पाली रोड के बीच से पर्लीदा तक (मरम्मत) 1 कि0मी0।

5-राजापुर से वाछोंनी तक 3 कि0मी0।

6-सुकुवा-ढुकवा रोड से चन्दौली तक 5 कि0मी0।

7-गजगांव से वसाई (नये घरों) तक 2 कि0मी0।

8-वदनपुर से उसरवाय तक 1 कि0मी0।

9-सुकुंवा-गांव से प्रधान के डेरा तक 1 कि0मी0।

10-फोर लेन रोड से कारीटोरन होते हुए मटियारी मुहल्ला तक 4 कि0मी0।

11-पुनावली कला से कंचनपुर रोड तक 3 कि0मी0।

12-रक्सा आदिवासी कालोनी से जनकपुर तक 3 कि0मी0।

13-ढिकौली ने नया खेड़ा तक 3 कि0मी0।

14-कंचनपुर आदिवासी बस्ती से सिमरा तक 3 कि0मी0।

15-नया खेड़ा से डोमागोर तक 2 कि0मी0।

16-खैरा-जूनियर हाई स्कूल खैरा से उमरवाह मोहल्ला तक।

श्री गुटियारी लाल दुवेश-

मा0 अध्यक्ष जी,

मा0 लोक निर्माण मंत्री जी से अनुरोध करना है कि लोक निर्माण के बजट पर मेरे क्षेत्र में सड़कों का निर्माण कराया जाय नगला टोन नगला प्यारे नगला अरहर की सड़कें टूटी पड़ी हैं। बनवाने की मांग करता हूं एक महत्वपूर्ण फ्लाईओवर शाहगंज रेलवे लाइन पर एक ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाय वह एयरपोर्ट के पास ही उस ब्रिज का निर्माण होना अति आवश्यक है।

(धन्यवाद)

डा0 धर्म सिंह सैनी-

माननीय अध्यक्ष जी,

आपको अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र नकुड़ जनपद सहारनपुर में लो0नि0वि0 के निम्नलिखित कच्चे मार्गों की स्थिति अत्यन्त खराब है जो इस प्रकार है :-

क्र0सं0	गाम/स्थान	लम्बाई	विकास खण्ड
1	खेड़ा जाजवा रोड से मच्छरहडी तक पी0सी0 कार्य	1.5 कि0मी0	नकुड़
2	रेतगढ़ से ठब्बर तक पी0सी0 कार्य	2 कि0मी0	,,
3	सिरसका से तिगरी रामगढ़ तक पी0सी0 कार्य	1.5 कि0मी0	,,
4	सिरसका से खोसपुरा तक पी0सी0 कार्य	2 कि0मी0	,,
5	मलकपुर से रणदेवा तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,
6	जैनपुर से कुराली तक पी0सी0 कार्य	2 कि0मी0	,,
7	बान्दूखेड़ी से ठाठ खेड़ी तक पी0सी0 कार्य	2 कि0मी0	,,
8	अध्याना मार्ग से सुक्कड़ताल तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,
9	बाघी से फतेहपुर तक पी0सी0 कार्य	2 कि0मी0	,,
10	फतेहपुर से नरूलाहगढ़ रोड तक पी0सी0 कार्य	2 कि0मी0	,,
11	नौरायणपुर से ग्राम टाब्बर मार्ग तक पी0सी0 कार्य	1.5 कि0मी0	,,
12	नरूलाहगढ़ से एतमाल पुल के पास से फतेहपुर जट तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,
13	गंगोह रोड से छाप्पुर तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,
14	मनोहरपुर से भोजपुर तक पी0सी0 कार्य	2 कि0मी0	,,
15	ढिक्का से मंधोर तक पी0सी0 कार्य	2.5 कि0मी0	सरसावां
16	नीरपालपुर उर्फ डूमवाला से बोंसा तक पी0सी0 कार्य	1.5 कि0मी0	,,
17	गदरहेड़ी तालाब से अगवानहेडा तक पी0सी0 कार्य	1.5 कि0मी0	,,
18	अलीपुरा से काजीपुरा तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,
19	जयरामपुर चतरसाली से सरगथल तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,
20	शेखपुरा से कादरगढ़ तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,
21	भटपुरा शेखपुरा मार्ग से कादरगढ़ नवादा मार्ग तक पी0सी0 कार्य	1.5 कि0मी0	,,
22	सरसावां रायपुर मार्ग से हजारा मोहल्ला तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,

क्र0सं0	गाम/स्थान	लम्बाई	विकास खण्ड
23	छोटा आल्हणपुर राजवाहे की पटरी से बड़े आल्हणपुर तक पी0सी0 कार्य	1.5 कि0मी0	,,
24	मंडौली बार्डर से गाजदीनपुर होते हुए आल्हणपुर तक पी0सी0 कार्य	5 कि0मी0	,,
25	नवाजपुर बार्डर से सोंधेबांस तक पी0सी0 कार्य	1 कि0मी0	,,

मैं चाहूंगा कि उपरोक्त मार्गों पर जनहित में तत्काल पी0 सी0 कार्य कराये जाने के आदेश देने का कष्ट करें।

श्री रामपाल यादव-

मा0 अध्यक्ष जी मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे मा0 लोक निर्माण मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट भाषण के समर्थन में श्री मा0 सदस्य नारद राय द्वारा प्रस्तुत समर्थन बजट भाषण का समर्थन करता हूं। मा0 मंत्री जी ने बजट प्रस्तुत किया है वह आज तक के पेश किये गये बजट से अलग एवं सारगर्ग है मान्यवर, लोक निर्माण मंत्री जी ने हर क्षेत्र में विकास एवं सम्पक्र मार्ग एवं पुल तथा पुलों का प्रावधान किया है इसी के साथ समर्थन करते हुए अपने क्षेत्र में कराये गये विकास कार्यों को धन्यवाद देता हूं, मान्यवर, मा0 लोक निर्माण मंत्री जी ने सीतापुर से बिसवां वाया चहलारी पुल से होते धन आवंटित किया मार्ग का निर्माण प्रारम्भ हो रहा है चहलारी घाट के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष जी मैं लोक निर्माण मंत्री का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र बिसवां में बाईपास की अति आवश्यकता कृपापूर्वक बाईपास बनवाने की कृपा करें तथा बिसवां शहर में जाम लगने की समस्या है। मा0 अध्यक्ष जी, मा0 मंत्री जी से विनम्र निवेदन करना चाहता हूं कि बिसवां से सिधौली मार्ग पर दि0 सेम्मरिया चीनी मिल के पास रेलवे लाइन पर ओवर ब्रिज या अन्डर ब्रिज बनवाने की कृपा करें जिसे शहर को जाम से समाधान हो सके।

अतः मैं आपका आभारी हूं और लोक निर्माण मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट का समर्थन करता हूं।

धन्यवाद।

श्री राममूर्ति सिंह वर्मा-

माननीय अध्यक्ष महोदय आपने हमको लोक निर्माण विभाग का बजट जो माननीय लोक निर्माण मंत्री जी के द्वारा सदन में पेश किया बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका आभारी हूं। मान्यवर, आज ऐतिहासिक व क्रांतिकारी बजट माननीय मंत्री जी विधान सभा को करता हूं। ब0स0पा0 की सरकार ने 5 वर्ष के कार्यकाल में केवल लूटने का कार्य किया है। जब मा0 मुलायम सिंह यादव की सरकार 2005 में थी उस समय ऐतिहासिक कार्य हुए करीब 900 (नौ सौ) छोटे-बड़े पुलों का निर्माण नदियों का किया गया जिसमें हमारे जनपद शाहजहांपुर में उ0 प्र0 में रुके बड़ा दूसरा पुल जलालाबाद क्षेत्र में कोलाघाट पर राम गंगा नदी पर 1860 मी0 की लम्बाई का हमारे अनुरोध पर बनवाया गया करीब 50 करोड़ का पुल बना। मान्यवर, सरकार ने रुपया भी दे दिया था मान्यवर 2007 में सरकार ब0स0पा0 की आ गई। पुल का कार्य बन्द कर दिया गया। हम समाजवादी पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन हुए तब समग्र ब0स0पा0 की सरकार कार्य पूरा कराया, मान्यवर लेकिन 5 वर्ष के कार्यकाल में ब0स0पा0 सरकार ने पुल के दोनों तरफ गड्ढे बन्द नहीं करवाये जिसमें मान्यवर पुल नदी से कटने का खतरा बना हुआ है। मान्यवर, मैं मा0 मंत्री से मांग करता हूं कि कोलाघाट के पुल के दोनों तरफ मार्डड बन्द बनवाने की कृपा करें। मान्यवर, 2008 व 2009 में गर्रा नदी में शैलाब आया यह नदी हमारे विधान सभा क्षेत्र 136 ददरौल से निकली है। मान्यवर, भयंकर शैलाब आया तमाम सड़कें नदी ने काट दी जिसमें एक मुख्य सड़क अजीजगंज से मरिगवां रोड काफी कट गई जिसमें 80 गांव का आवागमन रुक रहा है। मान्यवर, हमारे क्षेत्र में गर्रा नदी के दोनों तरफ क्षेत्र नागरपाल गांव के सामने चांदापुर गांव के पास पानटून का पुल बनना अति आवश्यक है। इस पुल को बनवाने से बहुत विकास होगा। मा0 मंत्री जी बनवाने की कृपा करें। मान्यवर, ब0स0पा0 की सरकार में टेण्डर सरकार के मंत्री के घर पर बैठकर कर दिये जाते थे जनपदों में छोटे ठेकेदारों को कार्य नहीं मिलता था छोटे ठेकेदार भुखमरी के कगार पर पहुंच गये थे। अब व्यवस्था लागू पुरानी वाली हो गयी है। इसलिए मैं धन्यवाद मा0 मंत्री जी को आपके माध्यम से दे रहा हूं। मान्यवर, आपने हमें बोलने का मौका दिया। मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

श्री राजेश त्रिपाठी-

मा0 अध्यक्ष जी,

हम आपको धन्यवाद ज्ञापित करते हैं कि आपने मा0 लोक निर्माण मंत्री जी इस प्रस्तुत लोक निर्माण के वर्ष 2013-2014 के बजट पर प्रतिपक्ष द्वारा प्रस्तुत किये गये कटौती प्रस्ताव पर अपना पक्ष रखने हेतु अवसर दिया है।

मान्यवर, हम आपके माध्यम से मा0 लोक निर्माण मंत्री जी का ध्यान गोरखपुर जनपद के तहसील गोला, जो चिल्लूपार विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत आता है वहां से गुजरने वाले तथा देवरिया जनपद के साथ-साथ बिहार राज्य को भी जोड़ती है रामजानकी मार्ग राज्य मार्ग संख्या-72 जो 156वें कि0मी0 से 151वें कि0मी0 तक गत वर्ष से उसका सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य आरम्भ हुआ था जिस पर गत वर्ष लगभग 7 करोड़ रुपये अवमुक्त हुए थे तथा इस वर्ष में भी लगभग 4 करोड़ रुपये अवमुक्त हुआ था। परन्तु उक्त सड़क अधूरी रुकी पड़ी है। 6 माह से कार्य रुका पड़ा है। सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो चुकी है उक्त राज्य मार्ग संख्या-72 को अधूरी अवशेष सड़क का धन उपलब्ध कराकर शीघ्र निर्माण कराने का कष्ट करें साथ ही उक्त सड़क रामजानकी मार्ग राज्य मार्ग संख्या-72 सड़क घाघरा नदी एवं राप्ती नदी से कटने के कगार पर है नदी लगभग 100 मीटर मात्र दूर रह गयी है जिस तेजी से नदी कट रही है उससे लगता है कि इस बरसात में नदी सड़क के पास पहुंच जायेगी। उक्त सड़क पर ही विख्यात समाजवादी चिन्तक, श्री उग्रसेन सिंह के नाम पर राप्ती-सरयू नदी पर पुल निर्मित है। उक्त राज्य मार्ग एवं पुल खतरे में है उसे बचाने की कार्यवाही इसी वर्ष शुरू कराने का अनुरोध करता हूं।

मान्यवर, आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी का ध्यान गोला तहसील मुख्यालय के घाघरा नदी बवेरीघाट पर पीपे के पुल का स्टीमेट शासन के पास विचाराधीन है। अनुरोध है कि उक्त पुल को बनवाने की कृपा करें। साथ ही गोला तहसील तथा चिल्लूपार विधान सभा क्षेत्र के जर्जर सड़कों को मरम्मत कराने की मांग करता हूं। साथ ही बड़हलगंज ब्लाक के बेसहनी गांव के नाले पर पुल स्वीकृत है परन्तु निर्माण कार्य अभी तक आरम्भ नहीं हुआ है इसका निर्माण आरम्भ कराने की मांग करता हूं।

आपने हमें मा0 लोक निर्माण मंत्री जी का ध्यान चिल्लूपार क्षेत्र की सड़कों की समस्याओं की तरफ ध्यान आकृष्ट कराने हेतु समय दिया इसके लिये धन्यवाद।

श्री राकेश बाबू-

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क चौड़ीकरण व पुनः निर्माण

(1) पचवान कालोनी फिरोजाबाद से समरौली तक

(2) एटा अवागण मार्ग से कुतमपुर होते हुए नगला पार होते हुए ऐररा जनेश्वर रोड तक सड़क का चौड़ीकरण व नवनिर्माण

क्षतिग्रस्त मार्गों को पुनः निर्माण लोक निर्माण विभाग से कराने के सम्बन्ध में

(1) नारखी बछगांव मार्ग से राजारामपुर तक

(2) भीकनपुर से सोटी रोड तक

(3) सैलर्रा से हलपुरा तक

(4) वैदी बम्बा की पुलिया से नगला बीच तक

(5) ऐटा रोड से रामगढ़ होते हुए कैलाश तक

(6) ऐटा रोड से चिलासनी तक

(7) हसन चौराहे से निहाल सिंह की पुलिया तक

(8) पचवान आवास कालोनी से समरौली तक

(9) नगला राम किशन से रुधऊ मुस्तकिल तक

(10) जलेसर रोड से पचवान कालोनी पानी गांव मार्ग तक

प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क चौड़ीकरण व पुनः निर्माण

(1) पचवान कालोनी फिरोजाबाद से समरौली तक

(2) एटा अवागण मार्ग से कुतमपुर होते हुए नगला पार होते हुए ऐररा जनेश्वर रोड तक सड़क का चौड़ीकरण व नवनिर्माण

क्षतिग्रस्त मार्गों को पुनः निर्माण लोक निर्माण विभाग से कराने के सम्बन्ध में

(1) नारखी बछगांव मार्ग से राजारामपुर तक

(2) भीकनपुर से सोटी रोड तक

(3) सैलर्रा से हलपुरा तक

(4) वैदी बम्बा की पुलिया से नगला बीच तक

(5) ऐटा रोड से रामगढ़ होते हुए कैलाशपुर तक

(6) ऐटा रोड से चिलासनी तक

(7) हसन चौराहे से निहाल सिंह की पुलिया तक

(8) पचवान आवास कालोनी से समरौली तक

(9) नगला राम किशन से रुधऊ मुस्तकिल तक

(10) जलेसर रोड से पचवान कालोनी पानी गांव मार्ग तक

मुख्य मंत्री जी का बजट पर भाषण

जिला योजना 2013-14 नवीनीकरण

(1) चिलासनी से कनवार होते हुए रैमजा की डावरकी सड़क तक

(2) मरसलगंज की पुलिया से नगला वलू डेरा पंजारा तक

(3) नारखी नगला मार्ग से नगला वधे तक

(4) वैदी नगला बीच मार्ग से मीढना मार्ग

(5) वैदी नगला बीच मार्ग से रूधऊ तक

(6) परीकातपुर बम्बा की पुलिया से रामनगर तक

(7) एटा चिलासनी मार्ग से बेलनगंज तक

(8) लखनऊ से कुंवरपुर तक

(9) नगला रामकिशन से रूधऊ ग्राम तक

(10) एनएस-2 से वाघई होते हुए नियामतपुर बम्बा रोड तक

(11) कुबेर गली से मदनपुर तक

(12) बम्बा की पुलिया से हुलासपुर तक

(13) राजमल से चूहरपुर मार्ग तक

(14) रैमजा से कार्तिकी तक

(15) पमारी मार्ग से लालगढ़ी तक।

डा0 राममनोहर लोहिया ग्राम योजना

(1) उलाऊ खेड़ा

(2) सलेमपुर नगला खार

(3) त्रिलोकपुर

(4) शाहपुर

(5) नगला अमान

(6) गढ़ी जाफर

(7) किरौलिया

(8) टकर्रा

(9) रामपुर

(10) नगला करणघोर

(11) दयागणी

नवीन सड़कें प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना में सम्मिलित

(1) राजमल से ठकर्रा तक

(2) राजमल से नगला करन सिंह तक

(3) नगला धनवन्त मार्ग से दयागढ़ी होते हुए नगला करन सिंह तक

(4) ऐटा अवागण भगी से रुद्र गणी तक

(5) नगला राममिशन से रूधऊ तक

(6) कायथा नारखी मार्ग से नगला वधे तक

(7) कुरेरगणी से मदनपुर तक

(8) एटा चिलाजनी मार्ग से बेलनगंज तक

(9) पमारी से लाल तक

(10) जलेसर रोड से सिंहपुर तक।

श्रीमती पूजापाल-

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं आपकी आभारी हूं (लोक निर्माण विभाग) बजट के कटौती पर बल देते हुए मा0 मंत्री जी आपने अपने बजट को सदन में रखा। अपने जनपद इलाहाबाद को भी ध्यान दिया मगर मा0 मंत्री अपने मेरे विधान सभा शहर पश्चिमी को नजर अन्दाज कर दिये हैं।

(1) मीरापुर जी0टी0 रोड फतेहपुर सम्पक्र मार्ग से अशोक कुमार एवं कालीचरन के घर तक 700 मी0 अत्यन्त क्षतिग्रस्त है।

(2) पीपलगांव शाहापुर शिवाला होते हुए ट्रिपल आई0टी0 तक तथा ट्रिपल आई0टी0 चौराहे से लालमन तालाब तक लम्बाई लगभग एक किलो0 मी0।

(3) विधान सभा शहर पश्चिमी इलाहाबाद में घोसी ग्राम में ससुर खदेरी बनना है जो अत्यन्त क्षतिग्रस्त है। पूजा पाल शहर पश्चिमी 261 इलाहाबाद।

(4) झलवा ग्राम सभा में तालाब है जो बहुत बड़ा है सारे गांव का पानी उसी पर आता है। उसमें सीवर लाइन जो 1 किलो मी0 है। बन पाये तो समस्या का समाधान हो सकता है।

श्री सुरेन्द्र विक्रम सिंह-

महोदय, मान्यवर मेरी विधान सभा हरचन्दपुर में सई नदी व लोन नदी के पुलों की बहुत आवश्यकता है इनका विवरण निम्न प्रकार से है :--

1-सई नदी के आस्तीकदेव के मंदिर के सामने का पुल का निर्माण ब्लाक हरचन्दपुर।

2-सई नदी के चौहानिया का पुल का निर्माण विकास क्षेत्र हरचन्दपुर।

3-सई नदी में इटकुटी सेबरदर में पुल का निर्माण विकास क्षेत्र हरचन्दपुर।

4-लोन नदी पर बटहा सेकेहटा का पुल का निर्माण विकास क्षेत्र लालगंज।

5-लोन नदी पर देवपुर से लिनघौर कान्हामऊ का पुल विकास क्षेत्र खीरो।

6-कसहा नाला में घुटाई का पुल का निर्माण विकास क्षेत्र खीरो।

श्री जयप्रकाश अंचल-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मा0 लोक निर्माण मंत्री श्री शिवपाल सिंह यादव जी के लोक निर्माण के बजट के समर्थन में आपने बोलने का मौका दिया पुनः मै आभारी है।

मान्यवर, उत्तर प्रदेश भौगोलिक तथा जन संख्या के दृष्टि कोण से भारत का सर्वाधिक बड़ा राज्य है प्रदेश के औद्योगिक, आर्थिक तथा प्रदेश वासियों के सामाजिक विकास के लिए प्रत्येक गांवों तथा मजरो को मुख्य मार्गों से नितान्त आवश्यक है इसी के साथ मैं अपने विधान सभा क्षेत्र बैरिया जनपद बलिया के तरफ आपका धन आकृष्ट करना चाहता हूं कि सुरेमनपुर से गोपाल नगर जाने वाले एक मात्र मार्ग पर बाबा बालक सेतु बना हुआ है जो अत्यन्त ही जर्जर हो गया है उक्त मार्ग से पचीसों हजार की आबादी का आवागमन का एक मात्र साधन है उसके टुटने से रास्ता पूर्णतः अवरुद्ध हो गया है जनहित में धनअवमुक्त कराकर अतिशीघ्र बनवाया जाय।

मान्यवर, दूसरी समस्या गाजीपुर से हाजीपुर तक जाने वाली एन-एच-31 के अवशेष बचे मार्ग का अतिशीघ्र निर्माण कराया जाय जो बेलहारी से माझी पुल तक पड़ता है। मान्यवर, तीसरी समस्या बलिया से देवरिया को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग की स्थिति अत्यन्त ही खराब है जनहित में उसे अतिशीघ्र चार लेन की बनाने हेतु स्वीकृति प्रदान कर धन अवमुक्त कराया जाय।

मान्यवर, रेवती से सिसवन (सिवान बिहार) को जोड़ने वाली घाघरा नदी पर पीपे का पुल जनहित में बनवाया जाय साथ ही दया छपरा नौरंगा पर बने पीपे के पुल को विहार से जोड़ने के लिए पक्का पुल का निर्माण कराया जाय मान्यवर, मैं मा0 लोक निर्माण मंत्री जी का आभारी हूं क्योंकि सिकन्दरपुर से लालगंज को जोड़ने की घोषणा कर धन अवमुक्त कराये हैं जिससे सड़क का चौड़ीकरण एवं उच्चीकृत हो जाएगा जिससे आम जनता को इसका भरपूर लाभ मिलेगा तथा साथ ही मैं पुनः मा0 मंत्री जी आभार व्यक्त करता हूं इस बात के लिए क्योंकि मैंने बार-बार आपसे मांग किया था कि छोटे तसहिया जनेश्वर मिश्रा के गांव टेगरही से जयप्रकाश नगर होकर चांददियर एन-एच-31 तक बी0एस0टी0 बन्धा को पिच कराने हेतु 8½ करोड़ स्वीकृत कर धन अवमुक्त कराये है जिससे 22 कि0मी0 सड़क बन जायेगी जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मान्यवर, मा0 मंत्री जी ने प्रदेश की मुख्य सड़कों के साथ ही जिला एवं ग्रामीण मार्गो की मरम्मत पर विशेष ध्यान दिये हैं और साथ ही

डा0 राम मनोहर लोहिया समग्र ग्राम विकास हेतु धन दिया गया है तथा गांव की कम आबादी वाली बसावरो तक मार्ग निर्माण कराकर भी आपने गरीबों मजलूमों शोषतों पीड़ित को सम्मान देने का कार्य किया है।

मा0 मंत्री जी, सुल्तानपुर से शाहगंज होकर आजमगढ़ जाने वाली मुख्य मार्ग का भी निर्माण जनहित में कराने का कष्ट करायें। साथ ही मैं मा0 मंत्री जी द्वारा लाये गये लो0नि0 बजट का पुरजोर समर्थन करता हूं।

श्री धर्मराज-

मान्यवर, मैं आज दिनांक 5-3-13 को पी0डब्लू0डी0 के समर्थन में अपने को सम्बद्ध करता हूं तथा आपका और सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए सरकार से मांग करता हूं कि मेरी विधान सभा बाराबंकी में बाराबंकी हाजी वारिस अली शाह की बहुत बड़ी मजार है। जहां प्रदेश ही नहीं देश तथा विदेश से लाखों की संख्या में श्रृद्धालु आते हैं। बाराबंकी देवा मार्ग पर दो रेलवे क्रांसिंग पड़ती है। जिससे कई-कई घन्टों तक जाम लग जाता है। जिससे अमम जनता तथा जायरीनों को बहुत परेशानी होती है।

अतः आप से एवं सरकार से अनुरोध करना है कि उक्त मार्ग पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण शीघ्र कराने का पुनीत कार्य शीघ्र कराने की कृपा करें।

श्री राम मगन-

मा0 अध्यक्ष महोदय, मेरी विधान सभा हैदरगढ़ जो लगभग 50 कि0मी0 की लम्बाई में गोमती नदी से दोनों ओर निवास करती है पिछली समाजवादी पार्टी की सरकार में दो पुलों का निर्माण गोमती नदी पर हुआ था। सुवेहाघाट पर पीपे का पुल बना है जो पक्के पुल के निर्माण होने के कारण खाली हो गया है। मैं चाहता हूं कि वह पीपे का पुल सितहीरे घाट पर बनवा दिया जाय तो क्षेत्र की जनता को आने-जाने में काफी सुविधा होगीं। इसके अतिरिक्त मैं सरकार का ध्यान टीकराम बाबा जो कि गोमती नदी के किनारे एक प्रसिद्ध स्थान है। वहां प्रत्येक मंगलवार को मेला लगता है हजारों-हजार श्रृद्धालु दर्शानार्थ आते हैं सम्बन्धित स्थान पर पीपे का पुल की नितान्त आवश्यकता है।

अतः आप से तथा सरकार से अनुरोध करता हूं कि सम्बन्धित टीकराम बाबा बेहटा घाट पर एक पीपे का पुल जनहित में बनवाने की कृपा की जाय जो जनहित में पुनीत कार्य होगा। सम्बन्धित स्थान के बगल में ही समाजवादी पार्टी बहुत पुराने नेता स्व0 रामसेवक पात्र जी का गांव भी स्थिति है। सा धन्यवाद।

श्री सत्यवीर मुन्ना-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने लो0नि0वि0 13/14 के बजट के समर्थन में हमें बोलने का अवसर प्रदान किया। इस हेतु आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मा0 अध्यक्ष जी सड़कें किसी भी देश या प्रदेश की जीवनरेखा होती हैं। इनका सामान्य प्रवाह क्षेत्र एवं प्रदेश के विकास को गति प्रदान करता है। मा0 अध्यक्ष जी मा0 लो0नि0मा0 द्वारा प्रस्तुत यह बजट एक बार फिर उ0प्र0 के रुक चुके विकास को ऊर्जा प्रदान करेगा। इस हेतु उन्हें बारम्बार बधाई देना चाहूंगा। श्रीमन् जिला मुख्यालय से

जिला मुख्यालयों को चौड़ीकरण करने वाली योजना सराहनीय है। साथ ही पी0एम0जे0एस0वाई0 से न जुड़ पाने वाली (6,221) सम्पक्र मार्ग का प्रस्ताव ग्रामीण सड़कों हेतु एक विकासोन्मुखी कार्य है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं मा0 मंत्री जी को इलाहाबाद-लखनऊ मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के पूर्ण कार्यो हेतु कोटि-2 धन्यवाद देना चाहूंगा। श्रीमन् आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी और मा0 मुख्य मंत्री जी को सोरांव की जनता की तरफ से इलाहाबाद-फैजाबाद मार्ग के पुनः निर्माण सहित सोरांव तहसील से फूलपुर तहसील के पुनः निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण हेतु कोटि-2 धन्यवाद देना चाहूंगा। साथ ही शिवगढ़ से गोहरी मार्ग के सुदृढ़ीकरण एवं नवनिर्माण हेतु बधाई और धन्यवाद देना चाहूंगा। मान्यवर, अब कुम्भ मेला का सफल समापन हो चुका है, 10 तारीख को अन्तिम स्नान है अतः आपके माध्यम से मा0 जी से आग्रह है कि पी0डब्लू0डी0 इलाहाबाद के अधिकारियों को अब ग्रामीण सड़कों विशेषकर गंगापार के सोरांव विधान सभा की 'इलाहाबाद-प्रतापगढ़ मार्ग से बिसानी लोकापुर होते हुए बागी सम्पक्र मार्ग एवं 'हरकपुर-मदारी-सम्पक्र मार्ग' तथा 'कठभर पुवरेजपुर-करनाईपुर सम्पक्र मार्ग' अत्यन्त जर्जर है अतः पुनःनिर्माण शीघ्र कराने की कृपा करें। साथ ही मनसइता नदी पर एक पुल सहित मऊआइमा, भदरी एवं सघनगंज रेलवे क्रसिंग पर अपरगामी सेतु की मांग करते हुए बजट का बिन्दुवार समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री राम सरन-

मा0 अध्यक्ष महोदय,

मा0 लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत लोक निर्माण बजट के पक्ष में बोलने का मौका दिया। आपका आभारी मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मा0 लोक निर्माण मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में पुल उल्ल नदी पर बनना अति आवश्यक है क्योंकि मेरी विधान सभा के बीच में नहीं नदी होने के कारण दो भागों में बंटी है। गोला लखीमपुर मुख्य मार्ग से ग्राम शहाबुद्दीनपुर, जमुनहा, रमुआपुर जमुनाबाद फार्म होते हुए लखीमपुर, अलीगंज मार्ग जोड़ने के सम्बन्ध में है।

अलीगंज लखीमपुर मार्ग को चौड़ीकरण के सम्बन्ध में इस मार्ग की लम्बाई 25 कि0मी0 लगभग है। जो गोला, अलीगंज, विजुआ (मुख्य मार्ग) मार्ग से जुड़ जायेगी। जिस पर बसे संचालित करके सैकड़ों गांवों को मुख्यालय से जोड़ा जा सकता है। बहुत से मेरे जनपद में चल रहे हैं जिसके लिए मा0 लोक निर्माण मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। लखीमपुर शारदा नगर हुए ढखेरवा तक चौड़ीकरण करने की स्वीकृति किया जिस पर कार्य चल रहा है। उसके लिए धन्यवाद देता हूं। मा0 अध्यक्ष जी आपने बोलने का मौका दिया। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री रघुराज सिंह शाक्य-

मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से लोक निर्माण मंत्री द्वारा पेश किये गये लोक निर्माण विभाग की मैं प्रशंसा करता हूं। जब-जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तभी प्रदेश की सड़कें, पुल एवं पुलियों का निर्माण होता है। पिछली सरकार ने प्रदेश का पूरा सड़कों, पुलों का पैसा केवल पार्कों में पत्थरों में लगाया गया है। श्री अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को धन्यवाद देना

चाहता हूं और आपके माध्यम से मंत्री जी इटावा विधान सभा के लिए निम्न कार्यों को कराने का निवेदन करता हूं।

1-इटागांव के पास नदी का पुल निर्माण कार्य

2-पिलुआ महावीर के पास जमुना नदी पर पुल का निर्माण

3-इटावा रामनगर रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज का निर्माण

4-ग्राम उदी से खटाखटा बाबा तक सड़क का निर्माण कार्य

5-जसवन्तनगर विधान सभा में बलरई धौलपुर मार्ग से नागरी तक रोड का निर्माण।

मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से निम्न कार्य कराने का निवेदन करता हूं।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री ओम प्रकाश वर्मा-

मा0 अध्यक्ष महोदय,

विधान सभा उ0 प्र0 सरकार, लखनऊ।

महोदय,

कृपया सादर आपको अवगत कराना है कि शिकोहाबाद विधान सभा में निम्न प्रस्ताव हैं :-

(1) फिरोजाबाद शंकरपुर फतेहाबाद मार्ग का चौड़ीकरण कराने का सादर अनुरोध करता हूं।

(2) कैजरा में हिरन गांव तक सड़क चौड़ीकरण कराने का सादर अनुरोध करता हूं।

(3) फिरोजाबाद बाजार में बड़े बाजार सड़क का मरम्मत कार्य कराने का सादर अनुरोध करता हूं।

(4) हरिया बलाई घाट पर पुल बनवाने का सादर अनुरोध करता हूं।

(5) शिकोहाबाद में मैनपुरी मार्ग का मरम्मत कार्य का सादर अनुरोध करता हूं।

श्री गुलाब चन्द-

मा0 अध्यक्ष जी,

विधान सभा,

उ0 प्र0, लखनऊ।

मान्यवर,

सादर अवगत कराना है कि मेरा विधान सभा क्षेत्र 372 केराकत प्रदेश की सबसे दूसरी बड़ी विधान सभा है। मेरी विधान सभा क्षेत्र के बीचो-बीच गोमती नदी निकल कर जाती है। मेरा विधान सभा क्षेत्र गोमती नदी के दोनों तरफ होने के कारण तहसील ब्लाक अस्पताल एवं कालेज आने-जाने में काफी दूरी तय करनी पड़ती है। गोमती नदी पर सरउज बड़ेवर-भितरी घाट पर पान्टून पुल (पीपा पुल)

लग जाने से क्षेत्र के ग्राम भितरी गोपालपुर, बहेड़ा आदि दर्जनों ग्राम सभाओं के लोगों को दूरी कम हो जायेगी साथ ही साथ सरकार की आय में वृद्धि होगी। मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मा0 लोक निर्माण मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा में सरउजबड़ेवर भितरी घाट पर पान्टून पीपा पुल लगाने हेतु आदेश देने की कृपा करें। मा0 लो0 नि0 मंत्री जी द्वारा वर्ष 2013-2014 का बजट का पुरजोर समर्थन करता हूं।

धन्यवाद।

श्री गोरख पासवान-

महोदय,

मेरे विधान सभा बेल्थरा रोड में तुर्ती पार पुल जो बाढ़ विभाग से रेगुलेटर के रूप में बना था जो इस समय टूट गया है और पुल बलिया और देवरिया को जोड़ता है। लोक निर्माण विभाग द्वारा आज तक अपना निजी पुल नहीं बना है। जिससे आवागन ठप्प हो गया है।

अतः आपके माध्यम से माननीय लोक निर्माण मंत्री जी मांग करता हूं कि तुर्ती पार पुलिया का निर्माण कराया जाय।

श्री उमाशंकर-

मान्यवर, आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि आखिर पूर्वांचल के साथ भेदभाव क्यों ? मा0 पूर्वांचल के विकास के लिए पूर्वांचल विकास निधि योजना बनाई गई है। लेकिन आप देख लेवें कि जो बजट व्यवस्था पूर्वांचल विकास निधि में 2011-12 में किया गया वही बजट फिर 2012-13 में जबकि इस बार बजट में 18% की बढ़ोत्तरी हुई फिर भी पुराना बजट फिर इस बार 2013-14 के बजट में भी पूर्वांचल के लिए वही बजट जबकि इस बार 10.5% की वृद्धि हुई है आखिर हम पूर्वांचल के साथ भेदभाव क्यों ? पूर्वांचल का बजट बढ़ाया जाना चाहिए। मान्यवर, आपके माध्यम से यह भी अवगत कराना चाहेंगे कि लखनऊ, वाराणसी मार्ग इतना जर्जर हो गया है कि लोगों को चलना मुस्किल हो गया। मान्यवर, यह भी बताना चाहेंगे कि जितनी स्वीकृतियां 2012-13 में जारी हुईं उसे समय से पूर्ण करने के लिए जितना बजट व्यवस्था की गई है उतने में पूरी नहीं होगी। इसमें बजट बढ़ोत्तरी की आवश्यकता है। साथ ही जो पुराने कार्य चल रहे हैं उस पर धन अवमुक्त करें जिससे उन कार्यों को पूर्ण करके जनता को समर्पित किया जाय।

श्री देवेन्द्र अग्रवाल-

मा0 अध्यक्ष जी मैं आपको बधाई देता हूं कि आपने मुझे पी0डब्लू0डी0 के बजट प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने का समय दिया। आपको धन्यवाद। मैं अपने लोक निर्माण मा0 मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। बधाई देता हूं। उन्होंने बहुत तेजी से सड़क बनवाने का कार्य किया है तथा 250 से 500 की आबादी को जोड़ने का मार्गों से जो बजट किया है। मैं बधाई देना चाहता हूं। पी0डब्लू0डी0 मा0 मंत्री जी को उन्होंने मेरे क्षेत्र में कुछ सड़कें दी हैं। लेकिन मेरी विधान सभा बहुत पहले से खराब पड़ी है तथा मेरी विधान सभा में 600 ग्राम लगभग आते हैं। मैं मा0 मंत्री से अनुरोध करना चाहता हूं कि मेरे यहां गांव देवा का नगला है। वहां पर पुल बनना आवश्यक योजना है तथा मेरे विधान सभा में चार सड़क हैं।

(1) सादाबाद से मथुरा रोड=15 कि0मी0

(2) सादाबाद से मुरसान रोड=16 कि0मी0

(3) सादाबाद से दाया रोड=16 कि0मी0

(4) सादाबाद से जलेसर रोड=17 कि0मी0

मा0 मंत्री जी मेरी सड़क बनाने की कृपा करें। मैं और मेरी जनता आपकी आभारी रहेगी।

श्री बावन सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी मैं जनपद चन्दौली विधान सभा क्षेत्र मुगलसराय के अन्तर्गत रोड की हालत बहुत जर्जर है। मा0 अध्यक्ष जी पड़ाव से होते हुए सकुराबाद होते हुए भोपौली मार्ग तक रोड का लेपन का कार्य कराया जाए।

(2) आलुमीरू चौराहे से लंका मार्ग जो ग्राम सभा तिन्दवारी से होते हुए शिवनाथपुर रेलवे स्टेशन तक बनाया जाय।

(3) चन्दौली से बबुरी मार्ग बनाया जाय।

(4) मुगलसराय वी0आई0पी0 गेट से छित्तमपुर से होते हुए लंका मार्ग तक।

(5) मुगलसराय भाली महाल से ग्राम सभा शहजौर तक खराब पड़े मार्ग को डामरीकरण कराया जाय।

(6) दुलहीपुर से जी0टी0 रोड से होते हुए व्यासपुर होते हुए ग्राम सभा नाथुर होते हुए राम नगर रोड तक रोड का डामरीकरण कराया जाय।

(7) चकिया रोड से रेवा गांव होते हुए कटौरी गांव से होते हुए ग्राम सभा छपरी तक लेपन का कार्य कराने का कष्ट करें। मान्यवर, इसे कार्यवाही में जोड़ दिया जाय ये मेरा वक्तव्य ही माना जाय।

श्री सन्त प्रसाद-

मा0 अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से मांग करता हूं कि गोरखपुर से सिकरीगंज मार्ग विस्तार के लिये स्वीकृत है पिछले वर्ष से ही उसे उजाड़ कर छोड़ दिया गया है। उसे तत्काल बनवाने की मांग करता हूं। खजनी विधान सभा की कुवानों नदी के वनकटा घाट पर पुल की आवश्यकता है उस घाट पर पुल बनाने की मंत्री जी से मांग करता हूं खजनी विधान सभा में खजनी से माल्हनपार उरूवां सड़क गड्ढों में तब्दील है उसकी तत्काल मरम्मत करायी जाये। महादेवा माल्हान पार सड़क को तत्काल चौड़ीकरण कराया जाये खजुरी बड़हरा कच्चा मार्ग का तत्काल निर्माण कराया जाये। पचुरी कच्चा मार्ग का निर्माण भेलाभार भलुवा होते हुए कराया जाये। खजनी रामपुर कच्चा मार्ग की तत्काल मरम्मत करायी जाये।

श्री मो0 रिजवान-

महोदय,

माननीय अध्यक्ष जी आपकी अनुमति से लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा वर्ष 2013-14 के बजट के समर्थन में बोलने का मौका दिया। मैं उसके लिये धन्यवाद देता हूं।

मान्यवर, लोक निर्माण मंत्री जी द्वारा पूरे प्रदेश में सड़कों की मरम्मत का सराहनीय काम हुआ है मेरे क्षेत्र में 16 सड़कों की मरम्मत के लिये 4.00 करोड़ रुपया दिया गया है, मुरादाबाद-संभल मार्ग का चौड़ीकरण हो रहा है पाकवड़ डींगरपुर मार्ग का चौड़ीकरण व मरम्मत कार्य स्वीकृत हो गया है बाढ़ क्षेत्र में नाजूरपुर-वीरपुर परियार उर्फ खरक से रोडा मार्ग पर रपटों व पिचिंग का कार्य पूरा कराया जा रहा है। बाढ़ के क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत हेतु 3.00 करोड़ रुपया दिया जा चुका है। दलपतपुर अलीगंज मार्ग 11 कि0मी0 की मरम्मत का 4.00 करोड़ रुपया अवमुक्त किया जा चुका है। जैतवाड़ा पुल पर दोनों ओर की सड़कें बन रही हैं बाढ़ क्षेत्र के ग्राम हृदयपुर वि0 खण्ड मूढा पाले में 67.00 लाख का पिचिंग का प्रस्ताव स्वीकृत किया जाये। रझेड़ा नदी पर ग्राम दौलरा से वीरपुर नरियार उर्फ फरक पर पुल का प्रस्ताव जा चुका है। स्वीकृति प्रदान की जाये। गांगन नदी पर जैतिया सादुल्ला ग्राम से पुल का प्रस्ताव स्वीकृत किया जा चुका है। पीतल बस्ती से खरकपुर नाजे से रोडा से मनकरा होते हुए मूढा पौडे तक का चौड़ीकरण जिसकी लागत 66.00 करोड़ है। प्रस्ताव स्वीकृत किया जाये।

पी0एस0यू0पी0-एल0 49 विधान सभा (108)-19-07-2013-813 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।